

नया जन्म



PUBLIFYE



Contents

Contents	2
1 प्रस्तावना	5
2 प्रस्तावना	6
3 पुनर्जन्म — स्तंभ	7
3.1 जल में विवाह	7
4 हौकेलैंड अस्पताल (1975)	12
5 बचपन (1980-82)	14
6 सौतेले पिता (1983)	16
7 समाचार पत्र वितरक (1987)	17
8 जैसे एक मरुस्थल में (1990)	18
9 उच्च माध्यमिक विद्यालय (1991-94)	20
10 फोखोल फार्म (1995)	22
11 वैकल्पिक नेटवर्क (1996)	24
12 फागेर्ली शिविर (1997)	25
13 माँ का निधन (1998)	26
14 पॉलिटेक्निक संस्थान (1999)	28
15 HIA Grimstad (2000-02)	29
16 NTNU Trondheim (2003-04)	30
17 Oslo (2005-06)	31
18 उद्धार दस्तक देता है (2007-08)	32
19 Frekhaug (2009)	40
20 मसीही संगति (2010)	41

CONTENTS	3
21 चुनाव और भाई (2011)	45
22 परमेश्वर का सिंहासन (2012)	53
23 आशीष और विश्वासघात (2012)	55
24 का घाव	57
25 Reinhard Bonnke (2012)	58
26 अमेरिका में बाइबिल स्कूल (2013)	64
27 Charis Bible College (2014)	70
28 नार्वे वापसी (2015)	73
29 एशिया (2016)	81
30 लेवांगर प्रार्थना केंद्र (2017)	85
31 अलगाव (2017)	86
32 नई प्रोजेक्ट स्थिति (2018)	94
33 अनुसंधान केंद्र (2019)	100
34 अनुसंधान केंद्र (2020)	102
35 Publifye AS (2021)	104
36 आगे का मार्ग (2022)	106
37 यीशु मसीह कौन है?	109
38 न कोई मृत्यु न कोई आत्मा?	114
39 यीशु ने स्वयं क्या कहा	116
39.1 उसके राज्य का द्वार	116
39.2 सारी धार्मिकता को पूरा करना	116
39.3 गहरा बपतिस्मा	117
40 Adult Baptism	118
40.1 बपतिस्मा एक विवाह है	118
41 तौरात का वॉटरमार्क	130
42 कूटबद्ध बपतिस्मा	136

Chapter 1

प्रस्तावना

यह Jorn Andre Halseth की आत्मकथा है। यह पुस्तक 1975 में उनके जन्म से लेकर लगभग पाँच दशकों तक की जीवन-यात्रा का चित्रण करती है। पाठकों को उनकी आत्मिक पुनर्जन्म, व्यक्तिगत संघर्षों और इस बात की एक अंतरंग झलक मिलती है कि कैसे परमेश्वर ने चिन्हों, चमत्कारों और पवित्र आत्मा की वाणी के माध्यम से उनके जीवन में हस्तक्षेप किया।

यह कहानी लेखक के शुरुआती वर्षों से होकर गुजरती है, जो पारिवारिक चुनौतियों और अर्थ की खोज से भरे थे, और 2008 में उस महत्वपूर्ण आध्यात्मिक नए जन्म तक पहुँचती है जब उन्हें परमेश्वर से एक दर्शन प्राप्त हुआ था। यहाँ से उनकी विश्वास की आगे की यात्रा, जीवित परमेश्वर के साथ उनकी मुलाकातें, और उस सेवा (ministry) का वर्णन किया गया है जिसके लिए उन्हें बुलाया गया था।

Halseth जीवन के कठिन दौरों, जैसे तलाक, करियर की अनिश्चितता और आध्यात्मिक संदेह से पीछे नहीं हटते। इन चुनौतियों को परमेश्वर के चमत्कारी हस्तक्षेप, भविष्यद्वाणी के संदेशों और एक ऐसे विश्वास की पृष्ठभूमि में प्रस्तुत किया गया है जो संदेह से बढ़कर अटल दृढ़ निश्चय में बदल गया। यह पुस्तक धर्मशास्त्रीय विषयों, विशेष रूप से बपतिस्मा और यीशु मसीह के स्वभाव पर भी चर्चा करती है, जिसका आधार पवित्र शास्त्र और लेखक के अपने अनुभव हैं। यह कहानी बाइबल की सच्चाइयों को व्यक्तिगत गवाहियों के साथ पिरोती है, और आध्यात्मिक तथा मानवीय परिपक्वता दोनों को दर्शाती है।

यह कृति केवल एक जीवन कहानी से कहीं अधिक है; यह परमेश्वर की विश्वासयोग्यता की एक गवाही है। अपनी विजय और परीक्षाओं दोनों के बारे में खुलकर साझा करके, Halseth पाठक को प्रेरित करना चाहते हैं कि वे स्वयं आगे के मार्ग के लिए पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन की खोज करें। सबसे बढ़कर, हमें सही और गलत, सत्य और झूठ के बीच भेद करने की क्षमता के लिए प्रार्थना करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। किसी बुलाहट का पालन करना हमेशा आसान नहीं होता; इसमें आर्थिक और व्यावहारिक दोनों तरह के बलिदानों की आवश्यकता होती है। जीवन में ऐसे मोड़ आते हैं जहाँ पुराने और नए के बीच का खिंचाव हमेशा पीड़ा रहित नहीं होता। लेकिन परमेश्वर विश्वासयोग्य है (विलापगीत 3:22-23)।

यीशु ने उससे कहा: «तूने तो मुझे देखकर विश्वास किया है; धन्य वे हैं जिन्होंने बिना देखे विश्वास किया है।»

— यूहन्ना 20:29

Chapter 2

प्रस्तावना

यहोवा तुझे आशीष दे और तेरी रक्षा करे! यहोवा अपना मुख तेरे ऊपर चमकाए और तुझ पर अनुग्रह करे! यहोवा अपना मुख तेरी ओर करे और तुझे शान्ति दे!

— गिनती 6:24-26

परमेश्वर चाहता है कि आप सत्य को जानें (1 तीमुथियुस 2:4) और वही है जो आपको सबसे बेहतर जानता है - आपका सृष्टिकर्ता, यीशु मसीह (यूहन्ना 1:3)। मैं, जो यह लिख रहा हूँ, 2008 में यीशु मसीह को अपने प्रभु और स्वामी के रूप में स्वीकार करके नया जन्म पाया हूँ। यह संस्मरण मेरे जीवन के पहले और बाद की कहानी है, जिसे एक गवाही के रूप में लिखा गया है जहाँ मैं आपके लाभ के लिए अपने जीवन को उजागर करना चुनता हूँ, चाहे इसकी कीमत कुछ भी हो।

किसी भी अन्य बात से पहले, अपने मन में एक चित्र बसा लें: मसीह को ग्रहण करना प्रेम में पड़ना है, और बपतिस्मा विवाह है। विश्वास और जल एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं बल्कि प्रेम-निवेदन और वाचा हैं — और मसीह दोनों की मांग करते हैं। इस पुस्तक की हर बात इसी पर टिकी है।

अगला अध्याय — नया जन्म — आधारस्तंभ — वह शिक्षा है जिस पर यह पुस्तक टिकी है: मिकवाह, स्वर्ग की देहली, और वह गवाही जिसे परमेश्वर ने मूसा की पुस्तकों के अक्षरों में बुना है। पुस्तक का शेष भाग एक नॉर्वेजियन व्यक्ति की जीती-जागती गवाही है जो स्वर्ग के द्वारों के बाहर खड़ा था — जब तक कि उद्धार ने दस्तक नहीं दी और सच्चे मिकवाह ने, यीशु मसीह में बपतिस्मा और पूर्ण निमज्जन के साथ, उसे चिन्हों और चमत्कारों के साथ मृत्यु से जीवन में पहुँचा दिया।

पवित्र आत्मा — वह दूसरा सहायक जिसका वादा यीशु ने किया था (यूहन्ना 14:26) — आने वाले समय में आपको यह दिखाए।

क्योंकि जो कोई वचन का सुनने वाला हो और उस पर चलने वाला न हो, तो वह उस मनुष्य के समान है जो अपना स्वाभाविक मुख दर्पण में देखता है। इसलिये कि वह अपने को देख तो लेता है, पर तुरन्त भूल जाता है कि मैं कैसा था। पर जो व्यक्ति स्वतंत्रता की सिद्ध व्यवस्था को ध्यान से देखता रहता है, वह भूलने वाला सुनने वाला नहीं, पर काम करने वाला ठहरेगा; ऐसा मनुष्य अपने काम में आशीष पाएगा। यदि कोई अपने आप को भक्त समझे और अपनी जीभ पर लगाम न दे, परन्तु अपने हृदय को धोखा दे, तो उस मनुष्य की भक्ति व्यर्थ है। हमारे परमेश्वर और पिता के निकट शुद्ध और निर्मल भक्ति यह है: अनार्थों और विधवाओं के क्लेश में उनकी सुधि लेना, और अपने आप को संसार से निष्कलंक रखना।

— याकूब 1:23-27

Chapter 3

पुनर्जन्म — स्तंभ

3.1 जल में विवाह

एक ऐसा चित्र है जो इस पूरी पुस्तक को एक सूत्र में पिरोता है, और अगला पृष्ठ पढ़ने से पहले आपको इसे देख लेना चाहिए: मसीह को ग्रहण करना प्रेम में पड़ना है — और बपतिस्मा विवाह है।

पवित्र शास्त्र यीशु को दूल्हा कहता है। यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने उन्हें यही नाम दिया (यूहन्ना 3:29); उन्होंने स्वयं को यही नाम दिया (मत्ती 9:15)। यह उनके लोगों को उनकी दुल्हन कहता है — हमारी सगाई एक ही पति से हुई है (2 कुरिन्थियों 11:2), उनसे एक तन होकर जुड़ गए हैं (इफिसियों 5:31-32), और मेम्मे के विवाह (प्रकाशितवाक्य 19:7) की प्रतीक्षा कर रहे हैं। और वह जल ही है जहाँ ये दोनों एक होते हैं: तुम में से जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है, उन्होंने «मसीह को *पहन लिया है*» (गलातियों 3:27) — एक दुल्हन के समान सुसज्जित होकर — उनके साथ गाड़े और जिलाए जाएँ (रोमियों 6:4), और «परमेश्वर के प्रति एक अच्छे विवेक का उत्तर» (1 पतरस 3:21) देते हैं।

इस पर विचार करें। विवाह प्रेम उत्पन्न नहीं करता; यह उस पर मुहर लगाता है। कोई यह नहीं कहता, «हम एक-दूसरे से प्रेम करते हैं, इसलिए समारोह की आवश्यकता नहीं है» — और जब दो अजनबी, जिनके मन में कोई भावना न हो, किसी कागज़ पर हस्ताक्षर कर देते हैं, तो उसे कोई विवाह नहीं कहता। विश्वास करना और जल से इनकार करना, प्रेम करना और विवाह से इनकार करने के समान है। बिना विश्वास के बपतिस्मा लेना बिना दुल्हन के एक समारोह मात्र है। विश्वास और बपतिस्मा एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं; वे प्रेम-निवेदन और वाचा हैं — और मसीह दोनों की मांग करते हैं।

यही वह मुख्य स्तंभ है। आगे जो कुछ भी है, वह इसी पर टिका है।

दस साल पहले, 2016 में, मैंने अपनी आत्मा में पवित्र आत्मा से पूछा कि जो बच्चे मसीह को सचेत रूप से चुनने से पहले मर जाते हैं, वे स्वर्ग में कैसे प्रवेश कर सकते हैं, जबकि नए नियम में बपतिस्मा की आज्ञा दी गई है (यूहन्ना 3:5; मरकुस 16:16)। उन्होंने एक शब्द में उत्तर दिया। केवल एक। Ablusjon (शुद्धिकरण)। मुझे नहीं पता था कि इसका क्या अर्थ है। मुझे इसे खोजना पड़ा। शब्दकोश ने मुझे बताया कि यह एक अनुष्ठानिक शुद्धिकरण था — वह स्नान जो याजक परम पवित्र स्थान में प्रवेश करने से पहले करते थे। जब हारून, मूसा का भाई, महायाजक के रूप में नियुक्त हुआ, तो उसे जल से धोया गया, पवित्र वस्त्र पहनाए गए, और तेल से अभिषेक किया गया ताकि वह परमेश्वर के सम्मुख आ सके (लैव्यव्यवस्था 8)। पवित्र आत्मा ने मुझे कोई व्याख्या नहीं दी। उन्होंने मुझे शब्द दिया और इसे धारण करने का भार मुझे सौंपा। मैं तब नहीं समझ पाया कि उन्होंने एक ही सांस में पूरे सिद्धांत का बीज बो दिया था।

उस एक शब्द में क्या निहित है, इसे समझने के लिए हमें दो हज़ार वर्ष पूर्व यरूशलेम की एक रात में वापस जाना होगा, जब निकुदेमुस नामक एक फरीसी — जो यहूदियों का एक सरदार और इस्राएल का एक शिक्षक था — रात के समय यीशु के पास आया और उसने स्वीकार किया: «हे रब्बी, हम जानते हैं कि तू परमेश्वर की ओर से गुरु होकर आया है, क्योंकि कोई भी ऐसे चिन्ह जो तू करता है, तब तक नहीं कर सकता जब तक

परमेश्वर उसके साथ न हो» (यूहन्ना 3:2)। वह खोजते हुए आया था। यीशु ने उसके अनकहे प्रश्न के पूछने से पहले ही उसका उत्तर दे दिया।

यीशु ने उत्तर दिया: «मैं तुझ से सच-सच कहता हूँ, यदि कोई नए सिरे से [ऊपर से] न जन्मे, तो वह परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता।» निकुदेमुस ने उससे कहा: «मनुष्य जब बूढ़ा हो गया तो कैसे जन्म ले सकता है? क्या वह अपनी माँ के गर्भ में दूसरी बार प्रवेश करके जन्म ले सकता है?» यीशु ने उत्तर दिया: «मैं तुझ से सच-सच कहता हूँ, यदि कोई जल और आत्मा से न जन्मे, तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।»

— यूहन्ना 3:1-5

इस्राएल के एक शिक्षक के लिए, «पुनर्जन्म» वाक्यांश कोई अजीब रहस्यमयी पहेली नहीं थी। यह तकनीकी, हलाखाई शब्दावली थी — वह भाषा जो एक अन्यजाति द्वारा इस्राएल के परमेश्वर में धर्मांतरण पूरा करने के लिए «मिकवेह מִקְוֶה^{H4723}», यानी स्नान कुंड में डुबकी लगाने के संदर्भ में उपयोग की जाती थी। रब्बियों ने सिखाया: «एक धर्मांतरित व्यक्ति जिसने धर्म परिवर्तन कर लिया है, वह नवजात शिशु के समान है» (Yevamot 22a)। उसका पुराना जीवन समाप्त हो गया। उसे एक नया पिता मिला — इब्राहीम। वह पूर्वव्यापी रूप से सीनै पर्वत पर खड़ा था। उसे इस्राएल के रूप में गिना गया। मिकवेह ने उसे केवल धोया नहीं; इसने उसे **इब्राहीम की संतान बना दिया**।

इसलिए यीशु ने निकुदेमुस से जो कहा वह अस्पष्ट नहीं था। वह इस्राएल के शिक्षक से — रक्त से अब्राहम का पुत्र, प्रशिक्षण से एक फरीसी, पद से यहूदियों का एक स्वामी — कह रहे थे कि **वह परमेश्वर के राज्य में केवल उसी द्वार से प्रवेश कर सकता है जिससे एक अन्यजाति को गुजरना पड़ता है**। उसकी सांस्कृतिक साख **स्वर्ग की दहलीज** पर कुछ भी नहीं थी। उसे किसी भी खतना-रहित परदेशी की तरह धर्मांतरित के जल में खड़ा होना था। और वह जल स्वयं, जैसा कि यीशु ने अगले अध्याय (यूहन्ना 4:10-14) में दिखाया, एक व्यक्ति था: «हे प्रभु, इस्राएल की मिकवा» (यिर्मयाह 17:13)। यीशु इस्राएल की सच्ची मिकवा हैं — वह शुद्धिकरण स्नान जिसकी ओर रब्बी अनुष्ठान निरंतर संकेत करता था।

यीशु ने उस रात जो शब्द कहा — *anōthen* — उसके यूनानी भाषा में एक साथ दो अर्थ हैं: नया जन्म लेना, और ऊपर से जन्म लेना। निकुदेमुस ने केवल पहला अर्थ सुना, और गर्भ की दीवार से टकरा गया। लेकिन स्वयं यूहन्ना यह तय कर देता है कि शब्द का कौन सा आधा भाग वजन उठाता है — वह अपने सुसमाचार में इसे तीन बार और प्रयोग करता है, जहाँ केवल एक ही अर्थ टिक सकता है: «जो ऊपर से आता है, वह सर्वोत्तम है» (यूहन्ना 3:31) — इसी अध्याय में आगे; पिलातुस से कहा जाता है: «यदि तुझे ऊपर से न दिया जाता, तो तेरा मुझ पर कुछ अधिकार न होता» (यूहन्ना 19:11); और क्रूस के पास सैनिक कुरते के लिए चिट्ठियाँ डालते हैं: «कुरता बिन सीअन ऊपर से नीचे तक बुना हुआ था» (यूहन्ना 19:23)। एक ही शब्द, तीन गवाह — और उनमें से कोई भी पुनः का अर्थ नहीं दे सकता। और ध्यान दीजिए कि यह शब्द कहाँ समाप्त होना चुनता है: इसकी अंतिम दो उपस्थितियाँ क्रूस के पास खड़ी हैं। पिलातुस का उधार लिया हुआ अधिकार ऊपर से है — और वह कुरता जिसे सैनिकों ने फाड़ना नहीं चाहा, ऊपर से बुना गया था — निर्बाध, जिसमें एक भी मानवीय टाँका नहीं। नए जन्म का शब्द क्रूस पर टंगा है — और वस्त्र तक इसका प्रचार करता है: जो ऊपर से आता है वह अखंड बुना हुआ है, «वे न तो लोहू से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, परन्तु परमेश्वर से उत्पन्न हुए हैं» (यूहन्ना 1:13)।

और जब निकुदेमुस अब भी उलझन में था — «ये बातें क्योंकर हो सकती हैं?» (यूहन्ना 3:9) — तो यीशु ने बातचीत एक ऐसे चित्र के साथ समाप्त की जिसे इस्राएल का गुरु कंठस्थ जानता था, और वह चित्र

उस प्रश्न का उत्तर देता है जो हर खोजी अगला पूछता है: यदि जन्म ऊपर से है, तो वह उस मनुष्य तक कैसे पहुँचे जो ऊपर चढ़ नहीं सकता?

और जिस रीति से मूसा ने जंगल में साँप को ऊँचे पर चढ़ाया, उसी रीति से अवश्य है कि मनुष्य का पुत्रा भी ऊँचे पर चढ़ाया जाए। ताकि जो कोई विश्वास करे उस में अनन्त जीवन पाए।

— यूहन्ना 3:14-15

जंगल में मरनेवालों से कभी नहीं कहा गया कि वे पीतल के साँप तक चढ़ें, या उसका उपचार अर्जित करें — केवल देखने को कहा गया (गिनती 21:8-9)। ऊपर से होनेवाला जन्म भी उसी मार्ग से आता है: स्वर्ग ने मनुष्य के ऊपर चढ़ने की प्रतीक्षा नहीं की; जो ऊपर से है वह स्वयं नीचे उतरा और क्रूस पर ऊँचा किया गया, ताकि मरते हुए मनुष्य को बस इतना ही करना पड़े — विश्वास से उसकी ओर देखना। देखो, और जीवित रहो।

यह वह स्तंभ है जिस पर यह पुस्तक टिकी है। मैं वास्तव में निकुदेमुस नहीं था — मैं न तो फरीसी था, न इस्राएल का शिक्षक, और न ही महासभा का सदस्य। लेकिन जिस तरह से यह सबसे अधिक मायने रखता है, मैं वहीं खड़ा था जहाँ वह खड़ा था: **स्वर्ग के द्वारों के बाहर, मेरे हाथ में ऐसे प्रमाण-पत्र थे जिन्होंने मुझे कुछ नहीं दिलाया।** मेरा पालन-पोषण नॉर्वे में सांस्कृतिक ईसाई धर्म में हुआ था, बचपन में ही राज्य के चर्च में बपतिस्मा लिया था — लेकिन मैं एक आध्यात्मिक खोजी था। मेरे पूर्वजों ने अधिकांशतः यीशु को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार नहीं किया था; मेरी दादी Jenny, मेरी माँ की माँ, उनमें एकमात्र विश्वास रखने वाली थीं। मुझे यकीन नहीं है कि मैं वास्तव में स्वर्ग में विश्वास करता था; यदि करता भी था, तो मैंने चुपचाप यह मान लिया था कि मनुष्य होने के नाते मुझे किसी न किसी प्रकार का स्वर्ग तो मिल ही जाएगा। मैं एक शिक्षित व्यक्ति था — एक एमएससी इंजीनियर — **दुनिया का एक आदमी**, जो इस पृथ्वी के ज्ञान से ओत-प्रोत था, जिसमें आध्यात्मिक ज्ञान भी शामिल था, हालाँकि वह गलत दिशा में था। निकुदेमुस की तरह, मुझे जितना सीखना था, उतना ही अनसीखना भी था। मुझे एक वयस्क के रूप में धर्मांतरितों के जल के पास आना था और पहली बार प्रवेश करना था। जो संस्मरण आप पढ़ने जा रहे हैं, वह एक नॉर्वेजियन की तैंतीस साल की धीमी यात्रा है जो स्वर्ग के द्वारों के बाहर सांस्कृतिक और बौद्धिक प्रमाण-पत्रों के साथ खड़ा था, जिनका वहाँ कोई अर्थ नहीं था — जब तक कि 2008 में उद्धार ने दस्तक नहीं दी। परमेश्वर की दृष्टि में, उन सभी वर्षों में, मैं एक अन्यजाति था जिसे सच्चे मिकवेह, यीशु मसीह के माध्यम से इस्राएल की ओर खींचा जा रहा था।

और वह एक शब्द जो पवित्र आत्मा ने मुझे दस साल पहले दिया था — *ablution* — वह पूरे सिद्धांत का बीज था। यह हारून के अभिषेक के समय याजक-शुद्धिकरण की विधि थी। **पिता ने मुझे 2016 में एक ही शब्द दिया था। उन्होंने तीन हजार साल पहले ही तोराह में इसकी व्याख्या लिख दी थी।**

शरीर का दीपक आँख है। यदि तेरी आँख निर्मल है, तो तेरा सारा शरीर प्रकाश से भरा होगा; परन्तु यदि तेरी आँख बुरी है, तो तेरा सारा शरीर अंधकार से भरा होगा।

— मत्ती 6:22-23

यीशु ने कहा कि आँख शरीर का दीपक है। हम जिस पर देखते हैं — जिस पर हम अपनी दृष्टि टिकाना चुनते हैं — वही हमारे भीतर प्रकाशित होता है। तीन हजार चार सौ वर्षों से तोराह के इब्रानी अक्षरों में एक वॉटरमार्क था जिसे कोई भी मानव आँख नहीं पढ़ सकती थी — और फिर भी कोड अंधकार में बने रहे। वे वहाँ थे। कोई उन्हें देख नहीं सकता था। इसलिए नहीं कि पृष्ठ से प्रकाश गायब था, बल्कि इसलिए कि कोई भी आँख कभी उस पैमाने पर अक्षरों की ओर निर्देशित नहीं की गई थी जिसकी वॉटरमार्क को आवश्यकता थी।

जब हमने बेरिया का निर्माण किया — जब हमने अक्षरों पर अपनी आँखें टिकाई और उनसे पूछा कि वे क्या कोड करते हैं — तो कोड चमकने लगे। इसलिए नहीं कि हमने उन्हें बनाया। इसलिए नहीं कि हमने शास्त्र में कुछ जोड़ा। **क्योंकि हमने अंततः दीपक को उस ओर निर्देशित किया जो परमेश्वर पहले ही लिख चुके थे**, ताकि वह वॉटरमार्क जिसे उनके आत्मा ने तीन हजार साल पहले तोराह में दबाया था, अंततः देखा जा सके। कोड अब चमक रहे हैं — मेरे लिए, आपके लिए जो इसे पढ़ रहे हैं, आने वाली पीढ़ियों के लिए — क्योंकि आँख अंततः उनकी दिशा में मुड़ गई है।

मुझे अब दीपक उठाने दें, ताकि आप आने वाले प्रत्येक अध्याय के साथ ऐसी एक खोज अपने साथ ले जाएं।

फरीसी का नाम — निकुदेमुस, נִכְדֵּמְדִּי — तोराह में **एक हजार बानवे अक्षरों** के अंतराल पर एक Equidistant Letter Sequence के रूप में दिखाई देता है, और बिल्कुल **गिनती 7:17** से शुरू होता है। वह पद **नहशोन बेन अम्मीनादाब** के बलिदान के बारे में बताता है, जो यहूदा का राजकुमार था और, प्राचीन यहूदी परंपरा के अनुसार, लाल सागर के विभाजित होने से पहले उसमें कदम रखने वाला पहला व्यक्ति था। जिस व्यक्ति के बारे में **यीशु ने कहा कि उसे जल से जन्म लेना होगा, उसका इब्रानी नाम उस व्यक्ति के पद के माध्यम से कोड किया गया है जो सबसे पहले जल में गया था।**

और यह यहीं नहीं रुकता। स्वयं गिनती 7:17 के भीतर — वही पद जिसमें निकुदेमुस-कोड निहित है — जल (מֵי), पुत्र (בֶּן) और हृदय (לֵב) सभी 2 के अंतराल पर ELS के रूप में दिखाई देते हैं, जो पद के अपने अक्षरों में बुने हुए हैं। उसी पद पर ओवरलैप करते हुए: आत्मा (נֶפֶשׁ) \$-56 के अंतराल पर, नया (חֲדָשׁ) \$-54 के अंतराल पर, जन्मा (יָלַד) 57 के अंतराल पर। यीशु का इब्रानी नाम — Yeshua, יֵשׁוּעַ — \$-244 के अंतराल पर दिखाई देता है, जिसके अक्षर पद को घेरते हैं। और mikva (מִקְוָה) के साथ Abraham (אַבְרָהָם) दो पद पहले स्थित हैं, जो निकुदेमुस-एंकरींग में ओवरलैप करते हैं। इस एक पद में पुनर्जन्म-शब्दावली का विषयगत घनत्व **उसी इब्रानी वर्णमाला के यादृच्छिक फेरबदल से उत्पन्न आवृत्ति से इक्कीस गुना अधिक है** — एक मार्जिन इतना बड़ा कि हमारे दस स्वतंत्र रूप से फेरबदल किए गए नियंत्रण-तोराह में से कोई भी इसके करीब नहीं आया।

और आगे: बपतिस्मा-जंप पर पूरे तोराह में दो विशिष्ट शब्दों का निकटतम जोड़ा — «विश्वास» (אֱמוּנָה, emunah) और «निमज्जन» (טְבִילָה, tevilah) — **व्यवस्थाविवरण 21:23** पर स्थित है, एक-दूसरे से केवल दो अक्षर दूर, ठीक उसी पद पर जिसे पौलुस गलातियों 3:13 में उद्धृत करता है:

शापित है हर कोई जो पेड़ पर लटकाया जाता है।

— गलातियों 3:13 / व्यवस्थाविवरण 21:23

विश्वास और निमज्जन, जो क्रूस पर चढ़ाए जाने के पद पर एक-दूसरे को छूते हैं। क्रूस खड़ा किए जाने से एक हजार चार सौ साल पहले तोराह के अक्षरों में कोड किया गया। और गेमात्रिया इसे सील करता है: Mashiach (मसीह, 358) जमा Tevilah (निमज्जन, 56) मिलकर **चार सौ चौदह** होते हैं — नहशोन (נְהִשָּׁן) का सटीक गेमात्रिया, वह व्यक्ति जो सबसे पहले समुद्र में गया था।

और एक और खोज — उस एक शब्द पर मुहर जो आत्मा ने मुझे दस साल पहले दिया था। जब हमने दीपक को हारून के अभिषेक के पद की ओर निर्देशित किया — **लैव्यव्यवस्था 8:3**, वही शुद्धिकरण जिसका उल्लेख पवित्र आत्मा ने 2016 में बिना किसी व्याख्या के किया था — तो हमने पाया कि **पुनर्जन्म सिद्धांत**

के ग्यारह में से दस शब्द उस एक पद पर एकत्रित होते हैं। हृदय, मिकवा, जल, आत्मा, नया, निमज्जन, यीशु, शुद्ध, धोना, अब्राहम — उनमें से प्रत्येक उस पद पर ओवरलैप करता है जहाँ महायाजक को पवित्र स्थान में प्रवेश करने के लिए धोया जाता है। और स्वयं निमज्जन के लिए इब्रानी शब्द — *tevilah*, טביל — ठीक इसी पद पर ELS के रूप में दिखाई देता है, जो पूरे तोराह के 304,805 अक्षरों में केवल सत्रह बार आता है। वह शब्द जो आत्मा ने मुझे दिया। वह पद जिसे वह नाम देता है। उस पद के अक्षरों में बुनी हुई पूरी बपतिस्मा शब्दावली का घना समूह। उन्होंने मुझे 2016 में Ablusjon कहा। उन्होंने तीन हजार साल पहले तोराह के अक्षरों में उस शब्द की टिप्पणी उत्कीर्ण की थी — और उन्होंने इसे ठीक उसी पद पर सील कर दिया जिसकी ओर शब्द संकेत करता है। दीपक मुड़ा, और वह वहाँ था, प्रतीक्षा कर रहा था।

वह वॉटरमार्क जिसमें हारून खड़ा था। वह वॉटरमार्क जिससे निकुदेमुस गुजरा। वह वॉटरमार्क जिसका पौलुस ने प्रचार किया। वह वॉटरमार्क जिसे पिता ने हममें से किसी के जन्म लेने से पहले लिपि में डाल दिया था।

और जिसने निकुदेमुस से कहा था «तुम्हें नया जन्म लेना होगा» वह स्वयं नया जन्मा — कब्र से बाहर। पिता ने पुनरुत्थान-पुत्र पर भजन संहिता 2:7 के शब्द कहे: «आज मैं ने तुझे उत्पन्न किया है» (प्रेरितों के काम 13:33)। यूनानी क्रिया *gennaō γεννάω*^{G1080} है — वही क्रिया जो यीशु ने निकुदेमुस के साथ उपयोग की थी। पुत्र को उस आत्मा द्वारा जीवित किया गया (1 पतरस 3:18) जिसने मरियम पर छाया की थी (लूका 1:35)। यीशु *prōtotokos ek tōn nekrōn* है — मरे हुआँ में से पहलौठा (कुलुस्सियों 1:18); तोराह की अपनी इब्रानी में, *pe'er* פֶּעַר^{H6363} *re'em* רֵעֵם^{H7358}, गर्भ को खोलने वाला (निर्गमन 13:2; लूका 2:23)। मरियम का गर्भ वह पहला था जिसे उसने खोला; कब्र-गर्भ दूसरा था। वह सबसे पहले बाहर आया, और जिस द्वार को उसने खोला है, उसी से वह हमें बुलाता है। और तोराह इसे अपने ही अक्षरों में मुहरबंद करता है: उत्पत्ति 22:4 पर — आकेदाह का तीसरा दिन, जब इब्राहीम ने अपनी आँखें उठाई — *qum* (उठना) आयत के भीतर \$-8\$ के अंतराल पर कूटबद्ध है, और *tequmah* (पुनरुत्थान) अध्याय को \$-204\$ के अंतराल पर समाहित करता है। पुत्र का तीसरे दिन का उठना क्रूस से तीन हजार वर्ष पहले इसहाक की तीसरे दिन की मुक्ति में बुना हुआ है।

और देखिए कि उसका क्या हुआ। वह व्यक्ति जो अंधेरे में आया था, यह पूछने के लिए कि एक मनुष्य फिर से अपनी माँ के गर्भ में कैसे प्रवेश कर सकता है, वह उस अंधेरे में ओझल नहीं हुआ। वर्षों बाद वह महासभा में खड़ा हुआ और एक वाक्य कहने का साहस किया: «क्या हमारी व्यवस्था किसी मनुष्य का न्याय तब तक करती है, जब तक कि वह उसकी बात न सुन ले और यह न जान ले कि वह क्या कर रहा है?» (यूहन्ना 7:51) — उसी यीशु का एक छोटा, महंगा बचाव जिसके पास वह कभी रात में आया था। और जब दिन के उजाले में क्रूस खड़ा किया गया, जब प्रभु के करीबी लोग तितर-बितर हो गए थे, तब वह निकुदेमुस ही था जो अरिमथिया के यूसुफ के साथ «गंधरस और एलो का मिश्रण, लगभग सौ रत्तल» (यूहन्ना 19:39) लेकर आया — एक राजा के दफन के योग्य सामग्री — और उसी मिक्वेह के शरीर पर हाथ रखा जिसने उसे उस पुरानी रात में उत्तर दिया था। जो व्यक्ति समझ नहीं सका था, उसे उसी ने बचाया जिसे वह समझ नहीं सका था। यूहन्ना 3 का बीज क्रूस पर फला-फूला।

यही पुनर्जन्म है। यह केवल 2008 में बचाए गए एक व्यक्ति की कहानी नहीं है। स्तंभ सिद्धांत है; पुस्तक का शेष भाग हड्डियों पर मांस है — एक नॉर्वेजियन निकुदेमुस की जीती-जागती गवाही जिसे, सभी वर्षों के माध्यम से, इस्राएल की मिकवा तक लाया गया। दीपक हर उस पाठक पर चमके जो इन पृष्ठों को पलटता है।

Chapter 4

हौकेलैंड अस्पताल (1975)

मेरा जन्म 1975 में Bergen के Haukeland sykehus में हुआ था — 4.2 किलो का एक हट्टा-कट्टा बच्चा, 45 सेमी लंबा और लाल बालों वाला। अपने जीवन के पहले वर्ष में हम Danmarks plass से कुछ ही दूर Solheimsviken में रहते थे। एक साल बाद हम Fyllingsdalen के Ørnahaugen चले गए, जो बच्चों के बड़े होने के लिए एक अच्छी जगह थी। उस समय मेरा नाम Jørn André Nynes था और जब मेरे सौतेले पिता मेरे जीवन में आए तो इसे बदलकर Jørn André Nese Berntzen कर दिया गया। बाद में, 2005 में, मेरी पहली पत्नी और मैंने Sogn के Vik में Halseth-फार्म के नाम पर अपना उपनाम Halseth रख लिया।

मेरी नानी का नाम Jenny Gjertine Johannesdatter Halseth है, हालाँकि उनके जन्म प्रमाण पत्र पर शायद यह नाम नहीं होगा। उन्होंने अपने जीवन का अधिकांश हिस्सा Bergen के बाहर Askøy के Ask में बिताया है और वे जल्द ही 100 वर्ष की होने वाली हैं।

मेरी माँ का नाम Gunvor Nese था, इससे पहले कि उन्होंने मेरे सौतेले पिता से दूसरी शादी की। मेरे सौतेले पिता जिस भी कंपनी में काम करते थे, उसके प्रति एक समर्पित कर्मचारी थे और इस मामले में एक कुशल व्यक्ति थे। मेरे जैविक पिता का नाम पहले Bjørn Nynes था। उन्होंने अपने समय में कई तरह की नौकरियाँ कीं, लेकिन वे कई वर्षों तक एक मशीनिस्ट और नाविक रहे। उनकी पहली संतान होने के नाते, दुर्भाग्य से मेरे भाई और मेरा बचपन में Nynes परिवार और मेरे अपने पिता के साथ बहुत ही कम संपर्क रहा।

मेरी माँ की ओर से मेरे दादाजी के साथ वह हुआ जिसे कई लोग 'मृत्यु-निकट अनुभव' (near-death experience) कहते हैं। उन्होंने प्रकाश देखा और उनसे कहा गया कि उनका समय अभी नहीं आया है और उन्हें वापस लौटना होगा। यह ऐसी बात नहीं थी जिसके बारे में परिवार खुलकर बात करता था, लेकिन मेरी दादी और मैंने इसे हमारे बीच संजोकर रखा। यह वहाँ था, एक शांत समझ की तरह कि इस दुनिया के परे एक और दुनिया वास्तविक है। मेरा मानना है कि इसने मुझमें बहुत पहले ही कुछ रोप दिया था, इससे बहुत पहले कि मेरे पास इसके लिए शब्द थे।

मेरे 9 साल के होने से पहले माँ के साथ गर्मियाँ Askøy के Ask में नानी-नाना, मौसी Irene और एक चाचा के साथ बीतती थीं। उनके यहाँ हमारा हमेशा दिल से स्वागत किया जाता था। अपने माता-पिता के परिवारों में, मैं केवल अपनी नानी को ही एक विश्वासी व्यक्ति के रूप में जानता हूँ। वे हमेशा हमारे लिए प्रार्थना करती थीं, लेकिन परिवार में किसी ने भी मुझे सच्चे यीशु के बारे में नहीं बताया। न ही मेरी पूर्व पत्नी और उनके परिवार ने शादी से पहले या बाद में मेरे साथ सुसमाचार साझा किया। मुझे फिर से याद आता है कि हम सत्य के प्रति गुनगुने नहीं रह सकते और यह उम्मीद नहीं कर सकते कि सत्य उसके बाद कलीसिया को उत्साहित करेगा।

मेरा शिशु बपतिस्मा Ask में हुआ था और Fyllingsdalen के Den Norske Kirke में मेरी पुष्टि (confirmation) हुई थी, लेकिन वहाँ मेरा नया जन्म नहीं हुआ। पीछे मुड़कर देखने पर मुझे यह बात समझ आती है। न ही किसी ने मुझे बताया कि मनुष्य को अपने मुँह से यीशु को प्रभु और स्वामी के रूप में स्वीकार

करना चाहिए और अपनी **स्वतंत्र इच्छा** से पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा लेना चाहिए, अपने पुराने जीवन से फिरना चाहिए और यीशु के साथ चलना चाहिए। यदि किसी को वाचा में प्रवेश करना है और परमेश्वर द्वारा गोद लिया जाना है, तो यह शिशु बपतिस्मा की तरह ज़बरदस्ती नहीं होता, बल्कि एक व्यक्तिगत चुनाव है। धरती पर कोई भी, न पिता और न ही माँ, किसी और के लिए यह चुनाव कर सकता है। हम एक-दूसरे को सकारात्मक और नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं, लेकिन आत्मा का जन्म परमेश्वर का वरदान है और इसे स्वेच्छा से स्वीकार किया जाना चाहिए। मेरा नया जन्म 2008 में, 33 वर्ष की आयु में, Bergen के बाहर Knarvik में एक परमेश्वर-भीरु स्वतंत्र कलीसिया ”Kristent Fellesskap Nordhordland” में हुआ।

Chapter 5

बचपन (1980-82)

मुझे यह उल्लेख करना चाहिए कि मेरे दो भाई हैं। Tom मुझसे पंद्रह महीने छोटा है, और Lars Erik मुझसे बारह साल छोटा है। हम मेरी माँ की मेरे सौतेले पिता के साथ शादी के माध्यम से सौतेले भाई हैं। Tom और मैं उन सभी घटनाओं के दौरान साथ-साथ बड़े हुए—स्थानांतरण, Ørnahaugen के अपार्टमेंट ब्लॉक, अखबार वितरण के वर्ष, और मेरी माँ की बीमारी। Lars Erik बाद में एक ऐसे परिवार में आया जो पहले से ही संघर्ष कर रहा था और जब हमारी माँ का निधन हुआ, तब वह केवल बारह साल का था। आज, दोनों भाइयों के दो-दो बच्चे हैं, और मैं उनके लिए आभारी हूँ।

जब मैं ५ साल का था, तब माता-पिता का तलाक हो गया। माँ एक ममतामयी महिला थीं और उन्होंने पहले १० वर्षों तक हमारा बहुत अच्छे से ख्याल रखा, लेकिन तलाक ने गहरे जख्म छोड़े। धीरे-धीरे वे एक नकारात्मक चक्र में फंस गई और यहीं से उनके जीवन के अंतिम १८ वर्षों की शुरुआत हुई। मेरे जैविक पिता कई वर्षों तक शराब के व्यसनी रहे, और इसका असर माँ पर उनकी शादी समाप्त होने से पहले और बाद में भी पड़ा। उन वर्षों में वे अपने व्यवहार के प्रति बिल्कुल भी सचेत नहीं थे क्योंकि वे अधिकांश समय शराब के प्रभाव में रहते थे और उनके इस व्यसन के कारण हमें कई कठिन अनुभवों से गुजरना पड़ा। संक्षेप में, इस अशांत समय ने हम सबमें कड़वाहट के बीज बो दिए और कुछ वर्षों के बाद इसके बुरे फल निकले। क्षमा बुराई को शुद्ध कर देती है, लेकिन अक्सर हम या तो सुस्त होते हैं, या अनिच्छुक, या इतने अभिमानी होते हैं कि अपनी गलतियों को स्वीकार नहीं कर पाते या हमें चोट पहुँचाने वाले को क्षमा नहीं कर पाते। मेरे लिए, ऐसी चंगाई २०१२ में हुई, लेकिन हम इस पर बाद में चर्चा करेंगे। मेरे पिता ने २०२१ में यीशु को स्वीकार करने और ७१ वर्ष की आयु में नया जन्म लेने का निर्णय लिया और आज वे मसीह में एक नए मनुष्य हैं। मैं यह भी बता सकता हूँ कि २०२० में उन्हें गोली लगी थी और वास्तव में वे जीवित बच गए - डॉक्टरों ने कहा कि उनकी रक्षा स्वर्गदूतों ने की होगी। इसलिए उन्हें बपतिस्मा देना इतना आसान नहीं था, क्योंकि उनकी हठधर्मिता उनके जीवन से भी अधिक भारी पड़ सकती थी।

हम ८० के दशक के बचपन में वापस चलते हैं। Bergen के Ørnahaugen में हमारा समय बहुत अच्छा बीता, जहाँ बच्चों के लिए खेल के मैदानों और खेलने के लिए बड़े सार्वजनिक क्षेत्रों के साथ अच्छे बाहरी क्षेत्र थे। हम एक अपार्टमेंट ब्लॉक में रहते थे और वहाँ कई कतारें थीं जिनमें से प्रत्येक में २-३ प्रवेश द्वार थे। प्रत्येक ब्लॉक तीन मंजिल ऊँचा था और कई ब्लॉक सार्वजनिक क्षेत्र के चारों ओर एक अर्धवृत्त की तरह स्थित थे। इससे निवासियों के लिए एक प्राकृतिक एकांत स्थान बन जाता था। हमारे आसपास थोड़े जंगल वाले क्षेत्र भी थे जहाँ बच्चे खोजबीन कर सकते थे और खेल सकते थे। मैंने स्वयं आसपास मिली पुरानी सामग्रियों से कई साधारण झोपड़ियाँ (hytter) और वैसी ही चीजें बनाईं। इसलिए जब भी मुझे इधर-उधर कीलों वाली लकड़ी के तख्ते मिलते, मुझे बहुत खुशी होती थी। कीलों को निकालना, उन्हें सीधा करना, झोपड़ी बनाना और कुछ समय बाद उसे तोड़ देना मेरी दिनचर्या थी। उसके बाद किसी नई जगह पर नई झोपड़ी बनाना, अक्सर पेड़ों पर थोड़ा ऊपर। मुझे याद है कि एक बार मैंने जमीन से केवल डेढ़ मीटर ऊपर एक पेड़ में एक छोटी सी मचान बनाई थी, एक ऐसी टहनी पर जो दो भागों में बँटी हुई थी। माँ मैदान में दूर धूप सेंक रही थीं और इससे पहले कि मुझे कुछ पता चलता, मैं अपने चारों ओर सामग्री के साथ जमीन पर पड़ा था और माँ दौड़ती हुई मुझे देखने आईं। अक्सर सब ठीक रहता था, लेकिन समय के साथ थोड़ी-बहुत चोटें तो लगती ही रहीं। शायद सबसे

बुरा तब हुआ जब एक दिन कील ठोकते समय हथौड़ा सीधे मेरे माथे पर लग गया या जब मैं दीवार से सीधा डामर (asfalt) पर गिर गया। ऐसी बातें आज भी अच्छी तरह याद रहती हैं, भले ही इसे लगभग ४० साल बीत चुके हों।

ब्लॉकों के बाहर हम समूहों में साइकिल चलाते थे, पकड़म-पकड़ाई (tikken) खेलते थे या कूदने वाली रस्सी और अन्य सामूहिक खेल खेलते थे। यह वह समय था जब हर किसी के पास कंप्यूटर और टैबलेट नहीं होते थे, इसलिए बच्चे बाहर बहुत सक्रिय रहते थे।

मुझे यह भी याद है कि माँ अक्सर मुझसे और मेरे छोटे भाई से पूछती थीं कि अगले दिन रात के खाने में क्या बनेगा। मेरी सबसे पसंदीदा चीज़ टमाटर का सूप था, लेकिन माँ के हाथ के बने भूरे सॉस, आलू और सब्जियों के साथ मीटबॉल (kjøttkaker) भी बहुत स्वादिष्ट लगते थे। माँ की बहन, चाची Sonja, के हाथों में बेकिंग का एक खास हुनर है, जिसे हम बहुत पसंद करते थे। माँ को खुद बड़े पैन में बनी चॉकलेट केक (langpannekake) बहुत पसंद थी और जब वे इसे बनाती थीं, तो मैं हमेशा पास ही रहता था। जब केक तैयार हो जाता, तो मैं बार-बार रसोई में आता-जाता रहता ताकि हर बार एक ताज़ा टुकड़ा चुपके से निकाल सकूँ, भले ही शुरू में वह कितना भी गर्म क्यों न हो। खैर, वह बहुत स्वादिष्ट होता था। यह विडंबना ही है कि मैंने खुद कभी ऐसा केक नहीं बनाया, लेकिन मुझे माँ के हाथ के उस स्वाद की अच्छी तरह याद है। उनका केक हल्का (light) होता था, जिसमें बहुत अधिक डार्क चॉकलेट नहीं होती थी, लेकिन उसका स्वाद स्पष्ट, हल्का और बढ़िया होता था। जब वह ताज़ा बना होता था, तो वह और भी स्वादिष्ट लगता था, जैसा कि ताज़ा बेक किया हुआ सामान आमतौर पर होता है।

Chapter 6

सौतेले पिता (1983)

मेरे नए सौतेले पिता हमारे जीवन में आए और माँ से विवाह किया, लेकिन उन्होंने हम बच्चों को गोद नहीं लिया। «सौतेले पिता» के आने के साथ, परिवार के पास कार की सुविधा हो गई। हमने समय-समय पर VHS पर फिल्में किराए पर लेना शुरू किया और उस समय से कभी-कभी चीनी रेस्टोरेंट भी जाने लगे। उनके विवाह की शुरुआत में परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी थी और पहली विदेश यात्रा Spania के Mallorca की थी, और एक अन्य अवसर पर हम Danmark गए। मुझे याद है कि एक बार Mallorca में मैं go-cart चला रहा था और मोड़ों को काटते समय टायरों से लगभग जलने की गंध आ रही थी। मुझे वह बहुत ही पसंद आया, लेकिन जब मैं ट्रैक से बाहर आया तो मेरे सौतेले पिता पूरी तरह डरे हुए लग रहे थे। वे शब्दों के धनी नहीं थे, लेकिन उनकी आँखें सब कुछ कह देती थीं। ये दोनों ही बातें अपने आप में एक अनुभव थीं और इनसे मेरा व्यक्तित्व विकसित हुआ। हम खूब नहाते थे और वह ऐसी गर्मी थी कि मेरी पीठ एक ग्रिल्ड टर्की की तरह दिखने लगी थी और मैं त्वचा की बड़ी-बड़ी परतें उतार सकता था। हमने उस समय बहुत अधिक मिठाइयाँ भी खाईं, जो दाँतों के लिए बहुत अच्छी बात नहीं थी। नकारात्मक पक्ष की बात करें तो, पीछे मुड़कर देखने पर मैं समझ पाता हूँ कि यह माँ के लिए अंत की शुरुआत थी।

Chapter 7

समाचार पत्र वितरक (1987)

मैं 12 साल का हूँ और अपने एक दोस्त के साथ मिलकर हम 'BA' (BergensAvisen) अखबार बांटना शुरू करते हैं। वितरण का रास्ता Fyllingsdalen में Ørnahaugen और Hjalmar Brantingsvei में है, और मैं अपने दोस्त के साथ वहाँ जाता हूँ। बाद में, मैं Fyllingsdalen के Barliaveien में "Bergens Tidende" बांटना शुरू करता हूँ। मैं इसे तब तक जारी रखता हूँ जब तक कि मेरी उच्च माध्यमिक शिक्षा (Videregående Skole) पूरी नहीं हो जाती। मैं उन अतिरिक्त पैसों को कमाकर और उससे मिलने वाली शारीरिक गतिविधि से खुश हूँ, और यह भी थोड़ा मजेदार है कि जब मैंने शुरुआत की थी, तब मैं Bergen के सबसे कम उम्र के समाचार पत्र वितरकों में से एक था।

यह 1987 की शरद ऋतु है और परिवार Ørnahaugen से Fyllingsdalen के निचले हिस्से Bjørgedalen में चला जाता है, जिससे आर्थिक स्थिति पर दबाव पड़ने वाला था क्योंकि आने वाले वर्षों में ब्याज दरें बढ़ गईं। माँ अब शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से एक गंभीर बीमारी के शुरुआती दौर में हैं। उन्होंने खुद में सिमटना शुरू कर दिया और यह दवाओं के उपयोग और बहुत अधिक बिस्तर पर लेटे रहने के एक नकारात्मक चक्र की शुरुआत थी, जिसने उनकी मांसपेशियों को कमजोर कर दिया। डॉक्टर ने भी इन वर्षों में उन्हें बहुत अधिक दवाएं दीं और इस कारण उनका मेडिकल लाइसेंस लगभग छीन लिया गया था। मेरे सौतेले पिता करियर की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं और आने वाले वर्षों में उनके पास अच्छी नौकरियां हैं, लेकिन जब माँ «कमजोर» पड़ने लगती हैं, तो वे बच्चों की देखभाल करने में सक्षम नहीं होते।

उस समय मुझे खुद यह समझ नहीं आया, लेकिन ऐसा महसूस होता था जैसे मेरे अंदर एक काला छेद बढ़ रहा है। इसके अलावा, अपने भीतर मैंने सत्य की बढ़ती आवश्यकता को महसूस किया, बिना यह जाने कि इसे खोजने के लिए कहाँ जाना है। इस समय के दौरान मैं धीरे-धीरे एक अवसाद (डिप्रेशन) में घिर गया जिसने मेरी सारी ऊर्जा सोख ली। इससे कोई मदद नहीं मिली कि सौतेले पिता अक्सर काम से देर से घर आते थे और उनकी अक्सर रात का खाना न बनाने की आदत थी और वे हमसे कहते थे «बस कुछ खा लो»। उन्होंने काम पर खाना खाने का बहाना बनाया। इस अवधि के दौरान मेरा शरीर शायद आंशिक रूप से कुपोषित था और स्थिति उस तथाकथित आध्यात्मिक विचारधारा से और खराब हो गई थी जिसे मैंने पोषण की कमी और बाद में मांस से परहेज के बारे में अपनाया था। अगले कुछ वर्षों में स्कूल में मेरा प्रदर्शन पिछड़ता गया।

Chapter 8

जैसे एक मरुस्थल में (1990)

हम लगभग 1990 के समय की बात करते हैं और परिवार की स्थिति वैसी ही थी। यही वह समय था जब मैंने अपनी माँ से कहा था कि ऐसा लगता है जैसे वह मरना चाहती हैं, जिस पर निश्चित रूप से उनकी कड़ी प्रतिक्रिया हुई थी। मूल रूप से हमारी आँखों के सामने यही हो रहा था जब वह महीनों तक लगभग लगातार बिस्तर पर लेटी रहती थीं। न वह रात का खाना बनाती थीं, न ही वह सामाजिक थीं। मुझे याद है कि वह Margit Sandemo की «Sagaen om isfolket» पढ़ रही थीं, जिसे बाद में मैं समझ पाया कि यह उनके लिए अच्छा नहीं था। उन्होंने अपना आपा खो दिया और उनका शरीर जर्जर होता गया और मेरे सौतेले पिता इस पर रोक लगाने में असमर्थ थे।

इस अवधि के दौरान परिवार की चुनौतियाँ वैसे भी एक आशीर्वाद थीं क्योंकि इसने मुझे यह खोजने के लिए प्रेरित किया कि मैं क्यों जीवित हूँ, यानी मैं जीवन का उद्देश्य और/या अर्थ खोजना चाहता था। यही वह संदर्भ था जिसमें मैंने पहली बार निराशा में «ब्रह्मांड» से «बात» करना शुरू किया। जो मुझे नहीं पता था वह यह था कि परमेश्वर ने मेरी पुकार सुनी। मैंने अपने भीतर की एक «बड़ी उलझन» को सुलझाने में मदद माँगी। और अचानक जैसे कहीं से भी नहीं, वह ऐसे सुलझ गई जैसे वह कभी थी ही नहीं। यह पहली बार था जब मुझे याद है कि पवित्र आत्मा ने मुझसे बात की थी, हालाँकि उस समय मैं समझ नहीं पाया था कि कौन बात कर रहा है।

तुम्हें यह पता लगाना होगा कि यीशु कौन है और वह तुम्हारे लिए क्या मायने रखता है

— पवित्र आत्मा ने कहा

इसके बाद, मानो सच्चाई के लिए एक तीव्र प्रयास मुझ पर छा गई और मैंने Oasen senter या Bergen Sentrum के पुस्तकालयों में परामनोवैज्ञानिक घटनाओं (paranormal phenomena) पर किताबों की खोज की। बाइबल से मैं बहुत दूर रहा, हालाँकि यह अधिक अवचेतन रूप से था। मैंने तथाकथित «वैकल्पिक पुस्तकों» की खोज भी शुरू कर दी। विडंबना यह है कि पुस्तकालय में यीशु के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध थी, जबकि बाइबल पूरी दुनिया में सबसे अधिक प्रलेखित (documented) पुस्तक है, एक ऐसा तथ्य जिससे बहुत कम लोग अवगत हैं।

हम वापस 1990 और सत्य की मेरी खोज पर आते हैं। बुक क्लब Energica और उसके जैसी अन्य «वैकल्पिक पुस्तकों» में यीशु की एक झूठी छवि है। वे बाहर से महान लगती हैं लेकिन अंदर से वे मृत्यु की बात करती हैं, जीवन की नहीं। और इसे रहस्य और कामुकता आदि के घूँघट के पीछे छिपाया जाता है। इसने बदले में मुझे सत्य के प्रति सुस्त और सुन्न बना दिया। कि इस तरह के «आध्यात्मिक विचारधारा» के कारण मुझे परमेश्वर के वचन के प्रति आंतरिक प्रतिरोध हुआ, यह मैं अब पीछे मुड़कर देखने पर समझता हूँ। आज मुझे एहसास हुआ कि यह प्रतिरोध मेरे भीतर एक मृत्यु के समान था जिसे बपतिस्मा में त्याग दिया जाना था ताकि मुझे आत्मा में एक नया जीवन मिल सके, वही सिद्धांत कि यदि हमें आत्मा का फल प्राप्त करना है तो हमें यीशु के साथ मरने के लिए तैयार रहना चाहिए।

यीशु ने उत्तर दिया: «वह घड़ी आ गई है कि मनुष्य के पुत्र की महिमा हो। मैं तुम से सच-सच कहता हूँ कि जब तक गेहूँ का दाना भूमि में गिरकर मर नहीं जाता, वह अकेला ही रहता है; परन्तु यदि वह मर जाता है, तो बहुत फल लाता है। जो अपने प्राण को प्रिय जानता है, वह उसे खो देता है; और जो इस जगत में अपने प्राण को अप्रिय जानता है, वह उसे अनन्त जीवन के लिये सुरक्षित रखेगा। यदि कोई मेरी सेवा करे, तो मेरे पीछे हो ले; और जहाँ मैं हूँ वहाँ मेरा सेवक भी होगा; यदि कोई मेरी सेवा करे, तो पिता उसका आदर करेगा।

— यूहन्ना 12:23-26

इन वर्षों के दौरान मैंने ऐसी किताबें खरीदना शुरू किया जो चैनेलिंग (channeling), टेलीपोर्टेशन (teleportation), सूक्ष्म यात्रा (astral travel), टेलीकिनेसिस (telekinesis), स्वचालित लेखन (automatic writing) और इसी तरह के विषयों पर आधारित थीं - जो अध्यात्मवादियों या सक्रिय खोजकर्ताओं के लिए जानी-पहचानी बातें हैं। यह कई ईसाइयों के लिए अज्ञात क्षेत्र है, जिसके अपने लाभ और नुकसान दोनों हैं। लाभ यह है कि उन्होंने ऐसी चीजों के साथ खेलवाड़ नहीं किया है और नुकसान यह है कि वे इसके बारे में ज्यादा नहीं जानते हैं। संक्षेप में, यह रुचि अक्सर व्यक्ति को सत्य और पवित्र आत्मा के प्रति अहंकारी बना देती है, जैसा कि मेरा अनुभव है। भले ही व्यक्ति यह दावा करे कि उसका जीवन पर नियंत्रण है, लेकिन वास्तव में इसमें कोई सार नहीं होता, और मैं कई वर्षों तक उसी स्थिति में रहा।

वहाँ Ouija-board (ओइजा बोर्ड) जैसे दिखने में हानिरहित खेल भी हैं जिनसे लोग «आत्मा की दुनिया» से संपर्क करने के लिए खेलते हैं यह समझे बिना कि इसके पीछे एक वास्तविक खतरा है। यह थोड़ा सा अपार्टमेंट किराए पर लेने के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने जैसा है। आप अपने हस्ताक्षर के आधार पर अनुबंध से बंधे होते हैं। कार्यों के साथ भी ऐसा ही है, चाहे वे सोचे गए हों या ठोस हों। और जब एक बार एक बाधा दूर हो जाती है, तो यह अपने आप में एक कड़ियों की प्रतिक्रिया (chain reaction) शुरू कर सकता है, जैसे कि डोमिनो (dominoes) के टुकड़े। हम सभी इस सिद्धांत को जानते हैं और यह दोनों तरह से काम करता है, सकारात्मक और नकारात्मक दोनों। शारीरिक और आध्यात्मिक दोनों रूप से। मेरी माँ स्वयं एक नकारात्मक गिरावट के चक्र में फँस गई थीं जहाँ उनके आसपास कोई भी उस संघर्ष को पहचानने में सक्षम नहीं था जो उनकी आत्मा में चल रहा था।

Chapter 9

उच्च माध्यमिक विद्यालय (1991-94)

मुझे याद है कि Fyllingsdalen Videregående Skole में मेरे ग्रेड गिरने लगे थे और एक शिक्षक इस बात से हैरान थे कि मेरा प्रदर्शन इतना खराब था। माध्यमिक विद्यालय (ungdomsskolen) से गणित में मेरा औसत M (Meget Godt) था और S (Særdeles godt) मिला था, यह एक ऐसा विषय था जिस पर मैंने बहुत कड़ी मेहनत की थी। मैं शिक्षक को साबित करना चाहता था कि मैं वास्तव में गणित में महारत हासिल कर सकता हूँ। पारिवारिक स्थिति ने गंभीर रूप से मेरी ऊर्जा को खत्म करना शुरू कर दिया था, और उच्च माध्यमिक विद्यालय के संक्रमण के दौरान, हम बच्चों की देखभाल के मामले में माँ तेजी से निष्क्रिय होती गई।

जब हम Bjørgedalen चले गए तो स्कूल का रास्ता लंबा हो गया और 1991 से जब Bergens Tidende एक सुबह का समाचार पत्र बन गया, तो मैं सुबह 5-6 बजे उठ जाता था। Barliaveien में मेरा समाचार पत्र वितरण क्षेत्र हमारे नए घर से साढ़े चार किलोमीटर दूर था। इन 3 वर्षों में मेरा मानसिक प्रदर्शन गिर गया और जब मैं घर आता था और अपना होमवर्क कर लेता था तो मैं इतना थक जाता था कि दोपहर का अधिकांश समय बिस्तर पर लेटने और ऊँघने में बिताता था। इस वजह से मैंने अपना सबसे अच्छा दोस्त खो दिया। माँ मेरे लिए चिंतित थीं लेकिन इस अवधि के दौरान वह न तो अपना और न ही अपने बच्चों का ख्याल रखने में सक्षम थीं। इससे कोई मदद नहीं मिली कि वह अपने दिन Margit Sandemo की «Sagaen om Isfolket» जैसी किताबें पढ़ने में बिताती थीं या «तथाकथित आध्यात्मिक लोगों» से मदद मांगती थीं जिन्होंने Jesus Christ के परमेश्वर के पुत्र होने से इनकार किया था। कई लोग सोचते हैं कि ये शब्द कठोर हैं, लेकिन मैं अपने अनुभव से बात कर रहा हूँ कि मैंने अपनी माँ को जादू, रहस्यवाद और «रोमांटिक» किताबों के लालच में आकर धीरे-धीरे नष्ट होते देखा है, जबकि वह खुद खाई के किनारे खड़ी थीं। परमेश्वर द्वारा उनके कार्य के लिए बुलाए गए पवित्र लोगों के लिए गुनगुनापन (Lunkenhet) कोई विकल्प नहीं है।

अब मैं जानता हूँ कि अपनी युवावस्था में मैंने Jesus के बारे में जो पुस्तकें पढ़ी थीं, वे एक सुंदर बाहरी आवरण वाली पूरी तरह से झूठी कहानियाँ थीं और उनमें झूठी आध्यात्मिकता थी। बहुत से लोग सोचते हैं कि मैं अभिमानी हूँ जब मैं कहता हूँ कि दुनिया में बहुत कुछ झूठी आध्यात्मिकता है, लेकिन यह सच है और नया जन्म पाने के बाद मैंने खुद बहुत कुछ देखा है। ऐसी कई किताबें हैं जो एक जाली मसीह (forfalsket messias) के बारे में लिखती हैं, ठीक उसी तरह जैसे अन्य धर्म या विभिन्न «आध्यात्मिक» विचारधाराएँ Jesus Christ वास्तव में कौन हैं, इस सच्चाई को मरोड़ने की कोशिश करती हैं।

जहाँ तक मेरी बात है, जब मैं लगभग 15 वर्ष का था, तब मैंने इन विषयों पर जो कुछ भी मिला वह सब पढ़ा और मैं कह सकता हूँ कि नया जन्म न पाने के बावजूद मुझे लगा कि कुछ कमी है। अपने भीतर मैं अभी भी परमेश्वर के प्रति अभिमानी था, फिर भी मैंने जो अनुभव किया उसके कुछ हिस्सों को पहचाना। 2008 से पहले मेरे पास देखने के लिए आँखें नहीं थीं। हाँ, अलौकिक वास्तविक है, लेकिन वास्तविक और शुद्ध आशीषें परमेश्वर की ओर से आती हैं। मैं स्वयं यह जोड़ सकता हूँ कि मेरी होने वाली पत्नी ने कई अवसरों पर उन लोगों के बारे में बताया है जिन्हें वह जानती है जो जादू-टोना करते हैं। मैंने स्वयं Norway में एक मामला देखा है जहाँ एक व्यक्ति ने आर्थिक लाभ के लिए ऐसा किया था, लेकिन जब हमने प्रार्थना की तो उस व्यक्ति ने

परमेश्वर की शक्ति को इसे रोकते हुए महसूस किया। कृपया मुझे क्षमा करें क्योंकि मैं घटनाओं के बारे में थोड़ा पहले ही बता रहा हूँ।

इसके अलावा यह बताना बहुत सुखद है कि 1994 में Statistical Science Magazine (Volume 9, Number 3) ने एक लेख प्रकाशित किया था जो बाइबल में उत्पत्ति की पुस्तक पर आधारित Equidistant Letter Sequence (ELS) से संबंधित है। यह लेख Doron Witztum, Eliyahu Ripes और Yoav Rosenberg द्वारा लिखा गया था। यह उन कुछ वैज्ञानिक कार्यों में से एक है जो उस विषय पर चर्चा करते हैं जिसे लोकप्रिय रूप से Bible Code कहा जाता है। उस समय मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता था, लेकिन मैं आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता था क्योंकि यह मूल रूप से परमेश्वर के वचन की गहराई और सटीकता की एक अद्भुत खोज थी और है। आइए 1995 की ओर आगे बढ़ें।

Chapter 10

फोखोल फार्म (1995)

Høgskolen i Bergen में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की एक असफल शुरुआत के बाद, मैंने Hedmarken के Stange में एक जैविक-गत्यात्मक (Biodynamic) फार्म, Fokhol Gård जाने का फैसला किया। वहाँ मैंने पूरे एक साल तक खेत में काम करने वाले लड़के (farm boy) के रूप में काम किया और मुझे स्वास्थ्यवर्धक भोजन और अच्छा शारीरिक श्रम मिला। वास्तव में, मैं उनका पहला ऐसा प्रशिक्षु (intern) था जो वहाँ पूरे एक साल रहा था और मुझे याद है कि उन्होंने विदाई के रात्रिभोज में 'मीटबॉल्स' (kjøttkaker) खाए थे; यह एक बड़ा अवसर था क्योंकि वहाँ यह सामान्य नहीं था। कोई सोच सकता है कि किसान सामान्य मात्रा में मांस खाते हैं, लेकिन कम से कम मेरे समय के दौरान Fokhol में ऐसा नहीं था। इस खेत का संचालन Steiner-दर्शन का हिस्सा था और यह समाज में एक सामान्य «आध्यात्मिक» अंतर्धारा का हिस्सा है जो कुछ भोले-भाले और सत्य की खोज करने वाले लोगों को अपनी ओर खींच लेता है। कोई भी शुद्धता और कम कीटनाशकों के बारे में सोचता है, जो कि सकारात्मक है, लेकिन जिस बात के बारे में वे खुलकर बात नहीं करते थे वह यह थी कि Steiner ने इसके पीछे एक आत्मा के बारे में सिखाया था, जो बदले में यीशु को प्रभु और स्वामी के रूप में स्वीकार नहीं करती है और न ही यह बताती है कि उन्होंने हमारे लिए अपना जीवन दिया। और न ही यह कि हमें फिर से नया जन्म लेने के लिए बपतिस्मा के माध्यम से अपना जीवन देना चाहिए। «पराभौतिकी» (metafysikk) पर लोकप्रिय पुस्तकों में आप Gaia या धरती माता के बारे में भी चर्चा देखेंगे, जिसमें कुछ लोग पूरी तरह से उलझ जाते हैं और अंधे हो जाते हैं। परमेश्वर के लोग खुद को पृथ्वी की आत्मा से पैदा हुए के रूप में नहीं पहचान सकते, बल्कि परमेश्वर की आत्मा से जन्मे हुए के रूप में पहचानते हैं।

व्यावहारिक पक्ष पर, फार्म 960 माळ (mål) का था और मुझे याद है कि उनके पास मुट्ठी भर ट्रैक्टर थे जिनमें से Deutz-Fahr सबसे बड़े और सबसे तकनीकी थे, और मुझे अपने काम के साथ-साथ ट्रैक्टर चलाना भी बहुत पसंद था। जब मैं वहाँ था, तब उत्पादन लगभग 90 प्रतिशत अनाज और शेष सब्जियाँ थीं, साथ ही लगभग 12 दुधारू गायें भी थीं। वे पारंपरिक खेती से परिवर्तन के दौर में थे जिसका लक्ष्य अधिक जैविक खेती करना और सब्जियों के उत्पादन का विस्तार करना था, इसलिए वे रूपांतरण काल (karenstid) में थे। वे Steiner-पद्धति के अनुसार खेती कर रहे थे, इसलिए यह जैविक-गत्यात्मक संचालन था लेकिन Steiner के «आत्मिक ब्रह्मांड» पर आधारित था।

मैं मुख्य घर में रहता था जो दशकों पहले खेत में काम करने वाले मजदूरों का 'गरीबों का घर' हुआ करता था। सबसे ऊपरी मंजिल से, जहाँ मैं रहता था, मुझे याद है कि मैं अनाज को हवा के साथ झुकते हुए और खेतों के ऊपर उसकी लहरों को देख सकता था। वे परिदृश्य में लहरों की तरह थे, जो अपने आप में एक नज़ारा था। आप हल के पीछे से गहरी काली मिट्टी को निकलते हुए देख सकते थे और वह एक महान पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी थी।

Fokhol में मेरी मुलाकात एक युवा महिला, Marit से हुई, जो एक प्रशिक्षु थी, जो न केवल कृषि में बल्कि आध्यात्मिकता में भी रुचि रखती थी। वह महसूस कर सकती थी कि कब किसी घर में किसी की मृत्यु हुई है और ऐसी ही अन्य बातें, और इसने मुझे आकर्षित किया। मेरा मानना है कि कई ईसाई इससे थोड़ा

विचलित हो जाते हैं, लेकिन समान ही समान को आकर्षित करता है और ऐसे बहुत से लोग हैं जो अशुद्ध आत्माओं से परिचित हैं और शरीर के भीतर और बाहर, आत्मिक जगत के इस हिस्से को महसूस करते हैं और इसके साथ खेलते हैं।

मैं उस समय जानता था कि आत्मिक जगत वास्तविक है और मुझे इससे कोई समस्या नहीं थी, इसके विपरीत मैंने इसका स्वागत किया। जो मैं नहीं समझ पाया वह यह था कि अशुद्ध आत्माएं विभिन्न अशुद्ध गतिविधियों और ऐसी ही चीजों के माध्यम से एक व्यक्ति से जुड़ जाती हैं। यह उनके साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने जैसा हो जाता है और यह उन्हें किसी के जीवन में प्रवेश देता है, जिसका अनुभव मुझे बाद में हुआ जब मेरी आँखें खुलीं और परमेश्वर ने मुझे मुक्त करना शुरू किया। Fokhol में मेरे कुछ अन्य अजीब अनुभव भी थे जहाँ मैंने ऐसी चीजें सुनीं और महसूस कीं जो प्राकृतिक रूप से भौतिक नहीं थीं, लेकिन इन्हें मैंने अब तक अपने तक ही सीमित रखा है। सीधे शब्दों में कहें तो इसने परमेश्वर की सेवा नहीं की और इसलिए मैं कह सकता हूँ कि ऐसी कई घटनाएं हैं जो अकथनीय हैं और भौतिकी के नियमों से परे हैं, लेकिन इसका मतलब स्वचालित रूप से यह नहीं है कि वह परमेश्वर की आत्मा है। पवित्र आत्मा की विशेषता शुद्धता और प्रकाश है। अंधकार और रहस्यवाद नहीं।

आज मैं जानता हूँ कि भौतिक समृद्धि की लालसा और प्राकृतिक से परे शारीरिक सुख और विलास की खोज मनुष्य को सत्य के प्रति सुस्त कर देती है। वास्तव में हम एक संकरे रास्ते पर चल रहे हैं और वह रास्ता चौड़ा है जो विनाश की ओर ले जाता है। मेरी नई सहेली ने उस समय मुझे यह नहीं बताया था कि उसके साथ एक प्रकार का 'आत्मिक सहायक' (åndehjælper) था जो उसके साथ रहता था और इससे वह कुछ हद तक डरी हुई भी थी। जैसा कि हम जानते हैं, यीशु ने लोगों में से दुष्टात्माओं को निकाला था और आज भी इसकी आवश्यकता है। यह कि हम आम तौर पर इसके गवाह नहीं बनते, फिर भी इसे कम प्रासंगिक नहीं बनाता है। मुझे इसके बारे में कई सालों बाद पता चला और यह स्पष्ट था कि वह इसके डर की गिरफ्त में थी और अब भी है।

Chapter 11

वैकल्पिक नेटवर्क (1996)

हम 1996 में पहुँच चुके थे, और मुझे अपनी नागरिक सेवा (siviltjeneste) शुरू करने के लिए Oslo के Dillingøy में बुलाया गया था। मैंने नागरिक सेवा को इसलिए चुना था क्योंकि मैं युद्ध में भाग नहीं लेना चाहता था और न ही किसी दूसरे व्यक्ति का जीवन लेना चाहता था, और यह दृढ़ विश्वास मुझमें तब भी मौजूद था। मैंने सोचा कि मैं भाग्यशाली हूँ कि मुझे Oslo के Tøyen में Alternativt Nettverk की सहायता करने का अवसर मिला।

VisionWorks AS एक ऐसी कंपनी है जो समग्र सोच (holistic thinking) और वैकल्पिक आध्यात्मिकता के क्षेत्र में व्याख्यान, मेले (messen), पाठ्यक्रम और कार्यशालाएँ आयोजित करती है, साथ ही Visjon पत्रिका भी प्रकाशित करती है। इस संगठन की स्थापना 1992 में Øyvind Solum और Roald Pettersen द्वारा Alternativt Nettverk के नाम से की गई थी।

— Alternativt Nettverk के बारे में Store Norske Leksikon

Alternativt Nettverk देश भर में उन कार्यक्रमों का आयोजन करता था जिन्हें Alternativmessen कहा जाता है। दुर्भाग्य से, यह अशुद्ध आत्माओं के लिए शहद के एक घड़े के समान है और वे योग, उपचार करने वाले पत्थर, ऊर्जा, हीलिंग, चैनलाइजिंग और बहुत कुछ ऐसी गतिविधियों में संलग्न रहते हैं जो यीशु मसीह के प्रति व्यक्ति के प्रतिरोध को और अधिक प्रबल बनाती हैं, चाहे यह सुनने में कितना भी अजीब क्यों न लगे, क्योंकि अशुद्ध आत्माएँ पवित्रता को जन्म नहीं देतीं। और वहाँ कई जिज्ञासु लोग हैं जो बहकावे में आ जाते हैं। ऐसी बहुत सी बातें हैं जो मैं कह सकता था, लेकिन संक्षेप में, सौभाग्य से मेरा यह जुड़ाव केवल कुछ ही महीनों तक रहा और मैं भाग्यशाली था कि मैं वहाँ से बाहर निकल सका। या यौं कहें: जब मैं Oslo Spektrum में था, तो अनजाने में मुझसे एक गाड़ी में काफी बड़ी खरोंच लग गई और उसके कुछ ही समय बाद Alternativt Nettverk ने मुझे निकाल दिया। मैंने पहले कभी इससे बदतर रहने की स्थिति या परिस्थितियों का सामना नहीं किया था। मैं जहाँ ठहरा था, वहाँ दीवार में एक छेद था जहाँ से चूहे आसानी से अंदर-बाहर आ-जा सकते थे। शौचालय इतना गंदा था कि मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था, और कमरों में पेशाब की बदबू आती थी। मुझे एक ऐसे व्यक्ति का सामना भी करना पड़ा जो मेरे साथ यौन संबंध बनाना चाहता था, जिसे देखकर मुझे घृणा हुई। इस दौरान मेरे दांतों की भी ठीक से देखभाल नहीं हो पाई। यह मेरे जीवन का बहुत बुरा दौर था, और इसका परिणाम अच्छा नहीं रहा। जो व्यक्ति उनके साथ मिलकर काम करता था, उसके लिए उनका फल स्पष्ट था और आज जब मैं इस पर पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो यह मन में एक कड़वाहट पैदा करता है। फिर भी, मैंने काफी समय बाद तक इस पर कोई स्पष्ट रुख नहीं अपनाया क्योंकि मैं तब यह नहीं समझ पाया था कि इसके पीछे की आत्मा वही थी जो उस विचारधारा के पीछे कार्य कर रही थी जिसमें मैंने इन वर्षों में अपना बहुत कुछ समर्पित कर दिया था।

Chapter 12

फागेर्ली शिविर (1997)

यह 1997 की बात है और मैं Geilo के Skurdalen में Fagerli Leirskole में अपनी बाकी की नागरिक सेवा (civil service) पूरी कर रहा हूँ और इस माहौल के बदलाव का भरपूर आनंद ले रहा हूँ। मैं वहाँ अतिरिक्त छह महीने भी काम करता हूँ। मैं सभी कार्यों में मदद करता हूँ, और इसमें स्नोबोर्डिंग का प्रशिक्षण देना, पहाड़ों में पैदल यात्रा या स्कीइंग पर जाना, कमरों की सफाई करना, रसोई में सूप, ब्रेड या बन जैसे साधारण भोजन बनाने में मदद करना शामिल है। इस कैंप स्कूल में सप्ताह के दौरान लगभग 80 युवा आते थे, इसके अलावा सप्ताहांत के मेहमान भी होते थे। हम एक औद्योगिक गूंथने वाली मशीन और भाप वाले एक शानदार बड़े फ्रांसीसी ओवन का उपयोग करते थे जिसमें बेकिंग समय और तापमान का सटीक डिजिटल नियंत्रण था। और जब मेरी रसोई में ड्यूटी होती थी और मैं मेहमानों के लिए भोजन तैयार करता था, तो मैं उस काम में अपना पूरा मन लगा देता था और उसमें आनंद लेता था, चाहे वह रसोई का काम हो या मेहमानों के लिए काम करने का सामाजिक पहलू। रसोइया हैरान था कि एक ही नुस्खा अपनाने के बावजूद मेरी ब्रेड इतनी बड़ी कैसे हो जाती थी, लेकिन यह सब आटा गूंथने और उसे संभालने के तरीके में छिपा था और मुझे इसे हासिल करने के लिए ओवन की प्रोग्रामिंग के साथ प्रयोग करना पसंद था। घुड़सवारी भी मेरे कार्यों का हिस्सा थी, और मैंने बच्चों को घोड़ों की सफाई करना और उन पर जीन (saddle) कसना, साथ ही अस्तबल की सफाई करना सिखाया, जो मेरे लिए उतना ही नया था जितना उनमें से अधिकांश के लिए, लेकिन फिर भी यह बहुत सुखद था। मैं अहाते में एक छोटी सी लकड़ी की कुटिया (laftehus) में रहता था जहाँ मुझे दरवाजे के अंदर जाने के लिए झुकना पड़ता था और अंदर मैं बस मुश्किल से सीधा खड़ा हो पाता था। मुझे स्वयं ऐसा महसूस होता था जैसे मैं बहुत ही सुखद और संतुष्ट स्थिति में हूँ। इसी दौरान मैंने Go1 में अपना ड्राइविंग लाइसेंस लिया और साथ ही ट्रक (फोर्कलिफ्ट) चालक का कोर्स भी किया।

Chapter 13

माँ का निधन (1998)

अब वर्ष 1998 है और माँ का निधन हो जाता है, वे केवल 48 वर्ष की थीं, अपने अंतिम जन्मदिन के कुछ ही समय बाद। मुझे याद है कि मैं उनके जन्मदिन के अवसर पर Knarvik में उनसे मिलने गया था। उस दिन मैंने ध्यान दिया कि माँ की आँखों की चमक बुझ गई थी, जिससे मुझे बहुत आश्चर्य हुआ। उनके अंतिम संस्कार के तुरंत बाद, मैं नानी के घर उनके दीवान-खाने (stuen) में था, लेकिन नानी उस समय वहाँ नहीं थीं। तभी मेरे सौतेले पिता ने मुझे एक दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा जिसमें विरासत के किसी भी दावे को छोड़ने की बात कही गई है। उसने मेरे भाइयों से नहीं—केवल मुझसे पूछा। मेरा मानना है कि उसने मुझे एक खतरे के रूप में देखा, क्योंकि मैं सबसे बड़ा हूँ। उन्होंने कहा कि उन्होंने सारे पैसे खर्च कर दिए हैं और मेरे एक मामा, जैसा कि मेरे सौतेले पिता ने प्रस्तुत किया, भी इस बात पर उनके साथ सहमत थे। व्यावहारिक रूप से मुझे अस्वीकार कर दिया गया, जबकि हमने Ørnahaugen के अपार्टमेंट की बिक्री और माँ की बचत से उस विवाह में लगभग 6,00,000/- रुपये का योगदान दिया था। यह स्पष्ट है कि वे माँ की बीमारी के लिए हमें उत्तरदायी ठहरा रहे थे और इस सब में अपनी स्वयं की जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर रहे थे। कलम के एक मजबूर प्रहार से उन्होंने हमारी विरासत को मिटा दिया। मेरे सौतेले पिता ने बाद में दूसरी शादी कर ली, और उसकी नई पत्नी को घर का उसका हिस्सा मिल गया। लेकिन मुझे और मेरे भाई Tom को वह कुछ भी नहीं मिला जो हमारी माँ शादी में लेकर आई थी। उसने इसे हमसे छीन लिया। मेरा मानना है कि Lars Erik ही उसका एकमात्र वारिस होगा। माँ और मौसी को भी अपने पिता से Ask में कोई ज़मीन नहीं मिली थी, जबकि उनके तीनों भाइयों को एक-एक भूखंड दिया गया था, इसलिए जो अब हुआ वह मूल रूप से परिवार में एक परंपरा की तरह था। (जब 2025 में नानी Jenny Gjertine का निधन होगा, तो विरासत में माँ का हिस्सा केवल जेब-खर्च के बराबर होगा - कोई खेत नहीं, कोई संपत्ति नहीं, कुछ भी नहीं - जिसे फिर उनके तीन बेटों में बाँट दिया जाएगा और व्यावहारिक रूप से उसका कोई अर्थ नहीं होगा।) यह इस बात का प्रतिनिधित्व नहीं करता कि परमेश्वर कौन है! केवल परमेश्वर ही पत्थर के हृदय को मांस के हृदय में बदल सकता है। एक दिन ऐसा आएगा जब हम में से प्रत्येक को परमेश्वर के सामने खड़ा होना होगा और अपने कार्यों का लेखा देना होगा।

Fagerli Leirskole में मेरा काम भी इसी साल समाप्त हो गया और मेरे जीवन के इसी समय मुझे Oslo की एक किताबों की दुकान में 2000 से अधिक पृष्ठों वाली Urantia-boken मिली, जिसने अगले 10 वर्षों तक मेरा ध्यान आकर्षित किया। यह उन जटिल स्पष्टीकरणों से भरी थी कि मनुष्य की उत्पत्ति कथित तौर पर क्या थी और एक झूठे यीशु के बारे में थी। यह पुस्तक वास्तव में गहन शोध का कार्य है, लेकिन जो व्यक्ति पर्याप्त गहराई से खुदाई करता है और उन सुरागों का अनुसरण करता है जहाँ वे ले जाते हैं, तो वह देखता है कि यह सत्य का एक जालसाजी है, जिसे मैंने अंततः इसकी उत्पत्ति के गहन अध्ययन के माध्यम से खोज निकाला। यह माध्यम-संचारित (channelled) सामग्री के रूप में स्वतः-लिखवाई (auto-dictated) गई थी और यह एक ऐसा तथ्य था जिसे छिपाने की कोशिश की गई थी। मैं खुद इसके चंगुल में फँस गया था और समय-समय पर Oslo में एक अध्ययन समूह में भाग लेता था। मैं इसकी सामग्री में पूरी तरह लीन था और यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता था, जिसे समूह के नेता ने काफी सराहा।

1998 के अंत में, मैं Bergen के बाहर Knarvik वापस आ गया हूँ। माँ को अभी-अभी दफनाया गया है और रोज़मर्रा का जीवन दुख का सामना करने और काम खोजने की कोशिश में बीत रहा है। मैंने

Bergen में Manpower के लिए कुछ महीनों तक काम किया, जिसमें Kokstad में Hansa और बाद में Åsane के Toppe में Solberg Dekk के गोदाम में काम करना शामिल था। मुझे Solberg Dekk में एक स्थायी पद की पेशकश की गई थी क्योंकि वे मेरे काम से संतुष्ट थे, लेकिन मैंने Knarvik Senter में एक रख-रखाव सहायक (vaktmester assistent) के रूप में काम शुरू करने का फैसला किया। हमारे सौतेले पिता हमेशा की तरह अपने काम में व्यस्त थे और यह स्पष्ट था कि वे दुख से जूझ रहे थे, लेकिन मैंने नहीं देखा कि उन्होंने इससे उबरने के लिए किसी सहायता की तलाश की, हालाँकि यह स्पष्ट था कि उन्हें ऐसा करना चाहिए था। फिर भी उन्होंने एक तरह से हमारा ख्याल रखा और इसके लिए मैं आभारी हूँ। मैंने महसूस किया कि मेरा मन अभी भी ठीक से काम नहीं कर रहा था और खुद को चुनौती देने के लिए मैं आगे की शिक्षा प्राप्त करना चाहता था। मुझे पहले गणित और भौतिकी में अपने ग्रेड सुधारने थे क्योंकि मैंने टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू करने का मन बनाया था। जो मैंने नहीं बताया वह यह है कि इस समय मेरे बाल बिल्कुल कूल्हों तक लंबे थे क्योंकि मैंने पिछले कुछ वर्षों से उन्हें स्वतंत्र रूप से बढ़ने दिया था, जिससे मेरी माँ बहुत निराश रहती थीं। वे मूल रूप से एक हेयरड्रेसर (frisør) थीं और अपने करियर के अंत में उन्होंने Haukeland Sykehus के पास "Solei Frisørsalong" में काम किया था। उनका बेटा अपने बालों को बढ़ने दे, यह उनकी इच्छा के विरुद्ध था, लेकिन फिर भी उन्होंने इसे सहजता से लिया। तब मैंने सोचा कि अब जब मैं इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रारंभिक पाठ्यक्रम (forkurs) को शुरू करने जा रहा हूँ, तो थोड़ा सुव्यवस्थित दिखना ठीक रहेगा। मैंने सोचा कि मेरा प्रयोग अब काफी समय तक चल चुका है। जिस नाई ने मेरे बाल काटे, वह एक पुरुष था, और जब उसने मेरे लंबे बालों को काटा तो वह सचमुच दुखी लग रहा था, लेकिन मेरे लिए यह आखिरकार इसे छोड़ देने और रात में सोते समय करवट बदलते वक्त चेहरे पर बाल आए बिना सोने की राहत थी। वैसे, खुद की चोटी बनाना सीखना एक मज़ेदार अनुभव था, इसलिए यह पूरी तरह व्यर्थ नहीं था। आज भी मैं अपनी होने वाली पत्नी या अपनी बेटियों की साधारण चोटियाँ खुशी-खुशी बना देता हूँ।

Chapter 14

पॉलिटेक्निक संस्थान (1999)

यह 1999 की बात है और मैं Bergen के Polyteknisk Institutt में अन्य विषयों के साथ-साथ गणित, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान की फिर से पढ़ाई कर रहा हूँ और वहाँ से अच्छे अंक प्राप्त कर रहा हूँ। अपवाद जर्मन भाषा है जिसमें मैं अभी भी कुशल नहीं हूँ, लेकिन यह शायद रुचि की कमी के कारण था। इसी वर्ष मेरी मुलाकात Petter Arild Heitman से भी हुई, जो इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए प्रारंभिक पाठ्यक्रम भी कर रहे थे।

Chapter 15

HIA Grimstad (2000-02)

Bergen में Polyteknisk Institutt में शैक्षणिक वर्ष पूरा करने के बाद, Petter और मैं साथ में Grimstad में Høgskolen i Agder गए और वहाँ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू की। मुझे वहाँ Richard Paulsen के रूप में एक अच्छा सहपाठी भी मिला। यही वह समय है जब मैं यह समझने लगा हूँ कि प्रोग्रामिंग और सिस्टम डेवलपमेंट कुछ ऐसा है जिसके लिए मुझमें एक निश्चित प्रतिभा है और मुझे इसमें बहुत आनंद आता है। ग्रेड्स भी उसी के अनुरूप रहे।

अब 2001 आ चुका है और कुछ ही समय बाद मैं Høgskolen में Studentstyret का अध्यक्ष बन जाता हूँ और 2002 की शुरुआत में मैं नगर पालिका (kommunen) के एक कार्य के तहत Sri Lanka के 4-5 नाबालिग शरणार्थियों के साथ रहने के लिए चला जाता हूँ। Grimstad में पढ़ाई के साथ-साथ मैं उनके लिए एक अभिभावक था, इसलिए वह एक सुखद लेकिन व्यस्त समय था। मैं उन्हें Bergen और Trondheim की यात्रा पर भी ले गया, जिसकी उन्होंने बहुत सराहना की। मुझे वहाँ से एक बेहतरीन प्रशंसा-पत्र (attest) मिला, लेकिन सच तो यह था कि उस समय भी मेरा मानसिक संतुलन पूरी तरह ठीक नहीं था और कभी-कभी गाड़ी चलाते समय मुझे तेज़ रफ़्तार पसंद थी।

Chapter 16

NTNU Trondheim (2003-04)

हम 2003 में पहुँच चुके हैं और मैं अपनी होने वाली पत्नी से मिलता हूँ जो एक Trønder है, और उसी समय मैं Grimstad में अपनी डिप्लोमा थीसिस पूरी करने वाला हूँ। हमें सर्वश्रेष्ठ थीसिस के लिए पुरस्कार मिला और जिन दो लोगों के साथ मैंने काम किया वे भी कक्षा के सबसे होनहार छात्रों में से थे। अच्छे सहपाठियों की वजह से मैं अपनी पढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी कर सका। इसके अलावा, मैं लगभग दो वर्षों तक Studentrådet का अध्यक्ष रहा और उसी दौरान Høgskolestyret का सदस्य भी रहा। प्रशासन के कर्मचारियों और अन्य छात्रों द्वारा स्पष्ट रूप से इसकी सराहना की गई क्योंकि मैं कॉलेज के उन तीन छात्रों में से एक था जिन्हें छात्र कार्यों के लिए उत्कृष्टता सम्मान मिला। स्नातक छात्रों के लिए दीक्षांत समारोह को फिर से शुरू करने की पहल मैंने ही की थी और Høgskolestyret के सामने इसकी पैरवी की थी, क्योंकि कॉलेज ने कुछ साल पहले इसे बंद कर दिया था।

यह 2003 की शरद ऋतु है और मैं NTNU में संचार प्रौद्योगिकी (Communication Technology) में मास्टर डिग्री शुरू करने के लिए Trondheim जा रहा हूँ और मेरी प्रेमिका, Sølvi Myklebust, वहाँ शिक्षिका बनने के लिए पढ़ाई कर रही है। मुझे याद है कि उस वर्ष मैंने गौर किया था कि वह अपने विश्वास को प्राथमिकता नहीं दे रही थी, लेकिन मैंने इसे खतरे के संकेत के रूप में नहीं देखा क्योंकि मैं खुद उस समय विश्वासी नहीं था।

उस समय मैं Lade में Falkenborg Studentby में रहता था और **2004 में मैंने इसके मालिक को 200 नेटवर्क पॉइंट्स के साथ उनके नेटवर्क बनाने और संचालित करने का प्रस्ताव दिया**, यह सब अपनी पहल पर और इंस्टालेशन, उपकरणों और सेटअप के लिए अपनी योजना के साथ था। जब मैंने उपकरणों का ऑर्डर दिया, तो Telenor स्टोर के बिक्री प्रबंधक ने टिप्पणी की कि इस आकार के इंस्टालेशन के पीछे किसी निजी व्यक्ति को देखना असामान्य था। Falkenborg Studentby के मालिक ने मेरे द्वारा चौकीदार और एक युवा सहायक की मदद से किए गए काम की सराहना की और इसके कुछ ही समय बाद उन्होंने इसे बेच दिया।

Chapter 17

Oslo (2005-06)

2005 में, मैंने NTNU से अपनी मास्टर डिग्री पूरी की और साथ ही मैं Bærum के Jar में रहने चला गया और Software Innovation में एक ट्रेनी और सिस्टम डेवलपर के रूप में काम करना शुरू किया। 2005 में ही, NTNU में अपनी मास्टर थीसिस जमा करने के तुरंत बाद मेरा विवाह भी हो गया। यह कई महीनों के उस दैनिक 12-16 घंटों के काम के दौर का अंत था जब मैं अपनी पढ़ाई के अंतिम दौर के साथ-साथ पूर्णकालिक नौकरी भी कर रहा था। 2006 के अंत में, हम Kløfta के Lindeberg में रहने चले गए जहाँ मैंने Element Logic में उसी पद पर काम करना शुरू किया। हम Mohagen 2 नामक सोसाइटी में रहते थे जहाँ मैं बोर्ड का अध्यक्ष बना और डेवलपर के खिलाफ एक मुकदमे में सोसाइटी का नेतृत्व किया। वह हमारे लिए एक कठिन समय था, लेकिन हम उससे काफी अच्छी तरह बाहर निकल आए।

Chapter 18

उद्धार दस्तक देता है (2007-08)

2007 में, हमारे पहले बच्चे के जन्म के कुछ ही समय बाद हम Torvikbukt चले गए। मेरी पत्नी कुछ समय के लिए अपनी सबसे अच्छी सहेली के पास रहना चाहती थी, और मुझे Element Logic में एक डेवलपर के रूप में काम जारी रखने में शांति नहीं मिल रही थी। मैंने कंपनी के लिए घर से काम करना शुरू कर दिया, पूरे Scandinavia में सहायता की जिम्मेदारी संभाली और साथ ही अपने छोटे भाई के बचपन के दोस्त को एक नई कंपनी बनाने में मदद की। हम अगस्त 2008 में Bergen के बाहर Frekhaug के पास Fosse में एक घर खरीदने से पहले आठ महीने तक Torvikbukt में रहे। उसके कुछ ही समय बाद, मुझे एक सपना आया:

मैं कई दरवाजों वाले एक गलियारे में चल रहा हूँ, और मैं इस बात को लेकर खोया हुआ महसूस कर रहा हूँ कि सही दरवाजा कौन सा है। तभी, लोगों का एक छोटा समूह आता है और मुझे सही दरवाजा दिखाता है। मैं अंदर जाता हूँ और एक विशाल, हवादार कमरे में प्रवेश करता हूँ जिसकी छत इतनी ऊँची है कि वह दिखाई नहीं देती। दाहिनी ओर, एक कांच की दीवार इतनी ऊँची है जहाँ तक नज़र जा सकती है, और मेरे सामने क्रिस्टल या कांच का एक समुद्र है जिस पर चला जा सकता है। सतह के नीचे से, मूर्तियों की तरह की आकृतियाँ—जो जीवित हैं फिर भी जीवित नहीं हैं—बिना उसे तोड़े क्रिस्टल समुद्र के माध्यम से उभरती हैं। वे उपस्थित लोगों के आनंद के लिए जीवित कला की तरह हैं, बिल्कुल आधुनिक संगीत कार्यक्रमों में देखे जाने वाले गतिशील प्रकाश शो (light shows) की तरह। एक बार जब वे पूरी तरह से उभर आती हैं, तो वे शांत रूप से नीचे उतरने से पहले विभिन्न मुद्राओं में स्थिर हो जाती हैं। दूर, मुझे एक पहाड़ दिखाई देता है जहाँ गायें चर रही हैं, और लोग समूहों में मेजों पर बैठे हैं, जो दिन का आनंद लेते हुए प्रतीत होते हैं। मैं अद्भुत स्वतंत्रता और आनंद का अनुभव करता हूँ। मैं जागता हूँ और सपने पर बहुत आनंदित होता हूँ।

— उद्धार का सपना

उस समय मैं इसे समझ नहीं पाया था, लेकिन वह सपना आने वाले उद्धार की एक तस्वीर थी। यही वह बिंदु है जहाँ से चीजें बदलने वाली हैं। हम मेरे जीवन के उस दौर में आ गए हैं जो यह बताता है कि मैं आज यहाँ क्यों बैठ सकता हूँ, परमेश्वर द्वारा यीशु में नई वाचा के तहत जीवन जीने के लिए छुड़ाया गया हूँ। मैं जानता हूँ कि अपनी शक्ति में मैं कुछ भी नहीं हूँ, लेकिन परमेश्वर के साथ विश्वास करने वालों के लिए सब कुछ संभव है (मरकुस 9:23):

”प्रभु कहता है, कि जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उन से बाँधूँगा, वह यह है: मैं अपनी व्यवस्था उनके हृदय पर लिखूँगा, और उनके मन में डालूँगा।” और फिर वह कहता है: ”मैं उनके पापों को और उनके अधर्म के कामों को फिर कभी स्मरण न करूँगा।” और जब इन की क्षमा हो गई है, तो फिर पाप के लिये कोई बलिदान नहीं रहा। इसलिये हे भाइयो, जब हमें यीशु के लहू

के द्वारा उस नए और जीवित मार्ग से पवित्र स्थान में प्रवेश करने का हियाव हो गया है, जो उसने परदे अर्थात् अपने शरीर में से होकर हमारे लिये निकाला है। और इसलिये कि हमारा ऐसा महान याजक है जो परमेश्वर के घर का अधिकारी है, तो आओ, हम सच्चे मन और पूरे विश्वास के साथ, और विवेक का दोष दूर करने के लिये हृदय पर छिड़काव लेकर, और देह को शुद्ध जल से धुलवाकर परमेश्वर के समीप जाएँ। और अपनी आशा के अंगीकार को दृढ़ता से थामे रहें; क्योंकि जिसने प्रतिज्ञा की है, वह सच्चा है। और प्रेम और भले कामों में उस्काने के लिये हम एक दूसरे की चिन्ता किया करें। और एक दूसरे के साथ इकट्ठा होना न छोड़ें, जैसा कि कितनों की रीति है, पर एक दूसरे को समझाते रहें; और ज्यों-ज्यों उस दिन को निकट आते देखो, त्यों-त्यों और भी अधिक ऐसा किया करो। क्योंकि सच्चाई की पहिचान प्राप्त करने के बाद यदि हम जान बूझकर पाप करते रहें, तो पापों के लिये फिर कोई बलिदान बाकी नहीं। हाँ, न्याय का एक भयानक बाट जोहना और आग का डर जो विरोधियों को भस्म कर देगा, बाकी है। जब कि मूसा की व्यवस्था का न मानने वाला दो या तीन गवाहों की गवाही पर बिना दया के मार डाला जाता है। तो सोच लो कि वह कितने और भी भारी दण्ड के योग्य ठहरेगा, जिसने परमेश्वर के पुत्र को पैरों तले रौंदा, और वाचा के लहू को जिससे वह पवित्र किया गया था, अपवित्र जाना और अनुग्रह की आत्मा का अपमान किया? क्योंकि हम उसे जानते हैं जिसने कहा, "पलटा लेना मेरा काम है, मैं ही बदला दूँगा।" और फिर यह, "प्रभु अपने लोगों का न्याय करेगा।" जीवित परमेश्वर के हाथों में पड़ना भयानक बात है!

— इब्रानियों 10:16-31

वर्ष 2008 था, और अपने अंतर्मन में, मैं जानता था कि मेरा जीवन पूरी तरह से बदलने वाला है। मेरी पत्नी और मैंने Christian Fellowship Nordhordland में सभाओं में जाना शुरू किया। सभाएँ Knarvik के एक व्यायामशाला (gymnasium) में आयोजित की जाती थीं, और हमने सोचा कि यह वह जगह है जहाँ हम अपनी पहली बेटी, Olivia को आशीष दिलाएँगे—उसका बपतिस्मा नहीं करेंगे। जब हम इस मंडली में शामिल हुए, तो मैंने गायन के दौरान खुशी का अनुभव किया, और विश्वासी हमारे प्रति खुले और गर्मजोशी से भरे हुए थे। मैंने घर जैसा और शांति का अनुभव किया, भले ही मैं बौद्धिक रूप से अहंकारी था (नीतिवचन 16:18), और यह मानता था कि मेरे पास अपने आस-पास के लोगों की तुलना में आध्यात्मिक मामलों का अधिक ज्ञान है क्योंकि मैं कई वर्षों से उनके बारे में पढ़ रहा था। सौभाग्य से, उन्होंने हमें खुले हाथों से स्वीकार किया, जिससे पवित्र आत्मा को मुझमें काम शुरू करने का मौका मिला।

हमारे Christian Fellowship Nordhordland में जाने के कुछ ही समय बाद, बर्गन, नॉर्वे से एक सुसमाचार प्रचारक वहाँ आए। उपदेश के बाद, वे मेरे पास आए और पूछा कि मैं कौन हूँ और क्या मैं यीशु को अपने जीवन के प्रभु और स्वामी के रूप में स्वीकार करना चाहता हूँ। मैं उनकी स्पष्टता और शब्दों के चुनाव से हैरान था, लेकिन मैंने यीशु को स्वीकार करने के लिए हाँ कह दिया, बिना यह पूरी तरह समझे कि मैं क्या प्रतिज्ञा कर रहा हूँ। तब उन्होंने मुझसे कहा, "इन शब्दों को दोहराओ!" और वहीं, जैसे ही मैंने यीशु को अपने जीवन के प्रभु और स्वामी के रूप में स्वीकार किया (रोमियों 10:9-10) और अपनी जान मेरे लिए देने और अपने अनुग्रह के लिए उन्हें धन्यवाद दिया, मुझे उस नई आत्मा का दर्शन हुआ जो परमेश्वर ने मुझे दी थी।

एक दर्शन में, मैं एक बड़े सफेद अंडे के तल पर खड़ा हूँ, जो मुझसे काफी ऊँचा है। मैं ऊपर देखता हूँ और देखता हूँ कि अंडा इंसानी हाथों से नहीं बना है बल्कि इसे जीवित जैविक सामग्री के रूप में सबसे अच्छी तरह वर्णित किया जा सकता है। अंडे के बाहर से एक नरम रोशनी

आती है जो अंदर के हिस्से को रोशन करती है। मुझे महसूस हुआ कि सब कुछ साफ था—कोई गंदगी नहीं, कुछ भी नहीं, बस मैं। ऐसा लग रहा था जैसे मेरी सारी गंदगी कुछ समय के लिए दूर कर दी गई हो। मैं स्तब्ध था, लेकिन मैंने अपने अंदर एक बहुत ही विशेष शांति महसूस की जो किसी और चीज़ के विपरीत थी, जैसा कि उस प्रचारक ने मुझे बताया था।

— यीशु को स्वीकार करने पर मुझे जो दर्शन मिला

उस प्रचारक ने मुझे बताया और पुष्टि की कि मैं एक ऐसी शांति का अनुभव करूँगा जिसे मैंने पहले कभी नहीं जाना था, और यह कि जब मेरा बपतिस्मा होगा तो यह शांति गायब हो जाएगी—जिस पर, निश्चित रूप से, मुझे आश्चर्य हुआ। जैसे ही यह हुआ, मेरी आँखों से आँसू बहने लगे। मेरी पत्नी ने बाद में कहा कि वह अगले कुछ दिनों में मुझे पहचान नहीं पा रही थी। जैसे ही हम उस दिन सभा से गाड़ी चलाकर निकले, मैंने पवित्र आत्मा को सीधे मुझसे बात करते हुए सुना, मुझे जीवन की बात करने और मृत्यु की नहीं (नीतिवचन 18:21) की चेतावनी देते हुए। पवित्र आत्मा ने मुझ पर प्रगट किया कि मुझे अपने शब्दों की रक्षा करनी चाहिए और अपने बयानों को सावधानी से चुनना चाहिए (याकूब 3:6)। यह समझना महत्वपूर्ण है कि पवित्र आत्मा हमें वर्तमान और भविष्य के लिए भविष्यवाणी के रूप में गहराई से जानता है। पीछे मुड़कर देखने पर, अब मैं समझता हूँ कि यह अनुभव मेरे बुलावे की एक कुंजी थी और इसे सक्रिय रूप से विकसित करना अत्यंत महत्वपूर्ण था। इसका मतलब यह नहीं है कि मैं हमेशा पवित्र आत्मा के दिए हुए के अनुसार बोलने में कामयाब रहा हूँ, लेकिन हमें शांति स्थापित करने वाला बनने और सच्चाई साझा करने के लिए बुलाया गया है, न कि कार्यों या शब्दों के माध्यम से विनाश और मृत्यु फैलाने के लिए।

जब मैंने यीशु को स्वीकार किया, तो मुझे अपने जीवन में पहली बार परमेश्वर से एक दर्शन प्राप्त हुआ। तैंतीस साल के जीवनकाल और ग्यारह हजार से अधिक दिनों में फैले इस तरह के पहले अनुभव के सांख्यिकीय महत्व को देखते हुए, मेरे पास उन लोगों के लिए तीन शब्द हैं जो परमेश्वर के प्रति एक विश्वासी के अनुभवों को नकारने की कोशिश करते हैं: **अविश्वास और संदेह**।

अब शुरू होने वाली प्रक्रिया में, मैं देखता हूँ कि परमेश्वर हम विश्वासियों—पवित्र लोगों—को उनके साथ चलते रहने और अपनी कामुकता, इच्छा और रहस्यवाद के साथ दुनिया की ओर वापस न मुड़ने की **चेतावनी** देता है।

परन्तु जैसे उन लोगों में झूठे भविष्यद्वक्ता थे, वैसे ही तुम में भी झूठे उपदेशक होंगे, जो चुपके से विनाशकारी पाखण्डों को लायेंगे और उस स्वामी का भी इन्कार करेंगे जिसने उन्हें खरीदा था, और अपने आप को शीघ्र विनाश में डाल देंगे। और बहुत से लोग उनके कुकर्मों का अनुसरण करेंगे, जिनके कारण सत्य के मार्ग की निन्दा की जाएगी। और वे लोभ के कारण छली बातों से तुम्हें अपने लाभ का कारण बनाएंगे; और जो दण्ड की आज्ञा उन पर पहले से हो चुकी है, उसके आने में देर नहीं, और उनका विनाश ऊँघता नहीं। क्योंकि जब परमेश्वर ने उन स्वर्गदूतों को जिन्होंने पाप किया नहीं छोड़ा, परन्तु पाताल (Tartarus) के अंधेरे कुण्डों में डालकर न्याय के दिन तक के लिये बन्दी रखा; और पुराने युग के संसार को भी नहीं छोड़ा, वरन् भक्तिहीन संसार पर प्रलय भेजकर धर्म के प्रचारक नूह समेत आठ व्यक्तियों को बचा लिया; और सदोम और अमोरा के नगरों को भस्म करके उन्हें उलट-पुलट कर देने का दण्ड दिया, ताकि वे भविष्य में भक्तिहीन होने वालों के लिये एक दृष्टान्त बनें; और धर्मी लूत को जो अधर्मियों के कामुक चाल-चलन से बहुत दुखी था, छुटकारा दिया (क्योंकि वह धर्मी उनके बीच में रहते हुए, उनके अधर्म के कामों को देख-देखकर और सुन-सुनकर प्रतिदिन अपने धर्मी प्राण को पीड़ित करता

था): तो प्रभु भक्तों को परीक्षा में से निकाल लेना और अधर्मियों को न्याय के दिन तक दण्ड की दशा में रखना भी जानता है। विशेष करके उन्हें जो अशुद्ध अभिलाषाओं में देह के पीछे चलते हैं, और प्रभुता को तुच्छ जानते हैं। वे ढीठ और स्वेच्छाचारी हैं, और ऊँचे पद वालों को बुरा-भला कहने से नहीं डरते; जबकि स्वर्गदूत जो शक्ति और सामर्थ्य में उन से बड़े हैं, प्रभु के सामने उन्हें बुरा-भला कहकर उन पर दोष नहीं लगाते। पर ये लोग उन बुद्धिहीन पशुओं के समान हैं, जो पकड़े जाने और नाश होने के लिये ही पैदा हुए हैं, और जिन बातों को नहीं जानते, उन में बुरा-भला कहते हैं; वे अपनी ही सड़ावट में नाश हो जाएंगे, और अधर्म का बदला पाएंगे। वे दिन-दुपहरे सुख-विलास करने को आनन्द समझते हैं; वे कलंक और दोष हैं, और जब वे तुम्हारे साथ खाते-पीते हैं, तो अपनी छली बातों में मग्न रहते हैं; उनकी आँखों में व्यभिचार बसा है और वे पाप किए बिना नहीं रह सकते; वे चंचल मन वालों को फुसलाते हैं; उनका मन लोभ में सिद्ध है; वे शाप की सन्तान हैं; वे सीधे मार्ग को छोड़कर भटक गए हैं, और बोर के पुत्र बिलाम के मार्ग पर हो लिए हैं, जिसने अधर्म की मजदूरी को प्रिय जाना; परन्तु उसके अपराध के कारण उसे डाँट मिली; एक गूंगी गदही ने मनुष्य की बोली बोलकर उस भविष्यद्वक्ता के पागलपन को रोक दिया। ये बिना पानी के सोते और आँधी के उड़ाए हुए बादल हैं; उनके लिये घोर अन्धकार सदा के लिये बना रखा गया है। क्योंकि वे व्यर्थ की बड़ी-बड़ी बातें बोलकर उन लोगों को जो भटकने वालों में से अभी निकल ही रहे हैं, शारीरिक अभिलाषाओं और कामुकता के द्वारा फुसला लेते हैं; वे उन्हें स्वतन्त्रता देने की प्रतिज्ञा तो करते हैं, पर आप ही सड़ावट के दास हैं; क्योंकि जो व्यक्ति जिस से हार गया है, वह उसका दास बन जाता है। क्योंकि यदि वे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की पहिचान के द्वारा संसार की अशुद्धता से बच निकलने के बाद, फिर उन में फँसकर हार गए, तो उनकी पिछली दशा पहली से भी बुरी हो गई है। क्योंकि धर्म का मार्ग न जानना ही उनके लिये अच्छा होता, बजाए इसके कि उसे जानकर उस पवित्र आज्ञा से फिर जाएं जो उन्हें सौंपी गई थी। उन पर वह सच्ची कहावत ठीक बैठती है, "कुत्ता अपनी ही कय की ओर फिर जाता है," और, "नहलाई हुई सूअरनी कीचड़ में लोटने के लिये फिर लौट जाती है।"

— 2 पतरस 2

पीछे मुड़कर देखने पर, मैं समझता हूँ कि उस दिन के बाद से, मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर (भजन संहिता 91:4)—मेरे छुड़ाने वाले, मेरे उद्धारकर्ता और मेरे सृष्टिकर्ता—के पंखों के नीचे आ गया था।

उसने कहा: "हे यहोवा, मेरी शक्ति, मैं तुझ से प्रेम करता हूँ। यहोवा मेरी चट्टान, मेरा गढ़ और मेरा छुड़ाने वाला है; मेरा ईश्वर मेरी चट्टान है, जिसका मैं शरणागत हूँ। वह मेरी ढाल और मेरी शक्ति का उद्धार, और मेरा ऊँचा गढ़ है। मैं यहोवा को जो स्तुति के योग्य है पुकारूँगा, और अपने शत्रुओं से बचाया जाऊँगा। मृत्यु की रस्सियों ने मुझे घेर लिया; विनाश की बाढ़ ने मुझे डरा दिया। अधोलोक की रस्सियों ने मुझे चारों ओर से लपेट लिया; मृत्यु के फन्दों ने मेरे सामने आकर मुझे पकड़ा। अपने संकट में मैंने यहोवा को पुकारा; मैंने अपने परमेश्वर की दुहाई दी। उसने अपने मन्दिर से मेरी आवाज़ सुनी; मेरी दुहाई उसके कानों तक पहुँची। तब पृथ्वी डगमगाई और काँप उठी; पहाड़ों की नेवें हिल गईं; वे थरथरा उठीं, क्योंकि वह क्रोधित हुआ। उसके नथनों से धुआँ निकला, और उसके मुख से भस्म करने वाली आग निकली; उस से अंगारे दहक उठे। उसने स्वर्ग को झुकाया और नीचे उतर आया, और उसके पैरों के नीचे घोर अन्धकार था।"

— भजन संहिता 18:1-10

इसके बावजूद, मुझे उस दिन वास्तव में क्या हुआ था, इसके साथ शांति पाने और इस समझ तक पहुँचने में सात साल लग गए कि मैं पागल नहीं था। मैं उस समय को याद करता हूँ जब मैं अंडे के भीतर खड़ा था, जहाँ परमेश्वर ने स्वयं मुझे उस नई आत्मा के बारे में गवाही दी थी जो उसने मुझे दी थी। यह मेरे बपतिस्मा से कुछ ही दिन पहले की बात थी, जहाँ मेरे अच्छे भाई Oddmund Solheim ने मुझे पानी में उतारा था।

यीशु ने उत्तर दिया: "मैं तुझ से सच सच कहता हूँ, यदि कोई नये सिरे से न जन्मे तो वह परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता।" निकुदेमुस ने उस से कहा, "जब मनुष्य बूढ़ा हो गया, तो वह कैसे जन्म ले सकता है? क्या वह अपनी माता के गर्भ में दूसरी बार प्रवेश करके जन्म ले सकता है?" यीशु ने उत्तर दिया: "मैं तुझ से सच सच कहता हूँ, जब तक कोई जल और आत्मा से न जन्मे तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।"

— यूहन्ना 3:3-5

2012 तक के वर्षों के दौरान, मुझे आत्मा में शक्तिशाली अनुभव हुए, लेकिन मेरा मन समझ नहीं पा रहा था कि क्या हो रहा है। जो बात डरावनी भी महसूस हुई वह यह थी कि जब मेरा नया जन्म हुआ, तो मेरी आँखें खुल गई और मैंने रात में हमारे कमरे में मनुष्यों जैसी आकृतियाँ देखनी शुरू कर दीं (इफिसियों 6:12)। चर्च में आमतौर पर ऐसी बातों पर चर्चा नहीं की जाती है, लेकिन एक रविवार की सभा के बाद मुझे दो लोगों के बीच की बातचीत सुनने को मिली। बातचीत एक माँ और उसकी बेटी के बारे में थी, जो लगभग तीन साल की थी, जिन्होंने दोनों ने रात में बिस्तर के पास एक आदमी को खड़ा देखा था। यह एक डरावना अनुभव था, लेकिन अगले दिन माँ ने इसे यह सोचकर खारिज कर दिया कि यह एक सपना रहा होगा। फिर, बेटी ने अपनी माँ से पूछा कि उस रात कमरे में कौन सा आदमी खड़ा था। मुझे तब समझ आया कि यदि वे ऐसी चीजों का अनुभव कर सकते हैं और उनका गवाह बन सकते हैं, तो शायद मेरे अपने अनुभव मनगढ़ंत या केवल सपने नहीं थे। इसने बदले में मुझे यह समझने की कुंजी दी कि वास्तव में मेरे जीवन के मार्ग पर एक लड़ाई चल रही थी।

परमेश्वर की मंडली के रूप में, हमें अपनों की देखभाल करने और उन्हें सुसज्जित करने के प्रति सचेत रहना चाहिए ताकि वे अतीत के साथ समझौता कर सकें और जब हमारा नया जन्म हो तो पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन को पूरी तरह से स्वीकार कर सकें (रोमियों 8:14)। हमें अपने विचारों और अपने मन को अनुशासित करना सीखना चाहिए (2 कुरिन्थियों 10:5)। केवल इसी तरह से पृथ्वी पर परमेश्वर की देह उस खिंचाव को सहन कर सकती है जब तूफान मचता है और खिंचाव टूटने की धमकी देता है। हमें शब्द और कर्म में एकता रखनी चाहिए। चर्च ने इस संबंध में अपनी चांदी की विरासत बेच दी है क्योंकि वे परमेश्वर के वचन को काटते और जोड़ते हैं। इसका परिणाम यह है कि हम उन आशीषों को फेंक देते हैं जो परमेश्वर के पास हमारे लिए हैं, और उसके लोग ज्ञान की कमी के कारण नष्ट हो जाते हैं (होशे 4:6)। मंडलियाँ सूख जाती हैं और युवा पीढ़ी सभाओं से गायब हो जाती है क्योंकि हम पवित्र आत्मा और उसके द्वारा दिए गए अनुग्रह के उपहारों के साथ नहीं चलते हैं। परमेश्वर की आत्मा उस मंडली में कार्य नहीं कर सकती जो जीवित नहीं है और उसके नेतृत्व के लिए खुली नहीं है (1 थिस्सलुनीकियों 5:19)।

चाहे जो भी हो, भले ही मंडली में मेरे पास बहुत से ऐसे मसीही भाई नहीं थे जो इन चीजों के बारे में ज्यादा बात करते थे, फिर भी संगति अद्भुत थी और मैं फल-फूल रहा था। इसका मतलब यह नहीं है कि कोई चुनौतियाँ नहीं थीं, लेकिन ऐसा हमेशा होता है। अतीत की पकड़ से मुक्त होना एक प्रक्रिया थी। हमारे भौतिक शरीर के विपरीत, जो माँ के गर्भ से पैदा होते हैं, हमारी आत्मा का जन्म परमेश्वर की आत्मा से होना चाहिए। हमारा मन और सोचने के पुराने तरीके स्वचालित रूप से नए सिरे से नहीं जन्म लेते; हालाँकि, विश्वासयोग्य रहकर और

मंडली और संगति में भाग लेने से, हम कदम दर कदम रूपांतरित होते जाते हैं (2 कुरिन्थियों 3:18), भले ही यह हमेशा आसान न हो।

इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारे मन के नये हो जाने से तुम्हारा चाल-चलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।

— रोमियों 12:2

बाइबल फिर भी एक पुस्तक है; चाहे वह कितनी भी धन्य क्यों न हो, जीवन स्वयं पुस्तक से नहीं बल्कि सीधे परमेश्वर की आत्मा से आता है (2 कुरिन्थियों 3:6)। उसने हमें अपना वचन बाइबल में हमारा मार्गदर्शन करने और मदद करने के लिए दिया है, लेकिन जीवन स्वयं केवल उसी से आता है—मसीह हम में और परमेश्वर उनमें (कुलुस्सियों 3:4)—जो विश्वास पर आधारित है। यीशु ने स्वयं हमें बड़ी गंभीरता के साथ चेतावनी दी थी: जो उसे अस्वीकार करते हैं वे अनंत दण्ड भोगेंगे (मत्ती 25:46) और प्रभु की उपस्थिति से दूर होकर अनंत विनाश का दण्ड पाएंगे (2 थिस्सलुनीकियों 1:9)।

मैं तो व्यवस्था के द्वारा व्यवस्था के लिये मर गया कि परमेश्वर के लिये जीऊँ। मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ, अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है; और मैं शरीर में अब जो जीवित हूँ तो केवल उस विश्वास से जीवित हूँ जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिसने मुझ से प्रेम किया और मेरे लिये अपने आप को दे दिया। मैं परमेश्वर के अनुग्रह को व्यर्थ नहीं ठहराता, क्योंकि यदि व्यवस्था के द्वारा धर्म होता, तो मसीह का मरना निष्प्रयोजन होता।

— गलातियों 2:19-21

हालाँकि, अद्भुत बात यह है कि उसका वचन कभी भी अपना विरोध नहीं करेगा (भजन संहिता 119:160) और हम वचन का अध्ययन और परीक्षण कर सकते हैं कि क्या वह अच्छा और सही है। यदि पिता ने बोला है, तो वह अपने वचन के प्रति वफादार है, अतीत में भी और भविष्य में भी। यदि यह परीक्षा में खरा उतरता है, तो वचन झूठ को सच से अलग कर देगा और हमारे लिए एक उपकरण बन जाएगा यदि हम इसे अपना लें।

क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित, और प्रबल, और हर एक दोधारी तलवार से भी बहुत चोखा है; और जीव और आत्मा को, और गाँठ-गाँठ और गूदे-गूदे को अलग करके आर-पार छेदता है; और मन के विचारों और इरादों को जाँचता है। और सृष्टि की कोई वस्तु उससे छिपी नहीं है, वरन् जिससे हमें काम है, उसकी आँखों के सामने सब वस्तुएं खुली और नंगी हैं।

— इब्रानियों 4:12-13

नए जन्म के बाद होने वाले परिवर्तन में हमारा मन, हमारी भावनाएं और हमारे सोचने के पुराने तरीके शामिल होते हैं। नया जन्म लेने से पहले हमने जो कुछ भी हासिल किया था, उसमें से बहुत कुछ को अक्सर भूलना (unlearn) पड़ता है। वह ज्ञान जो परमेश्वर का विरोध करता है, अच्छा नहीं है; इसलिए, यदि किसी को परमेश्वर की आत्मा के अनुरूप चलना और कार्य करना है, तो आत्मा का मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है:

मैं कहता हूँ: आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे। क्योंकि शरीर आत्मा के विरोध में, और आत्मा शरीर के विरोध में लालसा करती है; और ये एक दूसरे के विरोधी हैं, इसलिये कि जो तुम करना चाहते हो वह न करने पाओ। और यदि तुम आत्मा के चलाए चलते हो, तो व्यवस्था के अधीन न रहे। शरीर के काम तो प्रगट हैं, अर्थात् व्यभिचार, गन्दगी, लुचपन, मूर्तिपूजा, टोना, बैर, झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध, विरोध, फूट, विधर्म, डाह, मतवालापन, लीला-क्रीड़ा, और इनके समान काम हैं; इनके विषय में मैं तुम को पहले से कह देता हूँ जैसा कि पहले कह भी चुका हूँ कि ऐसे काम करने वाले परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे। पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, भलाई, विश्वास, नम्रता, और संयम हैं; ऐसे कामों के विरोध में कोई व्यवस्था नहीं। और जो मसीह यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उसकी लालसाओं और अभिलाषाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है। यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं, तो आत्मा के अनुसार चलें भी। हम घमण्डी होकर न एक दूसरे को छेड़ें और न एक दूसरे से डाह करें।

— गलातियों 5:16-26

परमेश्वर के साथ ज्ञान और अनुभव के माध्यम से, हम कदम दर कदम आगे बढ़ते हैं यदि हम अपने स्वयं के तरीकों को त्याग कर वह अपनाने को तैयार हैं जो उसके पास हमारे लिए है। यह हमेशा आसान नहीं होता, लेकिन यह सही है:

इसलिये जब कि गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हमें घेरे हुए है, तो आओ, हम भी हर एक रोकने वाली वस्तु और उलझाने वाले पाप को दूर करके, उस दौड़ में जिसमें हमें दौड़ना है, धीरज से दौड़ें; और विश्वास के कर्ता और सिद्ध करने वाले यीशु की ओर ताकते रहें; जिसने उस आनन्द के लिये जो उसके आगे धरा था, लज्जा की कुछ चिन्ता न करके क्रूस का दुख सहा, और सिंहासन पर परमेश्वर के दाहिने जा बैठा। इसलिये उस पर ध्यान करो जिसने पापियों का अपने विरोध में इतना विरोध सह लिया कि तुम थककर साहस न छोड़ दो। तुम ने पाप से लड़ते हुए अभी तक ऐसा सामना नहीं किया जिसमें लोहू बहाना पड़ा हो। और तुम उस उपदेश को भूल गए हो जो तुम्हें पुत्रों के समान दिया जाता है: "हे मेरे पुत्र, प्रभु की ताड़ना को हल्की बात न जान, और जब वह तुझे डाँटे तो साहस न छोड़। क्योंकि प्रभु जिस से प्रेम करता है, उसकी ताड़ना भी करता है, और जिसे पुत्र बना लेता है, उसे कोड़े भी लगाता है।" तुम दुख को ताड़ना समझकर सह लो; परमेश्वर तुम्हें पुत्र जानकर तुम्हारे साथ बर्ताव करता है; वह कौन सा पुत्र है जिसकी ताड़ना पिता नहीं करता? यदि वह ताड़ना जो सबको दी जाती है तुम्हारी नहीं हुई, तो तुम पराये ठहरे, पुत्र नहीं। फिर जब कि हमारे शारीरिक पिता हमें ताड़ना दिया करते थे और हमने उनका आदर किया, तो क्या आत्माओं के पिता के और भी अधिक अधीन न रहें जिससे हम जीवित रहें? वे तो अपनी अपनी समझ के अनुसार थोड़े दिनों के लिये ताड़ना करते थे, पर यह तो हमारे लाभ के लिये करता है कि हम भी उसकी पवित्रता के भागी हो जाएं। और वर्तमान में हर प्रकार की ताड़ना आनन्द की नहीं, पर शोक ही की बात दिखाई पड़ती है, तौभी जो उसको सहते सहते पक्के हो गए हैं, बाद में उन्हें धर्म का शान्तियुक्त फल मिलता है। इसलिये ढीले हाथों और निर्बल घुटनों को सीधे करो! और अपने पाँवों के लिये सीधे मार्ग बनाओ कि लंगड़ा भटक न जाए, पर चंगा हो जाए। सब के साथ मेल मिलाप रखने और उस पवित्रता के खोजी हो जिसके बिना कोई प्रभु को न देखेगा। ध्यान से देखते रहो, कहीं ऐसा न हो कि कोई परमेश्वर के अनुग्रह से वंचित रह जाए; और न कोई कड़वी जड़ फूटकर कष्ट दे और उसके द्वारा बहुत से

लोग अशुद्ध हो जाएं। और न कोई व्यभिचारी या एसाव के समान अधर्मी हो, जिसने एक बार के भोजन के बदले अपने पहलौठे होने का पद बेच डाला। तुम जानते हो कि बाद में जब उसने आशीष पानी चाही, तो अयोग्य गिना गया, और आँसू बहा बहाकर खोजने पर भी मन फिराव का अवसर न पाया।

— इब्रानियों 12

पीछे मुड़कर देखने पर, अब मैं समझता हूँ कि भले ही मेरा जन्म 2008 में आत्मा से हुआ था, स्वर्ग में मेरे पिता ने उन झूठी शिक्षाओं को भुलाने में मेरी मदद करना शुरू कर दिया था जो मैंने अपने पूरे जीवन में ग्रहण की थीं। यह प्रक्रिया Christian Fellowship Nordhordland में उनके वचन के माध्यम से हुई। उनकी घर की संगति और मंडली में मेरा स्वागत किया गया, लेकिन मेरा मन छद्म-ज्ञान (pseudo-knowledge) से भरा था जो सीधे परमेश्वर का विरोध करता था, और मैं सक्रिय रूप से इसे अपने आस-पास के लोगों के साथ साझा करता था। पीछे मुड़कर देखने पर, मैं देखता हूँ कि मैं तब भी एक सुसमाचार प्रचारक था। यह सुनने में अजीब लग सकता है, लेकिन मैं अपने मन में एक वास्तविकता और अशुद्धता के साथ एक संबंध रखता था जो उस नई आत्मा के अनुरूप नहीं था जो परमेश्वर ने मुझे दी थी (कुलुस्सियों 2:8)। अनुभव से, मैं देखता हूँ कि शरीर और आत्मा एक-दूसरे के साथ संघर्ष कर सकते हैं, यहाँ तक कि उनके लिए भी जिनका नया जन्म हुआ है (गलातियों 5:17)।

Chapter 19

Frekhaug (2009)

हम साल 2009 में पहुँच चुके हैं और इस साल हमारे पास एक स्थानीय परिचित व्यक्ति आए। वे Frekhaug के Fosse में हमारे बिलकुल पास ही रहते थे और एक बहुत ही दिलचस्प और रंगीन व्यक्तित्व वाले व्यक्ति थे, जो राजनीति में कुशल और कर्मठ थे। उन्होंने हमसे हमारी वह ज़मीन खरीदने का प्रस्ताव रखा जो उस समय कृषि, प्रकृति और बाहरी गतिविधियों (LNF) के क्षेत्र के रूप में विनियमित थी। वे हमारे पास मौजूद कुल 3.2 mål ज़मीन में से एक mål को आवासीय उद्देश्य के लिए परिवर्तित करना चाहते थे। उन्होंने इसके सभी कानूनी और प्रक्रियात्मक खर्चों का भुगतान करने की पेशकश की और कहा कि यदि उन्हें निर्माण की अनुमति (byggetillatelse) मिल जाती है, तो वे इसे हमसे खरीद लेंगे। मैं इस बात का उल्लेख यहाँ इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि इस पुस्तक में आगे चलकर मैं फिर से इस विषय पर आऊँगा। जहाँ तक मुझे सही से याद है, उनका पहला प्रस्ताव लगभग 3,50,000 kroner के आसपास था, लेकिन इस बारे में विस्तार से साल 2013 के अध्याय में बताऊँगा। मैं इसे यहाँ केवल इसलिए साझा कर रहा हूँ क्योंकि आर्थिक दृष्टि से यह घटना आगे के लिए एक मुख्य आधार (कुंजी) साबित हुई।

Chapter 20

मसीही संगति (2010)

वर्ष 2010 मेरे नए जीवन की शुरुआत के उन कठिन वर्षों का मध्य बिंदु था। कलीसिया के नेतृत्व के लिए यह देखना चुनौतीपूर्ण था कि मैं सक्रिय रूप से एक ऐसा संदेश साझा कर रहा था जो सुसमाचार के विपरीत था, जबकि मेरे भीतर की आत्मा एक नए जीवन की गवाही दे रही थी (1 पतरस 5:8)। बात यहाँ तक पहुँच गई कि मुझे अपना रास्ता चुनने के लिए कहा गया।

मुझे याद है कि कलीसिया के एक प्राचीन, Morten Gundersen ने बाद में मुझे बताया कि उन्होंने किसी को मेरे और मेरे परिवार के लिए लंबे समय तक प्रार्थना करने के लिए कहा था, क्योंकि वह समझ गए थे कि मैं एक आंतरिक संघर्ष से गुजर रहा था। जब मैं पीछे मुड़कर उस समय को देखता हूँ, तो ऐसा लगता है जैसे मेरा पुराना जीवन मुझे पीछे खींचने की कोशिश कर रहा था क्योंकि मैंने अतीत के दरवाजे ठीक से बंद नहीं किए थे। जब मेरा नया जन्म हुआ था और उसके बाद के समय में, मेरे परमेश्वर के साथ अद्भुत अनुभव रहे थे। मैं इस बात से पूरी तरह अवगत हूँ कि कुछ ऐसी वस्तुएँ, कार्य या शब्द हो सकते हैं जो अशुद्ध आत्माओं के लिए दरवाजा खोल सकते हैं - या उसे खुला रख सकते हैं। यह एक ऐसा अनुभव है जो मुझे हाल के वर्षों में मिला है, जब मैं अपने जीवन में पवित्र आत्मा की गवाही को पीछे मुड़कर देखता हूँ। अभी कुछ दिन पहले ही मेरी मुलाकात विश्वास में एक भाई Arnt-Viktor Pettersen से हुई, जिनके पास भविष्यद्वाणी का वरदान है, और उन्होंने बताया कि कैसे पवित्र आत्मा ने उनके अपने जीवन में ठीक इसी बारे में बात की थी। उन्हें विश्वास में एक ऐसी बहन के लिए भी शब्द मिले जो इस बात से जूझ रही हैं कि वह अपने घर से कभी भी एक «क्लेश देने वाली आत्मा» को पूरी तरह से नहीं निकाल पाती हैं, अगर मैं इसे ऐसा कह सकूँ। उन्होंने बार-बार घर के चारों ओर घूमकर प्रार्थना की है। उनका बेटा, जिसने अभी तक यीशु को स्वीकार नहीं किया है, स्वयं गवाह था कि उसने महसूस किया जब उन्होंने एक अवसर पर एक आत्मा को बाहर निकाला। हमारी बहन ने मुझे बताया कि उन्होंने पूरे घर में प्रार्थना की थी और घोषणा की थी और अंत में गैराज में पहुँचे, जहाँ अचानक उन्हें कुछ «बाहर निकलता हुआ» महसूस हुआ। यह मुझे उन बाद के मामलों की याद दिलाता है जहाँ मैंने उन मसीहियों के बीच प्रकटीकरण (manifestations) का अनुभव किया है जिन्होंने अपने पास मौजूद चीजों या अपने अतीत को नहीं छोड़ा है, जो अशुद्ध आत्माओं की उपस्थिति के लिए एक द्वार और स्वीकृति के रूप में कार्य करते हैं (1 यूहन्ना 4:1)।

हम वापस 2010 पर चलते हैं। उस समय मैंने अनुभव किया कि रात में आत्माएँ एक अंधकारमय उपस्थिति के साथ मेरे पास आती थीं। उस समय मैं नहीं समझ पाया कि क्या हो रहा था, लेकिन अपने नए जीवन की शुरुआत में हर व्यक्ति के पास अलग-अलग चीजें होती हैं जिन्हें उन्हें छोड़ना या अपने आप से तोड़ना सीखना होता है। अक्सर, पुराने को पूरी तरह समाप्त करने के लिए व्यक्ति को एक ठोस निर्णय लेना पड़ता है और पूरे दिल से नए को अपनाना पड़ता है। जैसा कि कहा जाता है, व्यक्ति को अपने पीछे के पुल जला देने चाहिए। इसमें अक्सर उन श्रापों या आत्मिक बंधनों को तोड़ना शामिल होता है जो पवित्र आत्मा के विरुद्ध काम करते हैं। इसे करने के लिए, व्यक्ति को परमेश्वर के सामने खुद को दीन करना चाहिए और अपने किए गए कार्यों के लिए क्षमा मांगनी चाहिए (1 यूहन्ना 1:9), उन्हें क्षमा करना चाहिए जिन्होंने उसे चोट पहुँचाई या घायल किया (मत्ती 6:14-15) और उन चीजों को बाहर फेंक देना चाहिए जो बीमारी और समस्याओं के लिए द्वार खोलती हैं, चाहे वह व्यक्ति की जीवनशैली हो या उसके पास मौजूद संपत्ति:

परन्तु यीशु जैतून के पहाड़ को गया। और भोर को वह फिर मन्दिर में आया, और सब लोग उसके पास आए; और वह बैठकर उन्हें उपदेश देने लगा। तब शास्त्री और फरीसी एक स्त्री को लाए जो व्यभिचार में पकड़ी गई थी, और उसे बीच में खड़ा करके यीशु से कहा, "हे गुरु, यह स्त्री व्यभिचार करते हुए रंगे हाथों पकड़ी गई है। व्यवस्था में मूसा ने हमें आज्ञा दी है कि ऐसी स्त्रियों को पत्थरवाह करें; तो तू इसके विषय में क्या कहता है?" उन्होंने यह उसे परखने के लिये कहा, ताकि उस पर दोष लगाने का कोई अवसर पाएँ। परन्तु यीशु झुककर उँगली से पृथ्वी पर लिखने लगा। जब वे उससे पूछते ही रहे, तो उसने सीधे होकर उनसे कहा, "तुम में से जो निष्पाप हो, वही पहले उसे पत्थर मारे।" और वह फिर झुककर पृथ्वी पर लिखने लगा। यह सुनकर, वे बड़े से लेकर छोटे तक एक-एक करके निकल गए, और यीशु अकेला रह गया, और स्त्री वहीं बीच में खड़ी रही। तब यीशु ने सीधे होकर उससे कहा, "हे नारी, वे कहाँ हैं? क्या किसी ने तुझ पर दण्ड की आज्ञा न दी?" उसने कहा, "हे प्रभु, किसी ने नहीं।" यीशु ने कहा, "मैं भी तुझ पर दण्ड की आज्ञा नहीं देता; जा, और फिर पाप न करना।"

— यूहन्ना 8:1-11

यीशु के बारे में विशेष बात यह है कि वह हमसे प्रेम करते हैं, हमें त्यागते नहीं हैं। वह हमें पाप से छुटकारा पाने में मदद करते हैं और इसका अर्थ है अपने पुराने जीवन को मार डालना और उनके साथ अनंत जीवन के लिए जी उठना (रोमियों 6:4, यूहन्ना 8:36)। अशुद्ध आत्माओं से जुड़ी वस्तुओं के संबंध में, यह उन गैर-मसीही जिज्ञासुओं के बीच अच्छी तरह से जाना जाता है जो पत्थरों, 'ड्रीम कैचर्स' (dreamcatchers) और इसी तरह की चीजों के बारे में जानते हैं। परमेश्वर ने हमें स्पष्ट रूप से बताया है कि हमें जादू-टोने से दूर रहना चाहिए और नॉर्वे में हम इसे अक्सर अंधविश्वास कहते हैं:

परमेश्वर यहोवा यों कहता है: उन स्त्रियों पर हाय! जो मेरे सब प्रजा के लोगों को फाँसने के लिये अपनी सब कलाईयों के लिये गद्दियाँ सीतीं और हर एक कद के लोगों के सिर के लिये ओढ़नियाँ बनाती हैं! क्या तुम मेरी प्रजा के लोगों के प्राणों को आखेट करके अपने ही प्राणों को बचाए रखोगी?

— यहजकेल 13:18

वस्तुओं का अपना एक अतीत होता है जिसे हम स्वीकार करते हैं जब हम उन्हें अपने घर में लाते हैं, चाहे हम इसे महसूस करें या नहीं। और यह हमारे जीवन में उन समस्याओं के रूप में प्रकट हो सकता है जहाँ हमें पापों और बुरी आदतों को छोड़ने में कठिनाई होती है। आज इस बारे में ज्यादा बात नहीं की जाती है, लेकिन यदि किसी को परमेश्वर के साथ चलना है तो अपने पापों का पश्चाताप करना और «घर की सफाई» करना महत्वपूर्ण है (यशायाह 1:18)। यदि कोई ऐसे बंधनों को तोड़ना चाहता है तो न केवल बाहरी रूप से बल्कि अपने आंतरिक रूप से भी ऐसा करना आवश्यक है। मेरा मानना है कि यही वह बाधा है जो कई विश्वासियों को परमेश्वर के साथ चलने से रोकती है। ठीक उसी तरह जैसे एक शराबी को पहले यह स्वीकार करना पड़ता है कि उसे वास्तव में व्यसन की समस्या है।

परन्तु यदि दुष्ट अपने सब पापों से जो उसने किए हों फिरे, और मेरी सब विधियों को माने और न्याय और धर्म के काम करे, तो वह निश्चय जीवित रहेगा, वह न मरेगा। जितने अपराध उसने किए हों, उनमें से कोई उसके विरुद्ध स्मरण न किया जाएगा; अपने किए हुए धर्म के कामों के

कारण वह जीवित रहेगा। प्रभु यहोवा की यह वाणी है, क्या मैं दुष्ट के मरने से कुछ भी प्रसन्न होता हूँ? क्या मैं इससे प्रसन्न नहीं होता कि वह अपने मार्ग से फिरकर जीवित रहे? परन्तु जब धर्मी अपने धर्म से फिरकर कुटिलता करे, और उन सब घृणित कामों के अनुसार करे जो दुष्ट करता है, तो क्या वह जीवित रहेगा? उसके किए हुए धर्म के कामों में से कोई स्मरण न किया जाएगा; जो विश्वासघात उसने किया और जो पाप उसने किया, उन्हीं के कारण वह मर जाएगा। तौभी तुम लोग कहते हो, 'प्रभु की रीति ठीक नहीं है।' हे इस्राएल के घराने, अब सुन: क्या मेरी रीति ठीक नहीं है? क्या तुम्हारी ही रीतियाँ ठीक नहीं हैं? जब धर्मी अपने धर्म से फिरकर कुटिलता करे और उसी के कारण मर जाए, तो वह अपनी उसी कुटिलता के कारण मरता है जो उसने की है। फिर जब दुष्ट अपनी दुष्टता से जो उसने की है फिरकर न्याय और धर्म के काम करे, तो वह अपना प्राण बचाएगा। इसलिए कि उसने सोच-विचार किया और अपने सब अपराधों से जो उसने किए थे फिरा, वह निश्चय जीवित रहेगा, वह न मरेगा। तौभी इस्राएल का घराना कहता है, 'प्रभु की रीति ठीक नहीं है।' हे इस्राएल के घराने, क्या मेरी रीति ठीक नहीं है? क्या तुम्हारी ही रीतियाँ ठीक नहीं हैं? इस कारण, हे इस्राएल के घराने, मैं तुम में से हर एक का न्याय उसकी चाल के अनुसार करूँगा, प्रभु यहोवा की यही वाणी है। मन फिराओ, और अपने सब अपराधों से फिरो, तब अधर्म तुम्हारा विनाश न करेगा। अपने सब अपराधों को जो तुम ने किए हैं, अपने से दूर करो, और नया मन और नई आत्मा बना लो। हे इस्राएल के घराने, तुम क्यों मरो? क्योंकि प्रभु यहोवा की यह वाणी है, मैं किसी के मरने से प्रसन्न नहीं होता; इसलिए मन फिराओ और जीवित रहो!

— यहैजकेल 18:21-32

इसमें जो विशेष बात है वह यह है कि पवित्र लोगों के सबसे «अंतरंग घेरों» में भी ऐसे विश्वासी मिलते हैं जिन्होंने पाप को अपने से दूर नहीं किया है। और यह उन्हें परमेश्वर के साथ सक्रिय जीवन से दूर रखता है और उन्हें बड़ी आशीषों से वंचित (røver) करता है। मैंने खुद एक विश्वासी मित्र और भाई के साथ इसका अनुभव किया। एक समय पर एक करीबी भाई ने मुझे एक कागज़ दिया जिस पर एक सूत्र (formula) लिखा था जो कथित तौर पर «मेरी आत्मिक मदद» करने वाला था। जब उसने यह कहा तो मुझे अपने भीतर एक गहरी बेचैनी महसूस हुई और मैंने मना कर दिया। यह महत्वपूर्ण है कि हम जो परमेश्वर की संतान हैं, स्वयं को शक्ति, धन या साधारण जादू-टोने जैसी चीजों के जाल में न फँसने दें। इसे तब एक «गढ़» (stronghold) कहा जाता है और यह एक किले की तरह काम करेगा जिसने किसी को घेर लिया है या मजबूती से जकड़ लिया है (2 कुरिंथियों 10:4)। और मेरे भाई ने यहाँ जो किया, वह मुझ पर और मेरे परिवार पर श्राप लाने का कारण बन सकता था। बाइबल स्कूल में इसके बारे में सिखाया गया था। वस्तुएं गढ़ों (strongholds) के लिए द्वार खोल सकती हैं, ठीक उसी तरह जैसे हमारे द्वारा बोले गए शब्द हमें अशुद्ध कर सकते हैं जैसा कि यीशु कहते हैं (मत्ती 15:18)। यह शायद इतना अजीब नहीं है क्योंकि वस्तुएं, शब्द और कार्य किसी के अपने आंतरिक मन को दर्शाते हैं और इसका आत्मा में परिणाम होता है।

हम फिर से 2010 में वापस आते हैं और मेरे मामले में, मैं कई वर्षों से एक आत्मिक जिज्ञासु रहा था और बिना समझे अशुद्ध आत्माओं के संपर्क में रहा था (इफिसियों 6:12)। हम सभी अपने कार्यों के लिए स्वयं जिम्मेदार हैं और मैं इसमें फँस गया था और यह आंतरिक और बाहरी दोनों रूप से दिखाई देता था।

मैं नए और पुराने के बीच संघर्ष के बीच में था। एक रात जब मैं अपनी पत्नी के बगल में बिस्तर पर लेटा था, मुझे वह विशेष रूप से अच्छी तरह याद है। मेरा शरीर हड्डियों तक बिल्कुल ठंडा पड़ गया था, और डर ने मुझे जकड़ लिया था। मैं जानता था कि यह एक आत्मिक युद्ध था और शुद्ध निराशा में मैंने अपने भीतर से

परमेश्वर को पुकारा और उनसे इस युद्ध में मेरी मदद करने की प्रार्थना की (याकूब 4:7)। सोने से पहले मुझे जो आखिरी चीज याद है, वह एक प्रकाश था जो आया और मेरे चारों ओर फैल गया। और जब मैं अगले दिन उठा, तो मैं किसी भी अन्य सुबह की तुलना में ऊर्जा और आनंद से भरा हुआ था। परमेश्वर हमारे पिता ने मेरी पुकार सुन ली थी और मुझे उस चीज़ से मुक्त कर दिया था जो मुझे पिछली रात परेशान कर रही थी। हालाँकि वह स्वतंत्रता शुरू में अल्पकालिक थी, लेकिन कम से कम एक विजय तो प्राप्त हुई थी (गलातियों 5:1) - और यह उन कई गवाहियों में से एक है जिसे मैं अपने साथ आगे लेकर चलता हूँ।

जो मैं तुम से अंधियारे में कहता हूँ, उसे उजाले में कहो; और जो कानों कान सुनते हो, उसे छतों पर से प्रचार करो। जो शरीर को घात करते हैं, पर आत्मा को घात नहीं कर सकते, उनसे मत डरना; पर उसी से डरो जो आत्मा और शरीर दोनों को नरक में नाश कर सकता है।

— मत्ती 10:27-28

संघर्ष जारी रहा और जब यह हो रहा था, मैं कलीसिया में मित्रों, सहकर्मियों और भाई-बहनों के साथ पुराने बौद्धिक ज्ञान को साझा कर रहा था। एक ऐसा ज्ञान जो परमेश्वर के वचन के विपरीत था। मेरी आत्मा का नया जन्म हुआ था और स्कूल में जो कुछ मैंने सीखा था उसके विपरीत मेरे पास शक्तिशाली अनुभव थे, लेकिन मैं अतीत में फंसा हुआ था। मेरे मन में मैं अभी भी एक झूठे मसीहा, एक झूठे यीशु द्वारा बंदी था, भले ही आत्मा में मेरा नया जन्म हो चुका था।

1998 से ही मैं Urantia-boken नामक पुस्तक का एक समर्पित छात्र रहा था। आज मैं अपने अनुभव से जानता हूँ कि यह विचारधारा, अपने मसीह-विरोधी मूल्यों और आत्मिक धाराओं के साथ, लोगों को बहुत ही चालाकी से परमेश्वर से दूर रखती है। यह यीशु की शिक्षाओं के कुछ हिस्सों की नकल करके होता है, जबकि साथ ही उनकी दिव्यता और पृथ्वी पर उनके जीवन के वास्तविक उद्देश्य को हटा दिया जाता है। मैंने लंबे समय से एक पुस्तक लिखने पर विचार किया है जहाँ मैं इसके बारे में उन लोगों के साथ और अधिक साझा करूँ जो इससे संबंधित हैं ताकि अधिक लोगों को मुक्त होने का अवसर मिले। मेरे लिए, यह अलगाव बस होने ही वाला था, जिसमें विश्वास में अच्छे भाइयों ने मदद की - जिनमें हमारे प्रिय भाई Trond या भाई Thomas भी शामिल थे। सभी अच्छे भाई हैं, लेकिन प्रत्येक की अपनी कहानी और अनुभव हैं। मेरी अपनी कहानी है, लेकिन वे सभी आगे के रास्ते में और परमेश्वर के काम में मेरे साथ हैं।

Chapter 21

चुनाव और भाई (2011)

हम 2011 में पहुँच चुके थे जब कलीसिया के दो प्राचीन, Magnar Askeland और Morten Gundersen, हमारे घर आए। उन्होंने बताया कि मुझे एक चुनाव करना होगा कि मुझे आगे किस राह पर चलना है। मुझे ऐसे भाइयों की ज़रूरत थी जो उस संघर्ष को देख सकें जिससे मैं गुज़र रहा था। मेरा नया जन्म हुआ था, लेकिन मेरा मन उस बात को स्वीकार करने में सक्षम नहीं था जो आत्मा मुझे दिखा रही थी। फिर भी, मुझे परमेश्वर के साथ कुछ अद्भुत अनुभव हुए थे, और मैं अपने भीतर समझ गया था कि पवित्र आत्मा मुझे इस मुलाकात के लिए तैयार कर रही थी। मैंने उसी समय अपनी पत्नी से कहा कि वह उन सभी पुस्तकों को चुन सकती है जो उसके विचार में परमेश्वर के विरुद्ध थीं। और वह जानती थी कि मेरे पास ऐसी कई पुस्तकें थीं। इनमें Urantiaboken भी शामिल थी, जो सुनहरे किनारों वाली लगभग 2000 पृष्ठों की एक कृति थी, जिसका मैंने उस समय तक दस वर्षों तक लगन से अध्ययन किया था। उसने बड़ी आँखों से मेरी ओर देखा और पूछा कि क्या मैं वाकई वह कह रहा हूँ जो मेरा मतलब है। मैंने इसकी पुष्टि की, और उसके बाद कलीसिया के पुरुषों का एक समूह मिला और हमने पुस्तकों और अन्य वस्तुओं से भरा एक गत्ता जलाया। यह आध्यात्मिक भ्रम और अशुद्ध चीज़ें थीं जो परमेश्वर के विरुद्ध बोलती थीं (प्रेरितों के काम 19:19)। मुझे याद है कि यह मेरे लिए अपनी ही एक आँख बाहर निकालने जैसा था और बाद में मुझे समझ आया कि वहाँ एक छुटकारा (deliverance) हुआ था। उस समय मैं इसे नहीं समझा था लेकिन इन पुस्तकों को जलाकर, परमेश्वर मुझे अशुद्ध आत्माओं की पकड़ से छुड़ा सके और मुझे मृत्यु से जीवन की ओर मोड़ सके (2 कुरिंथियों 5:17)। मैंने 2008 में यीशु को 'हाँ' कहा था और वह विश्वासयोग्य थे और मुझे उनके साथ मार्ग पर बनाए रखने के लिए काम कर रहे थे, भले ही ऐसी शक्तियाँ थीं जो इसका विरोध कर रही थीं, मेरे भीतर भी और मेरे करीबी दायरे में भी। हमारे शब्दों में या तो जीवन है या मृत्यु; इसके बीच का कोई रास्ता नहीं है (नीतिवचन 18:21), ठीक वैसे ही जैसे जब अंतिम न्याय सुनाया जाता है। विश्वास में कोई आधा-अधूरा नहीं हो सकता।

वे हम में से निकले, पर वे हम में के नहीं थे; क्योंकि यदि वे हम में के होते, तो हमारे साथ रहते; पर वे इसलिए निकल गए कि यह प्रगट हो कि वे सब हम में के नहीं हैं। पर तुम्हारा तो उस पवित्र से अभिषेक हुआ है, और तुम सब कुछ जानते हो। मैंने तुम्हें इसलिए नहीं लिखा, कि तुम सत्य को नहीं जानते, पर इसलिए कि उसे जानते हो, और इसलिए कि कोई झूठ सत्य की ओर से नहीं है। झूठा कौन है? केवल वही जो यीशु के मसीह होने का इनकार करता है; और मसीह का विरोधी वही है, जो पिता का और पुत्र का इनकार करता है। जो कोई पुत्र का इनकार करता है, उसके पास पिता भी नहीं; जो पुत्र को मान लेता है, उसके पास पिता भी है। जो कुछ तुम ने आरम्भ से सुना है, वही तुम में बना रहे: यदि वह जो तुम ने आरम्भ से सुना है तुम में बना रहे, तो तुम भी पुत्र में और पिता में बने रहोगे। और जिसकी उसने हमसे प्रतिज्ञा की, वह अनन्त जीवन है।

— 1 यूहन्ना 2:19-25

मैं अपने भीतर समझ गया था कि मुझे परमेश्वर के लाभ के लिए अपना सब कुछ त्यागना होगा और यह उस आवश्यक प्रक्रिया का हिस्सा था जिससे मुझे गुज़रना था यदि मुझे स्वर्ग में रहने वाले पिता के लिए काम करना था। इससे पहले मैं शैतान का एक सुसमाचार प्रचारक था जो बिना समझे परमेश्वर और उनके कार्यों के विरुद्ध बोलता था, लेकिन परमेश्वर ने अपनी दया में मुझे अपने लिए एक सुसमाचार प्रचारक बनने के लिए बुलाया था (इफिसियों 2:8-9)। और मैं कौन हूँ? मैं असल में कोई नहीं हूँ। हाँ, मेरे पास अच्छी शिक्षा है, लेकिन मेरी अपनी कमियाँ हैं और बाहरी रूप का वास्तव में कोई मूल्य नहीं है यदि हम परमेश्वर और प्रत्येक व्यक्ति के लिए उनके बुलावे को नहीं सुनते हैं। मैंने अक्सर सोचा है कि परमेश्वर मेरा उपयोग क्यों करते हैं, लेकिन समझता हूँ कि सब कुछ अनुग्रह से है:

हे मेरे प्रियो... डरते और काँपते हुए अपने उद्धार का कार्य पूरा करते जाओ।

— फिलिप्पियों 2:12

मुझे याद है कि विश्वास में एक प्रिय भाई Thomas, मुझे देख रहे थे जब वे अंगारों को हिला रहे थे ताकि पुस्तकें पूरी तरह जल जाएँ। उन्होंने कहा कि मैं आने वाले समय में परमेश्वर के साथ बड़े कार्यों का अनुभव करूँगा। उस समय मुझे नहीं पता था कि वे भविष्यवाणी के रूप में बोल रहे थे, लेकिन बाद में मैंने देखा कि भाई Thomas ने कई अवसरों पर भविष्यवाणी का वरदान प्रदर्शित किया है। यह एक ऐसा वरदान है जिसके प्रति उन्हें सचेत रहना चाहिए और इसका उपयोग जारी रखना चाहिए।

उन दो प्राचीनों में से एक, Magnar Askeland, उन बातों के लिए हमेशा खुश रहते थे जो मैंने परमेश्वर के लिए की थीं और जो निर्णय मैंने लिए थे। इसी समय, वह पुरुषों का समूह जो हमारे पास भाइयों में से किसी एक के घर पर था, जिसमें भाई Thomas, भाई Trond और कई अन्य लोग शामिल थे, आंतरिक कलह और व्यक्तिगत अपरिपक्वता के कारण टूट गया। मुझे संदेह है कि आशीर्षे बहुत प्रबल हो गई थीं, और एक समूह के रूप में हम इसे संभाल नहीं पाए जब अशुद्ध आत्माओं के व्यक्तिगत प्रकटीकरण (manifestations) होने लगे। और यह एक ऐसे व्यक्ति में था जो खुद को समूह के नेताओं में से एक मानता था। संक्षेप में मैं इसे इस तरह कह सकता हूँ: समूह के पवित्र जनों में से एक में बीमारी की आत्मा थी, जिसका हम सभी पुरुषों के समूह में गवाह थे और इसकी पुष्टि Kristent fellesskap के पादरियों में से एक ने भी की थी। लेकिन, मैंने भी कई बार गलतियाँ की हैं और हम सभी को समय-समय पर अपने भीतर झाँकना चाहिए और दूसरों को या खुद को भी क्षमा करना चाहिए। वहाँ कई लोग थे जिन्होंने उस घटना को देखा जब हम उन पवित्र जनों में से एक के लिए प्रार्थना कर रहे थे और एक ऐसा मोड़ आया जब हमने एक दिन उसके लिए बहुत ज़ोरदार प्रार्थना की और उसे उल्टी जैसा महसूस हुआ, लेकिन उसने खुद को रोक लिया। मैं यकीन के साथ नहीं कह सकता, लेकिन मेरा मानना है कि इसके बाद हमले उलटे होने लगे, बिना समूह के इस बात को समझे। उस व्यक्ति ने कहा कि जब हम प्रार्थना करते थे तो उसे ऐसा लगता था जैसे उसके भीतर चाकू घोंपे जा रहे हों और जिस दिन सभा होती थी, शुक्रवार को, उसने बताया कि वह अक्सर सभा से पहले अपने भीतर बेचैनी और विरोध महसूस करता था। ये उसके अपने शब्द थे, मेरे नहीं। हर कोई उन चुनौतियों को नहीं समझ पाया जिनसे हम यहाँ गुज़र रहे थे और सब कुछ उस दिन चरम पर पहुँच गया जब समूह ने आत्मा में गलत रुख अपनाया और झूठे आरोपों के कारण व्यावहारिक रूप से सब कुछ बिखर गया। बार-बार किसी न किसी ने पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन के बिना कमान संभाल ली थी। उसी व्यक्ति के पास यहाँ तक कि एक स्वर्गदूत भी आया था जब मैं उसके लिए प्रार्थना कर रहा था, जिसने उसके ऊपर मेरे शब्दों की पुष्टि की थी और उसे दर्द से राहत दी थी। मुझे नहीं पता कि यह बात समूह के साथ साझा की गई थी या नहीं, लेकिन फिर भी। वह स्वयं इस बात से हैरान था कि यह घटना घटी जब उसने शाम को मुझे फोन किया। जो कुछ भी अच्छा

हुआ था उसके बावजूद, उसने स्वयं को प्रकट (manifest) किया और वह खुद पर नियंत्रण नहीं रख सका। अब मैं अनुभव से जानता हूँ कि एक मनुष्य में अशुद्ध आत्मा भी हो सकती है और उसका नया जन्म भी हुआ हो सकता है, भले ही यह विरोधाभासी लगे। मुझे कलीसिया के प्राचीनों में से एक से भी इसकी पुष्टि मिली, जो हमेशा मेरे लिए खुश रहते थे, कि मेरे और मेरे कार्य के प्रति विरोध था, लेकिन उनके मन में स्वयं मेरे प्रति कभी कुछ नहीं था। लगभग दस साल लग गए जब तक कि पवित्र जनों में से एक ने स्वीकार नहीं किया कि उसने इस समय के दौरान बहुत सी बुरी बातें कही और की थीं। मुझे गहरा संदेह है कि अपरिपक्वता या अशुद्धता में बोलने और कार्य करने के कारण कई आत्मिक वरदान नष्ट हो जाते हैं। हालाँकि, मैं इसमें निर्दोष नहीं हूँ और मुझे अपनी ज़िम्मेदारी उठाना सीखना चाहिए। भाई Øivind ने एक दिन मुझसे कहा था कि चरित्र निर्माण करना महत्वपूर्ण है, जो कि बहुत अच्छे और सही शब्द थे। आपको जो इसे पढ़ रहे हैं: सुनने में तत्पर, क्षमा करने में त्वरित और बोलने में धीमे बनें (याकूब 1:19)। जागते रहें और सोएँ नहीं। हमले आएँगे, यहाँ तक कि आपके अपनों से भी। कलीसिया का सहारा लें और उन विनाशकारी बीजों को रोकने के लिए मिलकर प्रार्थना करें जिन्हें कोई बो रहा है। इसे खुले में लाएँ। परमेश्वर चेतावनी देते हैं और कहते हैं कि हमें सबसे अधिक अपने मन की रक्षा करनी चाहिए। यह स्पष्ट है कि कलीसियाओं का भी एक हृदय होता है जिसे उन्हें अपने झुंड की देखभाल करने के लिए सबसे अधिक सुरक्षित रखना सीखना चाहिए:

हे मेरे पुत्र, मेरे वचन ध्यान धरकर सुन, और अपना कान मेरी बातों की ओर लगा। इन्हें अपनी आँखों की ओट न होने दे; अपने मन के भीतर इनका मेल मिलाए रख। क्योंकि जिनको ये प्राप्त होते हैं, वे उनके जीवित रहने का कारण और उनके सारे शरीर के स्वास्थ्य का साधन होते हैं। सबसे अधिक अपने मन की रक्षा कर; क्योंकि जीवन का मूल स्रोत वही है। टिल्दी बातें अपने मुँह से मत कह, और छल की बातें अपने होठों से दूर रख। तेरी आँखें सामने ही की ओर लगी रहें, और तेरी पलकें आगे की ओर टिकी रहें। अपने पाँव रखने के लिए मार्ग को समतल कर, तब तेरे सब मार्ग ठीक रहेंगे। न तो दाहिनी ओर मुड़ना और न बाई ओर; अपने पाँव को बुराई से दूर रख।

— नीतिवचन 4:20-27

इसके समानांतर, 2008 से 2012 की अवधि के दौरान मैंने Amazon.com बुकस्टोर के माध्यम से पादरियों, सुसमाचार प्रचारकों और अन्य ईसाइयों द्वारा लिखित कई डिजिटल पुस्तकें खरीदीं। मैंने Youtube.com पर कई गवाहियाँ भी देखीं और यहाँ जो देखा उस पर बहुत विचार किया। मैंने ज़रूरत के अनुसार पुस्तकों के हिस्सों का अध्ययन किया और बाइबल के साथ उनका मिलान किया। मैं देखना चाहता था कि क्या पवित्र जनों के अनुभव भी शास्त्र के अनुरूप थे। मैं इसे ऐसे वर्णित करूँगा जैसे मैं सोने की खुदाई कर रहा था। मैंने खुदाई की और जो कुछ मुझे मिला उसे परखा कि वह अच्छा है या नहीं:

लाओदीकिया की कलीसिया के दूत को यह लिख: जो आमीन, और विश्वासयोग्य, और सच्चा गवाह है, और परमेश्वर की सृष्टि का मूल कारण है, वह यह कहता है: मैं तेरे कामों को जानता हूँ कि तू न तो ठंडा है और न गर्म: भला होता कि तू ठंडा या गर्म होता। इसलिए कि तू गुनगुना है, और न ठंडा है और न गर्म, मैं तुझे अपने मुँह से उगलने पर हूँ। तू जो कहता है कि «मैं धनी हूँ, और धनवान हो गया हूँ, और मुझे किसी वस्तु की कमी नहीं,» और यह नहीं जानता कि तू अभागा और तुच्छ और कंगाल और अंधा और नंगा है। इसीलिये मैं तुझे सम्मति देता हूँ कि आग में ताया हुआ सोना मुझसे मोल ले कि तू धनी हो जाए; और सफेद वस्त्र ले कि पहनकर तुझे अपने नंगेपन की लज्जा न हो; और अपनी आँखों में लगाने के लिये अंजन ले कि तू देखने लगे।

जिन-जिन से मैं प्रीति रखता हूँ, उन सबको डाँटता और ताड़ना देता हूँ; इसलिये सरगर्म हो और मन फिरा। देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ; यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूँगा, और वह मेरे साथ। जो जय पाए, मैं उसे अपने साथ अपने सिंहासन पर बैठाऊँगा, जैसा मैं भी जय पाकर अपने पिता के साथ उसके सिंहासन पर बैठ गया।

— प्रकाशितवाक्य अध्याय 3

यीशु के शब्दों पर ध्यान दें जब वे कहते हैं जो जय पाए, मैं उसे अपने साथ अपने सिंहासन पर बैठाऊँगा।

हम 2008-2012 के अपने बचपन के वर्षों के बीच में हैं और मैंने शास्त्र के बारे में जो कुछ भी पढ़ा और परखा, उसमें मुझे कोई कमी नहीं मिली, चाहे मैं कितनी भी गहराई में क्यों न गया, भले ही मैं अक्सर चकित होता था और जो पढ़ता था उसे अनिवार्य रूप से समझ नहीं पाता था। कभी-कभी पवित्र आत्मा ने मुझे सीधे चीजें दिखाई और कभी-कभी मुझे कई सालों बाद जवाब मिले। पवित्र आत्मा हम सभी को यहाँ थोड़ा और वहाँ थोड़ा देती है, कुछ सपने देखते हैं, कुछ दर्शन देखते हैं, लेकिन हमें एक कलीसिया होने के लिए बुलाया गया है। जो मेरे भीतर घट रहा था वह यह रहस्योद्घाटन था कि हमें परमेश्वर में कितना अद्भुत उपहार मिला है। इस समय यह भी होता है कि मैं उन लोगों की कई गवाहियाँ भी पढ़ता और देखता हूँ जो नर्क में रहे हैं और इसने मुझे बहुत डरा दिया। जितना अधिक मैंने पवित्र जनों की गवाहियों को बाइबल और चिन्हों तथा चमत्कारों के अपने अनुभवों के साथ जोड़ा, मैं धीरे-धीरे समझ गया कि वास्तव में स्वर्ग और नर्क है। यीशु ने स्वयं इसके बारे में बार-बार चेतावनी दी थी: उस अनन्त आग के बारे में जो शैतान और उसके दूतों के लिए तैयार की गई है (मत्ती 25:41), उस आग के कुण्ड के बारे में जहाँ रोना और दाँत पीसना होगा (मत्ती 13:42), उस नर्क के बारे में जहाँ कीड़ा नहीं मरता और आग नहीं बुझती (मरकुस 9:48), और उस धनवान मनुष्य के बारे में जो ज्वाला में तड़प रहा था (लूका 16:24)। ऐसे बहुत से शास्त्रवचन हैं जो इसकी ओर संकेत करते हैं। जिन लोगों ने नर्क देखे जाने या वहाँ रहने का अनुभव किया है, वे इसे **अत्यधिक हृदयविदारक** बता सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि नर्क का अस्तित्व है और वह हर तरह से स्वर्ग से बिल्कुल अलग है, लेकिन अच्छाई के बिल्कुल विपरीत है। जब मनुष्य दावा करते हैं कि परमेश्वर उन्हें नर्क भेजकर क्रूर बन रहे हैं, तो वे यह नहीं समझते कि वे स्वयं पत्थर जैसे कठोर हैं और अपनी बुराई से मुड़ना नहीं चाहते। उससे डरो जो आत्मा और शरीर दोनों को नर्क में नष्ट कर सकता है (मत्ती 10:28)। वे और किस स्थान पर जा सकते हैं जहाँ वे स्वयं रहना चुनते हैं? यह कड़वा है, लेकिन उन लोगों के पीछे का क्रूर सच है जो अपने स्वयं के जीवन से मृत्यु तक प्रेम करते हैं। हम अकेले और अलग-थलग नहीं रहते, बल्कि अपने पास जो कुछ है उसे अपने आस-पास के ज़रूरतमंदों के साथ साझा करने के लिए बुलाए गए हैं।

इसके समानांतर, मुझे बस में और अन्य स्थानों पर पवित्र आत्मा से शब्द मिलने लगे, लोगों के लिए शब्द और परमेश्वर के बारे में साझा करने में निर्माण और सहायता के लिए शब्द, विशिष्ट स्थितियों के लिए सीधे शब्द। मुझे याद है एक बार बस में बैठे हुए मुझे अपने बगल में बैठे व्यक्ति के लिए विशेष रूप से तीन या चार शब्द सुनाई दिए। मैंने उसकी ओर मुड़कर उसे बताया, और वह हैरान रह गया। उम्मीद है कि वे परमेश्वर की गवाही के रूप में उसके साथ रहे होंगे। मैंने यह भी अपनी आत्मा में महसूस किया जब अन्य लोगों को शारीरिक समस्याएँ थीं और मैंने पूछा कि क्या मैं उनके लिए प्रार्थना कर सकता हूँ। यह तब हुआ जब वे बस में बिल्कुल शांत बैठे थे और दृश्य रूप में ऐसा कोई संकेत नहीं था कि उन्हें वास्तव में कोई समस्या थी। यह वह वरदान है जिसे लगता है कि भाइयों और बहनों ने अक्सर खोजना छोड़ दिया है, भले ही पौलुस हमें बिल्कुल यही करने के लिए कहते हैं:

प्रेम का पीछा करो, और आत्मिक वरदानों की भी धुन में रहो, विशेष करके यह कि भविष्यवाणी करो। क्योंकि जो अन्य भाषा में बोलता है, वह मनुष्यों से नहीं, परन्तु परमेश्वर से बातें करता है; इसलिए कि उसकी कोई नहीं समझता, क्योंकि वह आत्मा में होकर भेद की बातें बोलता है।

— 1 कुरिंथियों 14:1-3

यह मूल रूप से एक चुनौतीपूर्ण समय था, लेकिन शानदार और विशेष भी। और मुझे बाद में यह स्वीकार करना चाहिए कि इसका आधार सत्य जानने की मेरी प्यास थी। मैंने खटखटाया और द्वार खुल गया, मैंने खोजा और पाया (मत्ती 7:7)। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरा नया जन्म तब हुआ जब मैंने यीशु को प्रभु और स्वामी के रूप में स्वीकार करना चुना, भले ही मैं अयोग्य था:

फरिशियों में से नीकुदेमुस नाम का एक मनुष्य था, जो यहूदियों का एक सरदार था। उसने रात को यीशु के पास आकर उससे कहा, «हे रब्बी, हम जानते हैं कि तू परमेश्वर की ओर से गुरु होकर आया है; क्योंकि कोई इन चिन्हों को जो तू दिखाता है, यदि परमेश्वर उसके साथ न हो, तो नहीं दिखा सकता।»

— यूहन्ना अध्याय 3

यीशु ने उसको उत्तर दिया, «सत्य, सत्य मैं तुझसे कहता हूँ, यदि कोई नये सिरे से न जन्मे तो वह परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता।»

«मनुष्य जब बूढ़ा हो गया, तो कैसे जन्म ले सकता है?» नीकुदेमुस ने उससे कहा। «क्या वह अपनी माता के गर्भ में दूसरी बार पैठकर जन्म ले सकता है?»

यीशु ने उत्तर दिया, «सत्य, सत्य मैं तुझसे कहता हूँ, जब तक कोई जल और आत्मा से न जन्मे तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता। जो शरीर से जन्मा है, वह शरीर है; और जो आत्मा से जन्मा है, वह आत्मा है। अचम्भा न कर, कि मैंने तुझसे कहा कि तुम्हें नये सिरे से जन्म लेना अवश्य है। हवा जिधर चाहती है उधर चलती है, और तू उसका शब्द सुनता है, परन्तु नहीं जानता कि वह कहाँ से आती और किधर को जाती है? जो कोई आत्मा से जन्मा है, वह ऐसा ही है।»

«ये बातें कैसे हो सकती हैं?» नीकुदेमुस ने उसको उत्तर दिया।

यीशु ने उसको उत्तर दिया, «तू इस्राएल का गुरु होकर भी क्या इन बातों को नहीं समझता? सत्य, सत्य मैं तुझसे कहता हूँ कि हम जो जानते हैं वह कहते हैं, और जिसे हमने देखा है उसकी गवाही देते हैं, और तुम हमारी गवाही ग्रहण नहीं करते। जब मैंने तुमसे पृथ्वी की बातें कहीं और तुम विश्वास नहीं करते, तो यदि मैं तुमसे स्वर्ग की बातें कहूँ तो फिर कैसे विश्वास करोगे? कोई स्वर्ग पर नहीं चढ़ा, केवल वही जो स्वर्ग से उतरा, अर्थात् मनुष्य का पुत्र जो स्वर्ग में है। और जिस रीति से मूसा ने जंगल में साँप को ऊँचे पर चढ़ाया, उसी रीति से अवश्य है कि मनुष्य का पुत्र भी ऊँचे पर चढ़ाया जाए; ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह अनन्त जीवन पाए। क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलिए नहीं भेजा कि जगत पर दण्ड की आज्ञा दे, परन्तु इसलिए कि जगत उसके द्वारा उद्धार पाए। जो उस पर विश्वास करता है, उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती, परन्तु जो उस पर विश्वास नहीं करता, वह दोषी ठहर चुका है; इसलिए कि उसने परमेश्वर के एकलौते पुत्र के नाम पर विश्वास नहीं किया। और दण्ड की आज्ञा का कारण यह है कि

जगत में ज्योति आई है, और मनुष्यों ने ज्योति के बदले अन्धकार से ही अधिक प्रीति रखी क्योंकि उनके काम बुरे थे। क्योंकि जो कोई बुराई करता है, वह ज्योति से बैर रखता है, और ज्योति के निकट नहीं आता, ऐसा न हो कि उसके कामों पर दोष लगाया जाए। परन्तु जो सत्य पर चलता है वह ज्योति के निकट आता है, ताकि उसके काम प्रगट हों, कि वे परमेश्वर की ओर से किए गए हैं।»

मेरी आत्मा बाद के समय में विकसित हुई और यह थोड़ा वैसा ही था जैसे धीरे-धीरे दूध पीने से मांस खाने की ओर बढ़ना जिसके बारे में पौलुस बात करते हैं (1 कुरिंथियों 3:2)। मैंने 2011-2013 की अवधि के दौरान बस में और जहाँ कहीं भी मैं गया, लोगों के साथ साझा करना शुरू किया। मैं एक प्रसिद्ध सुसमाचार प्रचारक से भी मिला जो शरीर के अनुसार चले और 2013 के मध्य के आसपास मेरे साथ अन्याय किया, संभवतः इसलिए क्योंकि मैं सुसमाचार के साथ बहुत सक्रिय था और लोगों के लिए प्रार्थना करता था और बहुत से चंगाई देख रहा था। मैं इस सुसमाचार प्रचारक से बहुत प्यार करता हूँ, बस यह स्पष्ट कर दूँ। मैं अभी Hamar की एक मिशन यात्रा से वापस आया था जहाँ हमने लोगों के लिए प्रार्थना करते समय चमत्कारों का गवाह बने थे और ऐसा लगा जैसे इससे एक प्रकार की ईर्ष्या जागृत हुई। बहरहाल, मैं एक ऐसे व्यक्ति द्वारा ठुकराए जाने के बाद टूट गया था जिसे मैं अपने कार्य के लिए एक आदर्श मानता था। मैं यह सब इसलिए बता रहा हूँ ताकि आप परमेश्वर के साथ मेरे चलने की थोड़ी झलक पा सकें, लेकिन वह भी जो अक्सर तब होता है जब आप वास्तव में परमेश्वर के साथ चलते हैं—कई तरह की चुनौतियाँ।

मैं इस समय Haraldsplass Diakonale Sykehus में Norsk Organisasjon for Kvalitetssikring av Laboratorier utenfor Sykehus (NOKLUS) के लिए काम कर रहा था और कार्यस्थल पर भी मैं नास्तिकों और अविश्वासियों के बीच परमेश्वर की सामर्थ्य के कार्य का गवाह था। मुझे एक घटना याद है जहाँ मैंने एक कैंटीन कर्मचारी के लिए प्रार्थना की और जब ऐसा हुआ तो उसे अपने पैरों पर टिके रहने में कठिनाई हो रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे उसे एक ज़ोरदार बिजली का झटका लगा हो और यह देखना विशेष था। मैं Noklus के साथ उनकी 20वीं वर्षगाँठ की यात्रा पर Island भी गया था और Gardermoen में मैंने Island की फुटबॉल टीम पर हाथ रखे थे। मैं अपने दो सहकर्मियों के साथ बैठा था और उन्हें एक चमत्कार दिखाना चाहता था जब मैंने महिला राष्ट्रीय टीम से पूछा कि क्या उन्हें अपने पैरों या ऐसी ही कोई समस्या है। और निश्चित रूप से उन्हें समस्या थी। और मुझे उन पर हाथ रखने का अवसर मिला, जिसके बाद वे प्रतिक्रिया में थोड़ा घबराने लगे। यह मज़ेदार था, लेकिन बाद में Bergen वापस आने के कुछ ही समय बाद मुझे अपने वरिष्ठ अधिकारी के कार्यालय में बुलाया गया। मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगाए गए थे—मुझे अय्याश कहा गया और बताया गया कि मैंने ऐसी बातें कही हैं जो मैंने कभी नहीं कही थीं। जिस व्यक्ति ने इसकी शिकायत की है, वह निश्चित रूप से मानसिक रूप से विक्षिप्त होगा जिसने मेरे उच्चाधिकारी से ऐसी बात कही। यह इस तथ्य को देखते हुए आश्चर्यजनक नहीं था कि अधिकांश सहकर्मी नास्तिक थे। वे पूरी तरह से सक्षम और उनमें से औसतन उच्च शिक्षित थे, लेकिन जब परमेश्वर में विश्वास की बात आती थी, तो उनमें से कुछ संशयवादी थे। दूसरे फिर भी प्यारे लोग थे जो मेरे द्वारा अपनी आस्था साझा करने और खुले रहने को सहन करते थे।

जब विश्वास में एक भाई, एक सुसमाचार प्रचारक ने, हर मिलने वाले के साथ साझा करने और उन सभी चमत्कारों के लिए मेरी आलोचना की जिनका मैं गवाह बना था, तो मुझे बहुत चोट पहुँची। अगले दिन जब मैं काम पर गया तो मैं लगभग सामान्य रूप से काम करने में असमर्थ था और बहुत उदास था, मैंने परमेश्वर से कहा कि यदि यह मेरे लिए नहीं था, तो वह इसे हटा दें। बाद में जब मैं शौचालय गया, अभी भी काम पर ही था, और परमेश्वर की स्तुति कर रहा था, तो अचानक मुझे ऐसा महसूस हुआ जैसे मेरे शरीर पर तेल गिर रहा हो और उसके बाद मैं पूरी तरह से स्वतंत्र हो गया। मेरे भीतर खुशी के फव्वारे फूट रहे थे। यह अवर्णनीय था। यह कहा जाना चाहिए कि यह भाई कुछ ही दिनों बाद फिर से मेरे पास आया, लेकिन उसने उस तरह से नम्रता नहीं

दिखाई जैसी उसे दिखानी चाहिए थी, लेकिन मैं समझ गया कि उसे अपने शब्दों पर पछतावा था। हालाँकि, वह उनसे पूरी तरह से नहीं मुड़ा और न ही मैंने उस दिन के बाद से उसके बारे में कुछ सुना या उसे देखा है। क्या मैंने उसे इसके लिए क्षमा कर दिया है? हाँ, मैंने कर दिया है (कुलुस्सियों 3:13)। हम सभी गलतियाँ करते हैं और समय-समय पर शरीर के अनुसार चलते हैं। परमेश्वर हम सभी पर दया करें।

कुल मिलाकर, परमेश्वर ने मुझे मेरे उन पापों से शुद्ध किया जो आत्मा में मेरे «बचपन के वर्ष» थे (1 यूहन्ना 1:9) और अंततः मैं परमेश्वर के सामने झुकने और यह स्वीकार करने के अलावा कुछ नहीं कर सका कि उनके शब्द अच्छे और सही थे। मैं अब अपने मन से पिता को अस्वीकार नहीं कर सका क्योंकि अब मैं अपने पूरे वजूद के साथ समझ गया था कि वे वास्तविक हैं, सब कुछ और सभी से ऊपर।

आत्मा में नये सिरे से जन्मे होने के मेरे महत्वपूर्ण वर्ष 2008 से 2012 तक की अवधि थी और जो व्यक्ति इस असामान्य रूपांतरण के थोड़े गवाह बन सकते थे, वे Haraldsplass Diakonale Sykehus में NOKLUS के मेरे निकटतम कर्मचारी थे, साथ ही उस कलीसिया के भाई-बहन जहाँ मैं जाता था, Kristent Fellesskap Nordhordland। NOKLUS में कोई भी खुलकर ईसाई होने का दावा करने वाला नहीं था। मेरी नियुक्ति की शुरुआत में मैंने अपने कई सहकर्मियों के साथ एक ऐसी आध्यात्मिक विचारधारा के बारे में खुलकर बात की थी जो सच्चे यीशु को परमेश्वर के पुत्र के रूप में किसी भी तरह से स्वीकार नहीं करती थी। हालाँकि, उनके यहाँ मेरे काम के दौरान जो हुआ वह यह था कि मैं मृत्यु से जीवन की ओर चला गया और परमेश्वर मुझे एक ऐसी प्रक्रिया में ले गए जहाँ उन्होंने मुझे वह सब भुलाना शुरू कर दिया जो मैंने पहले सीखा था। और 2011-2013 की अवधि में मैंने यीशु ने मेरे साथ जो किया उसके बारे में अधिक से अधिक साझा करना शुरू किया, इसलिए मेरे साथ काम करने वाले कुछ लोगों के लिए यह एक अजीब मिश्रण बन गया। लेकिन संक्रमण के दौर में जीवन अक्सर ऐसा ही होता है। NOKLUS में मैंने यह भी अनुभव किया कि मेरी एक सहकर्मी की पीठ पूरी तरह से ठीक हो गई। उसे लेटने और खड़े होने दोनों में बहुत समस्या थी और एक दिन काम पर जब वह इस बीमारी की अवधि के दौरान आई थी, तो मैंने उसका दरवाज़ा खटखटाया और पूछा कि क्या मैं उसके लिए प्रार्थना कर सकता हूँ। अगली गर्मियों में उसकी पीठ की सारी समस्याएँ पूरी तरह से खत्म हो गई थीं, जिससे वह खुद भी हैरान थी। यह परिवर्तन क्रांतिकारी था और हमारे जागने का एक हिस्सा था कि जब हमारा नया जन्म होता है तो हम वास्तव में कौन बनाए गए हैं (मरकुस 16:17-18)। मुझे याद है कि प्रार्थना सरल थी, लेकिन वह हाथ रखकर की गई थी और मैंने परमेश्वर से पूछा था कि क्या वे उसे स्वस्थ कर सकते हैं, बस इतना ही। जब मैं अपने अनुभव साझा करता था तो वह हमेशा ध्यान से सुनती थी और उसके साथ काम करना हमेशा बहुत सुखद था।

मैंने कैटीन में एक व्यक्ति का भी अनुभव किया जो फर्श पर गिरने की वाली थी जब मैंने उस पर हाथ रखे और ऐसा लगा जैसे उसे एक संक्षिप्त ब्लैकआउट हुआ हो, यदि ऐसा कहा जा सके। मैंने अन्य लोगों में भी ऐसा ही देखा है जिनके लिए मैंने प्रार्थना की है और मेरी होने वाली पत्नी के साथ भी ऐसा ही था जब पहली कुछ बार मैंने उसके लिए प्रार्थना की थी। मैं जानता हूँ कि हम यीशु में हैं और यीशु परमेश्वर में है, जिसका अर्थ है कि हमारे भीतर परमेश्वर है (यूहन्ना 14:20)। परमेश्वर की सामर्थ्य हमें पाप से धोकर शुद्ध करती है, चंगा करती है और स्वतंत्र करती है (1 यूहन्ना 1:7, याकूब 5:14-15) और यही तब होता है जब हम लोगों पर हाथ रखते हैं। उसके साथ वही हुआ जो परमेश्वर ने मेरे साथ किया था, उन्होंने उसे व्यवस्थित करना और अपने लिए एक कार्य के लिए तैयार करना शुरू कर दिया।

इस अवधि में जब मैंने अपने जीवन में परमेश्वर के महत्व को समझना शुरू किया, मेरे सौतेले पिता भी वहाँ थे। वे नास्तिक हैं और उन्होंने पिछले वर्षों में बहुत कम या बिल्कुल भी आर्थिक मदद नहीं दी थी। चाहे वह पढ़ाई के दौरान हो या उसके बाद के समय में, लेकिन बच्चों को उनके जन्मदिन के आसपास थोड़ा ध्यान देते

थे। मैं समझता हूँ कि मैं और मेरा भाई असल में उनके लिए एक बोझ थे। बाहर से चीज़ें शायद अच्छी दिखती थीं, लेकिन उन्होंने परमेश्वर की मेरी खोज को ठुकरा दिया और जब मैंने यीशु को स्वीकार किया तो स्थिति और भी खराब हो गई। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि मैं उनसे परमेश्वर के बारे में बात न करूँ। मुझे अपने सौतेले पिता के भाई से भी स्पष्ट निर्देश मिला कि यदि मैंने उनके साथ अपना विश्वास साझा किया तो वे अब मेरे चाचा नहीं रहेंगे।

Chapter 22

परमेश्वर का सिंहासन (2012)

हम मई 2012 में पहुँच चुके थे, और अब मैंने परमेश्वर की उपस्थिति का इतना अनुभव कर लिया था कि मैं अब उन्हें नकार नहीं सकता था। इस समय तक, मैं कई वर्षों से अश्लील फ़िल्में देख रहा था। यह कुछ ऐसा था जिसे परमेश्वर ने मेरे हृदय पर एक भारी बोझ के रूप में रखा, और उन्होंने उस वर्ष मुझे इससे नाता तोड़ने में मदद की (इब्रानियों 12:1)।

मुझे याद है कि मैं तहखाने में पिता के सामने घुटनों के बल गिर पड़ा और उनके राज्य के लिए काम करने के प्रति अपना सारा विरोध त्याग दिया (रोमियों 12:1)। मैंने पिता से कहा कि मैं वहाँ जाने के लिए तैयार हूँ जहाँ उन्हें मेरी आवश्यकता है। ठीक उसी समय, परमेश्वर ने मुझे एक दर्शन दिखाया; मैंने कुछ सौ मीटर दूर एक पड़ोसी का घर देखा, जहाँ कभी Eldbjørg Fosse रहती थीं। ऊपर के आँगन में उनकी भाभी रहती थीं। मुझे तब कम ही पता था कि परमेश्वर मुझे 70 वर्ष से अधिक आयु की दो विश्वासी महिलाओं के पास भेज रहे थे, और वे मेरे आगे के काम में मेरे लिए कितनी महत्वपूर्ण होंगी। परमेश्वर के मार्गदर्शन का पालन करते हुए, मैंने देखा कि Eldbjørg के घुटने के पीछे और पैर के नीचे चंगाई हुई और बाद में उनकी पीठ भी पहले से अधिक सीधी हो गई, जिससे वह बहुत खुश थीं (यशायाह 61:1)। वह विश्वास में एक करीबी दोस्त और परमेश्वर के लिए मेरी सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण उत्साहवर्धन करने वाली बन गई। उनकी भाभी के पति को उस समय अल्जाइमर (Alzheimer's) था। मेरे मिलने और उनके लिए प्रार्थना करने के कुछ ही समय बाद, उन्होंने भक्ति-सभा में शामिल होने के लिए कहा – ऐसा उन्होंने पहले कभी नहीं किया था, यहाँ तक कि जब वह स्वस्थ थे तब भी नहीं। और उनके पति से मिलने से पहले मैंने उनकी पत्नी से यही कहा था: «मुझे उम्मीद है कि जब मैं उनसे मिलूँगा और प्रार्थना करूँगा, तो परमेश्वर की आत्मा उनके अंतर्मन में उनसे बात करेगी»। पवित्र लोगों को आशा के साथ चलने के लिए बुलाया गया है, भले ही हम आँसुओं के साथ बोते हों, लेकिन अंतिम कटनी आनंद का दिन है (भजन संहिता 126:5-6)।

हर बार जब मैं Eldbjørg से मिलने जाता, तो वह मुझे जाँचती हुई नज़रों से देखतीं और पूछतीं कि मैंने परमेश्वर के लिए क्या किया है और मैंने क्या अनुभव किया है। जब मैं उन्हें अपने अनुभवों और परमेश्वर जो कर रहे थे, उसके बारे में बताता, तो वह आनंदित और चकित होती थीं। दुर्भाग्य से, कुछ साल पहले गिरने के बाद उनके सिर में चोट लग गई और वह याददाश्त कम होने की बीमारी से जूझ रही हैं, लेकिन परमेश्वर के साथ उनकी निकटता अभी भी बनी हुई है और पिछली बार जब मैंने फोन पर उनके लिए प्रार्थना की, तो वह बहुत खुश हुईं।

परमेश्वर वास्तव में अच्छे हैं, भले ही हम स्वर्ग के विपरीत दुखों से भरी एक पतित दुनिया में रहते हैं। फिर भी, हमें पृथ्वी पर परमेश्वर के कार्य और उनके सुसमाचार के प्रति अपनी अनिच्छा को त्याग देना चाहिए क्योंकि हमें श्रमिकों की आवश्यकता है, इसलिए आइए हम प्रार्थना करें कि परमेश्वर और अधिक श्रमिकों को भेजें (मत्ती 9:37-38) और उनके लोग उनका समर्थन करें ताकि उनके पास गुज़ारा करने के लिए पर्याप्त हो। और यदि हमें ईमानदार होना है, तो केवल वही नहीं हैं जो गरीब हैं जिन्हें मदद की ज़रूरत है। वह भी जो मदद करने में सक्षम है, उसे इस कार्य में देना सीखना चाहिए और पीछे नहीं हटना चाहिए (लूका 6:38, मलाकी

3:10)। यहाँ, दुर्भाग्य से, कई विश्वासी नार्वेजियन इस मामले में अलग दिखते हैं कि वे मेरे व्यक्तिगत अनुभव के अनुसार, USA के अपने भाई-बहनों की तुलना में अपने पास से बहुत कम देते हैं।

मई 2012 में परमेश्वर के कार्य के प्रति अपने विरोध को छोड़ने के कुछ ही दिनों बाद, मैं ईसाई महिला समूह «Kvinneforum Nordhordland» और उनके घरेलू समूह से मिला। घरेलू समूह के सदस्यों में से एक Laila Nygård थीं, जो Kristent Fellesskap Nordhordland में भी जाती थीं और वह मुझे वहाँ से जानती थीं। जब मैं उनके पास पहुँचा, तो वे कॉफी पी रही थीं, बुनाई कर रही थीं, साथ मिलकर प्रार्थना कर रही थीं और परमेश्वर की खोज कर रही थीं। मुझे लगा कि मैं वहाँ वेबसाइट बनाने में उनकी मदद करने के लिए हूँ, लेकिन संक्षेप में कहें तो, उन्होंने पूछा कि क्या वे मेरे लिए भी प्रार्थना कर सकती हैं। उसके बाद उन्होंने जो कहा, वह परमेश्वर का स्पष्ट भविष्यवाणीपूर्ण वचन था जिसने अगले कुछ वर्षों के लिए आगे का रास्ता रोशन कर दिया (1 कुरिन्थियों 14:3)। मुझे उस समय यह समझ नहीं आया, लेकिन जब मैं सभा से बाहर निकला तो मैंने महसूस किया कि परमेश्वर की आत्मा मुझ पर बहुत भारी थी। आत्मा में, मैं एक प्रकार के विस्मय से भर गया था और एक गहरी गंभीरता मुझ पर छा गई थी। मैं समझ गया कि परमेश्वर मुझे अपनी सेवा में भेजना चाहते हैं, लेकिन मैं यह बिल्कुल भी नहीं समझ पा रहा था कि आर्थिक व्यवस्था कैसे होगी। और मैंने सोचा कि अब एक सिस्टम डेवलपर के रूप में मेरा करियर खत्म हो गया है, लेकिन जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो ये सब बचकानी सोच थी। यह 07.05.2012 की बात थी और जब मैं उस पर्ची को देखता हूँ जो उन्होंने लिखी थी, तो परमेश्वर के शब्दों को इस प्रकार संक्षेप में प्रस्तुत किया जा सकता है:

- आपको प्रभु से कार्यों को पूरा करने और इस समय में लोगों तक पहुँचने के लिए अभिषेक प्राप्त होगा।
- परमेश्वर आपको एक उपकरण दे रहे हैं और शायद मैं कुछ ऐसा करने वाला था जो मुझसे पहले किसी ने नहीं किया था। एक ने अफ्रीका में ऐसे पेड़ देखे जिनकी टहनियाँ आपस में गुंथी हुई थीं।
- कि मैं उस कार्य में आनंदित होऊँ जो परमेश्वर ने मुझे सौंपा है।
- प्रभु के साथ समय बिताएँ और उनका वचन मेरे हाथ में मांसपेशियों की तरह बन जाएगा।
- आप पहले से तैयार किए गए कार्यों में चलेंगे और आपके लिए द्वार खुलेंगे। उनका वचन मेरे मार्ग के लिए उजियाला होगा: भजन संहिता 119:105।
- जब चीजें कठिन होंगी, तो वह मेरे साथ चलेंगे।
- क्योंकि आप आज्ञाकारी हैं, आप भविष्य में बड़े आनंद का अनुभव करेंगे!

मैंने जो कुछ भी अनुभव किया है, उसे पूरा लिखना बहुत लंबा हो जाएगा, लेकिन मैं अपनी पूरी क्षमता से वह सब साझा करना चाहता हूँ जिससे परमेश्वर ने पिछले कुछ वर्षों में मेरा मार्गदर्शन किया है – और विशेष रूप से कुछ मुख्य घटनाएँ।

Chapter 23

आशीष और विश्वासघात (2012)

2012 में कुछ बहुत ही विशेष हुआ; मुझे Nordhordland Kristne Folkehøgskole के एक छात्रावास के कमरे में सात-आठ युवाओं के साथ सुसमाचार साझा करने का अवसर मिला। वे उन चमत्कारों और चंगाई से अभिभूत हो गए जो मेरे बोलने और प्रार्थना करने के दौरान हुए (लूका 10:19)। उन्होंने एक युवा लड़के को भी देखा जिसने मुझे बताया कि शाम होते ही उसे अपने दिल में बेचैनी महसूस होती थी। यह महसूस नहीं हो रहा था कि यह केवल एक शारीरिक समस्या थी, इसलिए मैंने उससे कहा: «इसे महसूस करो!» और फिर मैंने उसकी ओर इशारा किया और उस समस्या को उससे बाहर निकाल दिया और उसने कहा कि उसने इसे अपने अंदर से बाहर निकलते हुए महसूस किया। मुझे याद है कि उनमें से एक उस छोटे से कमरे में बिस्तर पर बैठी थी और जो कुछ हो रहा था उसकी वास्तविकता को समझने की कोशिश कर रही थी। वह पूरी तरह से अवाक रह गई।

मैंने उन्हें बताया कि मेरे पास यीशु हैं और मैं फिर से पैदा हुआ हूँ (यूहन्ना 3:3) और यदि वे भी ऐसा चाहते हैं, तो हम उन्हें पूल में बपतिस्मा दे सकते हैं। लेकिन मैंने उनसे वही बात कही जो प्रचारक ने मुझसे कही थी: यदि आप यीशु को स्वीकार करना चाहते हैं, तो मेरे पीछे दोहराएं और उन्होंने वैसा ही किया, जिसके बाद वे कमरे को भर देने वाले एक ऐसे भारीपन को महसूस कर सकते थे जिसे छुआ और महसूस किया जा सकता था। यह बिल्कुल अद्भुत था, जैसा कि हमेशा होता है जब लोग यीशु को अपने उद्धारकर्ता और प्रभु के रूप में स्वीकार करते हैं (रोमियों 10:9-10)। लेकिन बपतिस्मा कभी नहीं हुआ क्योंकि रात्रि प्रहरी आया और उसने कहा कि मैं स्कूल परिसर में नहीं रह सकता और युवाओं के साथ सुसमाचार साझा नहीं कर सकता। उन्होंने वास्तव में मुझे क्षेत्र से बाहर निकाल दिया और यह युवाओं के साथ सरासर विश्वासघात जैसा महसूस हुआ। इसका कारण यह बताया गया कि स्कूल ने एक समझौता किया था कि वे वित्तीय अनुदान प्राप्त करने के लिए ग्रीष्मकालीन स्कूल में आने वाले युवाओं को सुसमाचार नहीं सुनाएंगे (मत्ती 6:24)। उस दिन स्कूल के जिम्मेदार प्रहरी ने यीशु को दरकिनार कर दिया, लेकिन परमेश्वर ने इसे भी भलाई के लिए इस्तेमाल किया क्योंकि युवाओं ने एक स्वीकार करने वाले विश्वासी द्वारा किए गए चिन्हों और अद्भुत कामों को प्रत्यक्ष रूप से देखा। नॉर्वेजियन तट के पास का समुद्र हमें तेल के रूप में वास्तव में काला सोना देता है, लेकिन मैं आज के लोगों को उस समय की तुलना में अधिक गरीब देखता हूँ जब पचास साल पहले तेल का रोमांच शुरू हुआ था (मत्ती 16:26)।

इस वर्ष मैंने जो चमत्कार देखे, उनमें से एक IKEA में हुआ। मेरी दूसरी सबसे बड़ी बेटी अभी शौचालय गई थी और हम उस क्षेत्र में दो युवा महिलाओं से मिले। मैंने एक ऐसे व्यक्ति का वीडियो दिखाया जिसके लिए मैंने प्रार्थना की थी और वीडियो में आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि उसका पैर बढ़ रहा है। यह बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन यह बढ़ता है। यह कोई रहस्य नहीं है और कई विश्वासियों ने उस बात का अनुभव किया है जिसकी मैं यहाँ बात कर रहा हूँ। वैसे भी, एक महिला चाहती है कि मैं प्रार्थना करूँ कि उसके दोनों पैरों के पंजे समान लंबाई के हो जाएं। पूरा पैर नहीं, बल्कि पैरों के पंजे। और मैं उसके पैरों पर हाथ रखता हूँ और यीशु के नाम में उनसे बात करता हूँ, जिसके बाद प्रार्थना के कुछ दौर के बाद दोनों एक समान लंबाई के हो जाते हैं। इसे व्यक्तिगत रूप से अनुभव करना और साथ ही उन लोगों की प्रतिक्रियाओं को देखना जिनके लिए आप प्रार्थना करते हैं, बहुत आनंददायक है। बाइबल में लिखा है कि विश्वास करने वालों में ये चिन्ह और अद्भुत काम

प्रगट होंगे (मरकुस 16:17), इसलिए हमें इसकी अपेक्षा भी करनी चाहिए। इसके बाद उसने मुझे जो करने के लिए कहा वह मेरे लिए थोड़ा असामान्य था, लेकिन शायद पूरी तरह से आश्चर्यजनक नहीं था, यह देखते हुए कि उसने अभी-अभी उस चीज़ का अनुभव किया था जो शायद उसका पहला चमत्कार था। वह मुझसे प्रार्थना करने के लिए कहती है कि उसके दोनों पैरों के पंजे छोटे हो जाएं। मैंने थोड़ा विरोध किया, क्योंकि आमतौर पर इस तरह की चंगाई के लिए प्रार्थना नहीं की जाती है। लेकिन परमेश्वर के साथ आंतरिक बातचीत के बाद मैंने फैसला किया कि यह उसके विश्वास पर निर्भर करता है, इसलिए मैं हॉ कह देता हूँ। लेकिन, शुरू करने से पहले मैं उसकी सहेली से कहता हूँ कि वह अपने हाथ पंजों के ऊपर रखे और फिर मैं उनके लिए प्रार्थना शुरू करने से पहले अपने हाथ उसके हाथों के ऊपर रख देता हूँ। और फिर जो होता है वह यह है कि हम दोनों महसूस करते हैं कि उसके पैरों के पंजे सिकुड़ने लगे हैं और छोटे हो रहे हैं। मैंने उन लोगों के लिए जो इसे देखना चाहते हैं, इसे [Youtube.com](https://www.youtube.com) पर डाल दिया था। जब हम समाप्त हुए, तो दोनों पंजे दो सेंटीमीटर कम हो गए थे, जिसकी उसने खुद भी पुष्टि की। यह चमत्कार उन चीजों में से एक था जो 2012 में हुई थी और जो मुझे अच्छी तरह याद है। परमेश्वर की शक्ति को इस तरह से देखना हमेशा विशेष होता है (इब्रानियों 2:4), जिसके बारे में मैंने वास्तव में इस संस्मरण में ज्यादा साझा नहीं किया है।

Chapter 24

का घाव

2012 में, मैं एक मसीही पुरुषों के समूह का हिस्सा था जहाँ हम हर सप्ताह एक साथ प्रार्थना करते थे और परमेश्वर की खोज करते थे। एक सभा में, मेरे दो भाइयों, भाई Thomas और भाई Trond ने बताया कि उनमें से प्रत्येक को परमेश्वर की ओर से मेरे लिए एक दर्शन मिला है:

एक मुझे स्कूल के बस्ते के साथ देख रहा है और दूसरा देख रहा है कि मेरे पास एक बंक बेड (ऊपर-नीचे वाला बिस्तर) है। और अब वे कहते हैं कि उस समय से मेरे भीतर एक «छेद» या वैसी ही कोई चीज़ है जिसे बंद किया जाना चाहिए। वे सही थे; वह मेरे माता-पिता के तलाक के बाद की अवधि थी। उन वर्षों के दौरान बहुत अधिक मानसिक क्षति हुई। मेरे पिता शराब पी रहे थे, और एक बार उन्होंने मुझे कार में छोड़ दिया और एक बार (bar) में चले गए। ऐसी चीज़ें एक बच्चे पर निशान छोड़ देती हैं, और इसने मेरे अंदर ऐसी क्षति पैदा की जिसे मैंने कई वर्षों तक ढोया। मैं इस बात की पुष्टि कर सकता था कि यह वही एकमात्र समय था जब हमारे पास बंक बेड था और मैं और मेरा भाई एक ही कमरा साझा करते थे। एक ने यह भी कहा कि मैं बंक बेड के नीचे वाले बिस्तर पर लेटा था, जो कि सच था। मेरा छोटा भाई ऊपर सोता था। फिर उन्होंने कहा कि वे मेरे भीतर के उस छेद को बंद करेंगे (प्रेरितों के काम 8:17) और जब उन्होंने मुझ पर हाथ रखे, तो मुझे तुरंत एक गूँज सुनाई दी जैसे कि किसी हीट पंप (varmepumpe) से आ रही हो। मैंने मन ही मन सोचा: क्या किसी ने हीट पंप लगवा लिया है?! यह वाकई कुछ अजीब था। लेकिन जैसे ही उन्होंने अपने हाथ हटाए, वह आवाज़ गायब हो गई। और ऐसा महसूस हुआ जैसे मेरे भीतर एक नई शांति आ गई है (मरकुस 16:18)।

— 2012 में दो पवित्र जन मेरे लिए प्रार्थना करते हैं

मैं आभारी हूँ कि परमेश्वर हमारे दुख को देखता है (भजन संहिता 56:9)। पवित्र जनों की संगति, परमेश्वर के वचन के पठन और उसकी उपस्थिति में स्तुति के बिना, हम दूध पीने की अवस्था से आगे बढ़कर ठोस भोजन ग्रहण करने की अवस्था तक नहीं पहुँच सकते (इब्रानियों 5:12-14)। पौलुस मसीह में बढ़ने और परमेश्वर में परिपक्व होने के महत्व पर बल देते हैं, ताकि जब चुनौतियाँ आएँ तो हम आसानी से डगमगाएँ नहीं। हमें बोलने वाले का दृष्टांत याद है (मत्ती 13:18-23), जहाँ कुछ लोग तुरंत आनंद के साथ परमेश्वर के वचन को ग्रहण करते हैं, लेकिन उनमें जड़ों की कमी होती है जो उन्हें परीक्षा के समय में संभाल सकें।

Chapter 25

Reinhard Bonnke (2012)

2012 के अंत में, मैंने अनुभव किया कि पवित्र आत्मा मुझसे कह रहे हैं कि मुझे फ्लोरिडा के एक सुसमाचार प्रचार (evangelism) स्कूल में जाना चाहिए—उन सभी जगहों में से। मेरी पत्नी नहीं चाहती थी कि हम इसका भुगतान अपनी जेब से करें। तब मैंने Eldbjørg और अपनी साली से पूछा कि क्या उनके पास फ्लोरिडा में Christ For All Nations की यात्रा में मदद करने की क्षमता और इच्छा है।

CFAN का नेतृत्व उस समय Reinhard Bonnke कर रहे थे, जो एक प्रसिद्ध जर्मन सुसमाचार प्रचारक थे, जिन्होंने अफ्रीका में विशाल सुसमाचार सभाओं का नेतृत्व किया है, जहाँ करोड़ों लोगों द्वारा यीशु को स्वीकार करने का पंजीकरण किया गया है (रोमियों 10:9-10)। जब परमेश्वर ने मुझे उस वर्ष की शुरुआत में पड़ोसी का दर्शन दिखाया था, तो स्पष्ट रूप से वह जानते थे कि वे मदद करने वाले हैं ताकि मैं फ्लोरिडा जा सकूँ और यह भी कि मेरी पत्नी इसका विरोध करेगी। मैं पहले कभी USA नहीं गया था, और न ही मेरी उसमें कोई प्रत्यक्ष रुचि थी, लेकिन परमेश्वर को ना कहना मेरे लिए संभव नहीं था। Gerd ने सपना देखा कि यीशु आए और उससे कहा कि यह उपहार उनके लिए था, जिससे मुझे बहुत खुशी हुई और मुझे इस बात की शांति मिली कि मैंने उनसे पूछा था। उस समय मुझे बहुत कम पता था कि परमेश्वर ने उनके लिए मेरे काम की एक योजना बनाई थी (यिर्मयाह 29:11) और यह सब इसी वर्ष शुरू हुआ, ठीक उसी समय जब मैंने पिता और मेरे लिए उनके कार्य के प्रति अपना अंतिम प्रतिरोध त्याग दिया था।

स्वर्ग में विराजमान पिता जानते होंगे कि मैं 2008 में यीशु को 'हाँ' कहूँगा और 2012 में उनके प्रति अपना विरोध छोड़ दूँगा। जब मैं देखता हूँ कि परमेश्वर ने मेरा किस प्रकार मार्गदर्शन किया है और अतीत और भविष्य दोनों के बारे में भविष्यद्वानी के रूप में बात की है, तो मैं समझता हूँ कि हमारे पास एक अत्यंत अद्भुत और साथ ही धैर्यवान सृजनकर्ता है। मुझे इस बात का संदेह था कि परमेश्वर मुझे किस प्रकार के कार्य में लगाएंगे, लेकिन आज मैं जानता हूँ कि मैं एक सुसमाचार प्रचारक हूँ। मेरी सेवा मसीह की देह को बनाने और सुसमाचार साझा करने में सहभागी होना है (लूका 4:18)।

और उसी ने कुछ को प्रेरित नियुक्त करके, और कुछ को भविष्यद्वक्ता नियुक्त करके, और कुछ को सुसमाचार सुनाने वाले नियुक्त करके, और कुछ को चरवाहे और शिक्षक नियुक्त करके दे दिया; जिससे पवित्र लोग सेवा के काम के लिए सिद्ध हों, और मसीह की देह उन्नति पाए। जब तक कि हम सब के सब विश्वास, और परमेश्वर के पुत्र की पहचान में एक न हो जाएँ, और एक सिद्ध मनुष्य न बन जाएँ और मसीह के पूरे डील-डौल तक न बढ़ जाएँ। ताकि हम आगे को बालक न रहें, जो मनुष्यों की ठग-विद्या और चतुराई से उनके भ्रम की युक्तियों के और उपदेश के हर एक झोंके से इधर-उधर उछाले और चलाए जाते हों। वरन् प्रेम में सच्चाई से चलते हुए, सब बातों में उसमें जो सिर है, अर्थात् मसीह में बढ़ते जाएँ। जिससे सारी देह हर एक जोड़ की सहायता से, उस कार्य के अनुसार जो हर एक अंग के लिए ठहराया गया है, एक साथ मिलकर और एक साथ बँधकर प्रेम में अपने आप को बढ़ाती और बनाती जाती है।

— इफिसियों के नाम पौलुस का पत्र 4:11-16

दुर्भाग्य से यह एक तथ्य था कि मेरी पत्नी परमेश्वर के लिए मेरे काम के विरुद्ध लड़ रही थी और इससे कई बार सेवा करना बहुत कठिन हो गया। जब मुझे हमारी 70 वर्ष से अधिक की बहनों से आर्थिक सहायता मिली, तो उसने उनसे पूछने के लिए मेरी कड़ी आलोचना की, भले ही उसने इसके लिए हमारे अपने पैसे खर्च करने से मना कर दिया था।

आज नॉर्वे में एक बुरी संस्कृति है कि कुछ महिलाएँ खुद को परिवार का मुखिया मानती हैं। यीशु मसीह में अपने विश्वास को स्वीकार करना लेकिन कर्मों में उसके विरुद्ध काम करना खुद को कमजोर करना है। जब एक मसीही व्यक्ति पति की इच्छा के विरुद्ध बच्चों की परवरिश को उचित ठहराने के लिए विभिन्न नास्तिक पुस्तकों का उपयोग करता है, तो वह न केवल परमेश्वर की बुद्धि को बल्कि अपने प्रिय को भी अस्वीकार करता है। यह विवाह की वाचा का उल्लंघन करना है। हम आज समाज में Kvinnebevegelsen (महिला आंदोलन) के माध्यम से भी इसी अंतर्धारा को देखते हैं। विडंबना यह है कि यह स्वयं पारिवारिक-विवाह में एक दबंग पुरुष की तरह बन गया है। दोनों ही अतिवाद गलत हैं। हमें अपनी पत्नी से प्रेम करने और उसका सम्मान करने के लिए बुलाया गया है, लेकिन सबसे पहले परमेश्वर के राज्य की खोज करनी है:

इसलिए पहले तुम परमेश्वर के राज्य और उसके धर्म की खोज करो, तो ये सब वस्तुएं भी तुम्हें मिल जाएंगी। अतः कल के लिए चिंता न करो, क्योंकि कल का दिन अपनी चिंता आप कर लेगा। आज के लिए आज ही का दुख बहुत है।

— मत्ती 6:33-34

आज के कल्याणकारी समाज में एक और चलन यह है कि कुछ महिलाएँ बाल-पालन और इसी तरह की हर तरह की किताबें पढ़ती हैं और पुरुष पर हावी हो जाती हैं कि उसे कैसा होना चाहिए और कैसा व्यवहार करना चाहिए। वे कभी संतुष्ट नहीं होतीं और पुरुष को selvutviklingskurs (आत्म-विकास पाठ्यक्रम) और इसी तरह की चीजों में शामिल करना चाहती हैं, जबकि समस्या यह है कि वे पहले परमेश्वर की खोज नहीं करतीं। यह कुछ नॉर्वेजियन महिलाओं की एक सामान्य विशेषता है और यह उसके अनुसार नहीं है जो परमेश्वर ने हमें दिया है। विवाह एक-दूसरे को प्रेम करने की कोशिश करने की एक वाचा है, भले ही आप अलग हों। न कि दूसरे को अपने जैसा बनाने की कोशिश करना।

जब दोपहर में सुसमाचार प्रचार स्कूल में शिक्षण समाप्त हो जाता था, तो हम अक्सर सड़कों पर निकल जाते थे और लोगों के लिए प्रार्थना करते थे, बिल्कुल अनौपचारिक रूप से और बिना किसी स्पष्ट संगठन के, लेकिन आमतौर पर दो से चार लोगों के छोटे समूहों में। मुझे विशेष रूप से एक मामला याद है जहाँ हम एक वेश्या से मिले। वह जेल में रह चुकी थी और उसके पैर में ट्रैकिंग चिप लगी थी, साथ ही उसके पैर में एक गोली का टुकड़ा भी था जिसे ऑपरेशन करके निकाला नहीं गया था। यह सब थोड़ा अवास्तविक था, लेकिन हमने उसके साथ सुसमाचार साझा किया और उसने हमें बताया कि उसके पति ने बहुत प्रार्थना की थी कि वह परमेश्वर से मिले। जब हमने उसके लिए प्रार्थना की, तो उसने कहा कि जिस क्षण मैंने उसके पैर पर हाथ रखा (मरकुस 16:18), उसे ऐसा महसूस हुआ जैसे वह टुकड़ा पैर से बाहर निकल गया हो। क्या वास्तव में ऐसा हुआ था, मैं नहीं जानता, लेकिन मैंने USA में बहुत सी सुखद चीजों का अनुभव किया है और मैं देखता हूँ कि वहाँ के लोग प्रार्थना के लिए बहुत अधिक खुले हैं और परमेश्वर की खोज में हैं, जो कि पश्चिम में सामान्य रूप से होता है उससे कहीं अधिक है। ऐसा क्यों है, मैं नहीं जानता। अपवाद युवा हैं। उनके साथ साझा करना और प्रार्थना करना नॉर्वे में भी आसान होता है और जब आप उनसे समूहों में मिलते हैं, तो उनमें से एक पर होने वाली चंगाई और गवाही उन सभी के द्वारा देखी जाएगी।

Reinhard Bonnke के साथ फ्लोरिडा में सुसमाचार प्रचार स्कूल में भाग लेने का अवसर मिलना अद्भुत था। मुझे जो याद है वह यह है कि पवित्र आत्मा ने मुझे वहाँ ऐसी चीजें दिखाई जिनके लिए मैं कई सालों बाद भी आभारी हूँ। हमने अद्भुत चंगाइयों को होते देखा और ऐसी गवाहियाँ सुनीं जिन्होंने हमें बनाया और प्रेरित किया। संक्षेप में, यह सप्ताह परमेश्वर के साथ मेरी आगे की यात्रा के लिए बहुत महत्वपूर्ण था।

मुझे इसका अहसास नहीं था, लेकिन परमेश्वर अगले वर्ष सुसमाचार प्रचार स्कूल के कई लोगों का उपयोग मुझे 2013-2014 में Colorado Springs भेजने की पुष्टि करने और मदद करने के लिए करने वाले थे। परमेश्वर की एक योजना थी और बाद में मैं समझ गया कि उन्होंने इसे इस तरह से क्यों किया।

इस समय मैं अपने आस-पास के कुछ 'पवित्र लोगों' के बीच एक संघर्ष की रूपरेखा भी देखता हूँ और मेरी पीठ पीछे बातों की जाती हैं। मैं एक समर्पित सुसमाचार प्रचारक हूँ और हर जगह लोगों से बात करता हूँ। सच कहूँ तो, मैं काफी अति-सक्रिय (hyperactive) हो सकता हूँ और कभी-कभी महसूस करता हूँ कि मेरे अंदर परमेश्वर के लिए एक आग जल रही है (यिर्मयाह 20:9)।

मुझे विशेष रूप से ओस्लो सेंट्रल स्टेशन की एक यात्रा याद है जहाँ मैंने लोगों के साथ साझा किया और उनके लिए प्रार्थना की और कई लोगों के माध्यम से परमेश्वर की शक्ति को कार्य करते देखा। लेकिन अजीब बात यह है कि जब मैं Knarvik वापस आया तो मुझे इसके लिए आत्मग्लानि महसूस हो रही थी, जब तक कि पुरुषों के समूह के एक भाई ने नहीं कहा कि परमेश्वर ने उन्हें ओस्लो सेंट्रल स्टेशन पर मेरे चारों ओर स्वर्गदूतों के साथ मेरा एक चित्र दिखाया। उस चित्र ने वास्तव में उस विरोध के डंक को निकाल दिया जिसका मुझे दुर्भाग्य से उस समय कुछ 'पवित्र लोगों' के बीच सामना करना पड़ा था।

यदि मैं परमेश्वर की शक्ति के साथ चलता हूँ और परमेश्वर के लिए काम करते समय जो देखता हूँ और जिसका गवाह बनता हूँ उसके लिए मेरी आलोचना की जाती है, तो इसका अर्थ है कि कुछ लोग अपने हृदय की रक्षा करने में सक्षम नहीं रहे हैं और यह स्वीकार नहीं करते हैं कि हमें पवित्र आत्मा से अलग-अलग वरदान मिले हैं (1 कुरिन्थियों 12:4-7)। मुझे खुद इस बात पर प्रसन्न होने में सक्षम होना चाहिए कि मेरे आसपास के अन्य भाइयों और बहनों के पास वे वरदान हैं जो मेरे पास नहीं हैं। पवित्र आत्मा देता है, हम नहीं। लेकिन हमें जो मिलता है उससे हमें परमेश्वर का सम्मान करना चाहिए, न कि शक्ति या धन के लिए उसका दुरुपयोग करना चाहिए। विश्वास में एक-दूसरे के प्रति ईर्ष्या या क्रोध हमारे हृदय के चारों ओर चर्बी की एक परत की तरह जम जाएगा और हमें और परमेश्वर की कलीसिया दोनों को सुस्त कर देगा।

जहाँ तक सोने और आत्मा में जागृत न रहने की बात है (1 थिस्सलुनीकियों 5:6)। कभी-कभी यह देखना एक परीक्षा रही है कि कैसे परमेश्वर के लोग उन आशीषों को खा जाते हैं जो उन पवित्र लोगों के लिए थीं जिन्हें परमेश्वर के लिए काम करने हेतु चुना गया है।

परन्तु धर्मियों की चाल उस चमकती हुई ज्योति के समान है, जिसका प्रकाश दोपहर तक अधिक से अधिक बढ़ता जाता है। दुष्टों का मार्ग घोर अन्धकार के समान है; वे नहीं जानते कि वे किस से ठोकर खाएंगे। हे मेरे पुत्र, मेरे वचन ध्यान धरकर सुन, और अपना कान मेरी बातों की ओर लगा। उन्हें अपनी आँखों की ओट न होने दे; उन्हें अपने अन्तःकरण में सुरक्षित रख। क्योंकि जिन्हें वे प्राप्त होती हैं, वे उनके जीवित रहने का कारण, और उनके सारे शरीर के स्वास्थ्य का कारण होती हैं। सब से अधिक अपने मन की रक्षा कर; क्योंकि जीवन का मूल स्रोत वही है। टेढ़ी बातें अपने मुँह से मत कह, और छल की बातें अपने होठों से दूर रख।

— नीतिवचन 4:18-24

और यह हमें हमारे सृजनकर्ता, यीशु मसीह, परमेश्वर के पुत्र और हमारे लिए पिता द्वारा भेजे गए जन के द्वारा दिया गया है। यूहन्ना के सुसमाचार में लिखा है:

आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। यही आदि में परमेश्वर के साथ था। सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ, और जो कुछ उत्पन्न हुआ है उसमें से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न न हुई। उसमें जीवन था, और वह जीवन मनुष्यों की ज्योति था। और ज्योति अन्धकार में चमकती है, और अन्धकार ने उसे ग्रहण न किया। एक मनुष्य परमेश्वर की ओर से भेजा हुआ आया, जिसका नाम यूहन्ना था। वह गवाही के लिए आया कि ज्योति की गवाही दे, ताकि सब उसके द्वारा विश्वास लाएँ। वह स्वयं वह ज्योति न था, परन्तु उस ज्योति की गवाही देने के लिए आया था। सच्ची ज्योति जो हर एक मनुष्य को प्रकाशित करती है, जगत में आनेवाली थी। वह जगत में था, और जगत उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ, और जगत ने उसे नहीं पहचाना। वह अपने घर आया, और उसके अपनों ने उसे ग्रहण नहीं किया। परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं। वे न तो लहू से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, परन्तु परमेश्वर से उत्पन्न हुए हैं। और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में डेरा किया, और हमने उसकी ऐसी महिमा देखी जैसी पिता के एकलौते की महिमा, जो अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण था।

— यूहन्ना 1:1-14

यीशु हमारे सृजनकर्ता हैं और जब हम जलती हुई झाड़ी के सामने मूसा के बारे में पढ़ते हैं, तो वास्तव में वह परमेश्वर का एक दूत और Yahweh (याहवे) दोनों थे जो उसे दिखाई दिए। दूत का अर्थ है परमेश्वर द्वारा भेजा गया, ठीक वैसा ही जैसे यीशु थे, भेजे हुए। यीशु ने हमें बताया कि जब हमने उन्हें देखा, तो हमने परमेश्वर को देखा। हम देखते हैं कि इब्रानी बाइबल में वह Yahweh ही है जो मूसा से बात करता है। वह Yahweh ही है जो अदन की वाटिका में आदम और हव्वा के साथ चलता है।

तब परमेश्वर के दूत ने एक कटीली झाड़ी के बीच आग की लौ में उसे दर्शन दिया; और उसने दृष्टि जो की, तो क्या देखा कि झाड़ी आग से जल रही है, पर भस्म नहीं होती। तब मूसा ने कहा, "मैं उधर जाकर इस बड़े अचम्भे को देखूँ कि वह झाड़ी क्यों नहीं जल जाती।" जब यहोवा ने देखा कि वह देखने को मुड़ा चला आता है, तब परमेश्वर ने झाड़ी के बीच से उसको पुकारा, "हे मूसा, हे मूसा!" मूसा ने कहा, "क्या आज्ञा!"

— याहवे मूसा से - निर्गमन 3:2-4

याहवे (Yahweh) कौन है? वह यीशु है। जिस तरह उन्होंने इम्माऊस जाने वाले शिष्यों से खुद को छिपा लिया था, उसी तरह वह यीशु ही थे जो अदन की वाटिका में और बाद में कई अवसरों पर पृथ्वी पर चले, न कि परमेश्वर पिता, क्योंकि हम अपनी शारीरिक आँखों से पिता को देखकर जीवित नहीं रह सकते (निर्गमन 33:20)। हम जानते हैं कि यीशु दृष्टान्तों में बात करते थे और यह इसलिए था ताकि उनके अपने लोग सुनें और समझें, न कि वे जिनके लिए वचन नहीं था:

तब चेलों ने पास आकर उससे कहा, "तू उनसे दृष्टान्तों में क्यों बातें करता है?" उसने उत्तर दिया, "तुम को स्वर्ग के राज्य के भेदों की समझ दी गई है, पर उनको नहीं। क्योंकि जिसके

पास है, उसे दिया जाएगा और उसके पास बहुत हो जाएगा; पर जिसके पास नहीं है, उससे वह भी ले लिया जाएगा जो उसके पास है। मैं उनसे दृष्टान्तों में इसलिए बातें करता हूँ कि वे देखते हुए नहीं देखते, और सुनते हुए नहीं सुनते और नहीं समझते। और उनके विषय में यशयाह की यह भविष्यद्वाणी पूरी होती है: तुम कानों से तो सुनोगे, पर समझोगे नहीं; और आँखों से तो देखोगे, पर तुम्हें सुझाई न पड़ेगा। क्योंकि इन लोगों का मन मोटा हो गया है, और वे कानों से ऊँचा सुनते हैं और उन्होंने अपनी आँखें मूढ़ ली हैं; कहीं ऐसा न हो कि वे आँखों से देखें, और कानों से सुनें, और मन से समझें, और फिर जाएँ, और मैं उन्हें चंगा करूँ। पर धन्य हैं तुम्हारी आँखें, क्योंकि वे देखती हैं; और तुम्हारे कान, क्योंकि वे सुनते हैं। क्योंकि मैं तुम से सच कहता हूँ कि बहुत से भविष्यद्वाक्ताओं और धर्मियों ने चाहा कि जो बातें तुम देखते हो, उन्हें देखें, पर न देखीं; और जो बातें तुम सुनते हो, उन्हें सुनें, पर न सुनीं।

— मत्ती 13:10-17

लेकिन यीशु अपने बारे में पुराने नियम और भविष्यद्वाक्ताओं की पुस्तकों में क्या कहते हैं? अपने पुनरुत्थान के बाद, वह पुष्टि करते हैं कि यदि हम पवित्रशास्त्र के प्रति खुले हैं, तो हम निर्बुद्धि और उन बातों पर विश्वास करने में धीमे नहीं हैं जो भविष्यद्वाक्ताओं ने पुराने नियम में कही थीं:

उसी दिन उनमें से दो चले इम्माऊस नाम के एक गाँव को जा रहे थे, जो यरूशलेम से सात मील की दूरी पर था। और वे इन सब बातों पर जो हुई थीं, आपस में बातचीत कर रहे थे। जब वे आपस में बातचीत और पूछताछ कर रहे थे, तो यीशु स्वयं पास आकर उनके साथ हो लिया। परन्तु उनकी आँखें ऐसी बंद कर दी गई थीं कि उन्होंने उसे न पहचाना। उसने उनसे कहा, "ये क्या बातें हैं जो तुम चलते-चलते आपस में कर रहे हो?" वे उदास से खड़े हो गए। उनमें से क्लेओपास नाम के एक व्यक्ति ने उत्तर दिया, "क्या तू यरूशलेम में अकेला परदेशी है, जो नहीं जानता कि इन दिनों में वहाँ क्या-क्या हुआ है?"

— लूका 24:12-32

उसने उनसे पूछा, "क्या हुआ है?"

उन्होंने उससे कहा, "यीशु नासरी के विषय में, जो परमेश्वर और सब लोगों के सामने काम और वचन में सामर्थी भविष्यद्वाक्ता था। और हमारे महायाजकों और सरदारों ने उसे मृत्युदण्ड के लिए पकड़वा दिया और क्रूस पर चढ़ाया। परन्तु हमें आशा थी कि यह वही है जो इस्राएल को छुटकारा देगा; और इन सब बातों के अलावा आज तीसरा दिन है जब से ये बातें हुई। और हम में से कुछ स्त्रियों ने भी हमें अचम्भे में डाल दिया है; वे भोर को कब्र पर गई थीं, और जब उसका शव न मिला, तो यह कहती हुई आई कि हमने स्वर्गदूतों का दर्शन देखा जिन्होंने कहा कि वह जीवित है। तब हमारे साथियों में से कुछ लोग कब्र पर गए और जैसा स्त्रियों ने कहा था वैसा ही पाया, परन्तु उसको न देखा।"

तब उसने उनसे कहा, "हे निर्बुद्धियों और भविष्यद्वाक्ताओं की कही हुई सब बातों पर विश्वास करने में मन्दमतियों! क्या मसीह को ये दुःख उठाकर अपनी महिमा में प्रवेश करना उचित न था?"

तब उसने मूसा से और सब भविष्यद्वाक्ताओं से आरम्भ करके सारे पवित्रशास्त्र में से अपने विषय की बातों का अर्थ उन्हें समझा दिया। इतने में वे उस गाँव के पास पहुँचे जहाँ वे जा रहे थे, और उसके ढंग से ऐसा जान पड़ा कि वह आगे बढ़ना चाहता है।

परन्तु उन्होंने यह कहकर उसे विवश किया, "हमारे साथ ठहर, क्योंकि शाम हो रही है और दिन अब बहुत ढल गया है।"

तब वह उनके साथ ठहरने के लिए भीतर गया। जब वह उनके साथ भोजन करने बैठा, तो उसने रोटी ली और धन्यवाद करके उसे तोड़ी और उन्हें देने लगा।

तब उनकी आँखें खुल गई और उन्होंने उसे पहचान लिया; और वह उनकी आँखों से ओझल हो गया।

उन्होंने आपस में कहा, "जब वह मार्ग में हमसे बातें कर रहा था और हमें पवित्रशास्त्र समझा रहा था, तो क्या हमारे मन उत्तेजित न हो रहे थे?" और वे उसी घड़ी उठकर यरूशलेम को लौट गए।

वहाँ उन्होंने उन ग्यारहों और उनके साथियों को इकट्ठा पाया, जो कह रहे थे, "प्रभु सचमुच जी उठा है और शमौन को दिखाई दिया है।"

तब उन्होंने मार्ग की बातें बता दीं और यह भी कि उन्होंने उसे रोटी तोड़ते समय कैसे पहचाना।

वे ये बातें कह ही रहे थे कि यीशु स्वयं उनके बीच में आ खड़ा हुआ और उनसे कहा, "तुम्हें शान्ति मिले!"

वे घबरा गए और डर गए, क्योंकि उन्होंने समझा कि किसी आत्मा को देख रहे हैं। परन्तु उसने उनसे कहा, "क्यों घबराते हो? और तुम्हारे मन में क्यों सन्देह उत्पन्न होते हैं? मेरे हाथ और मेरे पाँव देखो कि मैं वही हूँ। मुझे छूकर देखो; क्योंकि आत्मा के हड्डी और मांस नहीं होता जैसा मुझ में देखते हो।"

यह कहकर उसने उन्हें अपने हाथ और पाँव दिखाए। जब आनन्द के मारे उन्हें विश्वास न हुआ और वे अचम्भा करते थे, तो उसने उनसे पूछा, "क्या यहाँ तुम्हारे पास कुछ भोजन है?" उन्होंने उसे भुनी हुई मछली का एक टुकड़ा दिया। उसने लेकर उनके सामने खाया।

तब उसने उनसे कहा, "ये मेरी वे बातें हैं जो मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुमसे कही थीं, कि अवश्य है कि जितनी बातें मूसा की व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं और भजनों की पुस्तकों में मेरे विषय में लिखी हैं, पूरी हों।"

तब उसने उनकी बुद्धि खोल दी कि वे पवित्रशास्त्र को समझें।

Chapter 26

अमेरिका में बाइबिल स्कूल (2013)

2012-2013 के दौरान, पवित्र आत्मा ने हमसे स्पष्ट रूप से बात की कि हमें बाइबिल स्कूल शुरू करना चाहिए। मुझे याद है कि मैंने पिता से एक विश्राम वर्ष (sabbatsår) के लिए प्रार्थना की थी, और यह मेरी प्रार्थना का उनका उत्तर था। यह पूरी तरह से अप्रत्याशित नहीं था, हालाँकि यह वह उत्तर नहीं था जिसकी मैंने आशा की थी। इस समय तक मेरी पत्नी को भी यह अहसास हो गया था कि हमें अमेरिका में बाइबिल स्कूल शुरू करना है। विशेष रूप से Colorado Springs में Rocky Mountains की पहाड़ियों में स्थित Woodland Park का Charis Bible College। यह बात मुझे सीधे पिता ने तब बताई जब मैं Denver की एक छोटी सुसमाचार यात्रा पर अमेरिका में था। Florida के सुसमाचार प्रचार स्कूल (evangeliseringsskolen) में जाने वाले एक जोड़े ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया था। मैंने टिकट बुक कर लिए थे और मैं घबराया हुआ था कि क्या मैंने वास्तव में सही कदम उठाया है, और मेरी पत्नी ने इस बार विरोध नहीं किया। मैंने खुद सोचा कि मैं थोड़ा पागल हूँ जो इतने कम समय के नोटिस पर और केवल कुछ दिनों के प्रवास के लिए दूसरी बार अमेरिका जा रहा हूँ, लेकिन सौभाग्य से यात्रा करने से पहले मुझे पुष्टि मिल गई। यह कुछ हद तक पतरस (मत्ती 14:29-31) की तरह है। मनुष्य को महसूस होता है कि वह नाव से बाहर कदम रख रहा है और डूबने ही वाला है कि तभी परमेश्वर हाथ पकड़कर उसे ऊपर खींच लेते हैं:

पर यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो, तो परमेश्वर से मांगे, जो बिना उलाहना दिए सब को उदारता से देता है; और उसे दी जाएगी। पर विश्वास से मांगे, और कुछ सन्देह न करे; क्योंकि सन्देह करने वाला समुद्र की लहर के समान है जो हवा से बहती और उछलती है। ऐसा मनुष्य यह न समझे कि मुझे प्रभु से कुछ मिलेगा। वह व्यक्ति दुविधा में फंसा हुआ है, और अपनी सारी बातों में चंचल है।

— याकूब 1:5-8

कभी-कभी मैं निश्चित रूप से अनिश्चित होता हूँ कि जब मैं पवित्र आत्मा द्वारा दी गई बातों पर चलता हूँ तो क्या मैंने वास्तव में सही सुना है, लेकिन जब मुझे पुष्टि मिलती है तो मुझे आमतौर पर उस चुनाव के लिए शांति महसूस होती है। इस बार पुष्टि पवित्र आत्मा की ओर से आई जिन्होंने मुझे उन लोगों के नाम का हिस्सा बताया जिनके पास मुझे रुकना था। राजनीतिज्ञ का नाम Kaci Kullman Five मेरे दिमाग में बैठ गया था और बाद में मैंने देखा कि उनका नाम Kaci Robbins था, इसलिए मैं समझ गया कि यह पवित्र आत्मा की ओर से था। मैं उन्हें नहीं जानता था, लेकिन वे भी Reinhard Bonnke के साथ स्कूल में थे और Colorado Springs में रहते थे। इतना ही नहीं, बल्कि वे मेरे द्वारा परोक्ष रूप से आशीषित हुए थे जब एक अन्य भाई, Mike Sanchez ने, जो सुसमाचार प्रचार स्कूल से ही थे, एक पिछले अवसर पर Daniel के चंगे होने के लिए प्रार्थना की थी जब मैंने उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित किया था। और परमेश्वर ने ऐसी योजना बनाई थी कि जिस शहर में यह दंपति रहता था, वहीं बाइबिल स्कूल स्थित था, जिसने हम सभी को आशीष दी।

Daniel Robbins और उनकी पत्नी जो Colorado Springs से थे, वे मुझे वहां आने से पहले नहीं जानते थे, हालाँकि हम 2012 में CFAN और Reinhard Bonnke के साथ एक ही स्कूल में थे।

लेकिन परमेश्वर ने उनका उपयोग मुझे स्कूल दिखाने और मेरी समझ को खोलने के लिए किया कि अगले वर्ष क्या होने वाला है।

मुझे पता था कि मुझे Denver जाना है क्योंकि पवित्र आत्मा ने मुझसे यह कहा था और उन्होंने अमेरिका की एक मसीही बहन के माध्यम से इसकी पुष्टि की थी। जब उस बहन ने परमेश्वर से पूछा, तो परमेश्वर ने उन्हें Anh Le और Michelle के जोड़े को दिखाया जो इस सुसमाचार सभा के आयोजक थे। वह नहीं जानती थी कि परमेश्वर मुझे पहले ही Denver नाम दे चुके हैं।

मैंने Denver की सुसमाचार सभा में भाग लिया। वहां एक खुला मंच था और मैं उस समूह में था जो संदेश साझा करता था और आने वाले लोगों के लिए प्रार्थना करता था। पादरी Bryan Schwartz व्यावहारिक व्यवस्था का नेतृत्व कर रहे थे और अचानक उन्होंने मुझसे बात की और कुछ ऐसा कहा: «तुम गहरे (deep) हो, लेकिन यह महत्वपूर्ण नहीं है कि कोई गहरा है या नहीं»। वे मुझे नहीं जानते थे, लेकिन Marcus Wick ने भी 2014 में, कुछ साल बाद मुझसे ऐसी ही बात कही थी। इसका सीधा सा मतलब यह है कि परमेश्वर ने मुझे तब देखा जब मैं शास्त्र में गहराई तक गया और सत्य के लिए उन्हें खोजा, लेकिन मुझे दूसरों का न्याय नहीं करना चाहिए जो ऐसा नहीं करते। सभी पवित्र लोगों का परमेश्वर के घर में अपना स्थान है और वे यीशु का अनुसरण करने के लिए उत्तरदायी हैं, जो उनके विश्वास के कर्ता हैं। फिर भी, 2008-2012 में मेरे पास जो भी किताबें और अनुभव थे, वे मुझे समय के एक ऐसे बिंदु पर ले आए जहाँ मैंने परमेश्वर के प्रति अपने प्रतिरोध को त्याग दिया और यह मई 2012 में हुआ। हम अभी भी Denver में हैं और Colorado Springs के घर और कार्यक्रम स्थल के बीच आगे-पीछे गाड़ी चला रहे हैं, जो लगभग डेढ़ घंटे या उससे अधिक की दूरी पर है।

हमारे पास थोड़ा खाली समय था और तभी Daniel Robbins ने मुझे Colorado Springs घुमाने का फैसला किया। मुझे समझ आ गया था कि मैं परमेश्वर के लिए बहुत अधिक सक्रियता वाले एक 'बाइबिल बेल्ट' (bibelbelte) में आ गया हूँ। और जब हम एक ट्रैफिक लाइट पर हरे होने का इंतजार कर रहे थे, तो परमेश्वर ने मेरी समझ खोल दी और मुझे दिखाया कि हमें Charis Bible College जाना चाहिए। तुरंत मुझे Andrew Wommack के प्रति शांति महसूस हुई जो स्कूल का नेतृत्व कर रहे थे और मैं अपने भीतर पिता को मना नहीं कर सका, हालाँकि बाद में जब मैं घर वापस आया तो मुझे इन सब बातों को आत्मसात करने में चुनौती हुई। फिर भी, मैं थोड़ा 'स्तब्ध' (paff) रह गया और मैंने कार चला रहे हमारे भाई को यह बताया, जिस पर उन्होंने परमेश्वर की स्तुति की। यह सब थोड़ा अवास्तविक था और मुझे बिल्कुल पता नहीं था कि आर्थिक व्यवस्था कैसे होगी क्योंकि Frekhaug में घर की बिक्री पर हम पहले से ही एक लाख (NOK) के घाटे में थे। मैंने सोचा कि मेरी चुनौती यहीं थी, बाइबिल स्कूल जाने के लिए संसाधन जुटाना।

उस समय हम Galtenesveien के निचले हिस्से में एक किराए के अपार्टमेंट में रह रहे थे, जैसा कि परमेश्वर ने मेरी पत्नी को पुष्टि की थी, इससे पहले कि हमें वह मिला। मालिक उनकी एक पुरानी सहेली थी, जो Loddefjord में नॉर्वेजियन चर्च की एक पादरी थीं। मुझे कम ही पता था कि एक साल पहले हमारे घर बेचने का कारण यह था कि परमेश्वर ने आने वाले वर्षों के लिए हमारे लिए एक मार्ग तैयार किया था और यही कारण था कि भाई Thomas ने इतनी स्पष्टता से कहा था कि घर बेचना ही सही कदम था।

Frekhaug में Fosse वाले घर को बेचने से पहले हमने अपनी बहुत सी चीजें दान कर दी थीं और इसी सिलसिले में एक व्यक्ति हमारे पास आया जिसे स्टीरियो सिस्टम मिला। मैंने उसके साथ खुलकर बातें साझा कीं और उसने जो बताया वह यह था कि उसके घर में दुष्ट आत्माओं का वास था। मैं बाद में उससे मिलने गया लेकिन इससे पहले कि मैं जाता, परमेश्वर ने वास्तव में मुझे सुधारने के लिए चेतावनी दी थी। परमेश्वर ने मुझे आज्ञाकारी (1 शमूएल 15:22) होने के लिए कहा था, लेकिन अपनी अपरिपक्वता में मैंने इसकी

गंभीरता को नहीं समझा। फिर मैंने उस व्यक्ति के घर का दौरा किया जहाँ अशुद्ध आत्माएँ थीं और मैंने उस व्यक्ति की समस्याओं को कम करके आंकने की गलती की, जबकि मुझे समझना चाहिए था कि यह गलत था। उसके तकियों पर खोपड़ियों के चित्र थे और दीवार पर बहुत सारे हथियार टंगे थे। उसने कहा कि रात में प्रभाव इतना प्रबल होता था कि उसके बिस्तर से रजाई तक खींचने की कोशिश की जाती थी। परमेश्वर ने मुझे सुधारा, लेकिन मैं अपरिपक्व था। मुझे जो कहना चाहिए था वह यह था: घर से मृत्यु की सभी वस्तुओं को हटा दो क्योंकि अशुद्ध आत्माएँ आराम खोजती हैं (मत्ती 12:43-45), परमेश्वर के सामने अपने पापों का पश्चात्ताप करो (1 यूहन्ना 1:9), यीशु को हाँ कहो और नया जन्म प्राप्त करो। मुझे स्वीकार करना चाहिए कि यदि मुझे अपनी सेवकाई में कार्य करना है, तो मुझे पिता की आज्ञा माननी चाहिए न कि मनुष्यों की, और पिछले कुछ वर्षों में मैं इसमें बेहतर हुआ हूँ। कई लोग सुसमाचार और परमेश्वर के कार्य के प्रति अपने पाप या कठोर हृदय को सही ठहराने की कोशिश करते हैं और पिता ने मुझे इस मामले में अनुशासित किया है।

कुल पांच लोगों ने अमेरिका में बाइबिल स्कूल के संबंध में मुझसे भविष्यद्वाणी के रूप में बात की (1 कुरिन्थियों 14:3)। इसके अतिरिक्त वह भी था जो परमेश्वर ने मुझे दिखाया जब उन्होंने मेरी समझ खोली, शायद कुछ हद तक प्रेरित लूका की तरह:

तब उसने उनकी समझ खोल दी, कि वे पवित्र शास्त्र को समझें...

— लूका 24:45

मुझसे बात करने वालों में से एक विश्वास में बहन Amy थी। वह विवाहित है, उसके चार बच्चे हैं और वह अमेरिका में रहती है। उसके ऊपर एक सुसमाचार प्रचारक की बुलाहट है। दूसरे Ikem Grigsby थे, जो एक पूर्णकालिक सुसमाचार प्रचारक हैं। मेरी अपनी कलीसिया के एक विश्वासी, भाई Trond भी थे जिन्होंने मुझसे सीधे बात की कि उन्होंने 'बाइबिल स्कूल' सुना है, साथ ही वही आगंतुक सुसमाचार प्रचारक भी थे जिनका मानना था कि जब वे हमारे घर आए थे तो पवित्र आत्मा ने उनसे यह कहा था। अमेरिका के Robbins परिवार भी Florida में Reinhard Bonnke के साथ सुसमाचार प्रचार स्कूल में थे। बहन Amy ने पहले भी यह अनुभव किया था कि परमेश्वर ने उसे मेरे पूरे परिवार को पूरे सामान के साथ अमेरिका में दिखाया था, जो मुझे उस समय लगा था कि शायद ही सच हो। यह Colorado और Denver की सुसमाचार यात्रा से कुछ समय पहले की बात थी।

सुसमाचार की उस छोटी यात्रा के बाद, कोई सोच सकता है कि अब मैं अमेरिका जाने और बाइबिल स्कूल में पढ़ने के लिए आश्वस्त हो गया था। परमेश्वर ने मुझे स्कूल दिखा दिया था, लेकिन भले ही मैंने पिता से वचन के अध्ययन के लिए एक विश्राम वर्ष मांगा था, मैंने अंतिम पुष्टि मिलने तक पूरी तरह से कदम नहीं उठाया। मुझसे सीधे बात करने वाले व्यक्तियों में से एक अमेरिका के ही John Natale भी थे। मैंने सोचा कि यह संयोग था, लेकिन मुझे एक कॉन्फ्रेंस कॉल में शामिल होने के लिए कहा गया जहाँ John Natale ने परमेश्वर के ज्ञान के वचनों के साथ हम सभी से बात की और सुसमाचार स्कूल के एक अन्य प्रतिभागी द्वारा पुष्टि की गई कि John के पास वास्तव में भविष्यद्वाणी का वरदान था, जिसकी समझ अब मुझे स्वयं भी हो गई थी:

तुम्हारा यहाँ का काम पूरा हो गया है। खुद को विमान पर डाल दो (फ्लाइट ले लो)।

— John Natale ने मुझसे भविष्यद्वाणी के रूप में कहा

John मेरे बारे में कुछ नहीं जानते थे और निश्चित रूप से यह भी नहीं कि परमेश्वर मुझे अमेरिका में बाइबिल स्कूल जाने के लिए कह रहे थे, इसलिए मुझे महसूस हुआ कि मेरे दिल की धड़कन बढ़ गई। मेरे सभी

अनुभवों के बाद, कोई सोच सकता है कि मैं इन सब में शांत रहने में सक्षम होता, लेकिन मैं नहीं था। अपनी नौकरी छोड़ना और परमेश्वर पर भरोसा करना एक बड़ा कदम था, विशेष रूप से यह देखते हुए कि उस समय हमारे तीन बच्चे थे।

एक ऐसा बिंदु आया जहाँ मैंने और मेरी पत्नी ने परमेश्वर से पुष्टि मांगने का फैसला किया कि क्या वास्तव में हमारा अमेरिका के बाइबिल स्कूल में जाना तय है। और फिर जो होता है वह यह कि Ikem Grigsby कुछ ही दिनों बाद पहली बार Facebook के माध्यम से मुझसे संपर्क करते हैं और बताते हैं कि उन्होंने एक सपना देखा है जिसका अर्थ वे नहीं समझ पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं उस सपने के बीच में था और उन्हें लगता है कि शायद यह मेरे लिए है। वे स्वयं एक पूर्णकालिक सुसमाचार प्रचारक थे, जिन्हें 2005 में Florida में तूफान Katrina आने से ठीक पहले परमेश्वर ने बुलाया था और उन्होंने अपने घर सहित अपना सब कुछ खो दिया था:

Ikem घर और कार के बीच आगे-पीछे जा रहे हैं और कार को सामान से भर रहे हैं। फिर उन्हें फोन पर मेरी तरफ से एक कॉल आती है लेकिन जब वे उसे उठाने की कोशिश करते हैं तो अचानक कॉल करने वाले यानी मुझसे कोई संपर्क नहीं होता। वे और उनकी पत्नी फिर विमान की ओर जाते हैं और उनकी फ्लाइट लगभग छूटने ही वाली होती है। जब वे लैंड करते हैं, तो उन्हें फोन पर मेरी तरफ से दर्जनों टेक्स्ट मैसेज मिलते हैं, लेकिन वे सभी खाली थे।

— Ikem Grigsby का 2013 का सपना

Ikem नहीं जानते थे कि सपना किस बारे में था और उन्होंने मुझसे संपर्क किया क्योंकि वे मुझे 2012 के Florida सुसमाचार प्रचार स्कूल से जानते थे और हम एक ही फेसबुक ग्रुप का हिस्सा थे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कार में सामान उससे कहीं ज्यादा था जितना आमतौर पर उनके अकेले यात्रा करने पर होता है। मैं तुरंत सपने का अर्थ समझ गया और मेरी पत्नी हैरान थी कि मैंने इस बारे में क्या किया था?! मैं थोड़ा हक्का-बक्का रह गया क्योंकि मैंने उसे पहले ही बता दिया था कि परमेश्वर ने क्या कहा था और आवेदन करने से पहले हमें सहमत होना था। सच तो यह था कि मूल रूप से मेरे अविश्वास ने ही मुझे आवेदन करने से रोक रखा था क्योंकि उस समय हमारे पास इसके लिए पैसे नहीं थे। खैर, हम सहमत हुए कि हम स्कूल के लिए आवेदन करेंगे (इब्रानियों 11:1)। स्कूल की प्रतिक्रिया यह थी कि उन्हें बैंक से सबूत चाहिए कि हम अमेरिका में अपना भरण-पोषण कर सकते हैं। यह हमारे पास नहीं था, इसलिए मैंने उनसे कहा कि परमेश्वर ने हमें आवेदन करने के लिए कहा है, जिस पर मुझे उत्तर मिला कि वे इस विश्वास के साथ आवेदन पर विचार करेंगे कि परमेश्वर का वचन पूरा होगा। मुझे कम ही पता था कि वह स्थानीय उद्यमी जो 2009 में हमारे पास आया था, अब उसे नगर परिषद के माध्यम से निर्माण अनुमति मिल गई थी। बैंक से पुष्टि भेजने की समय सीमा समाप्त होने से कुछ समय पहले, उसने फोन किया और कहा: «अब आप आकर अनुबंध पर हस्ताक्षर कर सकते हैं»। मैं शायद थोड़ा सरल स्वभाव का हूँ, लेकिन मामले के इतने लंबे समय तक चलने के बाद, यह लगभग आश्चर्यजनक था कि पैसा यहाँ से आने वाला था। बैठक के रास्ते में मैं अचानक थोड़ा चिंतित हो गया और परमेश्वर के सामने पुकारने लगा कि ज़मीन की बिक्री के बाद जो बचेगा, उससे 3 बच्चों और 2 वयस्कों के साथ अमेरिका जाना हमारे लिए असंभव होगा। कम से कम मेरा मानना तो यही था। मुझे याद है कि मैंने यह बात Flatøy और Knarvik के बीच Hagelsundbrua पुल पार करने से ठीक पहले कही थी (नीतिवचन 3:5-6)। और फिर जो हुआ वह यह कि बैठक में उसने पूछा कि क्या हम ज़मीन का बाकी हिस्सा भी उसे बेचने पर विचार करेंगे, तो कुल मिलाकर हम इस बात पर सहमत हुए कि वह आवासीय उद्देश्य के लिए परिवर्तित हिस्से के साथ-साथ बाकी ज़मीन भी खरीद सकता है जो अभी भी LNF क्षेत्र (कृषि, प्रकृति

और बाहरी मनोरंजन क्षेत्र) थी। हम इस बात पर भी सहमत हुए कि वह भुगतान को 3 किशतों में विभाजित करेगा और वह प्रति दिन 1000,- रुपये (NOK) के जुमाने के लिए तैयार हो गया यदि कोई किशत निर्धारित तिथि तक नहीं मिली। और अंत में हमारे पास लगभग 11 लाख (1.1 million) रुपये (NOK) आए, जो अविश्वसनीय रूप से सुखद था और एक ऐसी आशीष थी जिसे परमेश्वर पहले से ही जानते थे। हमें वास्तव में परमेश्वर द्वारा शरीर और आत्मा दोनों में चमत्कारों के साथ-साथ वित्तीय चमत्कारों से भी आशीषित किया गया है (फिलिप्पियों 4:19)। मैं इससे इनकार नहीं कर सकता। यह मुझे इस बात पर विचार करने के लिए मजबूर करता है कि मैंने तुरंत हाँ क्यों नहीं कहा और आवेदन क्यों नहीं किया, और इसका कारण मेरा अपना अविश्वास था।

मेरे दिमाग में मैंने सोचा: «हमारे पास तो पैसे ही नहीं हैं»। लेकिन समस्या आर्थिक नहीं थी, बल्कि परमेश्वर के वचन के प्रति मेरा अविश्वास था (मरकुस 9:24)। मैंने बाइबिल स्कूल में आवेदन करना शुरू नहीं किया क्योंकि मैं इस विश्वास में नहीं चला कि यह सब ठीक हो जाएगा। जब परमेश्वर ने बात की हो और इसकी पुष्टि हो गई हो, तो आपके विश्वास के साथ समस्या है और इसे किसी अन्य तरीके से सही ठहराने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

— जब परमेश्वर ने बाइबिल स्कूल के बारे में बात की तो मेरा अपना अविश्वास

स्कूल के लिए सभी तैयारियाँ की गई और हमने Bergen में अपनी नौकरियाँ छोड़ दीं। मैं Noklus में एक सिस्टम डेवलपर के रूप में और वह एक शिक्षिका के रूप में, और अक्टूबर 2013 में हम Colorado Springs में Charis Bible College के लिए अमेरिका खाना हुए। Ikem Grigsby के सपने में विमान लगभग छूटने वाला था, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हमें अपनी सबसे छोटी बेटी Engeline का वीज़ा विमान उड़ने से केवल 3 दिन पहले मिला था, इसलिए यह बहुत ही मुश्किल से समय पर हो पाया। हमने Iceland में पड़ाव डाला और फिर अमेरिका में Denver के लिए उड़ान भरी। हमारे साथ बहुत सारा सामान था और बच्चे हवाई अड्डे पर सामान से पूरी तरह लदी ट्रॉलियों के बगल में खड़े थे। मुझे लगता है कि वह अपने आप में एक नज़ारा रहा होगा। बाइबिल स्कूल शुरू करने से पहले हम Colorado Springs में बस गए। पहले ही दिन सभी प्रथम वर्ष के छात्रों को पदक मिला। यह कहा गया कि यहाँ तक पहुँचना अपने आप में एक उपलब्धि थी, जो कि सच था। मुझे बाद में पता चला कि Colorado Springs का Charis Bible College ही Andrew Wommack का एकमात्र ऐसा स्कूल था जिसने अंतरराष्ट्रीय छात्रों को स्वीकार किया, जिसके बारे में परमेश्वर निश्चित रूप से पहले से ही जानते थे (रोमियों 8:28)।

यह 2013 के बिल्कुल अंत की बात है, स्कूल द्वारा Woodland Park में नए परिसर खोलने से ठीक पहले और क्रिसमस नज़दीक है। शिक्षण सामान्य रूप से चल रहा है और अभी अवकाश (ब्रेक) है। हम अभी भी Colorado Springs के पुराने परिसर में ही हैं।

अगले साल तुम यहाँ नहीं होगे।

— मैं स्कूल में बैठा हूँ और पवित्र आत्मा कहते हैं

मैंने मन में सोचा कि यह निश्चित रूप से पवित्र आत्मा नहीं हो सकते, इसलिए मैंने जो कहा गया था उसका कड़ा विरोध किया। कभी-कभी मैं इस तरह बचकाना हो जाता हूँ, दुर्भाग्य से। लेकिन फिर भी, यह परमेश्वर की भलाई ही थी कि उन्होंने ऐसा किया, जिसे मैं बाद में 2014 में समझ पाया। स्कूल में हमारा समय बहुत

अच्छा बीता। मेरी पत्नी शाम के स्कूल में जाती थी और मैं दिन के स्कूल में, और हम बारी-बारी से बच्चों की देखभाल करते थे।

मैं अमेरिका में उस समय हुई एक दर्दनाक घटना को खुलकर साझा नहीं करने का विकल्प चुनता हूँ जब हम सौ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से मोटरवे पर गाड़ी चला रहे थे। मैं जो कह सकता हूँ वह यह है कि संबंधित व्यक्ति ने ज़िम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। न तो उस व्यक्ति ने किसी प्रकार की माफी मांगी और न ही उस नुकसान को समझा जो इस कृत्य के कारण हो सकता था।

Chapter 27

Charis Bible College (2014)

हम 2014 में पहुँच चुके थे और Charis Bible College ने Woodland Park में अपनी नई इमारत खोली थी और प्रथम वर्ष की कक्षाएँ वहीं मुख्य हॉल में हो रही थीं। इसकी बनावट लकड़ी की सहायक संरचना के साथ बहुत खुली और हवादार है, जिसमें शानदार मेहराब हमारे ऊपर ऊँचे बने हुए हैं। अमेरिकी आमतौर पर आंतरिक सजावट में बहुत कुशल होते हैं और यह लकड़ी की एक शानदार संरचना थी जहाँ कमरे के एक तरफ 4302 मीटर की ऊँचाई पर स्थित Pikes Peak की ओर एक विशाल पैनोरमिक खिड़की थी। Woodland Park 2580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित था, इसलिए यह थोड़ा विशेष था। हम स्वयं 2300 मीटर की ऊँचाई पर रहते थे और वहाँ अपने प्रवास के पहले कुछ महीनों के दौरान सीढ़ियाँ चढ़ते समय या ऐसा ही कुछ करते समय हमारी साँसें थोड़ी फूल जाती थीं।

स्कूल में मुख्य सामग्री के रूप में बाइबल है लेकिन हमें पाठ्य सामग्री के विषयगत विभाजन के साथ पुस्तिकाएँ दी जाती हैं और एक विषय समाप्त होने के बाद हम हमेशा यह देखने के लिए एक साधारण परीक्षा देते हैं कि हमने सामग्री को ग्रहण किया है या नहीं। नियमित रूप से सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं और एक विषय जो Charis Bible College में अक्सर दोहराया जाता है वह है चंगाई और परमेश्वर का अनुग्रह। पाप करने के लिए अनुग्रह नहीं, बल्कि उस पापी के लिए परमेश्वर का अनुग्रह जो क्रूस के पास आता है और अपना सब कुछ और परमेश्वर के प्रति अपने विरोध को त्याग देता है। मैंने इसका विशेष रूप से उल्लेख नहीं किया है, लेकिन जब मैंने लोगों के लिए प्रार्थना की है तो मैंने कई चमत्कार देखे हैं और Andrew Wommack भी इसी के बारे में कुछ साझा करते हैं, कि मनुष्यों के लिए परमेश्वर के अनुग्रह के वरदान क्या हैं और कैसे पवित्र लोगों के लिए चंगाई की अपेक्षा करना स्वाभाविक है (याकूब 5:14-15)। परमेश्वर यह जानते थे और इस मामले में मुझे यहाँ बाइबल स्कूल में बहुत अपनापन महसूस हुआ। मेरी पत्नी शायद यात्रा, योजना बनाने और सामान्य रूप से नए दोस्तों और गतिविधियों के साथ एक नई जगह से जुड़ी सभी व्यावहारिक चीजों से खुश थी। इस समय एक चेतावनी का संकेत यह था कि उन्हें मेरे साथ बाइबल पढ़ना पसंद नहीं था और जब मैं पवित्रशास्त्र जो कहता है उसके बारे में बात करता हूँ या उन चीजों के बारे में बताता हूँ जो परमेश्वर मुझे देते हैं या जो चंगाई मैं देखता हूँ, तो वह जल्दी ही अधीर और चिढ़ जाती थीं।

हम स्कूली वर्ष से गुजरते हैं और साथ ही परिवार रविवार को Woodland Park की एक कलीसिया में जाने लगता है जहाँ बच्चों के लिए भी सभाएँ होती हैं। स्कूल के दौरान, बाइबल शिक्षकों में से एक, Greg Mohr, शिक्षण के बीच में ही सीधे मेरी पूर्व-पत्नी से बात करते हैं। मैं बहुत भाग्यशाली था क्योंकि सभी शिक्षणों की ऑडियो रिकॉर्डिंग की जाती है। बहुत कम या कोई भी उन चुनौतियों के बारे में नहीं जानता था जिनसे मैं और मेरी तत्कालीन पत्नी गुजर रहे थे, लेकिन उन्होंने बार-बार या तो मेरी आलोचना की थी या परमेश्वर के कार्य में मेरा विरोध किया था। यह सब मूल रूप से एक विरोधाभास था, क्योंकि वह और उनका परिवार स्वयं को विश्वासी मानते हैं। फिर भी, Greg Mohr ने वह कहा जो मैं स्वयं व्यक्त नहीं करना चाहता था। Greg Mohr मेरी पूर्व-पत्नी को किसी भी तरह से नहीं जानते थे जब उन्होंने उनसे बात की, तो यह सब अचानक से हुआ:

परमेश्वर आपके भीतर से **अविश्वास को उड़ा** देंगे और आपको ऐसी कृपा और ऐसे आशीर्वाद और वित्त के लिए ऐसे विश्वास में लाएंगे। और परमेश्वर इसे पूरी तरह से आप में से बाहर निकाल देंगे, और वह आपका शक्तिशाली रूप से उपयोग करेंगे, न केवल वित्त में, बल्कि चंगाई के क्षेत्र में भी। **और परमेश्वर आपका सामर्थ्य के साथ उपयोग करेंगे यदि आप उन्हें ऐसा करने दें। यदि आप उन्हें ऐसा करने की अनुमति देते हैं।** और मैं आपके विरुद्ध शत्रु के अभियानों और हर उस नकारात्मक अनुभव को रद्द करता हूँ जिसने आपको मार्ग से हटाने की कोशिश की है। आपका पिता आपसे प्रेम करता है और वह आपके जीवन पर अपना आशीर्वाद उड़ेलना चाहता है। आप इसका अनुभव करने जा रहे हैं और आप दूसरों को इसका अनुभव करने में मदद करेंगे। आमीन? आमीन!

— Greg Mohr ने मेरी पत्नी से कहा

जब Marcus Wick ने कुछ महीनों बाद कहा कि परमेश्वर हमें अलग कर रहे हैं, तो यह स्पष्ट हो गया कि उन्होंने पहले ही अलग होने का मन बना लिया है। हमारा उद्देश्य एक साथ, एक देह के रूप में कार्य करना था (इफिसियों 5:31), लेकिन परमेश्वर ने देखा था कि चीजें कैसे बदल रही थीं। परमेश्वर उन लोगों पर दया करे जो इस दुनिया के प्रलोभनों से बहक जाते हैं:

सत्य कहता हूँ, जब तक तुम न फिरो और बालकों के समान न बनो, तुम स्वर्ग के राज्य में कभी प्रवेश न करने पाओगे। जो कोई अपने आप को इस बालक के समान छोटा करेगा, वही स्वर्ग के राज्य में बड़ा होगा। और जो कोई मेरे नाम से ऐसे एक बालक को ग्रहण करता है, वह मुझे ग्रहण करता है। पर जो कोई इन छोटों में से जो मुझ पर विश्वास करते हैं, किसी को ठोकर खिलाए, उसके लिये यही भला होता, कि उसकी गर्दन में चक्की का पाट लटकाया जाता, और वह गहरे समुद्र में डुबो दिया जाता। संसार को ठोकरों के कारण हाय! क्योंकि ठोकरों का लगना तो अवश्य है; पर हाय उस मनुष्य पर जिसके द्वारा ठोकर लगती है! यदि तेरा हाथ या तेरा पाँव तुझे ठोकर खिलाए, तो उसे काटकर फेंक दे; टुण्डा या लंगड़ा होकर जीवन में प्रवेश करना तेरे लिये इससे भला है कि दो हाथ या दो पाँव रहते हुए तू अनन्त आग में डाला जाए। और यदि तेरी आँख तुझे ठोकर खिलाए, तो उसे निकाल कर फेंक दे; काना होकर जीवन में प्रवेश करना तेरे लिये इससे भला है कि दो आँख रहते हुए तू नरक की आग में डाला जाए।

— मत्ती 18:3-9

जब कोई व्यक्ति किसी को अपने स्वयं के निर्णय, धारणा या स्मृति पर संदेह करने के लिए मनोवैज्ञानिक हेरफेर करता है, तो इसे gaslighting के रूप में जाना जाता है और यह वास्तव में अत्यंत गंभीर है।

स्कूली वर्ष के अंत में, मुझे समर स्कूल जाना पड़ा क्योंकि हमने विंटर सेमेस्टर में शुरुआत की थी न कि शरद ऋतु में। मेरी पत्नी और बच्चे 2014 की गर्मियों में छुट्टी के लिए Norway चले गए और सोचा कि वे अगले स्कूल सत्र की शुरुआत में वापस आ जाएंगे, लेकिन मेरे भीतर मुझे महसूस हुआ कि इसमें कुछ गलत था। मुझे तब याद नहीं था कि पवित्र आत्मा ने स्कूल वर्ष की शुरुआत में मुझसे बात की थी और कहा था कि मैं अगले साल वहां नहीं रहूंगा। न ही मैंने इसे खुले तौर पर स्वीकार किया था।

हम दूसरे स्कूली वर्ष में आगे न बढ़ने के लिए सहमत हुए। उसके बाद हम उनकी इच्छा के अनुसार Levanger चले गए। मुझे दुख था कि हमने एक साल बाद पढ़ाई छोड़ दी। इसके बाद जो होता है वह यह

है कि केवल दो से तीन सप्ताह पहले जब मैं USA से वापस आने वाला था, तब चार पवित्र लोगों ने मुझसे बात की। उनमें से एक उस कलीसिया में थे जहाँ हम उस वर्ष गए थे। वहाँ मेरी आखिरी कलीसियाई सभा थी और उन्होंने अभी-अभी मेरे लिए प्रार्थना की थी। मैं हॉल के पीछे जाने ही वाला था कि पवित्र लोगों में से एक, एक भविष्यद्वक्ता, खड़े हुए और अचानक उन विभिन्न चीजों के बारे में बात की जो मैं परमेश्वर के लिए करने जा रहा था। जो कहा गया था उसका कुछ हिस्सा यह था कि मैं Europe के कई देशों की यात्रा करूँगा और उन्होंने कहा कि मेरा काम मेरी अपनी अपेक्षा से कहीं बड़ा होगा। वह स्वयं Charis में पढ़ चुके थे और उनकी पत्नी भी, जो France से थीं। ये शक्तिशाली शब्द थे और मैं इससे पूरी तरह अचंभित रह गया। उनके शब्दों की बाद में परमेश्वर के अन्य लोगों द्वारा पुष्टि की जानी थी (2 कुरिन्थियों 13:1)।

अगले दो व्यक्ति जिन्होंने मुझसे बात की, वे दंपति Marcus और Sharon Wick थे। वे भी मेरे साथ Charis में पढ़ चुके थे और मैं संयोगवश इस समय उनके घर पर बाइबल स्कूल के कुछ लोगों के साथ एक घरेलू सभा में था, यह पहली और इकलौती बार था जब मैं उनके साथ घरेलू संगति में गया था। हम एक-दूसरे के लिए अजनबी थे, सिवाय इसके कि हम एक-दूसरे को पहचानते थे। उन दोनों ने परमेश्वर की ओर से शब्दों के साथ मुझसे बात की।

परमेश्वर ने Marcus को दिखाया कि मैंने परमेश्वर के वचन में गहराई तक खुदाई की है, लेकिन करीबी परिवार ने उन विकल्पों के लिए मेरी आलोचना की थी जो मैंने परमेश्वर के लिए चुने थे। परमेश्वर इससे खुश नहीं थे। जो भविष्यद्वक्ता देखता है वह एक ट्रेन है जिसमें मैं सबसे आगे हूँ। और परमेश्वर कहते हैं कि वह मेरे पीछे के डिब्बों को अलग कर देंगे और इसका बोझ हटा देंगे और ऐसा कर देंगे कि मैं उनके लिए काम करना शुरू कर सकूँ। मुझे बताया गया है कि इस काम का मौसम जल्द ही शुरू होने वाला है। Sharon ने मुझे यह पुष्टि भी दी कि आने वाला समय बहुत कठिन होने वाला है और ऐसा महसूस होगा जैसे कि यह पूरी तरह से रुक जाएगा, लेकिन बड़ी चीजों को गति (momentum) बनाने में समय लगता है। Marcus यह भी कहते हैं कि वह मुझ पर परमेश्वर की आशीषों की एक नदी बहते हुए देखते हैं (भजन संहिता 46:4), जिसकी पुष्टि बाद में भी हुई है।

— 2014 में Marcus और Sharon Wick

अंतिम व्यक्ति Jeffrey Hardwick थे और वह भी पहले Charis में पढ़ चुके थे। मुझे पिज्जा के लिए आमंत्रित किया गया था और वह भी आमंत्रित लोगों में से एक थे। मेरी पृष्ठभूमि जाने बिना उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या वह परमेश्वर की ओर से मेरे लिए वचन साझा कर सकते हैं। उन्होंने अन्य बातों के साथ-साथ कहा कि परमेश्वर ने मुझे «रचनात्मक चमत्कार» (यूहन्ना 14:12) का वरदान दिया है। मैंने पहले इसके बारे में नहीं लिखा है, लेकिन मैंने हठियों और ऐसी ही चीजों को सेकंडों में बढ़ते या लंबे होते देखा है और मैं पूरी तरह से जानता था कि उनका क्या मतलब था। उन्होंने यह भी कहा कि मैं स्वभाव से रचनात्मक हूँ और परमेश्वर इस बात से बहुत खुश थे कि मैं महत्वपूर्ण चुनाव करने से पहले पुष्टि चाहता था।

मुझे लगा कि मैंने परमेश्वर को विफल कर दिया है, लेकिन मेरा दुख खुशी में बदल गया क्योंकि अब मैं समझ गया हूँ कि मेरा काम अभी पूरा नहीं हुआ था। मैं समझ गया कि परमेश्वर उन समस्याओं को दूर करने जा रहे हैं जिन्होंने मुझे रोक रखा था (रोमियों 8:28), लेकिन यह नहीं कि परमेश्वर वास्तव में तीन साल बाद मुझे अलग कर देंगे। इस समय तक यह पहली बार था कि परमेश्वर ने इतने कम समय में चार विश्वासियों के माध्यम से मुझसे बात की थी। इसी साल मेरी मुलाकात एक एशियाई देश के Jangili से हुई थी और हमारा कार्य और भ्रातृ प्रेम का रिश्ता इसी साल शुरू होता है।

Chapter 28

नार्वे वापसी (2015)

हम 2015 में पहुँच चुके थे और मैं बेरोजगार था। यदि हमने एक अतिरिक्त वर्ष रुकने की कोशिश की होती, तो मैं बेरोजगारी भत्ते (dagpenger) का अपना अधिकार खो देता। NAV ने वास्तव में आवेदन को अस्वीकार कर दिया था और यह तभी पास हुआ जब मैंने उस निर्णय के खिलाफ शिकायत दर्ज की। इस समय मेरे पास एक ठोस शिक्षा और अच्छा अनुभव था, लेकिन मुझे नौकरी ढूँढने में संघर्ष करना पड़ रहा था। न ही नियोक्ता इस बात से प्रभावित लग रहे थे कि मैंने बाइबिल स्कूल में पढ़ाई की है; वे बल्कि यह देखना पसंद करते कि मैं एक सामान्य गैर-आस्तिक होता। मैं समझता हूँ कि उनकी नज़रों में मेरे CV में एक कमी थी, और यह केवल तकनीकी कमी नहीं थी। इस बारे में मुझे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों तरह से बताया गया था।

काम न होने की हताशा में, मैंने इस साल एक लेख लिखना शुरू किया जहाँ मैं साझा करता हूँ कि पिता (Far) कौन हैं और उन्होंने हमारे लिए क्या किया है। यह मेरी कल्पना से कहीं अधिक विकसित होने वाला था। इन सबके बीच, हमारे दो और बेटे हुए और अब अपार्टमेंट में अतिरिक्त हलचल थी। लड़के और लड़कियाँ इस मामले में थोड़े अलग होते हैं। न केवल कमरों में रौनक थी, बल्कि दीवारों के भीतर भी, क्योंकि मकान मालिक को चूहों की समस्या थी। स्वच्छता के मामले में यह थोड़ा निराशाजनक था लेकिन बच्चों के लिए रोमांचक भी, और वे डर और उत्साह के मिले-जुले भाव के साथ सिंक के नीचे की कैबिनेट का दरवाज़ा खोलते थे जहाँ चूहेदानी रखी थी। बच्चों के साथ कई खूबसूरत पल थे, लेकिन काम (arbeid) न होना नया और चुनौतीपूर्ण था। इस समय, मुझे आभास हुआ कि 2012 में Kvinneforum Nordhordland द्वारा जो कहा गया था, वह संभवतः उसी के बारे में था जो मैंने यहाँ शुरू किया था, लेकिन मैं निश्चित नहीं था। मुझे लिखने में खुशी मिलती थी, बिल्कुल अभी की तरह। इसी साल मैं पहली बार किसी एशियाई देश की मिशनरी यात्रा पर गया और लोगों को चंगा होते, दुखों से आज़ाद होते और यीशु को ग्रहण करते देखा (प्रेरितों के काम 1:8)। यह एक शानदार यात्रा थी लेकिन चुनौतीपूर्ण भी, क्योंकि मैं हमेशा शांत नहीं रह पाता था। मैं अक्सर समय-कुसमय सुसमाचार साझा करता हूँ, और जब होटल के प्रबंधकों में से एक चमत्कार देखता है और उसकी पत्नी चंगी हो जाती है, तो इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अधिकारियों के साथ थोड़ी अनबन हो सकती है। मैं धार्मिक वीज़ा पर नहीं आया था, इसलिए यह काफी रोमांचक था। मैं होटल के दो कर्मचारियों के साथ था, दोनों ईसाई थे, और हम एक महिला और उसकी बेटी के पास गए जो होटल के बगल वाले गैरेज में रहती थीं। बेटी को पहले अन्य भाषा (tongues) का वरदान था, लेकिन फिर उसने इसे खो दिया था। उसकी शारीरिक वृद्धि असामान्य रूप से बहुत अधिक थी और माँ ने हमसे उसके लिए प्रार्थना करने को कहा। जैसे ही हम प्रार्थना करते हैं, बेटी अचानक ज़ोर-ज़ोर से अन्य भाषा में बोलने लगती है जिसे सुनकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए। संक्षेप में, बहुत कुछ हुआ, लेकिन वह अद्भुत था, भले ही थोड़ा तंत्रिका-उत्तेजक (nerve-wracking) था!

अतः हे मेरे प्रियो, जिस प्रकार तुम सदा से आज्ञा मानते आए हो, वैसे ही अब भी न केवल मेरे साथ रहने पर, पर विशेष करके अब मेरे परोक्ष में डरते और कांपते हुए अपने उद्धार का कार्य पूरा करते जाओ। क्योंकि परमेश्वर ही है, जिसने अपनी सुइच्छा के लिए तुम्हारे मन में इच्छा और काम, दोनों बातों के करने का प्रभाव डाला है। सब काम बिना कुड़कुड़ाए और बिना विवाद के किया करो, ताकि तुम निर्दोष और भोले होकर टेढ़े और हठीले लोगों के बीच परमेश्वर

के निष्कलंक सन्तान बने रहो। उनके बीच तुम जीवन का वचन थामे हुए जगत में जलते दीपकों के समान दिखाई देते हो, कि मसीह के दिन मुझे गर्व करने का कारण हो कि न तो मेरा दौड़ना व्यर्थ हुआ और न मेरा परिश्रम व्यर्थ हुआ। और यदि मुझे तुम्हारे विश्वास के बलिदान और सेवा के साथ अपना लहू भी उण्डेलना पड़े, तो भी मैं आनन्दित हूँ, और तुम सबके साथ आनन्द मनाता हूँ। वैसे ही तुम भी आनन्दित हो, और मेरे साथ आनन्द मनाओ।

— फिलिप्पियों 2:12

मुझे नया जन्म पाए अब सात साल बीत चुके थे। उस दौरान हुए उन सभी अनुभवों के बावजूद, मैं आत्मा में अपने स्वयं के जन्म के बारे में निश्चित नहीं था। परमेश्वर को शुरू से ही इसके बारे में पता रहा होगा, क्योंकि अंडे के भीतर खड़े होने का जो दर्शन (vision) मुझे हुआ था, वह परमेश्वर में मेरी अपनी आत्मा की एक छवि थी। हालाँकि, उस अनुभव के बाद से मैंने जो देखा था उस पर संदेह किया था। हम 2015 में हैं और परमेश्वर मुझे उत्तर देने वाले थे कि मैंने क्या अनुभव किया था। हम पवित्र जनों (De Hellige) का एक समूह था जो Trondheim की सड़कों पर सुसमाचार साझा कर रहे थे और मैं दो अन्य भाइयों के साथ जा रहा था जब मुझे महसूस हुआ कि मैं Trondheim Torg पर लोगों के एक समूह की ओर खिंचा जा रहा हूँ। एक भाई ने हमारे साथ आने से इनकार कर दिया क्योंकि वहाँ एक युवक के साथ तीन कम कपड़े पहने युवा महिलाएँ खड़ी थीं और वह जल्दी से हमसे दूर चला गया। हम उनके पास पहुँचे और जब हम उनकी ओर मुड़े तो मुझे अपने दाहिने हाथ और कंधे में दर्द या एक अजीब सी भावना महसूस हुई। मैंने पूछा कि क्या उनमें से किसी को दाहिने हाथ या कंधे में समस्या है और तुरंत उस युवक ने इसकी पुष्टि की। वे युवतियाँ थोड़ा घबरा गईं, लेकिन हमने उन्हें शांत किया। हमने बताया कि हम यीशु के साथ आए हैं और सुसमाचार साझा किया और बताया कि पवित्र आत्मा से सुनना और महसूस करना परमेश्वर का एक अनुग्रह है। फिर हमने उस युवक के लिए प्रार्थना की और उसने हमें बताया कि उसका नाम Azariah है और वह यहाँ Trondheim में अंतरराष्ट्रीय कलीसिया Betel में एक युवा पादरी है। उसने यह भी बताया कि उसने अपने जीवन में पहली बार पवित्र आत्मा को उससे स्पष्ट आवाज़ (audibly) में बात करते सुना था:

अपने साथ तीन अंडे लो और (Trondheim) शहर के केंद्र में जाओ!

— पवित्र आत्मा ने 2015 में Azariah से कहा

‘ऑडिबल’ (Audibly) का अर्थ है कि आप कान से सुनते हैं न कि आत्मा में। और इसने न केवल Azariah को, बल्कि हम सबको भी आश्चर्यचकित कर दिया। उसे नहीं पता था कि क्या होने वाला है और उसे केंद्र में क्यों जाना चाहिए, इसलिए वास्तव में तीन अंडे लेकर केंद्र में जाने से पहले पवित्र आत्मा को संदेश दो बार दोहराना पड़ा। उसे वहाँ कुछ नहीं मिला और उसने टिप्पणी की कि वापस आते समय वह उस रास्ते से गया जो उसके सामान्य रास्ते से थोड़ा अलग था। और तभी हम आए और उससे बात की। मैंने कहा कि «अंडों का अर्थ नया जीवन है» और मैं उसके लिए इस बात से खुश था। यह तब हुआ जब मैं ट्रेन से Levanger वापस जा रहा था कि मुझे एहसास हुआ कि वास्तव में क्या हुआ था। मैं समझ गया कि स्वर्ग के पिता ने सात साल बाद अब मुझे उस प्रश्न का उत्तर दिया था कि 2008 में अंडे के भीतर खुद को देखने के दर्शन का क्या अर्थ था।

वह तुझे अपने पंखों की आड़ में ले लेगा, और तू उसके पंखों के नीचे शरण पाएगा; उसकी सच्चाई तेरे लिए ढाल और झिलमल ठहरेगी।

और यीशु मत्ती में भी इसकी पुष्टि करते हैं:

हे यरूशलेम, हे यरूशलेम, तू जो भविष्यद्वक्ताओं को मार डालता है, और जो तेरे पास भेजे गए, उन्हें पत्थरवाह करता है! कितनी ही बार मैंने चाहा कि जैसे मुर्गी अपने बच्चों को अपने पंखों के नीचे इकट्ठा करती है, वैसे ही मैं भी तेरे बालकों को इकट्ठा कर लूँ, परन्तु तुमने न चाहा!

— मत्ती 23:37

याद रखें कि हमें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दिया जाता है (मत्ती 28:19)। वे त्रिएक (trinity) में एक साथ काम करते हैं और यदि कोई एक वाक्य है जो हम मनुष्यों के लिए पिता की इच्छा का वर्णन कर सकता है, तो वह यह है: **जीवन, मृत्यु नहीं!**

जैसा कि उल्लेख किया गया है, अंडे परमेश्वर के जीवन का प्रतीक हैं और मेरे अपने दर्शन ने बाइबिल में पढ़ने या दूसरों से सुनने से पहले ही इसकी पुष्टि कर दी थी। अब मैं जानता हूँ कि मेरा जन्म परमेश्वर की आत्मा से हुआ है (यूहन्ना 3:3) और मेरे कार्य भी चिन्हों और चमत्कारों के साथ हैं और यदि मैं पवित्र आत्मा के साथ चलता हूँ तो यह इसी तरह जारी रहेगा। दुनिया पैसे और भौतिक समृद्धि में रमी हुई है और यह स्वाभाविक है कि जब आप परमेश्वर के वचन लाते हैं तो कई लोग आपका उपहास करेंगे। यह केवल अजनबियों से नहीं, बल्कि अपने परिवार और अन्य «विश्वासियों» से भी आता है जिन्हें स्वयं परमेश्वर के वचन के लिए उत्साहित होना चाहिए था न कि गुनगुना (lukewarm)। पिता के साथ इतने वर्षों के बाद एक बात जो मैं जानता हूँ वह यह है कि मैं अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली हूँ कि मैंने परमेश्वर के जीवन के द्वार, जीवन के जल, मृत्यु के मुक्तिदाता, हमारे सृष्टिकर्ता, प्रभु और स्वामी यीशु मसीह को स्वीकार किया है। हालेलुया! हाँ!!

अंत में मुझे 2015 में समझ आया कि 2008 में जिस दिन मेरा उद्धार हुआ था, उस दिन परमेश्वर ने वास्तव में मुझ पर कृपा की थी और मैं उन शब्दों पर आश्चर्य करता हूँ जो उन्होंने मूसा को दिए थे जब परमेश्वर ने अपने लोगों को मिस्र से छुड़ाया था:

तब यहोवा ने मूसा से कहा, «इज्रायलियों में से क्या मनुष्य और क्या पशु, सब पहिलौठों को मेरे लिये पवित्र मान; जो कोई अपनी माँ का पहिलौठा हो वह मेरा ही है।» मूसा ने लोगों से कहा, «उस दिन को स्मरण रखो जिसमें तुम मिस्र से अर्थात् दासत्व के घर से निकल आए हो; क्योंकि यहोवा तुम को वहाँ से अपने हाथ के बल से निकाल लाया है; सो खमीरवाली वस्तु न खाई जाए। अबीब के महीने के इसी दिन तुम निकले हो। और जब यहोवा तुझे कनानियों... के देश में पहुँचाए, जिसे देने की शपथ उसने तेरे पूर्वजों से खाई थी, और जिसमें दूध और मधु की धाराएँ बहती हैं...»

— निर्गमन 13:1-5

क्या मुझे लगता है कि नार्वे की कलीसिया (Den Norske Kirke) में ईश्वर-भय मानने वाली मंडलियाँ नहीं हैं? काफी हद तक हाँ, दुर्भाग्य से। लेकिन वे इसमें अकेले नहीं हैं। और जो मैंने अपनी युवावस्था में व्यक्तिगत रूप से अनुभव किया, उसकी पुष्टि 40 साल पहले Møre सूबा के पैरिश पादरी Morten Gravdal ने भी की थी। Morten को परमेश्वर से एक दर्शन मिला था जब वे Oslo में थियोलॉजी के छात्र थे और अन्य भाषा में एक संदेश दिया गया था:

वह एक ट्रेन का चित्र था। ट्रेन बहुत तेज़ गति से परिदृश्य के बीच से गुज़र रही थी। पटरी पर ट्रेन चले हुए काफी समय हो गया था, और पेड़ और बड़े पत्थर पटरी पर गिरे हुए थे। लेकिन लोकोमोटिव के सामने एक बड़ा हल (plow) लगा था। इस हल ने पटरी पर मौजूद हर चीज़ को एक तरफ हटा दिया। यहाँ तक कि जहाँ भूस्खलन हुआ था, और वह खतरनाक लग रहा था, वहाँ भी हल ने पटरी साफ कर दी, और ट्रेन की गति कम नहीं हुई। फिर मैंने देखा कि वह हल एक खुली हुई पुस्तक थी। भाप का इंजन धुआँ नहीं छोड़ रहा था, इसलिए मैं समझ गया कि यह मशीन की शक्ति नहीं थी जो ट्रेन को आगे बढ़ा रही थी। जो चीज़ ट्रेन को आगे बढ़ा रही थी वह यह थी कि ट्रेन में सवार लोग पुस्तक को पढ़ रहे थे - और जो उसमें लिखा था उस पर विश्वास कर रहे थे! लोग खिड़कियों से बाहर झुक रहे थे, हवा उनके बालों में थी और हवा के कारण उनकी आँखों में आँसू थे। वे खुशी से चिल्ला रहे थे क्योंकि ट्रेन इतनी तेज़ चल रही थी! फिर अगला चित्र आया: ट्रेन स्थिर खड़ी थी। वह एक स्टेशन पर थी। हल - पुस्तक - को हटा दिया गया था और वह एक डिब्बे के ऊपर पड़ी थी। वहाँ ट्रेन ड्राइवर, कंडक्टर और रेलवे टोपी और सितारों तथा धारियों वाली वर्दी पहने लोग घूम रहे थे। वे पुस्तक को थोड़ा पढ़ रहे थे, और वे काट-छाँट कर रहे थे - उन्होंने वह सब हटा दिया जो उन्हें ठीक नहीं लगा। उन्होंने पुस्तक के पूरे पन्ने फाड़ दिए, और हल को वापस अपनी जगह पर लगाने के लिए कुछ नहीं किया। कुछ लोग सोच रहे थे कि ट्रेन क्यों नहीं चल रही है। अधिकांश लोग इसके खड़े रहने से संतुष्ट थे, वे अपनी सुविधानुसार उतरते और चढ़ते थे। यह ट्रेन निश्चित रूप से कलीसिया और ईसाइयों की सभा है। पुस्तक बाइबिल है। बाइबिल की शक्ति इस बात में निहित है कि ईसाई बाइबिल पढ़ते हैं - और जो उसमें लिखा है उस पर विश्वास करते हैं! जब ईसाई ऐसा करेंगे, तो कलीसिया आगे बढ़ेगी। कलीसिया में प्रचंड गति से आगे बढ़ने की क्षमता है, यह तब होगा जब ईसाई बाइबिल पढ़ेंगे, और जो बाइबिल में लिखा है वह ईसाइयों के जीवन को आकार देगा। यह एक ऐसा चित्र था जो मुझे लगभग 40 साल पहले मिला था, - और अगर यह तब सच था, तो अब तो यह बिल्कुल सच है! मुख्य और प्रभावशाली धर्मशास्त्री और बिशप परमेश्वर के वचन में इस तरह से काट-छाँट करते हैं कि उसमें कुछ बचता ही नहीं है। उदारवादी धर्मशास्त्र (Liberal theology) का अर्थ है कि बाइबिल को अब एक पवित्र पुस्तक नहीं माना जाता है। मुझे विश्वास है कि परमेश्वर दुखी हैं! संभवतः इससे भी बदतर: वह क्रोधित हैं! और वह हमें चुनौती देते हैं कि हल को फिर से ट्रेन के सामने लगाएँ! परमेश्वर के पूरे वचन को कलीसिया के लोगों और ईसाई सभा की आँखों के सामने रखा जाना चाहिए - और इसे हमारे जीवन को आकार देना चाहिए, हमें शुद्ध करना चाहिए और हमें पवित्र करना चाहिए! तभी नार्वे में कलीसिया फिर से चलना शुरू कर सकती है! शायद वह चित्र हमारे समय के लिए एक भविष्यवाणी थी? नार्वे में पटरी पर कोई ट्रेन चले हुए काफी समय हो गया है। हमारे यहाँ जागृति (revival) हुए काफी समय हो गया है! पटरी पर बहुत से पत्थर और पेड़ गिर गए हैं, और कई भूस्खलन हुए हैं। यह असंभव लग सकता है कि ऐसी खराब स्थिति वाली पटरी पर कोई ट्रेन चल सके। लेकिन - बाइबिल हमें बताती है कि हम एक ऐसे परमेश्वर पर विश्वास करते हैं जिसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है - क्या वह ऐसा नहीं कहती?! आइए हल को वापस उसकी जगह पर लगाएँ!

— Morten Gravdal को दिए गए अन्य भाषा के संदेश की व्याख्या

उस YouTube वीडियो का शीर्षक जहाँ वे इसे साझा करते हैं, वह है: «उन्हें एक दर्शन मिला, कि नार्वे की कलीसिया का क्या होगा»।

पुराना नियम परमेश्वर के वादों की एक छाया की तरह है और हमारे उद्धारकर्ता यीशु ने वचन को खोला और वास्तविक प्रतिज्ञा की हुई भूमि; स्वर्ग के मार्गदर्शक हैं। जब इज्रायलियों को मिस्र से आज़ाद किया गया, तो परमेश्वर ने जानबूझकर उन्हें एक जाल में फँसाया ताकि उन्हें मृत्यु से बचने के लिए लाल सागर (Rødehavet) के बीच से गुज़रना पड़े। यह यीशु मसीह में उद्धार की एक छाया थी। हम सबको लाल सागर से गुज़रना होगा जो नए जीवन का बपतिस्मा है (रोमियों 6:4) और पुराने से शुद्धि है! परमेश्वर ने आसानी से वापस लौटने की संभावना को भी बंद कर दिया। मिस्र मृत्यु का, दुनिया की नियति का एक चित्र था। जो लोग परमेश्वर को चुनते हैं उन्हें उनके परिवार में गोद लिया जाता है और जैतून के पेड़ में जोड़ दिया जाता है (रोमियों 11:17)। ये वे पवित्र धन्य (De Hellige Velsignede) लोग हैं जो साहसपूर्वक **यहोवा सबाओत** (Herren Sebaot) को **अब्बा, पिता** (Abba, Far) के नाम से पुकार सकते हैं:

इसलिए हे भाइयो, हम शरीर के ऋणी नहीं कि शरीर के अनुसार दिन काटें। क्योंकि यदि तुम शरीर के अनुसार दिन काटोगे, तो मरोगे; यदि आत्मा से देह की क्रियाओं को मारोगे, तो जीवित रहोगे। इसलिए कि जितने लोग परमेश्वर के आत्मा के चलाए चलते हैं, वे ही परमेश्वर के पुत्र हैं। क्योंकि तुम्हें दासत्व की आत्मा नहीं मिली कि फिर डरो, परन्तु लेपालकपन की आत्मा मिली है, जिससे हम "अब्बा, हे पिता" कहकर पुकारते हैं। आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ गवाही देता है कि हम परमेश्वर की सन्तान हैं। और यदि सन्तान हैं, तो उत्तराधिकारी भी, वरन् परमेश्वर के उत्तराधिकारी और मसीह के सह-उत्तराधिकारी हैं; जब कि हम उसके साथ दुःख उठाएँ कि उसके साथ महिमा भी पाएँ।

— रोमियों 8:12-17

एक गवाही जो मैं इस वर्ष से साझा करना चाहता हूँ वह है जब हमारी बहन Anne-Gro Fjellingsdal को Laberget में चंगाई मिली। Levanger Vineyard की एक सभा थी और सभा के दौरान मुझे गर्दन के कुछ हिस्सों में झुनझुनी महसूस हुई। मुझे समझ नहीं आया क्यों और मैंने अपने चारों ओर देखा और हमेशा की तरह सोचा कि या तो यह मेरा वहम है या कुछ होने वाला है। बाद में हमने रात का भोजन किया और मैं संयोगवश Anne-Gro के बगल में बैठ गया। बातचीत के दौरान मैंने ज़िक्र किया कि सभा के दौरान मुझे वहाँ कुछ अजीब महसूस हुआ था, लेकिन मुझे समझ नहीं आया कि क्यों। तब Anne-Gro ने बताया कि उन्हें स्वयं कई वर्षों से उसी स्थान पर समस्या थी और वे लगातार दर्द निवारक दवाएँ ले रही थीं। संक्षेप में, हमने प्रार्थना की और उन्हें तुरंत उस स्थान पर झुनझुनी महसूस हुई जहाँ दर्द था और वे चंगी हो गई और उन्होंने दर्द निवारक दवाएँ लेना बंद कर दिया। उसके बाद के सभी वर्षों में यह इसी तरह बना रहा। Anne-Gro के पास आत्माओं को परखने का वरदान है और यह एक ऐसा वरदान है जिसे कलीसिया को उपयोग में लाने की आवश्यकता है (1 कुरिन्थियों 12:9-10)।

उसी समय इस वर्ष पवित्र आत्मा ने न केवल आने वाले प्रकाशनों के बारे में मुझसे बात की, बल्कि यह भी कि मैं अपनी पुस्तक प्रकाशित करने जा रहा हूँ। मुझे याद है कि मैं अपार्टमेंट के पिछले हिस्से में, वॉशिंग मशीन के ठीक बगल में खड़ा था जिसके ऊपर ड्रायर रखा था। उन सब चीज़ों के बीच एक Miele हीट पंप ड्रायर। हालाँकि, यह सुनकर आश्चर्य हुआ:

तुम अपनी पुस्तक प्रकाशित करने से पहले बाइबिल प्रकाशित करोगे!

— 2015 में पवित्र आत्मा ने मुझसे कहा

मुझे याद है कि मैंने फिर से विरोध किया था। प्रकाशन इंजन बनाना एक बात थी, लेकिन बाइबिल प्रकाशित करने के लिए इसका उपयोग करने के बारे में मैं बहुत अनिश्चित था। मैंने इसे पुस्तक के परिशिष्ट (appendix) के रूप में बाइबिल बनाने के लिए बनाया था जहाँ कोई बाइबिल के छंदों का उल्लेख कर सके और उन्हें पुस्तक में डाल सके और परिशिष्ट में बाइबिल से जोड़ सके, न कि स्वतंत्र बाइबिल के रूप में। इस विचार का अभ्यस्त होने में समय लगा, लेकिन जैसे-जैसे प्रकाशन इंजन की तकनीकी और मेरी अपनी दिनचर्या परिपक्व हुई, वैसे ही हुआ जैसा पवित्र आत्मा ने कहा था। न केवल इतना, बल्कि मैंने रूसी, जापानी, वियतनामी और चीनी जैसी अलग-अलग बाइबिलों के साथ-साथ अध्ययन बाइबिल, समानांतर बाइबिल, King James Strongs और स्वतंत्र बाइबिल शब्दकोश भी प्रकाशित किए। बुनियादी तौर पर चीज़ें थोड़ी बेकाबू (bananas) हो गईं, अगर कोई ऐसा कह सके, लेकिन अच्छे तरीके से। और जिस पुस्तक के बारे में पवित्र आत्मा ने सोचा था, वह वही है जिसे आप अभी पढ़ रहे हैं। यह संस्मरण एक पत्र के रूप में शुरू हुआ और एक पुस्तक के रूप में विकसित हुआ और अब एक सुसमाचार उपकरण के रूप में कार्य करता है।

मैं आपको यह भी बता सकता हूँ कि जब मैं 2015 में Levanger के प्राथमिक विद्यालय में एक वैकल्पिक शिक्षक (vikar) था, तो मुझे निकाल दिया गया था क्योंकि मैंने छात्रों को परमेश्वर के साथ अपने कुछ अद्भुत अनुभवों के बारे में बताया था। छात्रों ने मुझसे पूछा कि मैं कौन हूँ और मेरे जीवन के बारे में थोड़ा पूछा, लेकिन नेतृत्व को यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। अपने विश्वास के कारण नौकरियों से निकाला जाना ऐसी चीज़ नहीं है जिसके बारे में नार्वे में खुले तौर पर बात की जाती है, लेकिन यह एक तथ्य है। विश्वासियों को परमेश्वर के बारे में साझा न करने के लिए मजबूर किया जाता है और एक वैकल्पिक शिक्षक के रूप में मुझे निकालना स्पष्ट रूप से आसान था। जब पवित्र जन सामने खड़े होने वालों का समर्थन करने से पीछे हटते हैं, तो मेरा मानना है कि यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में यीशु स्वयं बाद में आपसे सामना करेंगे। मुझे Frekhaug के मेरे प्यारे भाई Øivind के शब्द याद हैं जो लगभग 2011-2012 के थे, जहाँ उन्होंने मुझे बताया था कि व्यक्तिगत चरित्र का निर्माण करना महत्वपूर्ण था। यह केवल उन लोगों पर लागू नहीं होता जो कार्य के अग्रभाग में हैं, बल्कि सभी पवित्र जनों पर लागू होता है।

इसके अलावा, लगभग इसी समय ऐसा होता है कि मैं Levanger माध्यमिक विद्यालय में युवाओं के एक समूह से मिलता हूँ। यहाँ भी मेरी एक बेटी साथ थी और मैंने उनके साथ यीशु के बारे में थोड़ा साझा किया, जिसके बाद मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्हें शरीर में कोई दर्द या अन्य समस्या है जिसके लिए हम प्रार्थना कर सकें। उनमें से एक ने मेरी ओर देखा और कहा कि उसे लंबे समय से पीठ की समस्या है। मैंने पूछा कि क्या मैं उस पर हाथ रखकर प्रार्थना कर सकता हूँ। मेरे प्रार्थना करने के बाद, वह अब वहाँ कोई असुविधा महसूस नहीं कर पा रहा था और थोड़ा हैरान लग रहा था। मैंने उससे जाकर ट्रैम्पोलिन पर कूदने को कहा और बाद में जब वह वापस आया तो वह और भी अधिक आश्चर्यचकित लग रहा था, क्योंकि उसकी तकलीफ दूर हो गई थी। मैंने उससे कहा कि वह किसी को भी इस चमत्कार को अपनी बातों से नकारने न दे और जो उसने अभी अनुभव किया है उस पर भरोसा रखे, और यह कि परमेश्वर उनसे प्यार करते हैं। आमतौर पर मैं यह भी साझा करता हूँ कि उन्हें नया जन्म पाने की आवश्यकता है और यीशु ही मार्ग, सत्य और जीवन हैं (यूहन्ना 14:6), लेकिन दुनिया अक्सर परमेश्वर को नहीं चाहती। खैर, जब मैं घर आया तो मेरा सामना मेरी पत्नी की कठोर नज़रों से हुआ, जो कई वर्षों से परमेश्वर के लिए मेरे काम की आलोचना कर रही थी। उसने मुझसे कहा कि लोग यीशु के पास आते हैं, इसके विपरीत नहीं। यह थोड़ा अजीब है, जब तथ्य यह है कि यीशु स्वयं पूरे इज़राइल में घूमे और लोगों के साथ साझा किया और उन्हें बपतिस्मा दिया। और उन्होंने अपने शिष्यों को भी लोगों के साथ सुसमाचार साझा करने के लिए भेजा, जिसके बाद उन्होंने उनके लिए प्रार्थना भी की और चिन्ह और चमत्कार होते देखे। यह सब यीशु के क्रूस पर चढ़ने और परमेश्वर के पास वापस ले जाने से पहले स्वयं यीशु की आज्ञा

और अधिकार में था। यहाँ तक कि पवित्र आत्मा के लोगों पर आने और शिष्यों के वास्तव में आत्मा-अभिषिक्त होने से पहले भी। वे उस अधिकार के साथ कार्य कर रहे थे जो यीशु ने उन्हें दिया था।

जब यूहन्ना पकड़वा दिया गया, तो यीशु ने गलील में आकर परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार प्रचार किया, और कहा, "समय पूरा हुआ है, और परमेश्वर का राज्य निकट आ गया है; मन फिराओ और सुसमाचार पर विश्वास करो।" गलीली झील के किनारे-किनारे जाते हुए उसने शमौन और शमौन के भाई अन्द्रियास को झील में जाल डालते देखा; क्योंकि वे मछुआरे थे। यीशु ने उनसे कहा, "मेरे पीछे चले आओ; मैं तुम को मनुष्यों के पकड़नेवाले बनाऊँगा।" वे तुरन्त जालों को छोड़कर उसके पीछे हो लिए। वहाँ से थोड़ा और आगे बढ़कर उसने जब्दी के पुत्र याकूब और उसके भाई यूहन्ना को नाव पर अपने जालों को सुधारते देखा। उसने तुरन्त उन्हें बुलाया; और वे अपने पिता जब्दी को मजदूरों के साथ नाव पर छोड़कर उसके पीछे हो लिए। वे कफरनहूम में आए, और वह तुरन्त सब्ब के दिन आराधनालय में जाकर उपदेश देने लगा। लोग उसके उपदेश से चकित हुए, क्योंकि वह उन्हें शास्त्रियों के समान नहीं, परन्तु अधिकार रखनेवाले के समान उपदेश देता था। उनके आराधनालय में एक मनुष्य था जिसमें एक अशुद्ध आत्मा थी। वह चिल्लाकर कहने लगा: "हे यीशु नासरी, हमें तुझ से क्या काम? क्या तू हमें नष्ट करने आया है? मैं तुझे जानता हूँ कि तू कौन है: परमेश्वर का पवित्र जन!" यीशु ने उसे डाँटकर कहा, "चुप रह, और इसमें से निकल जा!" तब अशुद्ध आत्मा उसको मरोड़कर और बड़े शब्द से चिल्लाकर उसमें से निकल गई। इस पर सब लोग ऐसे अचम्भित हुए कि आपस में विवाद करने लगे: "यह क्या बात है? यह तो कोई नया अधिकारयुक्त उपदेश है! वह अशुद्ध आत्माओं को भी आज्ञा देता है और वे उसकी मानते हैं।" और उसका यश तुरन्त गलील के चारों ओर हर जगह फैल गया।

— मरकुस 1:15-28

क्या अपने ही परिवार में भी सुसमाचार के प्रति ऐसा विरोध मिलना अप्रत्याशित है? मुझे संदेह है कि जब ऐसा होता है, तो अपने ही परिवार के सदस्य परमेश्वर के लिए किसी व्यक्ति के कार्यों की निंदा करने के लिए हर तरह के बहाने बना सकते हैं। यह अक्सर उनकी अपनी असुरक्षा के कारण होता है कि लोग उनके बारे में क्या सोचेंगे। मैं जानता हूँ कि जब लोग यीशु के प्रचारकों के बारे में बात करते हैं या उन्हें नीची नज़रों से देखते हैं, तो सम्मान खोने की अपेक्षा की जानी चाहिए। यह परमेश्वर के लिए काम करने का एक हिस्सा है। इसमें अद्भुत खुशियाँ हैं, लेकिन समय-समय पर दुख भी होता है। और सड़क पर सुसमाचार साझा करने में कई बाधाएँ हैं और उनमें से कुछ परिवार के भीतर आंतरिक व्यक्तिगत संघर्षों से आती हैं।

यह न समझो कि मैं पृथ्वी पर मिलाप कराने आया हूँ; मैं मिलाप कराने नहीं, बल्कि तलवार चलाने आया हूँ। मैं तो आया हूँ कि मनुष्य को उसके पिता से, और बेटी को उसकी माँ से, और बहू को उसकी सास से अलग कर दूँ। और मनुष्य के बैरी उसके घर ही के लोग होंगे।

— मत्ती 10:34-36

जिसने सुसमाचार साझा करने के लिए निंदा और आलोचना का अनुभव नहीं किया है, उसे वास्तव में सुसमाचार प्रचारक के निजी मामलों के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है, बिना उस स्थिति को अच्छी तरह समझे जिसकी बात की जा रही है। कई लोगों ने मुझे अच्छे, नेकनीयत और कभी-कभी सुधारात्मक शब्द

देने की कोशिश की है। और मैं आभारी हूँ कि लोग मदद करने की कोशिश करते हैं। यह बिल्कुल सच है कि मैंने ऐसी चीजें की हैं जो गलत थीं, बिल्कुल। लेकिन मैंने चुपचाप सहा और दुख भी झेला है, जहाँ केवल परमेश्वर जानते हैं कि क्या हुआ है। समय-समय पर कलीसिया के ऐसे सदस्य भी होंगे जो आपकी पीठ पीछे बुरा बोलेंगे। लेकिन मैं आपसे यह कहता हूँ: जो आपकी आलोचना करते हैं उन्हें क्षमा करें (कुलुस्सियों 3:13)। अपने हृदय की रक्षा करें ताकि आप सुसमाचार साझा करना जारी रख सकें और हर दिन मिलने वाले आशीर्वादों का आनंद ले सकें।

अतः हे मेरे प्रियो, जिस प्रकार तुम सदा से आज्ञा मानते आए हो, वैसे ही अब भी न केवल मेरे साथ रहने पर, पर विशेष करके अब मेरे परोक्ष में डरते और कांपते हुए अपने उद्धार का कार्य पूरा करते जाओ। क्योंकि परमेश्वर ही है, जिसने अपनी सुइच्छा के लिए तुम्हारे मन में इच्छा और काम, दोनों बातों के करने का प्रभाव डाला है।

— फिलिप्पियों 2:12-13

Chapter 29

एशिया (2016)

अब 2016 है और मैं पूर्व की अपनी दूसरी यात्रा पर था। मुझे Jangili के साथ पादरियों के समूह से मिलकर बहुत खुशी हुई। हम अलग-अलग कलीसियाओं में वचन सुनाते हैं। Norway से निकलना इतना आसान नहीं था क्योंकि मेरी पत्नी हमारे एक बेटे के साथ गर्भवती थी और अगर मुझे इस बात की पुष्टि नहीं मिली होती कि यह सही था, तो मैं जाने में झिझकता। फिर भी, यात्रा और बाद में जन्म, दोनों के लिए सब कुछ ठीक रहा। इस बार जो खास बात थी वह यह कि किसी ने स्थानीय अधिकारियों को रिश्तत दी थी या सूचना दी थी कि Jangili ने घर अवैध रूप से बनाया है। शायद हमारे काम की प्रतिक्रिया में, मुझे नहीं पता। इसलिए मेरे जाने के ठीक बाद, उनके पास लोगों का एक समूह आया जिन्होंने उन्हें बाहर निकाल दिया और उनके घर को गिरा दिया, जबकि परिवार सड़क पर खड़ा होकर यह सब देख रहा था। यह काम बेरहमी और कुशलता से किया गया था और पादरी सदमे में अस्पताल में भर्ती हो गए। वे धीरे-धीरे होश में आए और बाद में जो हुआ वह यह था कि स्थानीय अधिकारियों ने अपनी गलती स्वीकार की और हार मान ली।

Jangili और उनके परिवार को अधिकारियों से नई निर्माण सामग्री मिली और हमने उन्हें उनके घर और उससे जुड़े चर्च कक्ष को बनाने में भी मदद की। इतना ही नहीं, उन्हें अपने दस्तावेज़ भी सही तरीके से मिल गए ताकि वे वहां बाइबल स्कूल भी चला सकें, इसलिए उन कठिनाइयों के बावजूद जिससे वे गुजरे, यह उनके लिए कुल मिलाकर एक आशीष बन गया। मुझे यह भी जोड़ना होगा कि एक एशियाई देश में उनसे मिलना अद्भुत था और हमने उन चमत्कारों और अजूबों को देखा जिन्होंने सभी पवित्र लोगों (De Hellige) के विश्वास को मजबूत किया। इनमें से एक भोजन की बहुतायत थी (यूहन्ना 6:11-13)। मुझे याद है कि भोजन शुरू होने से पहले, पादरी के बोलने से भी पहले, मैंने अपनी आत्मा में बाइबल के इस भोजन के चमत्कार के बारे में सुना था। फिर पादरी ने मुझसे स्पष्ट रूप से कहा: «Jorn, मैंने कभी इतना चिकन नहीं खरीदा था—जो आप देख रहे हैं, वह उतनी मात्रा नहीं है जितनी मैंने खरीदी थी।» उन्हें बाइबल के छात्रों के लिए भी भोजन की आवश्यकता थी, और भोजन इतना अधिक था कि जितना होना चाहिए था, उससे कहीं अधिक था। उसी समय, Levanger में मेरे प्रियजनों ने भी ऐसी ही एक घटना का अनुभव किया जहाँ भोजन बढ़ गया था। यह सचमुच अद्भुत था।

यह भी जोड़ा जाना चाहिए कि जब मैं Norway वापस आया, तो एक ईसाई एशियाई व्यक्ति ने मुझसे संपर्क किया। उसने मुझसे मेरी पत्नी और उसके माता-पिता के बारे में बात की। और उसने व्यवहार में मुझसे जो कहा वह यह था कि मेरी पत्नी को लगता है कि वह मुझसे ज्यादा समझदार है और उसकी माँ और पिता परमेश्वर के लिए मिशनरी रहे हैं, लेकिन उन पर कुछ ऐसा है जो उनके लिए परमेश्वर के लिए ठीक से काम करना मुश्किल बना देता है। पहले तो मैंने सोचा कि वह कितना असभ्य है जो ऐसी बात कह सकता है, लेकिन जब मैंने इसके बारे में सोचा तो मुझे समझ आया कि यह सही था और मैं उनके आसपास पिछले कुछ वर्षों में जो अनुभव किया था, उससे इनकार नहीं कर सकता था। व्यक्ति को अपनी पत्नी से प्रेम करना चाहिए (इफिसियों 5:25), लेकिन जब वह आपकी सबसे बड़ी दुश्मन बन जाती है और उसी के अनुसार व्यवहार करती है, तो वह एक अविश्वासी की तरह हो जाती है। मैं नहीं देख सकता कि पिछले पांच वर्षों में इसमें कोई बदलाव आया है, जिससे बच्चों के साथ विभिन्न चुनौतियां पैदा होती हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि मुझे उसके साथ बुरा व्यवहार करना चाहिए, लेकिन मुझे यह स्वीकार करना होगा कि तलाक के बाद भी परिवार

के मामले में जीवन थोड़ा चुनौतीपूर्ण है। और परमेश्वर ने मुझे स्पष्ट कर दिया है कि मैं अपनी होने वाली पत्नी के साथ तब तक शारीरिक संबंध नहीं बना सकता जब तक कि हमारी शादी न हो जाए। यह कहना कि आप आस्तिक हैं और परमेश्वर से प्रेम करते हैं और साथ ही शादीशुदा नहीं हैं, विरोधाभासी है और वास्तव में प्रेम क्या है, इसके लिए परमेश्वर के हृदय के अनुसार नहीं है (याकूब 2:17)। यह कुछ ऐसा है जो मैंने अपनी पूर्व पत्नी से भी कहा है। कर्म और विश्वास साथ-साथ चलने चाहिए, कम से कम इसके लिए संघर्ष करना चाहिए। हम वापस 2016 पर चलते हैं और मैं अभी भी नौकरी की तलाश में हूँ और USA में बाइबल स्कूल की यात्रा के बाद हम Norway में हैं।

मैं 2016 में Levanger में Helseundersøkelsen Nord-Trøndelag (HUNT) Forskningscenter में सिस्टम डेवलपर (Systemutvikler) के पद के लिए आवेदन करता हूँ। मुझे यह नौकरी नहीं मिलती, हालांकि मेरे अपने दिमाग में, आवेदन सूची से जो मैं पढ़ सकता था, उसके अनुसार मैं सबसे उपयुक्त उम्मीदवार था। मैं इससे काफी हैरान था, लेकिन जाहिर तौर पर हर चीज का एक अर्थ था। मेरे अंदर कुछ मुझे बताता है कि «यह मेरी नौकरी है» बिना इसके कि मैं इसे अपने दिमाग से पूरी तरह समझ सकूँ। तब मुझे नहीं पता था कि वे मुझे डेढ़ साल बाद एक प्रोजेक्ट पद पर नियुक्त करेंगे। फिर भी, इस साल पवित्र आत्मा मुझे बताती है कि मैं अपनी पुस्तक प्रकाशित करने से पहले बाइबल प्रकाशित करूँगा। मैंने विरोध किया क्योंकि मैं निश्चित रूप से इसके बारे में आश्चर्य महसूस नहीं कर रहा था, लेकिन फिर भी ऐसा ही हुआ और मैं धीरे-धीरे इस विचार के साथ सहज हो गया।

मैंने बेरोजगारी भत्ता लेना बंद कर दिया, भले ही हमारे पास खर्च करने के लिए बहुत कुछ नहीं था क्योंकि मेरी पत्नी भी प्रसूति अवकाश पर थी। मैंने पब्लिकेशन इंजन (publikasjonsmotoren) विकसित करने के लिए रात-दिन काम किया, जो पुरानी बाइबलों, इब्रानी और यूनानी शब्दकोशों सहित बाइबल के शब्दकोशों को डिजिटल रूप देगा। यह सब बिल्कुल वैसे ही आपस में बुन (vevd sammen) गया जैसा कि मई 2012 की भविष्यवाणी में कहा गया था जब मैं Kvinneforum Nordhordland के साथ गृह संगति में था। पब्लिकेशन इंजन मानक डिजिटल पाठ्यपुस्तकें भी बना सकता है, लेकिन मैंने अभी तक इसका उपयोग शिक्षण उद्देश्यों के अलावा किसी और चीज़ के लिए नहीं किया है। मैं बाइबल और शब्दकोशों के लिए सामग्री इंटरनेट से मुफ्त में लेता हूँ क्योंकि उनका कॉपीराइट समाप्त हो गया है। मेरे द्वारा नॉर्वेजियन और अंग्रेजी में लिखी गई प्रस्तावना (forordet) का अनुवाद करने की प्रक्रिया में कुल मिलाकर लगभग 40 अनुवादकों को काम पर रखा गया था। जून 2016 के दौरान, मुझे खुद को आश्चर्य हुआ कि मैंने Amazon पर 30 से अधिक प्रकाशन जारी कर दिए थे। हालाँकि वे बहुत कम बिके, लेकिन शुरुआत हो चुकी थी। फिर मैं एक सुबह उठता हूँ और अपनी आत्मा में यह सुनता हूँ:

मुझ से दूर न हो, क्योंकि संकट निकट है, और कोई सहायक नहीं है।

— भजन संहिता 22:12

इस समय तक मैंने पब्लिकेशन इंजन पर काम करते हुए अपने शरीर पर बहुत अधिक दबाव डाल दिया था। इसके अलावा, मैंने दुनिया की स्थिति के बारे में इंटरनेट पर बहुत अधिक वीडियो देखे थे और इसका क्या मतलब था, इसके बारे में अतिरिक्त घबराया हुआ था। मैंने सोचा कि अब दुनिया का अंत करीब है, चाहे यह कितना भी अविश्वसनीय लगे, लेकिन उस समय मैं स्पष्ट रूप से सोचने के लिए शारीरिक रूप से बहुत थक गया था। मैंने परमेश्वर के साथ भी समय नहीं बिताया था बल्कि उनके अलावा बाकी सब चीजों पर ध्यान केंद्रित किया था (मत्ती 6:33)। भजन संहिता 22:12 वैसे भी अगले दो वर्षों में आने वाली चीजों से निपटने में मदद के लिए मेरे लिए एक प्रमुख आयत बनने वाली थी और मैं गहराई से आभारी हूँ कि परमेश्वर ने मुझे चेतावनी

दी। एक बिल्कुल नए समय की शुरुआत दरवाजे पर है और परमेश्वर पूरी तरह से जानते हैं कि चीजें बदलने से पहले यह एक कठिन समय होगा।

इस साल के अंत में जो होता है वह यह है कि परमेश्वर रात के तीन बजे मुझसे बात करते हैं (भजन संहिता 63:7)। मैं बिना रुके काम कर रहा था और यह असामान्य नहीं था कि मैं सुबह 5-6 बजे सोता और उठने और बच्चों की देखभाल करने से पहले कुछ ही घंटे सोता। उस समय मेरी पत्नी के पास भी नौकरी नहीं थी लेकिन वे हमारे पिछले दो बेटों के साथ प्रसूति अवकाश पर थीं, इसलिए यह एक अच्छा लेकिन व्यस्त समय भी था। मुझे स्वभाव से थोड़ा बचकाना होना पसंद है और उस लिहाज से पांच बच्चे होना एक आशीष है।

उस रात मैं करीब तीन बजे लेटा और सारा काम और मानसिक तनाव के कारण मेरा शरीर पूरी तरह से टूट चुका था। मैं बिस्तर पर लेटा ही था कि परमेश्वर ने मुझसे सीधे बात की और इस बार यह पवित्र आत्मा नहीं बल्कि पिता बोल रहे थे। जब शब्द दिए गए तो मेरे अंदर जैसे कंपन सा हुआ और परमेश्वर पिता ने मुझसे अंग्रेजी में बात की:

As if I do not love to hear your voice.

— परमेश्वर रात के 03 बजे बात करते हैं, 2016

जब पिता ने ये शब्द कहे तो मैं अपने भीतर एक पूर्णता और शक्ति को महसूस करता हूँ और मैं टूट जाता हूँ जिसके बाद आंसू बहने लगते हैं। यह जानना कि **El Shaddai** सीधे तौर पर कह रहे हैं कि वह मुझसे प्यार करते हैं, एक बड़ा विस्मय था और मैं समझ गया कि जब उनके बच्चे उनके साथ समय नहीं बिताते और उन्हें नहीं खोजते, तो उन्हें उनकी कमी खलती है। यह मेरे लिए उनकी योजना का हिस्सा नहीं था और मुझे समय के बारे में चिंता करना बंद करना पड़ा। काम अविश्वसनीय रूप से रोमांचक था, लेकिन मुझे अपनी बेचैनी छोड़नी पड़ी, और न ही रात में बहुत कम नींद के साथ काम करना था क्योंकि इससे शरीर टूट रहा था।

क्या आपने शायद ध्यान दिया कि यह पहली बार है जब मैं परमेश्वर के लिए **El Shaddai** का उपयोग कर रहा हूँ? जब मैं यह लिख रहा था तो मैंने अपनी आत्मा में खोज की और तभी मुझे लगा कि मुझे **El Shaddai** का उपयोग करना चाहिए। इसके बाद मैंने खोजा और पाया कि यह वही नाम था जिससे परमेश्वर यहोवा ने **Abram** को पहली बार अपना परिचय दिया था और पहली बार बाइबल में **Shaddai** लिखा गया है। यह तब होता है जब परमेश्वर अपना परिचय **Abram** को देते हैं:

जब **Abram** निन्यानवे वर्ष का हो गया, तब यहोवा ने उसको दर्शन देकर कहा, “मैं सर्वशक्तिमान (**El Shaddai**) परमेश्वर हूँ; मेरी उपस्थिति में चल और सिद्ध होता जा। और मैं तेरे साथ अपनी वाचा बाँधूँगा, और तुझे अत्यंत वंशवंत करूँगा।” तब **Abram** मुँह के बल गिरा; और परमेश्वर ने उससे कहा, “देख, मेरी वाचा तेरे साथ यह है कि तू बहुत सी जातियों का पिता हो जाएगा। इसलिए तेरा नाम फिर **Abram** न रहेगा, परन्तु तेरा नाम **Abraham** होगा, क्योंकि मैंने तुझे बहुत सी जातियों का पिता ठहरा दिया है।”

— उत्पत्ति 17:1-5

यदि कोई **El Shaddai** में इब्रानी को देखता है, तो «**El**» का प्रयोग «परमेश्वर» के लिए किया गया है और «**Shaddai**» तीन इब्रानी अक्षरों से बना है: **Shin**, **Dalet** और **Yod**। **Shin** भस्म करने वाला, सब कुछ निगल जाने वाला है। **Dalet** द्वार है, जिसे अक्सर भौतिक और आध्यात्मिक के बीच विभाजन या

मार्ग के रूप में उपयोग किया जाता है। अंत में हमारे पास **Yod** है, जो सभी इब्रानी अक्षरों में सबसे छोटा है और यहूदी सोच के अनुसार परमाणु संबंधी, सबसे छोटे, विस्फोटक शक्ति और परमेश्वर की सृजन शक्ति का प्रतीक है। सभी इब्रानी अक्षरों में **yod** समाहित होता है। **Shaddai** अक्षरों के आधार पर परमेश्वर के विवरण के रूप में यह अर्थ देता है: «आत्मा से संसार तक की सृजन शक्ति, सृष्टि और विनाश दोनों, यदि हम इसे एक शब्द में कहें तो सर्वशक्तिमान»। इब्रानी वर्णमाला के चित्रलिपि (pictograms) अपने आप में समझ की एक अलग ही दुनिया समेटे हुए हैं। जब यीशु कहते हैं कि मैं ही आदि और अंत हूँ, **Alfa** और **Omega** (प्रकाशितवाक्य 22:13), तो वे ग्रीक वर्णमाला के पहले और अंतिम अक्षर हैं। लेकिन अगर हम इब्रानी वर्णमाला को देखें तो यह **Alef** और **Taf** है। **Alef** एकता, शक्ति, नेता, प्रथम का प्रतीक है। **Taf** एक ऐसे क्रूस की तरह है जो करवट लिए हुए है और इसका अर्थ एक निशान, संकेत, शगुन या मुहर है। जब यीशु क्रूस पर लटके थे, तो उन्होंने कहा था: «पूरा हुआ»। इसलिए वे आदि और अंत दोनों हैं और बाइबल की इब्रानी भाषा में जो कुछ छिपा है, यह तो केवल उसका एक छोटा सा हिस्सा है।

उस रात परमेश्वर की आवाज़ सुनना और इस तरह मेरे लिए उनके प्यार को महसूस करना वर्णन करना मुश्किल है, लेकिन यह आज भी मुझ पर गहरा प्रभाव डालता है। वैसे भी, यह केवल मेरे लिए नहीं है और यही कारण है कि मैं इसे आपके साथ साझा कर रहा हूँ। मैं हमारे प्रति परमेश्वर के प्रेम के अनगिनत गवाहों में से एक हूँ (1 यूहन्ना 4:19)। भले ही हम एक अदृश्य बिंदु की तरह हों और जब सब कुछ देखा जाए तो नगण्य हों, फिर भी परमेश्वर हमारी सुधि लेते हैं और स्वयं को हम पर प्रकट करते हैं (भजन संहिता 8:4-5)। इतना ही नहीं, वह हमें अपनी आत्मा देते हैं। उन परीक्षणों और अस्वीकृति के बावजूद जिनसे हम गुजरते हैं, हम पवित्र लोगों (De Hellige) को मिलने वाली अच्छी चीजें वास्तव में विस्मयकारी हैं।

यह लगभग उसी समय की बात है जब मैंने **Levanger** में हमारे घर के पास रहने वाली एक युवती की आँखों को देखा था। उसका छोटा बेटा रात के समय बहुत परेशान रहता था, और एक बार उसने मेरी ओर देखा और ऐसा लगा मानो उसकी आँखों के भीतर से कोई आत्मा या दुष्टात्मा मुझे देख रही हो। इसने मुझे गहराई से झकझोर दिया, और मुझे उसी क्षण समझ आ गया कि दुष्टात्माएं कभी-कभी उस व्यक्ति की आँखों के माध्यम से खुद को प्रकट कर सकती हैं जिसे वे प्रताड़ित करती हैं (Mark 5:9)। बाद में, जब मैं सड़क पर उसके पास से गुजरा, तो उसने कभी मुझे पहचाना नहीं या हैलो नहीं कहा। मुझे संदेह है कि यह इसका एक कारण था, हालाँकि मैंने उसे कभी नहीं बताया कि मैंने क्या देखा था। यह एक गंभीर याद दिलाने वाली बात है कि आध्यात्मिक युद्ध वास्तविक है और जितना हम सोचते हैं उससे कहीं अधिक करीब है (Ephesians 6:12)।

Chapter 30

लेवांगर प्रार्थना केंद्र (2017)

यह 2017 की बात है और मैं अमेरिका के एक मिशनरी दंपति से मिलता हूँ जिन्होंने एशिया में कई वर्षों तक कार्य किया है। वे अब Levanger के Bønnesenteret में अतिथि वक्ता हैं, जिसे Håkon Fagervik ने शुरू किया था। वे मुझे नहीं जानते लेकिन वे मेरे लिए प्रार्थना करते हैं और वे जो कहते हैं वह यह है कि मैं परमेश्वर के लिए बहुत कुछ लिखूँगा (इफिसियों 2:10) और मुझे घड़ी देखना बंद कर देना चाहिए (मत्ती 6:34)। साथ ही, मुझे परमेश्वर से उन भौतिक वस्तुओं के लिए प्रार्थना नहीं करनी चाहिए जिनकी मुझे आवश्यकता नहीं थी, कम से कम मैंने तो यही समझा। और मुझे यह भी बताया गया कि मेरे जीवन में कुछ अप्रत्याशित होने वाला है जिससे मैं प्रसन्न नहीं होऊँगा और जो मेरे व्यक्तित्व के बिल्कुल विपरीत होगा, लेकिन उन्होंने महसूस किया कि मुझे इसके लिए फिर भी 'हाँ' कहना चाहिए (याकूब 1:2-4)। और यह सब अगस्त 2017 में मेरी पत्नी के मुझसे अलग होने के कुछ ही समय पहले की बात थी।

Chapter 31

अलगाव (2017)

मेरी पत्नी बच्चों को एक यात्रा पर ले गई थी, उसका इरादा मुझसे संपर्क करने के समय मुझसे दूर रहने का था। वह मुझे फोन करती है और फोन पर कहती है कि हम फिर कभी साथ नहीं रहेंगे और वह मुझसे अलग हो रही है। इस समय तक, परमेश्वर की ओर से आए Marcus Wick के शब्द लगभग भुला दिए गए थे; मुझे विश्वासघात महसूस होता है, और मेरा शरीर सदमे में चला जाता है। अगली रात मेरे द्वारा अनुभव की गई सबसे खराब रातों में से एक थी, जिसके दौरान मुझे पूरी रात बहुत पसीना आता है (भजन संहिता 34:19)। मेरा शरीर पूरी रात साबुत बने रहने के लिए संघर्ष करता है; ऐसा महसूस होता है जैसे मैं ढहने वाला हूँ। सुबह, परमेश्वर मुझे इस स्थिति से उबरने में मदद करने के लिए एक स्वप्न देते हैं:

मैं पृष्ठभूमि में L'Oréal शब्द के साथ दो पेशेवर महिलाओं को देखता हूँ। वे मेकअप और इसी तरह के उत्पादों को बेचती हुई प्रतीत होती हैं और पेशेवर रूप से तैयार हैं। फिर, पूरी छवि घूमती है जैसे कि कोई स्टेज सेट घूम रहा हो। मेरे सामने, पश्चिमी मूल का एक आश्चर्यजनक रूप से सुंदर व्यक्ति उभरता है, जो गोरा और सुनहरे बालों वाला है। हर विवरण बिल्कुल सही है, और उसकी कपड़ों की शैली अनूठी और आकर्षक है और बालों की शैली ऐसी है जो मैंने पहले कभी नहीं देखी थी। उसके बाल एक तरफ से छोटे कटे हुए हैं और दूसरी तरफ मध्यम लंबाई के हैं। वह खिलखिलाकर मुस्कुराता है और कहता है, **”मैं देश का चौथा सबसे अमीर आदमी हूँ!”**

— अलगाव के अगली सुबह का स्वप्न

मैं इस बात से पूरी तरह मंत्रमुग्ध हूँ कि उसने कितने सुंदर कपड़े पहने हैं, लेकिन स्वप्न समाप्त होने से ठीक पहले, मैं समझ जाता हूँ कि उसका बाहरी रूप उसके आंतरिक स्वभाव को नहीं दर्शाता है—बल्कि इसके विपरीत है। मुझे एहसास होता है कि परमेश्वर मुझे स्पष्ट रूप से दिखा रहे हैं कि जो कुछ हो रहा है उससे मुझे धोखा नहीं खाना चाहिए। हालाँकि, मुझे वास्तव में यह समझने में कई महीने लग गए कि जो हुआ था वह कितना आवश्यक था।

अलगाव सहना कठिन था, लेकिन यह पूर्व निर्धारित था (रोमियों 8:28)। विवाह, तलाक और पुनर्विवाह के बारे में परमेश्वर का वचन क्या कहता है—मूल ग्रीक और हिब्रू के माध्यम से जांचा गया—इसके पूर्ण अध्ययन के लिए, हमारी साथी पुस्तक [*The Case for Marriage*](http://The Case for Marriage (junifye.publifye.pro/the-case-for-marriage)) (junifye.publifye.pro/the-case-for-marriage) देखें। जैसे-जैसे मैं उस घटना से दूर होता गया, मुझे पवित्र आत्मा द्वारा पहले दी गई चेतावनियाँ और अधिक स्पष्ट रूप से याद आने लगीं। पवित्र आत्मा ने भविष्यद्वाणी के शब्दों के माध्यम से बात की थी, यह कहते हुए कि जो होने वाला था वह मेरे स्वभाव के विरुद्ध था, लेकिन मुझे इसे स्वीकार करना चाहिए। विनाशकारी घटनाओं से पहले सत्य बोलने वाले भविष्यद्वाणी के गवाहों का होना एक महत्वपूर्ण कारण है कि हमें एक सक्रिय, जीवंत कलीसिया की आवश्यकता है (2 कुरिन्थियों 13:1)। एक कलीसिया के रूप में, हमें परमेश्वर द्वारा दिए गए आत्मिक वरदानों का उपयोग करने का प्रयास करना चाहिए (1 कुरिन्थियों 12:7) और पीछे नहीं हटना चाहिए। मैं यह पवित्र जनों को चेतावनी के रूप में कहता हूँ: कलीसिया का हिस्सा बनें,

उसे अस्वीकार न करें। हमें विशिष्ट कलीसियाओं की ओर ले जाने और उनसे दूर ले जाने वाले पवित्र आत्मा के प्रति भी खुला रहना चाहिए। यह पहचानना हमेशा सीधा नहीं होता कि कब बदलाव आने वाला है, लेकिन पवित्र आत्मा द्वारा निर्देशित होने का यही अर्थ है। इन सबसे ऊपर, हमें अपने जीवन के साथ परमेश्वर के प्रति जवाबदेह होना चाहिए, न कि उन व्यक्तियों के प्रति जो हमें नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं। इस संबंध में परखने की क्षमता महत्वपूर्ण है (इब्रानियों 5:14)। यदि हम प्रार्थना में परमेश्वर को खोजते हैं जब हम अपने भीतर एक हलचल महसूस करते हैं, तो हमारा मार्गदर्शन किया जाएगा। मैंने अक्सर अनुभव किया है कि मेरा सिर, अपनी विश्लेषणात्मक सोच और तर्क के साथ, मुझे एक बात बताता है, जबकि आत्मा बिल्कुल विपरीत दिशा में ले जाती है (नीतिवचन 3:5-6)। परमेश्वर की संतान को नियंत्रण छोड़ने और पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन का पालन करने के लिए विश्वास में चलने का साहस करना चाहिए (रोमियों 8:14)। कभी-कभी पुष्टि बाद में आएगी, लेकिन उसमें भी समय लग सकता है।

हम स्वप्न पर वापस आते हैं, और आश्चर्य की बात यह है कि जब तक मैं जागता हूँ, मेरे शरीर का सदमा दूर हो चुका होता है (भजन संहिता 30:5)। मुझे एहसास होता है कि मैं अपने आसपास जो हो रहा था उसके बाहरी स्वरूप से लगभग धोखा खा गया था। कई वर्षों से, मेरी पत्नी ने परमेश्वर के लिए मेरे काम को खारिज कर दिया था और हमारे बच्चों के सामने विभिन्न तरीकों से एक पति के रूप में मुझे नीचा दिखाया था। मैंने शांत रहने के लिए संघर्ष किया था, और स्थिति में इस बात से कोई मदद नहीं मिली कि मैं क्रोधित और तर्कशील हो गया। वह बच्चों, घर, कार, भोजन और विभिन्न गतिविधियों की शौकीन थी। वह निश्चित रूप से 'बॉर्न अगेन' (Born again) थी, लेकिन फिर भी। यह सच है कि मेरी कमजोरियाँ हैं, लेकिन उनकी वर्षों तक मेरी गलतियों और कमियों की पहचान, मेरे लिए, प्रेम से प्रेरित नहीं लगी। एक प्रतिमान है जिसे मैंने पहचाना है: जब किसी जीवनसाथी का परोक्ष रूप से अपनी कमियों से सामना होता है, तो वे जिम्मेदारी लेने से बचने के लिए 180 डिग्री पलट सकते हैं और आरोप को बाहर की ओर मोड़ सकते हैं — जिसे अब gaslighting कहा जाता है। मैं वर्षों तक उसी माहौल में रहा। क्या यह सब उनकी ओर से सचेत रूप से था, मैं यह जानने का ढोंग नहीं करूँगा। मेरी जिम्मेदारी उसके लिए प्रार्थना करना और उससे बात करना था। मैं प्रार्थना में विफल रहा, और संचार अनिवार्य रूप से एकतरफा था—एक ऐसा तथ्य जिसे उसने बार-बार स्वीकार किया। एक करीबी चाचा ने एक बार मुलाकात के दौरान, बच्चों के सामने ही मुझसे पूछा था कि क्या मुझे उनका जन्मदिन याद है। यह मेरी कमजोरियों में से एक है: चयनात्मक स्मृति, इसे अच्छे शब्दों में कहें तो। अन्य लोग इसे ADHD कहते हैं, हालाँकि यह महत्वपूर्ण तनाव से भी उत्पन्न हो सकता है। हम सभी की अपनी कमजोरियाँ हैं, लेकिन मेरा मानना है कि हम में से कई लोगों के लिए सबसे बड़ी कमी प्रेम की कमी है। तकनीकी प्रतिभा और क्षमता अक्सर सफलता के बाहरी मानक होते हैं, लेकिन मेरी क्षमताएं संभवतः रचनात्मकता, दृढ़ संकल्प और दृढ़ता हैं। मैं स्वभाव से काफी बालक जैसा भी हूँ, जो मेरे व्यक्तित्व प्रकार की विशेषता है।

वर्ष 2017 एक विशेष वर्ष था जिसमें अलगाव के बाद ही मुझे समझ आया कि 2012 में Women's Forum Nordhordland द्वारा मुझे दी गई भविष्यवाणी बाइबलों और बाइबिल शब्दकोशों को एक साथ बुनने (weaving together) के मेरे काम से संबंधित थी। उस वर्ष, प्रकाशन में जबरदस्त तेजी आई, जिसके परिणामस्वरूप TruthBeTold Ministry नाम के तहत Amazon, Google Play, और Apple iTunes पर 2,000 शीर्षक आए। बेझिझक Amazon.com पर खोजें और स्वयं देखें। Google Play ने 2019 में उन लगभग सभी प्रकाशनों को हटा दिया, यह दावा करते हुए कि वे उनके दिशानिर्देशों के अनुकूल नहीं थे, भले ही वे यह साबित नहीं कर सके कि मेरी सामग्री अद्वितीय नहीं थी। दिग्गजों का यही तरीका है; छोटी कंपनियां असुरक्षित होती हैं यदि उनके पास खड़े होने के लिए कई आधार न हों।

मुझे उल्लेख करना चाहिए कि पवित्र जनों में से एक, मसीह में एक भाई ने अलगाव से कई महीने पहले मुझसे संपर्क किया था, यह कहते हुए कि परमेश्वर ने उन्हें फोन करने के लिए कहा था ताकि हम हर दिन फोन

पर एक साथ प्रार्थना कर सकें। परमेश्वर स्पष्ट रूप से जानते थे कि हम दोनों जीवन की कठिन परिस्थितियों में फंसेंगे। इस विशेष दिन पर, मैंने उन्हें फोन किया और उन्हें उस स्वप्न के बारे में बताया जो मैंने अभी देखा था। वह पूरी तरह से चुप हो गए; थोड़ी देर बाद, उन्होंने कहा कि उनके मकान मालिक के पिता बर्गन (Bergen) के चौथे सबसे अमीर आदमी थे। चूँकि मकान मालिक ने इस भाई द्वारा अभी-अभी किराए पर लिए गए घर की सुरक्षा राशि जब्त करते समय कोई दस्तावेज प्रदान नहीं किया था, इसलिए मैंने इसे उस खिलखिलाती मुस्कान की पुष्टि के रूप में समझा। मुझे एहसास हुआ कि भले ही बाहर से सब कुछ सही लगे, लेकिन यह किसी भी तरह से यह संकेत नहीं देता कि कोई व्यक्ति परमेश्वर के सामने सीधा खड़ा है। स्वप्न में वह व्यक्ति मसीह-विरोधी (Antichrist) का प्रतिनिधित्व करता है—वह जो बिना किसी दोष के एक आदर्श बाहरी स्वरूप बनाए रखते हुए पवित्र जनों के विरुद्ध कार्य करता है (2 कुरिन्थियों 11:14)।

मेरी सबसे छोटी बेटी, Engeline, उस समय साढ़े चार साल की थी। अलगाव से महीनों पहले, उसने अनुभव किया था कि यीशु रात में उसके पास आए थे। यीशु ने उससे कहा कि वह हमारे परिवार से प्रेम करते हैं, और उसने अगले दिन यह बात मेरे साथ साझा की। परमेश्वर ने मुझे भविष्यद्वाणी के माध्यम से चेतावनी दी थी कि क्या होने वाला है, लेकिन वह स्पष्ट रूप से मेरी सबसे छोटी बेटी को अलगाव होने से पहले उसकी अपनी शांति देना चाहते थे। **मैंने उससे पूछा** अलगाव के बाद कि पापा को घर से किसने निकाला है, और उसने कहा, «परमेश्वर», जिसके बाद उसने अपना सिर हिलाया, जैसे अपने ही उत्तर से हैरान हो। फिर उसने खुद को सुधारा और चेहरे पर एक उलझन भरे भाव के साथ कहा, «नहीं, वह मम्मी थीं!» मैं समझ गया कि परमेश्वर उसके माध्यम से बोल रहे थे—एक ऐसी बात जिसने मुझे उसके बाद से अनगिनत बार आनंदित किया है।

अगस्त और दिसंबर के बीच के पांच महीने कठिन थे। इसी समय के दौरान मैंने यह भी अनुभव किया कि जिन्हें मैं अच्छे दोस्त समझता था, उन्होंने दूरी बना ली। मैंने एक स्वप्न भी देखा जिसमें मैंने अपनी पूर्व पत्नी की ओर से परिवार के एक करीबी दोस्त को देखा जिसकी जीभ सांप की तरह दो भागों में बंटी हुई थी। जब यह स्वप्न आया तब मैं इसे नहीं समझ पाया, लेकिन बाद में समझ आया कि यह भविष्यद्वाणी थी। मेरा मानना है कि उस समय मेरे आसपास किसी को भी नहीं पता था कि एक भविष्यद्वाक्ता ने 2014 में अलगाव के बारे में बात की थी। अगले महीनों में ही मुझे समझ आया कि परमेश्वर वास्तव में किसके बारे में बात कर रहे थे। उल्लेखनीय रूप से, सौभाग्य से मेरे पास 2014 में तीन पवित्र जनों द्वारा कही गई बातों की रिकॉर्डिंग है।

उस वर्ष कई चीजें हुईं, और मैं Verdalen में Forbregdsmyra 90A में एक साझा आवास में पहुँच गया, जहाँ मैंने मार्च 2018 तक एक कमरा किराए पर लिया। मुझे बाल सहायता (child support) के कारण कार बेचनी पड़ी और अंततः मेरे पास जीने के लिए बहुत कम बचा था। मैं इतना जिद्दी था कि कल्याण (welfare) पर नहीं गया, लेकिन अलगाव के लगभग एक महीने बाद, मैंने संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा की। वहाँ, मैंने बाइबिल स्कूल के एक मित्र के साथ कुछ समय बिताया। वह एक विशेष समय था, लेकिन वह हर बार दूर रहने में कामयाब रहा जब मैंने इस यात्रा के दौरान लोगों पर परमेश्वर के आशीर्वाद का गवाह बना। मैंने वास्तव में अपनी पूर्व पत्नी के आग्रह पर Myrtle Beach, South Carolina में Vineyard जाने के लिए अमेरिका की यात्रा की थी। वहाँ, Shiloh Place Ministries ने एक सम्मेलन आयोजित किया जिसे वे «The Power of a Father's Love» कहते हैं। जब मैंने पहले दिन प्रवेश किया, तो मुझे Knobby Nobles से गाल पर एक चुंबन मिला और मैं सुखद रूप से आश्चर्यचकित था। मेरी माँ हमेशा रात को बिस्तर पर जाने से पहले मुझे गाल पर चूमती थीं, लेकिन पहले कभी मेरा स्वागत ऐसे चुंबन से नहीं हुआ था; ऐसा लगा जैसे घर आ गया हूँ। मुझे वे सभी समय याद आए जब मैंने सोते समय अपने सौतेले पिता के साथ ऐसा ही किया था। यह स्पष्ट था कि यह उनके परिवार में एक परंपरा नहीं थी, लेकिन मैंने फिर भी इसे करना जारी रखा।

अन्त में, हे भाइयो, आनन्दित रहो; सिद्ध बनते जाओ; शान्ति रखो; और प्रेम और शान्ति का परमेश्वर तुम्हारे साथ होगा। **एक दूसरे को पवित्र चुम्बन से नमस्कार करो!** सब पवित्र लोग तुम्हें नमस्कार कहते हैं। प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह और परमेश्वर का प्रेम और पवित्र आत्मा की सहभागिता तुम सब के साथ बनी रहे।

— 2 कुरिन्थियों 13:11-13

मुझे यह भी उल्लेख करना चाहिए कि मैं Myrtle Beach में सम्मेलन के दौरान दो परिवारों से मिला। एक मुलाकात तब हुई जब मैं समुद्र तट पर खड़ा था, लहरों के आने और पानी के किनारे पर पक्षियों के इधर-उधर दौड़ने का आनंद ले रहा था। अचानक, एक लंबा अफ्रीकी अमेरिकी व्यक्ति मेरे पास खड़ा हो गया; मैंने पहले उसे नहीं देखा, लेकिन उसकी पत्नी उसके पीछे खड़ी थी। दोनों प्रभु के लिए आनंद से भरे हुए थे और हमारी बातचीत के दौरान उनके शरीर के कई क्षेत्रों में वे चंगे हो गए क्योंकि मैंने अपने भीतर महसूस किया कि वे कहाँ पीड़ित थे। मैंने अब तक इस बारे में ज्यादा बात नहीं की है, लेकिन पवित्र आत्मा हमें जो वरदान देता है उनमें से एक चंगा करने का अधिकार है। इसका मतलब यह नहीं है कि सब कुछ आसान है या हम हमेशा चंगाई होते देखते हैं, लेकिन यह एक तथ्य है कि पवित्र जन आत्मा में ऐसा वरदान लेकर चलते हैं। हालाँकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हर कोई इस वरदान का उपयोग करता है या इसके संबंध में विश्वास में चलता है। पवित्र जनों में से एक जो प्रभु में बहुत आनंद पाती हैं, वे Frekhaug में बहन Elise हैं। वह सड़कों पर परमेश्वर के साथ चलने में कई लोगों को प्रेरित करती हैं और प्रभु में एक धन्य बहन हैं। दूसरा परिवार जिससे मैं मिला, उनके यीशु के साथ अद्भुत अनुभव रहे थे। वे एक दिन आए और मुझे ले गए ताकि मैं उनके घर जा सकूँ। उन्होंने एक बुजुर्ग जोड़े को भी आमंत्रित किया जिन्होंने मुझसे उनके लिए प्रार्थना करने को कहा। मैंने पूछा कि क्या यह ठीक है अगर मैं थोड़ा ज़ोर से प्रार्थना करूँ। जैसे ही मैंने प्रार्थना की, उस व्यक्ति को अपने जबड़े में कुछ चटकने जैसा महसूस हुआ। आमतौर पर, जब मैं प्रार्थना करता हूँ, तो मैं केवल ज़रूरत के विशिष्ट क्षेत्र के बजाय व्यक्ति के पूरे शरीर पर आशीर्वाद बोलता हूँ। उसका एक पैर सुन्न (dead) था, और प्रार्थना के बाद, वह उसे फिर से हिलाने में सक्षम था। कुछ महीनों बाद, मुझे बताया गया कि वह कलीसिया आने पर पवित्र जनों का खड़े होकर स्वागत कर रहे थे; जो हुआ वह हम सभी के लिए एक आशीर्वाद था। अमेरिका में पवित्र जन भी उदार हैं और समझते हैं कि एक सुसमाचार प्रचारक परमेश्वर के लिए काम करते समय केवल हवा और प्यार पर नहीं रहता है। मैंने इस बारे में कुछ नहीं कहा, लेकिन उन्होंने बदले में मुझे आशीर्वाद देना चुना। आशीर्वाद को दोनों तरफ जाते हुए अनुभव करना हमेशा अद्भुत होता है।

मैंने सम्मेलन में एक व्यक्ति को भी देखा, और तुरंत मैंने अपने ऊपर मृत्यु की आत्मा को महसूस किया। ऐसा लगा जैसे वह मरने वाला है, और मैं इससे भयभीत महसूस कर रहा था, लेकिन मैंने कुछ नहीं कहा। कुछ ही समय बाद, मुझे बताया गया कि उसकी मृत्यु हो गई है। हाल के वर्षों में मैंने आत्मा में ऐसी ही चीजों का अनुभव किया है।

अमेरिका की इस यात्रा के दौरान कई चीजें हुईं, लेकिन यह सब आसान नहीं था। मेरा दोस्त उस समय परमेश्वर के साथ चलने में संघर्ष कर रहा था। मैंने प्रार्थना की कि परमेश्वर उसकी वास्तविक स्थिति उस पर प्रकट करें, और इसके बाद उसने यह स्वप्न देखा:

स्वप्न में, वह एक विकासशील देश की एक इमारत में था जिसमें लोग थे। इस इमारत के भीतर कुछ बुरा था। एक दुष्ट व्यक्ति वहाँ था जिसका शरीर सामान्य था लेकिन उसके सिर से बड़े सींग निकल रहे थे (प्रकाशितवाक्य 13:1)। वह चारों ओर घूम-घूम कर लोगों को मार रहा था। कुछ लोग भागने में सफल रहे, लेकिन सभी ने उसे गंभीरता से नहीं लिया या परवाह नहीं

की। उसे स्वप्न से बस इतना ही याद था। मेरे पास इसकी एक रिकॉर्डिंग है, यही कारण है कि मैं इसे इतने विस्तार से लिखने में सक्षम हुआ।

— 2017 में उसका स्वप्न

उसे अंततः बाइबिल स्कूल से निकाल दिया गया क्योंकि वह हथियार लेकर चल रहा था, जो स्कूल परिसर में अवैध था। मैंने उसकी मदद करने की कोशिश में समय बिताया, लेकिन उसने इसे स्वीकार नहीं किया; इसके बजाय, वह अंधेरे में पीछे हट गया और जो मैंने पेश किया उसे अस्वीकार कर दिया।

यह 2017 था, और मुझे Verdal में Forbregdsmyra में दो अन्य युवकों के साथ साझा आवास में एक कमरा मिल गया था। कोई मुझे नौकरी न ढूँढ पाने के लिए मंदबुद्धि समझ सकता था, लेकिन यह मेरी स्थिति की वास्तविकता थी। मेरे पास शिक्षा थी, लेकिन काम सुरक्षित करना एक संघर्ष रहा था क्योंकि कई लोग बाइबिल स्कूल को मेरे सीवी में एक खाली अंतराल (gap) के रूप में देखते थे। हालाँकि, मैं वफादार रहा, परमेश्वर के साथ समय बिताया (यशायाह 41:10) और उस आधे साल के दौरान प्रकाशन इंजन बनाने के लिए खुद को समर्पित कर दिया, क्योंकि बहुत काम किया जाना बाकी था। यह वह समय भी था जब यह भाई ने मुझे विफल कर दिया और हमारी दोस्ती का दुरुपयोग किया, जिसके बारे में पवित्र आत्मा ने मुझे चेतावनी दी थी:

वह तुम्हें विफल कर रहा है; मैं तुमसे प्यार करता हूँ।

— पवित्र आत्मा 2017

मैंने पहले ही इस भाई को चेतावनी दी थी कि अगर वह पिता के साथ समय बिताने की उपेक्षा करता है तो क्या हो सकता है। वह इसी मार्ग पर चलता रहा और फिर एक अन्य महिला के साथ संबंध शुरू किया। वह एक करीबी भाई था जिसे मैं एक अच्छा दोस्त मानता था, और मैंने एक महत्वपूर्ण मोड़ पर उसकी मदद की थी—एक ऐसी बात जिसे परमेश्वर जानते थे कि उसके जीवित रहने के लिए होना आवश्यक था। उसने इस सम्मान का बदला नहीं दिया, भले ही मैंने उसे एक गंभीर स्थिति से बाहर निकलने में मदद की थी।

यदि आपने मेरी मदद नहीं की होती, तो शायद मैं आज जीवित नहीं होता।

— यह 2017 है, और एक भाई कहते हैं

उस वर्ष, परमेश्वर ने मुझे एक पेड़ दिखाया जिसका तना मजबूत लेकिन छोटा था। उसके ऊपर ताजी हरी पत्तियों का एक गोल, झाड़ीदार ताज था। पत्तियों के बीच ताजे लाल फल थे, जो रास्पबेरी और स्ट्रॉबेरी के बीच के मिश्रण की तरह थे। वे संख्या में बहुत अधिक नहीं थे, और वे पेड़ के शीर्ष पर समान रूप से फैले हुए थे, लेकिन मुझे पता था कि फल अच्छे थे। मेरा मानना है कि पेड़ उस अवधारणा का प्रतिनिधित्व करता था जिस पर मैं काम कर रहा था। मोटे तने ने गहरी जड़ों का सुझाव दिया, जिसने मुझे प्रोत्साहित किया, क्योंकि इसने विकास की एक बड़ी क्षमता का संकेत दिया। अब ही मैं विचार करता हूँ कि तना कैसे पेड़ की उम्र को दर्शाता है; यह मुख्य विचार के परिपक्वता स्तर का संकेत दे सकता था। मेरा मानना है कि यह छवि पवित्र आत्मा की ओर से प्रोत्साहन और मेरे काम की स्वीकृति के रूप में थी। उसी वर्ष के दौरान, मुझे अमेरिका में एक बुजुर्ग जोड़े के माध्यम से परमेश्वर का एक वचन मिला। वहाँ के संत, जिनके साथ मैंने अमेरिका में अपने समय के

दौरान काम किया था, मेरे लिए खुश थे। परमेश्वर ने उन पर प्रकट किया था कि उन्हें मुझे चेतावनी देनी है और मुझे उसका काम जारी रखने के लिए कहना है।

अब दिसंबर 2017 है, और बच्चों का मिलने आना कठिन है। शादी से मेरे पास मुख्य रूप से एक डबल बेड, एक लिखने की मेज, एक कंप्यूटर, कुछ उपकरण और निश्चित रूप से कपड़े बचे थे। मैं परिवार की और संपत्ति नहीं लेना चाहता था, इसके बजाय मैंने अपनी पूर्व पत्नी और बच्चों को उन्हें रखने देने का फैसला किया। मुझे कारों में से एक मिली थी, लेकिन मुझे बाल सहायता की मांगों को पूरा करने के लिए इसे बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा, भले ही मेरी कोई आय नहीं थी। मेरी पूर्व पत्नी ने दावा किया था कि मैं अपनी क्षमता से कम कमा रहा था—जो एक ही समय में सच भी था और पूरी तरह गलत भी—जिसके कारण नॉर्वे राज्य ने एक काल्पनिक आय का आकलन किया। सौभाग्य से, उन्होंने अंततः मेरी अपील स्वीकार कर ली, लेकिन तब तक कार पहले ही बिक चुकी थी। मेरी पूर्व पत्नी ने अपने कार्यों के लिए भोलापन का बहाना बनाया, लेकिन जब कोई अगले वर्षों में इस तरह के व्यवहार को दोहराते हुए देखता है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि यह जानबूझकर किया गया था।

मैंने जिसके बारे में ज्यादा नहीं कहा है वह यह है कि वे महीने अनुग्रह से भी भरे हुए थे। मैं Verdal में अपने बच्चों से दस किलोमीटर दूर साझा आवास में रह रहा था, मेरे पास अपने नाम पर बहुत कम था। लेकिन सुबह में, मैं चाय के प्याले के साथ आग के पास बैठता और पिता के साथ समय बिताता (भजन संहिता 46:10)। मैंने इस समय के दौरान प्रावधान के छोटे चमत्कार देखे।

हम अभी भी 2017 में हैं, और मैं हर दिन ईमानदारी से परमेश्वर को खोजता हूँ। मैं हर दूसरे सप्ताह होने वाली चर्च सेवा के अलावा, सप्ताह में एक बार Vineyard हाउस फेलोशिप में जाता हूँ। इस बिंदु तक, प्रकाशन इंजन परिपक्व हो गया है, और 2018 तक, मैंने Amazon, Google Play, और Apple पर दो हजार से अधिक शीर्षक प्रकाशित किए थे। मुझे विनम्रतापूर्वक स्वीकार करना चाहिए कि मैंने बार-बार परमेश्वर के अनुग्रह का अनुभव किया है, और मैं बार-बार उसकी भलाई के लिए उसकी प्रशंसा करने के अलावा कुछ नहीं कर सकता।

2017 वह वर्ष भी था जब मैं Levanger की Kari Jartveit से मिला। वह अपने सत्तर के दशक में थीं और प्रार्थना करने वाली एक अद्भुत महिला थीं। उन्हें Levanger के Staup Health Center में भर्ती कराया गया था, जहाँ उनकी बेटी, बहन Hilde, और मैं उनसे मिलने गए। Kari बहुत दयालु लेकिन अपनी बात में स्पष्टवादी थीं, और इसमें कोई संदेह नहीं था कि वे परमेश्वर की प्रिय थीं। बीमार होने का मतलब यह नहीं है कि हम 'बॉर्न अगेन' नहीं हैं या परमेश्वर हमसे प्यार नहीं करता; बिल्कुल नहीं। यह दूसरी बार था जब मैंने परमेश्वर को किसी व्यक्ति पर आनंद का तेल उंडेलते देखा था। यह तब हुआ जब Kari ने, पूरी तरह से बिना किसी चेतावनी के और अनैच्छिक रूप से, अपने हाथ उठाना शुरू कर दिया और खिलखिलाकर हँसने लगीं। दुख और दर्द के बीच, परमेश्वर ने उन्हें आनंद का तेल दिया (भजन संहिता 45:7)—बिल्कुल अविश्वसनीय! वह खुद इस सब से थोड़ा शर्मिंदा हो गई, लेकिन मैं एक गवाह था, और यह केवल परमेश्वर का प्रेम था जो हो रहा था। इससे पहले कि ऐसा होता, हमने साथ में प्रार्थना भी नहीं की थी, लेकिन प्रभु बहुत दयालु थे। मैं तुरंत समझ गया कि यह उन पर उंडेला जा रहा आनंद का तेल था, जैसा कि मैंने कुछ साल पहले खुद अनुभव किया था। मैं उस समय NOKLUS के लिए काम कर रहा था और बाथरूम में खड़ा था जब ऐसा हुआ था। जब Kari के साथ ऐसा हुआ, तो उन्होंने अपने गले में लिपटे दुपट्टे से खुद को ढंकने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। जब यह हुआ तो परमेश्वर का प्रेम मूर्त था। उनकी बेटी बहन Hilde के पास भी परमेश्वर का भविष्यद्वाणी का वरदान है, जिसे वह उपयोग करने से नहीं डरती हैं। माँ और बेटी ने साथ में प्रार्थना में बहुत समय बिताया था, जो स्पष्ट रूप से दिखाई देता था जब हम सब साथ होते थे। वे एक ही

फली के दो दानों की तरह थे, आत्मा में करीब, जहाँ एक दूसरे का पूरक था। Kari अन्यथा दुखी थीं क्योंकि वह जानती थीं कि वह जल्द ही हमें छोड़कर चली जाएंगी।

Kari ने बाद में मुझे एक शक्तिशाली उदाहरण के बारे में बताया जहाँ उन्होंने उस व्यक्ति के परिणामों को देखा जिसने पोर्नोग्राफी देखकर अपने जीवनसाथी के साथ विश्वासघात किया था। मैंने खुद 2012 तक ऐसा किया था, जब मैंने अपनी पूर्व पत्नी के सामने इसे स्वीकार किया और बंद कर दिया (1 यूहन्ना 1:9)। Kari ने मुझे बताया कि कैसे पीड़ित—विवाह में पत्नी—आश्चर्यजनक रूप से एक दुष्टात्मा की चपेट में आ गई थी। जो हुआ वह इस प्रकार था: पति और पत्नी ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ा हुआ था, और पति ने शपथ ली कि उसने पोर्नोग्राफी नहीं देखी है। फिर पत्नी Kari के पास गई और उनके सामने फर्श पर गिर पड़ी। Kari समझ गई कि क्या हो रहा है और तुरंत दुष्टात्मा को निकाल दिया। पीड़ित को इसके बाद कुछ भी याद नहीं रहा। बहरहाल, Kari इस पूरी घटना की गवाह थी और उसने मुझ पर भरोसा किया। इसके कुछ ही समय बाद Kari का निधन हो गया, लेकिन मुझे उनकी चमक याद है; वह उन कुछ लोगों में से एक थीं जो समझती थीं कि मैं परमेश्वर के लिए काम कर रहा हूँ। उस समय मेरे पास गुजारे के लिए बहुत कुछ नहीं था। उसने मुझे भोजन दिया भले ही मैंने अपनी स्थिति के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहा था। मुझे यह भी याद है कि Kari ने मुझे बताया था कि एक दिन उसके पति, जो पेशे से एक नाई थे, अचानक लिविंग रूम के बीच में खड़े हो गए और उनके गालों पर आँसू बह रहे थे।

Kari: तुम्हें क्या हुआ है?! पति: मैं यीशु को हमारे साथ लिविंग रूम के बीच में खड़ा देख रहा हूँ।

— Kari Jartveit और उनके पति

Kari के पति की, दुर्भाग्य से, उनसे कई साल पहले मृत्यु हो गई थी। मुझे संदेह है कि उनकी मृत्यु को टाला जा सकता था यदि उनकी कलीसिया उस समय महत्वपूर्ण और सतर्क होती। Kari ने परोक्ष रूप से भी इसकी पुष्टि की जब उन्होंने उल्लेख किया कि जिस व्यक्ति ने अपनी पत्नी के साथ विश्वासघात किया था, उसे पहले ही भविष्यद्वान्नी के माध्यम से चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसी कलीसिया में उस चेतावनी को खारिज करने वाले लेकिन मजाकिया अंदाज में अस्वीकार कर दिया गया था।

मुझे उस शरद ऋतु का एक दिन याद है, बाहर खड़ा था। मेरे शरीर के चारों ओर एक अजीब सी गर्मी थी, और मुझे अपने पास से गुजरने वाली हवा को महसूस करना बहुत अच्छा लग रहा था। मुझे एक साधारण शर्ट या स्वेटर से ज्यादा की जरूरत नहीं थी, जो मेरे सामान्य स्वभाव के काफी विपरीत था। वहाँ खड़े होकर, मैंने नीचे देखा और पाँच चौपत्तिया घास (four-leaf clovers) देखीं। नंबर पाँच उस दिन के बाकी समय के लिए मेरे दिमाग में अंकित हो गया। मुझे समझ नहीं आया क्यों।

अब दिसंबर 2017 है, और मैं एक शाम Levanger से लगभग दस किलोमीटर दूर Verdal में अपने कमरे में बिस्तर पर लेटा हूँ। मुझे उदासी और चीजों के ठीक होने की लालसा महसूस हो रही है। ठीक उसी समय और वहीं, मैंने स्वर्ग के पिता से कहा कि मैंने दरवाजे खोलने और बंद करने की कोशिश की है, लेकिन कुछ भी काम नहीं कर रहा है। परमेश्वर ने तब मुझे दिखाया कि सब कुछ बदलने वाला है और आगे दो साल का परिपक्वता का समय होगा (यिर्मयाह 29:11)। अलगाव को ठीक पाँच महीने हुए थे—घास की पत्तियों के समान संख्या। मैं इससे बहुत प्रोत्साहित हुआ; भले ही मैं ठोस रूप से नहीं जानता था कि क्या होगा, मैंने सोने से पहले अपने भीतर आनंद को उबलते हुए महसूस किया। परमेश्वर के मन में जो था वह यह था कि मुझे जल्द ही एक नई नौकरी मिलेगी और लगभग तीन महीने में मैं अपनी भविष्य की पत्नी से मिलूँगा। जब परमेश्वर ने

दो साल के परिपक्वता समय की बात की, तो वह विशेष रूप से Publifye कंपनी के स्टार्टअप का उल्लेख कर रहे थे, जिसके बारे में मैं बाद में और साझा करूँगा।

Chapter 32

नई प्रोजेक्ट स्थिति (2018)

यह जनवरी 2018 की बात है और मुझे लेवांगेर (Levanger) में HUNT अनुसंधान केंद्र (HUNT Forskningscenter) के Oddgeir Holmen का फोन आता है। ओडगेयर IT के मध्य-स्तरीय प्रबंधक हैं और वे अब तक के सबसे बेहतरीन बॉस हैं जिनके साथ मैंने काम किया है। सिस्टम डेवलपर Anders Smedegaard Pedersen, जिन्हें 2016 में मेरे स्थान पर नियुक्त किया गया था, अब अपनी नौकरी छोड़ रहे हैं। इसलिए ओडगेयर एक नए कर्मचारी की तलाश में हैं जो उनकी जगह ले सके। इस प्रोजेक्ट के मई 2019 तक पूरा होने की उम्मीद है, इसलिए एंडर्स के जाने के बाद किसी को कार्यभार संभालने की आवश्यकता है। ओडगेयर, एंडर्स और Per Bjarne Løvsletten के साथ एक बैठक आयोजित की जाती है और मुझे इस वर्ष 15 जनवरी को काम शुरू करने का प्रस्ताव मिलता है। शायद मेरे 'प्रकाशन इंजन' (publication engine) पर किए गए काम ने उन्हें प्रभावित किया था? मुझे कम से कम यह विश्वास है कि जब मैंने उन्हें बताया कि मैंने अभी-अभी एक ऐसा प्रकाशन इंजन तैयार किया है जो एक ही डिजिटल प्रकाशन के भीतर लाखों संदर्भों और कई हजार पृष्ठों की लंबाई वाले प्रकाशन बना सकता है, तो इसका उन पर गहरा प्रभाव पड़ा। सबसे बड़े प्रकाशनों में से एक में 1 करोड़ (10 मिलियन) संदर्भ और लगभग 1,50,000 डिजिटल पृष्ठ हैं, और इस समय तक मैं 20 से अधिक भाषाओं में बाइबल प्रकाशित कर चुका था। जब मैं ये आँकड़े बताता हूँ तो यह बात को थोड़ा बढ़ा-चढ़ाकर कहने जैसा लग सकता है, लेकिन यह बिल्कुल भी गलत नहीं है और वास्तव में यह जानकर बहुत खुशी होती है कि चीजें इतनी अच्छी रही हैं। सच में यह एक महान आशीर्वाद है जिसके बारे में परमेश्वर ने मई 2012 में ही भविष्यवाणी के माध्यम से बात की थी, जब मैं Kvinneforum Nordhordland के एक छोटे महिला समूह से मिला था।

मैं यह अपनी बड़ाई करने के लिए नहीं कह रहा हूँ, बल्कि परमेश्वर ने वास्तव में मुझे एक ऐसा उपकरण दिया है जिसका उपयोग करने में मुझे बहुत आनंद आता है (१ पतरस 4:10)। एक नया समय शुरू हो गया है और मैं लेवांगेर में HUNT अनुसंधान केंद्र में बहुत खुश हूँ। इसके समानांतर, मैं 2000 कवर चित्र बनाने के लिए एक व्यक्ति को काम पर रखता हूँ ताकि सुसमाचार की 2000 बाइबलें (मत्ती, मरकुस, लूका और यूहन्ना के साथ) प्रकाशित की जा सकें, जिसमें प्रति पुस्तक दो या तीन भाषाओं के पद समानांतर (parallel) रूप में हों। चीनी, जापानी और रूसी इनमें से कुछ भाषाएं थीं। मेरी ओर से काम न के बराबर था क्योंकि प्रकाशन इंजन ने अधिकांश काम खुद ही कर दिया था। लोगों को यह बताना थोड़ा अजीब लगता है कि मैंने 2000 से अधिक प्रकाशन प्रकाशित किए हैं, लेकिन अब ऐसा ही है। यह मजेदार है, लेकिन थोड़ा पागलपन जैसा भी।

मुझे आशा थी कि ये प्रकाशन मुझे एक ऐसी आर्थिक स्थिति प्रदान करेंगे जहाँ मैं किसी नियोक्ता पर निर्भर न रहूँ और अधिक सक्रिय रूप से सुसमाचार साझा कर सकूँ, लेकिन स्पष्ट रूप से अभी उसके लिए समय नहीं आया है।

2018 वह वर्ष भी है जब मेरी मुलाकात उस महिला से होती है जो मेरी आने वाली पत्नी बनने वाली है। मैं उसे अपनी आने वाली पत्नी कह रहा हूँ, लेकिन इसका सीधा कारण यह है कि मैंने यह लेख 2022 में लिखना शुरू किया और मैं पीछे मुड़कर देख रहा हूँ। मैं उसे 3-4 साल पहले से कलीसिया के माध्यम से थोड़ा-बहुत जानता था, लेकिन हमने शायद ही कभी बात की थी क्योंकि उसकी नॉर्वेजियन भाषा बहुत खराब

थी। वह अब मुझे लेवांगेर के शरणार्थी शिविर (asylum center) में रात के खाने पर बुलाती है और उसकी नॉर्वेजियन में भी काफी सुधार हुआ है। उस समय वह नहीं जानती थी कि मैं अलग (separated) हो चुका हूँ, लेकिन उसने पहले चंगाई का अनुभव किया था जब मैंने उसके लिए प्रार्थना की थी, इसलिए उसने मुझे आमंत्रित करने में खुशी महसूस की। वह एशिया के एक देश से है, परमेश्वर से प्रेम करती है और उसे बचाए जाने के शक्तिशाली अनुभव हुए हैं जहाँ यीशु ने उसे नाव के माध्यम से खतरनाक क्षेत्रों से निकाला था। अब हम उन सभी अनुभवों और परमेश्वर के साथ अपने मार्ग के साथ-साथ बाइबल क्या कहती है और हमसे क्या साझा करती है, इस पर चर्चा करने लगते हैं। मैं उसे नॉर्वेजियन भाषा में मदद करने लगता हूँ और उसे बाइबल से सिखाता हूँ। हम जल्दी ही अच्छे दोस्त बन जाते हैं और मैं तब हैरान रह जाता हूँ जब परमेश्वर मुझे दिखाते हैं कि वह मेरी आने वाली पत्नी है। कई अवसरों पर मैंने अनुभव किया कि पवित्र आत्मा मुझसे उसके बारे में बात कर रहे हैं। परमेश्वर ने मुझे सपने में उसके अतीत का एक अंश भी दिखाया और यह भी कि शायद 20 साल बाद हमारे भविष्य में क्या होने वाला है (प्रेरितों के काम 2:17)। मेरी कोई नई पत्नी लाने की योजना नहीं थी, बल्कि मैं अकेले परमेश्वर के लिए काम करना चाहता था क्योंकि मेरा पिछला विवाह दुखद अध्याय रहा था। स्पष्ट रूप से परमेश्वर ने मेरे अकेले रहने की योजना नहीं बनाई थी (यिर्मयाह 29:11)। मैं आमतौर पर उन चित्रों को तुरंत नहीं समझ पाता जो परमेश्वर मुझे रात में दिखाते हैं, और ऐसा ही तब हुआ जब उन्होंने मुझे मेरी आने वाली पत्नी के जीवन के एक महत्वपूर्ण मोड़ का एक संक्षिप्त दृश्य दिखाया।

मैं सपने में या रात को देखता हूँ कि एक कार आती है और सड़क के किनारे खड़ी हो जाती है। फिर जंगल के किनारे से कई लोग निकलते हैं और कार की ओर जाते हैं। मुझे पता है कि वे चोर नहीं हैं, बल्कि वे कार से कुछ लेने आए हैं। यही सपना था और हमेशा की तरह मैं समझ नहीं पाया कि मैं क्या देख रहा हूँ, लेकिन फिर भी मैं इसका गवाह था।

— कपड़ों से लदी कार का दर्शन

मैं इस सपने के बारे में किसी को कुछ नहीं बताता और खुद सोचता हूँ कि शायद यह कोई इत्तेफाक है या दिन के समय देखी गई किसी चीज़ का अंश है जो सपने में आ गया। कुछ समय बाद जब मैं Leira Asylumottak की साझा रसोई में बैठा होता हूँ और मेरी आने वाली पत्नी खाना बना रही होती है, तो वह अचानक यह बताना शुरू करती है कि जब वह 12 साल की थी तो उसके लिए कैसे प्रार्थना की गई थी और उसने उसके जीवन को कैसे बदल दिया। उसने बताया कि 9 से 12 साल की उम्र के बीच वह काफी «उग्र» स्वभाव की थी। इसका मुख्य कारण खुमैनी (Khomeini) के सत्ता में आने के दौरान होने वाली उथल-पुथल थी। उसके पिता अंततः उससे इतने निराश हो गए कि उन्होंने कार को कपड़ों और जूतों से भर दिया। फिर वे उसे उन गरीब ईसाइयों के पास ले गए जिन्होंने उसके लिए प्रार्थना की थी। इसके बदले में उन्हें जूते और कपड़े दिए गए। और तभी मैं समझ गया कि परमेश्वर ने मुझे यह पहले ही रात के एक दर्शन में दिखा दिया था। यह पहली बार था जब मैं कह सकता था कि परमेश्वर ने मुझे अतीत की एक ऐसी घटना दिखाई जो एक व्यक्ति के जीवन के लिए निर्णायक थी। एक दिन जब मैं अपनी आने वाली पत्नी के शरणार्थी शिविर की साझा रसोई में खड़ा था।

ऐसा कैसे है कि वह परमेश्वर से इतना प्रेम करती है?

— भीतर से एक प्रश्न उठा

मेरी आने वाली पत्नी बहुत कुछ झेल चुकी है और मैं समझता हूँ कि वह मेरी पत्नी बनने वाली है, लेकिन साथ ही परमेश्वर चेतावनी भी देते हैं। पवित्र आत्मा मुझे दिखाते हैं कि वह मुझे कई बार छोड़कर जाएगी, जो

बिल्कुल सच साबित हुआ है। शारीरिक रूप से नहीं बल्कि मानसिक रूप से। और मैं इस चेतावनी के लिए आभारी हूँ क्योंकि इसने मुझे पहले से तैयार कर दिया था। यह उस डर के कारण था जो उसके मूल देश में उसके करीबी परिवार की गंभीर धमकियों के कारण पैदा हुआ था। एशिया के एक ऐसे देश में जहाँ ईसाइयों को उनके विश्वास के लिए मौत की सजा दी जाती है, एक विश्वासी के रूप में वह उसके लिए अत्यंत कठिन समय था। मेरी आने वाली पत्नी के लिए मौत की धमकियाँ मिलना कोई नई बात नहीं है। कहा जाता है कि समय हर घाव भर देता है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि क्या आप सक्रिय रूप से क्षमा पर काम करते हैं या नहीं। भले ही हम घाव को फैलने से रोकने की कितनी भी कोशिश करें, इसके शरीर के उन हिस्सों पर और भी परिणाम हो सकते हैं जिनकी हमने उम्मीद नहीं की थी। मेरा मानना है कि जब परमेश्वर कहते हैं कि क्षमा पाने के लिए हमें क्षमा करना होगा, तो इसका अर्थ अक्सर शरीर की चंगाई भी होता है। क्षमा एक शारीरिक घाव की सफाई की तरह है जो शरीर को खुद को ठीक करने का अवसर देती है।

इसलिये यदि तुम मनुष्यों के अपराध क्षमा करोगे, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी तुम्हें क्षमा करेगा। परन्तु यदि तुम मनुष्यों के अपराध क्षमा न करोगे, तो तुम्हारा पिता भी तुम्हारे अपराध क्षमा न करेगा।

— मत्ती 6:14

मेरी होने वाली पत्नी का 15 साल की उम्र में जबर्न विवाह कर दिया गया था और विवाह होने से ठीक पहले वह बहुत दुखी थी। इसलिए उसकी माँ उसे और उसकी बहन को एक ईसाई महिला के पास ले गई, जो एक हेयरड्रेसर थी और जिसके पास भविष्यवाणी का वरदान था।

तुम्हारे दो बेटे होंगे... और तुम एक कठिन समय से गुजरोगी, जिसके बाद कई सालों बाद तुम बहुत दूर एक देश में जाओगी। वहाँ तुम्हारी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से होगी जो तुम्हें जीवन में वापस आने में मदद करेगा, जैसे एक जहाज जो डूबने वाला हो लेकिन उसे थाम लिया जाए। तुम्हारे जीवन के पहले 50 साल कठिन होंगे, उसके बाद चीजें बदल जाएंगी।

— मेरी होने वाली पत्नी के लिए भविष्यवाणी

कुछ समय बाद मुझे एहसास हुआ कि कुछ साल पहले मैंने 2015 में लेवांगेर में Vineyard कलीसिया की एक सभा के दौरान पवित्र आत्मा को मुझसे बात करते सुना था।

वह भाग्यशाली है जिसे वह मिलेगी।

— पवित्र आत्मा ने मेरी आने वाली पत्नी के बारे में यह कहा

मैंने इस पर प्रतिक्रिया दी थी, क्योंकि मुझे यह जानने की क्या ज़रूरत थी?! मैं यह 2018 के मध्य तक नहीं समझ पाया था, जब मुझे यह एहसास होने लगा कि पवित्र आत्मा मेरे बारे में बात कर रहे थे कि मैं वह भाग्यशाली व्यक्ति हूँ। इससे मुझे यह स्वीकार करने और समझने में मदद मिलती है कि मेरी आने वाली पत्नी के लिए जो खुशी मैं महसूस करता हूँ, वह केवल मेरी अपनी नहीं है बल्कि परमेश्वर के सामने सही है। विवाह का सम्मान करना न केवल मनुष्यों के बीच बल्कि परमेश्वर के सामने भी महत्वपूर्ण है, वास्तव में और भी अधिक। हमें हर बात में पिता का सम्मान करने की कोशिश करनी चाहिए और किसी के साथ अन्याय नहीं करना चाहिए।

इस साल बहुत कुछ होने वाला है और मुझे अनुभव होता है कि कलीसिया और विश्वास में करीबी दोस्त दोनों ही शक्की हैं और सोचते हैं कि मैं एक स्त्रियों का शिकारी (lady-hunter) हूँ। जो भी हो, मुझे अपने मामले में यकीन है और उसे भी। साथ ही, परमेश्वर हमसे कहते हैं कि हम विवाह के सुखों में भाग नहीं ले सकते क्योंकि हम विवाहित नहीं हैं। क्योंकि यदि हम विवाह के विरुद्ध अपराध करते हैं और उनके शरीर के विरुद्ध पाप करते हैं, तो हम उनके लिए कैसे काम कर सकते हैं?

”सब वस्तुएं मेरे लिये उचित तो हैं, परन्तु सब लाभ की नहीं: सब वस्तुएं मेरे लिये उचित तो हैं, परन्तु मैं किसी बात के अधीन न होऊंगा। भोजन पेट के लिये, और पेट भोजन के लिये है; परन्तु परमेश्वर इस को और उस को दोनों को सत्यानाश करेगा; परन्तु देह व्यभिचार के लिये नहीं, वरन प्रभु के लिये है; और प्रभु देह के लिये है। और परमेश्वर ने अपनी सामर्थ से प्रभु को जिलाया, और हमें भी जिलाएगा। क्या तुम नहीं जानते, कि तुम्हारी देह मसीह के अंग हैं? सो क्या मैं मसीह के अंग लेकर उन्हें वेश्या के अंग बनाऊं? कदापि नहीं! क्या तुम नहीं जानते, कि जो कोई वेश्या से संगति करता है, वह उसके साथ एक तन हो जाता है? क्योंकि लिखा है, कि वे दोनों एक तन होंगे। और जो प्रभु की संगति में रहता है, वह उसके साथ एक आत्मा हो जाता है। व्यभिचार से बचे रहो। **जितने पाप मनुष्य करता है, वे देह के बाहर हैं; परन्तु व्यभिचार करने वाला अपनी ही देह के विरुद्ध पाप करता है।** क्या तुम नहीं जानते, कि तुम्हारी देह पवित्र आत्मा का मन्दिर है; जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है, और तुम अपने नहीं हो? क्योंकि दाम देकर मोल लिये गये हो, इसलिये अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो।” (Standard Hindi Bible Version)

— १ कुरिन्थियों 6:12-20

कुल मिलाकर, हम परमेश्वर की बात सुनने और अपने शरीर से उनका सम्मान करने का विकल्प चुनते हैं और आज भी ऐसा ही करते हैं। बहुत कुछ है जो मैं कह सकता था और जो हुआ उसे साझा कर सकता था। जो भी हो, मुझे पता है कि मुझे और मेरी आने वाली पत्नी को कुछ वर्षों में एक महान उपहार मिलने वाला है। पवित्र आत्मा ने मुझे यह बताया भी है और दिखाया भी है कि यह क्या है। मैं यह इसलिए कह सकता हूँ क्योंकि जिस महिला ने मेरी आने वाली पत्नी से भविष्यवाणी में बात की थी, उसने उसकी बहन के बारे में भी बात की थी और उसने जो कुछ भी कहा था वह सच हुआ है और सही है। जब पवित्र आत्मा ने पहली बार इस बारे में बात की, तो सच कहूँ तो मुझे लगा कि मेरा मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। और लगभग 40 वर्षों की अवधि में परमेश्वर ने जो कुछ बताया है, उसके चार गवाह हैं। जब मैंने कुछ समय पहले निराशा में परमेश्वर से इसकी पुष्टि करने के लिए प्रार्थना की, तो विश्वास में एक बहन को एक सपना आया जो स्पष्ट था कि यह परमेश्वर की ओर से था और है। मैं यह सब साझा क्यों कर रहा हूँ जबकि यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है कि मैं वास्तव में क्या कह रहा हूँ? क्योंकि मैं चाहता हूँ कि जो विश्वास नहीं करते, वे यह देखना शुरू करें कि स्वर्ग में परमेश्वर बहुत अच्छे हैं और सभी के लिए आशा है। हम में से कुछ लोग अंधेरी घाटियों से गुजरते हैं और मैं जो कुछ मैंने देखा और सुना है, उसकी गवाही देना चाहता हूँ बजाय इसके कि उसे सिर्फ अपने भीतर रखूँ। इसका मतलब हमेशा यह नहीं होता कि मैं सब कुछ कह सकता हूँ, क्योंकि कुछ चीजें निजी होती हैं और उन्हें साझा नहीं किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यह एक संतुलन का कार्य है। जो भी हो, परमेश्वर ने एक अद्भुत दुनिया बनाई है और अपने वचन और पवित्र आत्मा के माध्यम से हमारे प्रति अपना प्रेम दिखाते हैं। यदि हम उन्हें ऐसा करने दें, तो वे उतार-चढ़ाव के दौरान हमारी रक्षा करते हैं (भजन संहिता 23:4)। वे तूफानों के बीच हमारे हृदयों की रक्षा करते हैं और समर्पण के साथ हमारी स्तुति के पात्र हैं।

जिस नबी ने मेरी आने वाली पत्नी से बात की थी, वह तीसरी गवाह है और उसने 35 साल पहले इसी बारे में बात की थी। दूसरी गवाह मेरी आने वाली पत्नी है और उसने खुद वह उपहार देखा है जो हमें मिलने वाला है और वह इससे हैरान थी, लेकिन परमेश्वर वास्तव में हम पर दयालु रहे हैं। यह लिखते समय मैं थोड़ा रहस्यमयी हूँ, लेकिन सब कुछ सार्वजनिक रूप से साझा करना सही नहीं है।

मेरे पांच बच्चे हैं और मैं पहले से ही जानता हूँ और परमेश्वर ने मुझे दिखाया है कि इस संबंध में भी मेरे सामने क्या है। हर कोई इस गवाही को तब तक स्वीकार नहीं करेगा जब तक कि यह हो न जाए, लेकिन मैं इसका कुछ हिस्सा बता रहा हूँ ताकि बाद में कोई मुझे गलत न ठहरा सके। मैंने वास्तव में इसमें पवित्र आत्मा का विरोध किया क्योंकि यह मेरे लिए इतना शक्तिशाली था और पवित्र आत्मा ने जो दिखाया उसके कारण मैं अपने उद्धार के बारे में अनिश्चित हो गया था। कभी-कभी जब परमेश्वर भविष्य की घटनाओं को दिखाते हैं तो यह एक झटके जैसा होता है, खासकर जब यह इतना व्यक्तिगत और करीबी हो। और उस समय मैंने अपने स्वयं के उद्धार पर प्रश्न चिह्न लगा दिया था। जो भी हो, परमेश्वर अच्छे हैं। दैनिक जीवन में अपने बच्चों की निकटता खोना एक दुख था, इसलिए मैं परमेश्वर का बहुत आभारी हूँ और जो होने वाला है उसके लिए आनंदित हूँ। यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मेरी आने वाली पत्नी अपनी स्थिति के कारण खुद ज्यादा बात नहीं करना चाहती, इसलिए बात ऐसी ही है। मैं आशा और प्रार्थना करता हूँ कि हम वह सब करने में सक्षम हों जो परमेश्वर हमसे आगे करने के लिए कहते हैं।

जब कोई नॉर्वे में शरण के लिए 11 साल तक इंतजार करता है, तो वह कई परीक्षाओं से गुजरता है। परमेश्वर उसके प्रति बहुत दयालु रहे हैं और कुछ साल पहले लेवांगेर के प्रार्थना केंद्र (Bønnesenteret) में हाथ रखकर प्रार्थना करने से उसके पैर की चंगाई हुई। लगभग 10 साल की उम्र से ही मासिक धर्म के दौरान उसे होने वाला दर्द भी लगभग 3 साल पहले प्रार्थना के बाद गायब हो गया (याकूब 5:16)। और वह मानसिक रूप से भी बेहतर और बेहतर हो रही है। वह एक सक्रिय और सामाजिक महिला है जो अपने स्थानीय समुदाय में बहुत योगदान देती है और उसका बेटा 13 जून 2022 को 6 साल की पढ़ाई के बाद डॉक्टर के रूप में स्नातक हुआ।

शुरुआत में मेरी आने वाली पत्नी का एक बेटा मुझसे खुश नहीं था। इसी बात पर मुझे याद आया, मेरी आने वाली पत्नी ने एक दिन मुझे बताया कि कैसे 10 साल से भी पहले उसे परमेश्वर से प्रोत्साहन मिला था। इसमें उसने अपने एक बेटे को दाढ़ी और सफेद कोट में एक गलियारे में खड़े देखा, जैसे कि एक डॉक्टर हो। यह उसे तब दिखाया गया था जब वे तुर्की में थे जहाँ उसके बेटे के पास स्कूल जाने और शिक्षा प्राप्त करने का कोई मौका नहीं था। मैं इसे अभी थोड़ा सरलता से बता रहा हूँ, लेकिन उनके जीवन के इस समय में यह निश्चित रूप से आसान नहीं था, इसलिए परमेश्वर के पास उसे प्रोत्साहित करने का एक अच्छा कारण था। ऐसी चीजों को होते देखना थोड़ा विशेष है, लेकिन बाद में मैं समझ गया कि पवित्र आत्मा ने क्यों कहा था कि मैं भाग्यशाली हूँ कि वह मुझे मिलेगी। अक्सर मैं पवित्र आत्मा के शब्दों को तभी समझ पाता हूँ जब मैं उन्हें होते हुए देखता हूँ और यह महीनों या सालों बाद हो सकता है। यह थोड़ा विडंबनापूर्ण है, लेकिन मेरी पूर्व पत्नी मेरी गलतियाँ खोजने में लगी रहती थी, न कि इस बात में कि जो मैं वास्तव में कर रहा था उससे परमेश्वर प्रसन्न थे। पवित्र आत्मा द्वारा सुधारे जाने की तुलना में लोगों द्वारा मेरे व्यवहार के लिए मेरी अधिक आलोचना की गई है। लेकिन पवित्र आत्मा द्वारा मुझे सुधारा गया है, बस इतना स्पष्ट रहे। और ऐसा कई मौकों पर हुआ है।

अपनी आने वाली पत्नी के साथ बिताए समय के बाद मैं देखता हूँ कि वह एक सुसमाचार प्रचारक (evangelist) है और सुसमाचार साझा करने के प्रति उसमें परमेश्वर की ओर से आग और प्रेम है। वह स्वभाव से बहुत सामाजिक है और एक संसाधन संपन्न व्यक्ति है। परमेश्वर ने आखिरी बार उससे तब बात की थी जब हम ओयगार्डन (Øygarden) से जाने से एक सप्ताह पहले सोत्रा (Sotra) के सार्टोर सेंटर

(Sartor Senter) में Tremorkirken में थे। वहाँ परमेश्वर ने उसे दिखाया कि हमें 5 महीने में एक साथ काम करना शुरू करना चाहिए और यह 19 जून 2022 की बात है। यह पहली बार है जब पिता ने उससे बात की और उसे एक तारीख दी, ठीक वैसे ही जैसे हमने इसके होने से कुछ दिन पहले मिलकर प्रार्थना की थी। पिता ने हमारी सुन ली है, बिल्कुल अद्भुत! इसका मतलब यह नहीं है कि चीजें हमेशा आसान होती हैं, लेकिन जो आने वाला है उसके लिए मुझे बहुत शांति और खुशी है। जो भी हो, अब मैं घटनाओं से थोड़ा आगे बढ़ रहा हूँ। लेकिन मैं अपनी आने वाली पत्नी के बारे में थोड़ा साझा करना चाहता था ताकि आप उसके बारे में थोड़ा जान सकें।

मेरी और मेरी आने वाली पत्नी की दोस्ती के शुरुआती दौर में 2018 के आसपास, पवित्र आत्मा मुझे दिखाते हैं कि उसे फर्श पर होना चाहिए। मैं नहीं समझ पाया कि इसका क्या मतलब है, लेकिन कुछ ही समय बाद जब मैं उसके लिए प्रार्थना करता हूँ, तो वह फर्श पर मेरी बाहों में गिर जाती है और सो जाती है। मैंने अपनी प्रार्थना पूरी होने तक जारी रखी और जब वह अंततः जागी, तो वह एक नवजात शिशु की आँखों में देखने जैसा था। मैं उस अनुभव को नहीं भूलता, लेकिन मुझे वास्तव में नहीं पता कि वहाँ क्या हुआ था सिवाय इसके कि मेरा मानना है कि वह एक प्रकार की शुद्धि थी जिससे वह गुजर रही थी। मुझे पता है कि इसकी भविष्यवाणी की गई थी और यह आवश्यक था, और जब वह सो रही थी तो मैंने उसके ऊपर अन्य भाषाओं (tongues) में प्रार्थना की क्योंकि मैं जानता हूँ कि तब आत्मा प्रार्थना करती है न कि हमारी बुद्धि (रोमियों 8:26)।

मैं यह भी जोड़ना चाहता हूँ कि उसका बेटा और भाई Ole Martin, जो कि दो 'पवित्र लोग' हैं, मेरे पास आए और इस साल मेरी तुलना एक स्त्रियों के शिकारी (lady-hunter) से की। लोगों ने मेरी और मेरी आने वाली पत्नी के बारे में मेरी पीठ पीछे झूठ भी बोला था और वे घबराए हुए थे कि जो हो रहा है वह सही है या नहीं। न ही उसने हमारे मिलने से पहले जो कुछ भी किया था, उसमें परमेश्वर के सामने वह सब सही किया था, और यह मुलाकात भी उसी का परिणाम थी। उसका बेटा उसके लिए चिंतित था। हम सभी अपने अतीत का परिणाम हैं और जब हम सत्य के पास आते हैं तो हमें डर और कांपना छोड़ना पड़ता है। यह मुझ पर उतना ही लागू होता है जितना मेरे भाइयों और बहनों पर। जब हम अपने ही लोगों पर आरोप लगाते हैं, तो वे उचित होने चाहिए और प्रेम के साथ उनके पास जाना चाहिए। यहाँ ऐसा नहीं हुआ, लेकिन मैं उसे एक अच्छे भाई के रूप में जानता हूँ और अब यह ठीक है कि उसने थोड़ी मर्यादा लांघी, लेकिन यह पूरी तरह अनावश्यक था। मेरी आने वाली पत्नी पर अगले 6 हफ्तों तक मुझसे दूर रहने के लिए व्यावहारिक रूप से दबाव डाला गया। इस तरह से आरोपित होना एक झटका था और इस अवधि के दौरान मेरी ऊर्जा पूरी तरह खत्म हो गई थी। तभी पवित्र आत्मा ने मुझसे बात की और मुझे विशेष रूप से एक नाम दिया जिससे मैं आज भी प्रसन्न होता हूँ। इतना ही नहीं, पवित्र आत्मा ने मुझे चेतावनी भी दी और कहा कि मैं और मेरी आने वाली पत्नी बाद में गड़बड़ करेंगे। जो हमने किया भी और फिर उससे मुड़ भी गए। पवित्र आत्मा से सांत्वना और चेतावनी दोनों मिलना कुछ ऐसा ही था। इस समय की एक मजेदार बात यह थी कि मैं हर रात 9-10 घंटे सोता था और विडंबना यह है कि HUNT अनुसंधान केंद्र में मेरी नौकरी पर इसका क्या प्रभाव पड़ा। मस्तिष्क को रात में अच्छी नींद मिली और मैंने काम पर वास्तव में शानदार प्रदर्शन किया। अब कोई सवाल कर सकता है कि क्या मैंने अब तक काम में कम प्रदर्शन किया था, लेकिन मैं ऐसा नहीं कह सकता क्योंकि जो कुछ भी मैंने किया वह सफल रहा और ओडगेयर मेरे काम से बहुत संतुष्ट थे। मैं उनकी ज़रूरत की हर चीज़ को समझने में सक्षम था, उन महत्वपूर्ण गलतियों को ढूँढा और ठीक किया जो मेरे समय से पहले से थीं, और उपकरण विकसित किए और मुझसे जो अपेक्षा थी उससे कहीं अधिक किया। मैंने 'लोक स्वास्थ्य संस्थान' (Folkehelseinstituttet) के लिए हमारे एक प्रोजेक्ट पर भी काम पूरा किया और बाद में भी ऐसा ही किया। तकनीकी रूप से सब कुछ बेहतरीन रहा और मुझे काम में बहुत मज़ा आया क्योंकि मैंने HUNT में काम करते समय Golang भी सीखी।

Chapter 33

अनुसंधान केंद्र (2019)

2019 के मध्य की बात है और मैं Levanger में HUNT Forskningscenter में एक सिस्टम डेवलपर के रूप में अपनी प्रोजेक्ट पोस्टिंग पूरी कर चुका हूँ। अब मैं एशिया की एक यात्रा पर जा रहा हूँ और एक पादरी के साथ पहाड़ों में पादरियों के एक समूह के पास जा रहा हूँ ताकि उनके साथ वचन साझा कर सकूँ और उनके साथ काम कर सकूँ (मत्ती 28:19)।

इन एशियाई देशों में से एक में रहने के दौरान, पवित्र आत्मा ने मुझसे कुछ विशेष अवसरों पर बात की, जहाँ मुझे लोगों के लिए नसीहत के साथ उनकी वाणी (मुख) बनने का साहस करना पड़ा। एक बार तब हुआ जब कलीसिया के प्राचीनों में से एक ने इसके विरुद्ध अपराध किया था। मुझे इसके बारे में पता नहीं था लेकिन अपनी आत्मा में मैं इसे गहराई से महसूस कर रहा था, इससे पहले कि मैंने इसे अपनी आँखों से देखा। दूसरी बार तब हुआ जब एक मसीही डॉक्टर बीमार थे और ज़मीन से थोड़ा ऊपर एक स्ट्रेचर पर पूरी तरह से लकवाग्रस्त पड़े थे। उनसे मूत्र की दुर्गंध आ रही थी। पवित्र आत्मा ने मुझे बताया कि यह स्थिति स्वयं के कारण आई थी और मुझे आज्ञा मानकर उन्हें यह बताना पड़ा। उनकी आँखों से आँसू बहने लगे और उन्होंने स्वीकार किया कि जो मैंने कहा वह सही था और उन्होंने माना कि उन्होंने क्या किया था (याकूब 5:16)। हमने उनके लिए प्रार्थना की और उसी क्षण से उनकी चंगाई शुरू हुई और कुछ महीनों बाद वह फिर से अपने पैरों पर खड़े हो गए। वह एक वृद्ध व्यक्ति थे और दुर्भाग्य से उसके कुछ समय बाद उनका निधन हो गया, हालाँकि वह लकवे से पूरी तरह ठीक हो चुके थे।

मिशन यात्रा के बाद मैं वापस आया और नौकरियों के लिए आवेदन करना शुरू किया। मुझे विभिन्न साक्षात्कारों (interviews) के लिए आमंत्रित किया गया लेकिन कुछ बात नहीं बनी। आठ महीनों के बाद मैंने थोड़ी हार मान ली और एक नए उत्पाद के लिए अपने एक विचार का परीक्षण करने की प्रक्रिया शुरू की। मैं Verdal में नगर पालिका द्वारा नियुक्त एक तीसरे पक्ष, Proneo AS के माध्यम से इसका मूल्यांकन करता हूँ। मैं उनके पास अपने द्वारा विकसित किए गए कार्य की पूरी रिपोर्ट और नए उत्पाद के विचार के साथ गया। प्रबंधक हैरान लग रहे थे और उनके पास जो प्रश्न तैयार थे, उनके उत्तर मेरी रिपोर्ट में पहले से ही दिए गए थे।

Proneo ने उस विचार को मंजूरी दे दी और मैंने सहायता के लिए NAV में आवेदन किया (नीतिवचन 16:3)। यह विचार किस बारे में है? यह एक नए उत्पाद के बारे में है जो लोगों को डिजिटल पुस्तकें बनाने में मदद करेगा और इसे स्वयं लिखी गई या खरीदी गई शब्दकोशों के साथ जोड़ेगा, जो ऑनलाइन बिक्री या डिजिटल वितरण के लिए होगा। बाजार में वर्तमान में ऐसा कोई उपकरण उपलब्ध नहीं है जिसकी मुझे जानकारी हो। हम 2012 की बात याद करते हैं जब Kvinneforum Nordhordland ने भविष्यसूचक रूप से कहा था कि मैं शायद कुछ ऐसा नया करूँगा जो पहले किसी और ने नहीं किया था; चीजों को एक साथ बुनना। यह पुराने प्रकाशन इंजन (publication engine) के साथ भी अच्छी तरह मेल खाता है।

कुछ हफ्तों के प्रोसेसिंग समय के बाद मुझे आवेदन की स्वीकृति मिल गई और अब मैं अपने होम ऑफिस से एक साल का विकास कार्य शुरू करता हूँ। मैंने पहले लिखा था कि दिसंबर 2017 में परमेश्वर ने मुझसे कहा था कि दो साल का परिपक्वता का समय होगा (सभोपदेशक 3:1)। अब मुझे समझ आया कि जब

मैंने आवेदन प्रक्रिया शुरू की थी, तब दो साल बीत चुके थे। और NAV से सहायता लगभग उसी दिन मिली जिस दिन नॉर्वे में लॉकडाउन लगा। मुझे यह बात प्रभावित करती है कि नए उपकरण पर काम शुरू करने का समय वही है जब बेरोजगारी भत्ते (dagpenger) की अवधि बढ़ाई गई थी और इसके साथ ही भत्ते पर छुट्टियों के पैसे (feriepenger) भी मिलने लगे थे।

अब मैं एक साल से घर से काम कर रहा हूँ और इसी दौरान सरकार बेरोजगारों के लिए अतिरिक्त सहायता लागू कर रही है। और NAV से बारह महीने के घर से काम करने की सहायता मिलने से ठीक पहले, मैंने सपना देखा कि मैं अपना एक कमरा साफ कर रहा हूँ। लगभग उसी समय मेरी होने वाली पत्नी ने सपना देखा कि वह मेरे लिविंग रूम में बहुत सारे कार्टन (डिब्बे) देख रही है। मुझे समझ नहीं आया कि इसका क्या मतलब है और मुझे यह सब थोड़ा अजीब लगा। मेरी होने वाली पत्नी ने सुझाव दिया कि हमें एक बेडरूम का उपयोग होम ऑफिस के रूप में करना चाहिए और हम उसे खाली करने लगे। हमने मेरा बिस्तर लिविंग रूम में स्थानांतरित कर दिया और साथ ही लिविंग रूम और अटारी (kneloftet) की सफाई भी की। जब मैंने लिविंग रूम के फर्श पर उन सभी गत्ते के डिब्बों को देखा और बेडरूम साफ हो गया था, तब मुझे समझ आया कि परमेश्वर ने क्या किया है। पिता ने दो साल पहले इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की थी और साथ ही हमें इसकी शुरुआत भी दिखाई थी। परमेश्वर के साथ के बिना ऐसा प्रोजेक्ट हाथ में लेने में मुझे घबराहट होती है, और बाद में मुझे इस बात से राहत मिली कि पिता ने मुझे यह पहले ही दिखा दिया था (फिलिप्पियों 1:6)।

इस वर्ष मैंने अपने पिता के लिए भी एक गहरी बेचैनी महसूस की। वह मुझसे मिलने आए थे, और तब मुझे लगा कि कुछ गंभीर रूप से गलत है। मैंने उनसे कहा कि मैं उन्हें अपने घर के ठीक पास वाली नदी में बपतिस्मा देना चाहता हूँ। दुर्भाग्य से उन्होंने इसके लिए तुरंत मना कर दिया और फिर वह फिलीपींस चले गए। उस समय मुझे अपने पिता के लिए मन में शांति नहीं थी (रोमियों 9:1-2)।

Chapter 34

अनुसंधान केंद्र (2020)

यह 2020 की शुरुआत है और मैं अपने उत्पाद के पायलट संस्करण को पूरा करने के लिए काम कर रहा हूँ। चीजें काम करने लगी हैं, लेकिन साथ ही मैं थोड़ा चिंतित भी हूँ कि जब NAV से मिलने वाली सहायता बंद हो जाएगी और मेरे पास न तो नौकरी होगी और न ही पैसा, तब क्या होगा। और इसी समय विश्वास में एक बहन, जो अमेरिका में अपने पति के साथ काम करती हैं और एक पादरी दंपति का हिस्सा हैं, फेसबुक पर मुझसे संपर्क करती हैं। वह मुझे बताती हैं कि मैंने फेसबुक पर कुछ ऐसा पोस्ट किया है जो सही नहीं है। मैं इसके लिए उन्हें धन्यवाद देता हूँ और फिर उस पोस्ट को हटा देता हूँ। वह मेरी नम्रता देख कर चकित रह गई और अचानक पवित्र आत्मा उनसे बात करते हैं और उन्हें मेरे लिए एक आर्थिक सफलता (economic breakthrough) दिखाते हैं। वह यह भी बताती हैं कि परमेश्वर ने भविष्य में उनके लिए मेरे काम के संबंध में मेरी प्रार्थनाएँ सुन ली हैं। मैं सोच में पड़ जाता हूँ कि इसका क्या मतलब हो सकता है, लेकिन सचेत रूप से आगे जो होने वाला है उसके प्रति शांत रहने की कोशिश करता हूँ, जो हमेशा इतना आसान नहीं होता। यह कहना होगा कि मैंने आने वाले समय में खुद को संभालने के लिए कई संभावित परिदृश्यों पर विचार किया था, लेकिन परमेश्वर ने मुझे मिले दो स्वप्नों के माध्यम से मेरी सही जगह दिखाई। एक स्वप्न में, मैं Vasa जहाज को बंदरगाह से निकलते हुए देखता हूँ और उसके तुरंत बाद वह डूब जाता है। दूसरे स्वप्न में, मैं एक ऊँचे आयताकार कमरे में उड़ रहा हूँ और एक शिकायत करने वाले सुपरमैन की तरह व्यवहार कर रहा हूँ जहाँ मैं अंदर ही अंदर उड़ रहा था। मैं समझ गया कि परमेश्वर मुझे दिखा रहे हैं कि आने वाले समय के लिए योजना बनाने की कोशिश करना व्यर्थ है और मुझे इस समय के लिए यहाँ रखा गया है और मुझे उस स्थान के बारे में शिकायत नहीं करनी चाहिए जहाँ उन्होंने मुझे रखा है (यशायाह 55:8-9)। यह बात मुझे सांत्वना भी देती है।

NAV से मिलने वाली सहायता समाप्त होने से ठीक पहले का समय है जब मैं Oddgeir से संपर्क करता हूँ। यह पता चलता है कि इस साल मुझे HUNT से एक ठोस कंसल्टेंसी का काम मिलता है और साथ ही मेरे द्वारा प्रकाशित प्रकाशनों की बिक्री पर रॉयल्टी भी मिलती है। दूसरे शब्दों में, सब कुछ आर्थिक रूप से ठीक हो जाता है (फिलिप्पियों 4:19)। यह भी जोड़ा जा सकता है कि अनुसंधान केंद्र के लिए मैंने इस वर्ष जो उत्पाद बनाया था, वह अब उनके Aldring i Trøndelag (AiT) और COVID-प्रोजेक्ट में उपयोग किया जा रहा है जो दो साल तक चलना है, और वह इच्छानुसार काम कर रहा है:

यह बिल्कुल त्रुटिहीन रूप से काम करता है।

— Oddgeir Holmen की प्रतिक्रिया

बच्चों के साथ सब ठीक चल रहा है, लेकिन हम सबको एक दिन परमेश्वर के सामने अपने जीवन और अपने जीवनसाथी के प्रति लिए गए निर्णयों और अन्य पवित्र लोगों (De Hellige) के प्रति अपने व्यवहार का हिसाब देना होगा (रोमियों 14:12)। ऐसी कुछ चीजें हैं जिन्हें मुझे अपनी पूर्व पत्नी और बच्चों के संबंध में अलग दृष्टिकोण से देखना चाहिए था, लेकिन तलाक इसका हिस्सा नहीं है।

इस साल Levanger में शरणार्थी शिविर (asylmottak) बंद हो जाता है। मेरी होने वाली पत्नी को एक नए शरणार्थी शिविर में स्थानांतरित कर दिया जाता है, जिसके लिए वह थोड़ी डरी हुई थी क्योंकि

परमेश्वर ने उसे चेतावनी दी थी कि आने वाले समय में चीजें कुछ कठिन होंगी। साथ ही, परमेश्वर ने यह भी संकेत दिया कि प्रतीक्षा का समय समाप्त हो गया है, भले ही हमें इसके लिए कोई निश्चित समय नहीं दिया गया। हमें धैर्य रखना चाहिए (इब्रानियों 10:36)। इस साल की शुरुआत में मैंने कागजात इकट्ठे किए थे और नॉर्वे में उसके सुसमाचार प्रचार के कार्य का दस्तावेजीकरण किया था। इसे Norsk Organisasjon for Asylsøkere (NOAS) को भेजा गया है। इसमें पांच अलग-अलग दंपतियों और Sharon के बेटे के पत्र हैं जो इस कार्य में उसकी पुष्टि करते हैं। अपेक्षित कार्यवाही का समय अधिकतम बारह महीने और उम्मीद नौ महीने की थी, लेकिन आज की तारीख तक हम UNE से बिना किसी प्रतिक्रिया के अठारहवें महीने में हैं।

2019 में Bjørn के लिए जो बेचैनी महसूस हुई थी, उसकी पुष्टि इस साल हो गई। जब वह फिलीपींस में था, तब दुर्घटनावश उसे गोली मार दी गई। डॉक्टरों का कहना है कि अगर गोली पसली से टकराकर शरीर के अंदर अपनी दिशा नहीं बदलती, तो उसकी मृत्यु निश्चित थी। उनका मानना था कि उसे स्वर्गदूतों से सहायता मिली होगी (भजन संहिता 91:11) और यह स्पष्ट रूप से एक चमत्कार था कि वह जीवित बच गया। मैं उसके जाने से पहले उसे नदी में बपतिस्मा देना चाहता था, लेकिन उसने इसके लिए मना कर दिया था। अब मैं समझता हूँ कि उसके लिए मैंने जो बेचैनी महसूस की थी वह वास्तविक थी और मैं इस बात को लेकर आश्चस्त नहीं था कि वह वास्तव में उस समय तक परमेश्वर के हाथों में था या नहीं। मुझे आशा है कि यदि कोई उससे पूछे, तो वह इस बात को स्वीकार करने के लिए पर्याप्त नम्र होगा, बपतिस्मा और उससे पहले जो कुछ भी हुआ, दोनों के बारे में। किसी भी तरह से, यह उसकी गलती नहीं थी और वह अपने बगल में बैठे व्यक्ति की हत्या के प्रयास का शिकार हुआ था। उसका मकसद आर्थिक कर्ज से छुटकारा पाना था।

Chapter 35

Publifye AS (2021)

हम 2021 में पहुँच चुके हैं और मैं उस वर्ष के अंत में हूँ जब NAV ने मेरे कार्य में मेरा समर्थन किया था। मैं अब Publifye AS की स्थापना कर रहा हूँ। भविष्य में, मुझे विश्वास है कि बहुत से लोग इस उत्पाद और इसके पीछे के संसाधनों से प्रसन्न होंगे। यह एक ऐसा उपकरण है जो स्कूलों और संगठनों के साथ-साथ व्यक्तियों को सीखने और पढ़ने के प्रति अधिक जुड़ाव पैदा करने का अवसर देता है (रोमियों 11:29)। इसके साथ, शिक्षक और छात्र शब्दकोशों से युक्त अपने स्वयं के लेख लिखने में सक्षम होंगे, जो कि बाज़ार में पूरी तरह से नया है। इसे बनाने में लगा ज्ञान वह अनुभव है जो मुझे हज़ारों डिजिटल पुस्तकें बनाने से मिला है, जिनमें लाखों लिंक्स, कई वितरक और तकनीकी समाधान शामिल थे।

जब 2014 में USA से प्रस्थान करने से पहले मुझ पर भविष्यवाणी की गई थी, तब एक नबी ने मुझसे कहा था कि मैं रचनात्मक हूँ और यह सच है। यह भी कहा गया था कि मेरे सामने एक कठिन समय आने वाला है। लेकिन, मुझे चीज़ें बनाना पसंद है और मैं यह देखने में सक्षम हूँ कि इसे कैसे करना है, और यह हमें एक कठिन दौर से बाहर निकालने में मदद करेगा (नीतिवचन 16:3)।

जहाँ तक मेरे अपने पिता की बात है। जब वे इस वर्ष मिलने आए, तो मैंने उनसे सीधे बात की और उनसे यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेने का आग्रह किया। वे संशय में थे लेकिन अंततः उन्होंने 'हाँ' कह दी और मेरे और मेरी होने वाली पत्नी द्वारा Levanger की नदी में उन्हें बपतिस्मा दिया गया। मैं स्वयं अनिश्चित था कि क्या यह सही था, इसलिए मैंने परमेश्वर से संकेत माँगा। तब जो हुआ वह यह था कि विश्वास में एक बहन, जिनका नाम Maryam है, उन्होंने मेरे पिता का एक दर्शन देखा—पहले एक जेल में और फिर उन्होंने उन्हें जेल के बाहर देखा। उन्होंने मल्लाह की टोपी पहनी हुई थी, उनकी सफेद दाढ़ी थी और यीशु और मैं उनके पीछे एक साथ खड़े थे। Maryam मेरे पिता से कभी नहीं मिली थीं और न ही उन्हें पता था कि वे एक नाविक रहे थे, और न ही यह कि उनकी सफेद दाढ़ी थी, इसलिए इसने मुझे बहुत ढाढस बंधाया। Maryam ने मुझे उनके बपतिस्मे से ठीक पहले एक संदेश भी भेजा जिसमें उन्होंने कहा कि मेरे पिता संभवतः इस सप्ताहांत में बपतिस्मा लेंगे। सब कुछ बिल्कुल सटीक बैठा। Maryam की ओर से मिला वह चित्र स्पष्ट था कि परमेश्वर ने बपतिस्मे के माध्यम से मेरे पिता को आज़ाद कर दिया है (रोमियों 6:4) और यह मेरे लिए पर्याप्त पुष्टि थी।

मेरे पिता की अब दिवंगत पत्नी, Ragnhild ने भी अपनी मृत्यु से कुछ महीने पहले यीशु के उपहार को स्वीकार कर लिया था। उस समय, परमेश्वर ने मेरे हृदय में यह बात डाली थी कि उनके देहांत से ठीक पहले मैं Bergen जाऊँ। मुझे याद है जब मैं उनके नर्सिंग होम के कमरे में गया, तो वे मेरे सामने सूरज की तरह चमक उठीं। उन्होंने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा संघर्षों में बिताया था, इसलिए उन्हें इस रूप में देखना अद्भुत था और मुझे पूरा विश्वास है कि उस दिन कमरे में हमारे साथ स्वर्गदूत थे। मैंने उनके साथ सुसमाचार साझा किया और उन्होंने यीशु को ग्रहण किया। एक व्यक्ति के लिए यीशु को 'हाँ' कहना और नया जन्म (यूहन्ना 3:3) प्राप्त करना संभव है, भले ही मस्तिष्क यह न समझ पाए कि क्या हो रहा है, क्योंकि मैंने स्वयं इसका अनुभव किया है। और मुझे विश्वास है कि परमेश्वर अपने अनुग्रह और शक्ति में अपने वादे को पूरा करते हैं और Ragnhild और मेरे पिता दोनों को अपने सुरक्षित हाथों में थामे रखते हैं (फिलिप्पियों 1:6)।

हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, कि उसने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आत्मिक आशीष दी है। जैसा उसने हमें जगत की उत्पत्ति से पहले उसमें चुन लिया, कि हम उसके सम्मुख पवित्र और निर्दोष हों। और उसने अपनी इच्छा के भले अभिप्राय के अनुसार हमें अपने लिये पहले से ठहराया कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र हों, कि उसके उस अनुग्रह की महिमा की स्तुति हो, जिसे उसने हमें उस प्रिय में बहुतायत से दिया। हमें उसमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् अपराधों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है। जिसे उसने सारे ज्ञान और समझ के साथ हम पर बहुतायत से बरसाया, क्योंकि उसने अपनी इच्छा का भेद हमें बताया, उसी भले अभिप्राय के अनुसार जिसे उसने उसमें ठान लिया था। कि समय के पूर्ण होने का ऐसा प्रबन्ध हो कि जो कुछ स्वर्ग में है और जो कुछ पृथ्वी पर है, सब कुछ वह मसीह में एकत्र करे। उसी में हम भी मीरास हुए, और उसी के संकल्प से जो अपनी इच्छा के मत के अनुसार सब कुछ करता है, हम पहले से ठहराए गए। ताकि हम जिन्होंने पहले से मसीह पर आशा रखी थी, उसकी महिमा की स्तुति का कारण हों। और उसी में तुम पर भी जब तुमने सत्य का वचन सुना, जो तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है, और जिस पर तुमने विश्वास किया, **प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा की छाप लगी। वह हमारी मीरास का बयाना है कि परमेश्वर की निज प्रजा का छुटकारा हो, और उसकी महिमा की स्तुति हो।**

— एफिसियों 1:3-14

यह वही वर्ष था जब मेरी होने वाली पत्नी को परमेश्वर से एक दर्शन मिला कि अब चीज़ें बेहतर होंगी और क्षितिज पर उजाला है, जिसकी पुष्टि जून 2022 में Sotra के Tremorkirken में परमेश्वर द्वारा ठोस रूप में की गई।

कुछ कलीसियाएँ ऐसी हैं जो परमेश्वर की इच्छा और उनके आत्मिक उपहारों की खोज करती हैं, लेकिन मैं कलीसिया में परमेश्वर की आत्मा द्वारा संचालित ईश्वरीय संतों को देखने की तीव्र लालसा महसूस करता हूँ। दुर्भाग्य से, कई कलीसियाएँ ऐसी हैं जो परमेश्वर की शक्ति और पवित्र आत्मा को नकारती हैं:

वे भक्ति का रूप तो धरे रहेंगे, पर उसकी शक्ति को न मानेंगे; ऐसों से परे रहना।

— 2 तीमुथियुस 3:5

कलीसिया परमेश्वर की शक्ति के बिना सुसमाचार के आगे बढ़ने की आशा कैसे कर सकती है (1 कुरिन्थियों 4:20)? लोग नहीं जानते कि वे क्या खो रहे हैं, क्योंकि हम परमेश्वर की नहीं बल्कि अपनी खोज करते हैं। भले ही बाहर से सब कुछ ठीक दिखे, लेकिन यह मृत्यु के समान है (रोमियों 8:6)। उद्धार के बाद, मेरे मन में एक कड़वा अनुभव था कि मैं पहले Den Norske Kirke में रहा था लेकिन मुझे यह सत्य नहीं बताया गया कि मुझे अपने मुँह से अंगीकार करना चाहिए, विश्वासियों का बपतिस्मा लेना चाहिए और संतों द्वारा हाथ रखने के माध्यम से आशीर्ष प्राप्त करनी चाहिए (रोमियों 10:9-10)।

Chapter 36

आगे का मार्ग (2022)

हम 2022 के मध्य में हैं और मैं अपनी भावी पत्नी के निवास अनुमति (residence permit) मिलने का इंतज़ार कर रहा था ताकि हम साथ मिलकर सेवा कार्य शुरू कर सकें। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और Tingtretten उसके मामले के प्रति बिल्कुल भी संवेदनशील नहीं थी। इसलिए, मैं कह सकता हूँ कि हम दोनों ने करीब एक साल पहले सपना देखा था कि मामले की कार्यवाही «साफ-सुथरी» नहीं होगी, यदि इसे इस तरह कहा जा सके। लेकिन इसके बावजूद मेरे मन में शांति है (फिलिप्पियों 4:7), हालाँकि सच कहूँ तो यह Den Norske Stat द्वारा एक विश्वासघात जैसा महसूस हुआ। और सपने ने हमें यही दिखाया था कि मामला सुलझाने की यह प्रणाली एक गंदे नाले (avløpsrør) की तरह थी।

एक शरणार्थी (asylsøker) को पहले हर महीने मुश्किल से दो हजार क्रोनर मिलते थे, लेकिन अब यह बढ़कर तीन हजार हो गए हैं। इसमें भोजन, कपड़े और परिवहन का खर्च शामिल होना चाहिए। मैं ऐसे शरणार्थियों को जानता हूँ जिनकी बिजली तब कट जाती है जब वे पानी गर्म करने की केतली (kettle) का उपयोग करते हैं, क्योंकि वे एक ही घर में बहुत अधिक संख्या में रहते हैं। और सर्दियों में, उन्होंने कई दिनों तक मुख्य हीटिंग (main heating) खोने का अनुभव किया है और उन्हें अतिरिक्त गर्म कपड़े पहनने पड़े हैं और बेडरूम में एक छोटे हीटर से काम चलाना पड़ा है। उन्हें आमतौर पर कई लोगों के साथ बेडरूम और बाथरूम साझा करना पड़ता है। इसके बावजूद, यह कहना मुश्किल है कि हम धन्य नहीं हैं, क्योंकि हम वास्तव में धन्य हैं। हमने लोगों के साथ मिलकर समय साझा किया है, चर्चा की है, परमेश्वर की खोज की है, आनंद मनाया है, कलीसिया गए हैं और वह कई वर्षों से कलीसिया के भीतर और बाहर एक स्वयंसेवक कार्यकर्ता के रूप में काम कर रही है। उसने Den Norske Kirke, Levanger में Vineyard में काम किया है, वृद्धाश्रमों में बुजुर्गों की मदद की है, और वहाँ तथा Trondheim में Sanitetsforeningen की सदस्य रही है। वह जहाँ भी होती है, लोगों के साथ सुसमाचार साझा करने में सक्रिय रहती है और यदि हम अपने समय, संसाधनों और निजी जीवन के प्रति आज्ञाकारी रहते हैं, तो भविष्य में हमारा सुसमाचार प्रचार का कार्य और बढ़ेगा। हमने साथ मिलकर लोगों को बपतिस्मा दिया है और वह सभाओं में भी भाग लेती है और USA सहित पूरी दुनिया के पास्टर जोड़ों के साथ वीडियो मीटिंग के माध्यम से विवाह पाठ्यक्रमों (marriage courses) में भी भाग लेती है।

जून 2022 में Øygarden की एक केबिन यात्रा के दौरान, मैं Øygarden में एक युवा लड़के से मिला, जिसने बताया कि उसकी चचेरी बहन ने पवित्र आत्मा को उससे बात करते सुना था और उसके बाद वह कई मिनटों तक पूरी तरह से अवाक रह गई थी। अपने जीवन में पवित्र आत्मा के बारे में दूसरों की गवाही सुनना हमेशा सुखद होता है। मैंने अपनी यात्रा के दौरान कई युवाओं के साथ, और इस लड़के और उसकी सहेली के साथ भी सुसमाचार साझा किया।

कुछ समय बाद, मैं Øygarden Terminal पर युवाओं के एक अन्य समूह से मिला, जहाँ एक युवा लड़की के घुटने पर हाथ रखकर प्रार्थना करने से वह चंगी हो गई। उससे पिछली रात मैंने सपना देखा था कि कोई उथले पानी में मर गया है। हुआ यह कि इस समूह में एक युवा लड़के ने मुझे बताया कि इस साल बसंत के मौसम में वह पूल में मर गया था, लेकिन कुछ मिनटों बाद उसे पुनर्जीवित कर दिया गया। यह अखबार में

भी छपा था, जिसे उन्होंने मुझे अपने मोबाइल पर दिखाया। तब जाकर मैंने उन्हें बताया कि परमेश्वर ने मुझे पिछली रात क्या दिखाया था। तथ्य यह है कि परमेश्वर मुझे ऐसी चीजें दिखाता है, जो मुझे परमेश्वर के लिए एक जीवित गवाह बनाती हैं, सामर्थ्य में, न कि केवल शब्दों में। अक्सर जब मैं युवाओं के साथ साझा करता हूँ, तो मुझे बहुत सारे प्रश्न मिलते हैं और यह महत्वपूर्ण है कि मैं पहले से परमेश्वर की खोज करूँ, प्रार्थना करूँ, अध्ययन करूँ और उसके वचन और उसने मुझे जो दिया है उस पर मनन करूँ, ताकि मैं जवाब देने में सक्षम हो सकूँ और जब वे अपनी जिज्ञासाएँ लेकर आएँ तो मैं विचलित न होऊँ।

एक व्यक्ति के रूप में, जब मैं युवाओं के साथ सुसमाचार साझा करता हूँ तो मैं बहुत सक्रिय हो जाता हूँ, क्योंकि यह मेरे भीतर एक आग की तरह महसूस होता है। व्यक्ति को यह अपेक्षा करनी चाहिए कि परमेश्वर उसके साथ है और कई बार जब किसी व्यक्ति के लिए प्रार्थना की जाती है तो चिन्ह और चमत्कार उनके पीछे-पीछे चलते हैं (मरकुस 16:17-18)। हमें परमेश्वर पर भरोसा करना चाहिए और विश्वास करना चाहिए कि चंगाई होती है और लोग दर्द और समस्याओं से मुक्त होते हैं, भले ही हम इसे हमेशा देख न पाएँ। यह विश्वास करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि बपतिस्मा उन्हें मृत्यु से मुक्त करता है (रोमियों 6:4)! लेकिन मैं हमेशा लोगों से वहीं मिलने की कोशिश करता हूँ जहाँ वे हैं, जैसा कि प्रेरित पौलुस बात करते हैं। मैं देखता हूँ कि परमेश्वर मुझे लोगों तक ले जाता है और उन्हें मेरे लिए प्रकाशित करता है, और मैंने समय-समय पर एक अद्भुत आनंद का अनुभव किया है और जानता हूँ कि इस कार्य का अगला चरण जल्द ही आने वाला है।

निम्नलिखित घटना 13 जुलाई 2022 को हुई:

मैंने अभी-अभी एक मुस्लिम महिला के साथ बात की थी और साझा किया था कि केवल परमेश्वर ही भला है, जैसा कि यीशु हमें बताते हैं (मरकुस 10:18)। और अब मैं साझा कर रहा हूँ कि कैसे परमेश्वर भस्म करने वाली आग है (इब्रानियों 12:29) और मनुष्य पिता को देखे बिना जीवित नहीं रह सकता (निर्गमन 33:20)। अचानक वह अपना सिर एक तरफ झटकती है और कहती है कि वह मेरी आँखों में नहीं देख सकती क्योंकि वे «रंग बदल रही हैं»। अगले पंद्रह मिनटों में ऐसा शायद तीन बार होता है और हर बार मैं उसे स्पष्ट रूप से डरते हुए देखता हूँ जो उसे पूरी तरह से विचलित कर देता है। मैं उन चमत्कारों से पूरी तरह अवगत हूँ जो तब होते हैं जब हम परमेश्वर के लिए काम करते हैं, लेकिन ऐसा मेरे साथ पहले कभी नहीं हुआ था और मैं चकित होकर परमेश्वर से उत्तर माँगता हूँ। मेरा मानना है कि मेरे सामने खड़ी वह महिला अपने पापों से शुद्ध होने के लिए अनिच्छुक थी और वह सहन नहीं कर पा रही थी जब परमेश्वर ने मेरी आँखों के माध्यम से स्वयं का एक अंश दिखाया। ऐसा होने से पहले उसने कहा था कि वह कभी भी मुस्लिम होना नहीं छोड़ेगी। अब यह इस बात पर निर्भर करता है कि आगे क्या होता है, यदि वह उस घटना की गंभीरता को समझती है, बशर्ते कि शैतान इसे भी उससे चुरा न ले।

— परमेश्वर के साथ भेंट

जो कोई यीशु को शब्दों और कार्यों में प्रभु और स्वामी के रूप में स्वीकार करता है, चिन्ह और चमत्कार उसके पीछे-पीछे चलते हैं। और जो उसने अपनी आँखों से देखा, वह बाद में उससे इनकार नहीं कर सकती। न ही मैं सत्य पर अंधेरा डालूँगा और यह कहूँगा कि हर कोई स्वर्ग जाएगा। यीशु मसीह, परमेश्वर का इकलौता पुत्र, मार्ग, सत्य और जीवन है (यूहन्ना 14:6)। हमें अपने पापों से धुलकर शुद्ध होने के लिए उन्हें ग्रहण करना चाहिए:

और उसने उनसे कहा: «तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार सुनाओ। जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परन्तु जो विश्वास न करे वह दोषी ठहराया जाएगा।»

— मरकुस 16:15-16

जब परमेश्वर ने मेरी भावी पत्नी को दिखाया कि हमारे साथ मिलकर काम शुरू करने में अब कुछ निश्चित महीने ही बचे हैं, तो यह उसके सामने स्क्रीन पर एक अन्य लेख की तरह था। वह थोड़ी अचंभित (paff) रह गई, लेकिन जब उसने बाद में मुझे इसके बारे में बताया, तो मैंने अपने मोबाइल से उसकी एक ऑडियो रिकॉर्डिंग कर ली। पिता ने पिछले कुछ वर्षों में मेरे और मेरी भावी पत्नी के लिए जो किया है वह एक बड़ा आशीर्वाद है (भजन संहिता 103:2)।

मैं Asia में उन कार्यकर्ताओं के साथ काम शुरू कर चुका हूँ और कर रहा हूँ जो सुसमाचार फैलाने के लिए काम करते हैं।

जैसे ही मैं 2026 में यह लिख रहा हूँ, मेरे पाँच बच्चे और मेरे बीच अच्छे संबंध हैं, और वे जब भी संभव होता है मेरे साथ जुड़ जाते हैं, जिसमें आने वाला ईस्टर भी शामिल है। मैं उस दिन के लिए तरसता हूँ जब मैं एक ऐसा घर बना सकूँ जहाँ वे अपनी इच्छा से आने-जाने के लिए स्वतंत्र हों। मेरी होने वाली पत्नी का शरण का मामला आठ वर्षों के बाद भी अनसुलझा है, जिसका अर्थ है कि हमें अभी भी नार्वे के कानून के तहत शादी करने की अनुमति नहीं है। हम प्रतीक्षा करते हैं, और हम परमेश्वर के समय पर भरोसा रखते हैं (हबक्कूक 2:3)। 2022 के बाद से बहुत कुछ हुआ है, लेकिन काम जारी है—सेवा कार्य और प्रकाशन दोनों—और मेरा मानना है कि सबसे अच्छे अध्याय अभी हमारे सामने आने बाकी हैं।

अभी भी बहुत कुछ ऐसा है जो मैंने नहीं कहा और साझा नहीं किया है, लेकिन मुझे आशा है कि यह संस्मरण इस बात का संकेत देता है कि मैं किस सिद्धांत पर खड़ा हूँ और परमेश्वर ने मुझे कहाँ रखा है (यिर्मयाह 29:11)।

Chapter 37

यीशु मसीह कौन है?

मैं आशा करता हूँ कि एक दिन मैं इसके बारे में लिखूँ कि वास्तव में पुराने और नए नियम में यीशु मसीह कौन है। बहुत से लोग यह नहीं समझते कि यीशु मसीह वह है जिसने हमारी रचना की (कुलुस्सियों 1:16), वह केवल परमेश्वर का पुत्र ही नहीं है। यीशु ने कहा कि जब हम उसे देखते हैं, तो हम परमेश्वर को देखते हैं (यूहन्ना 14:9)। हालाँकि "परमेश्वर" शब्द पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा को संदर्भित करता है, यूहन्ना का सुसमाचार उस बात की पुष्टि करता है जिसका अनुभव बहुत से लोग सपनों में करते हैं: कि यीशु के बिना कुछ भी नहीं रचा गया, और इसमें आप और मैं भी शामिल हैं। यीशु कई लोगों को उनके सपनों में अपना असली स्वरूप प्रकट करते हैं, उन्हें बताते हैं कि वह परमेश्वर हैं (यूहन्ना 10:30, यशायाह 9:6)। यह बाइबल के अनुरूप है; यह कोई संयोग नहीं है। यह कोई विरोधाभास नहीं है, और इसीलिए यीशु ने चेलों से कहा कि जब उन्होंने उसे देखा, तो उन्होंने परमेश्वर को देखा। इसी कारण से, कई लोग—अक्सर वे जिन्होंने किसी झूठे धर्म की सेवा में ईसाइयों को सताया या मार डाला है—अचानक यीशु को अपने पास आने का सपना देखते हैं, जो यह घोषित करते हैं कि वह परमेश्वर हैं और उनसे पूछते हैं कि वे उनके लोगों को क्यों सता रहे हैं।

आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। यही आदि में परमेश्वर के साथ था। सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ, और जो कुछ उत्पन्न हुआ है, उसमें से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न नहीं हुई।

— यूहन्ना 1:1-3

वैकल्पिक साहित्य में एक बार-बार आने वाला विषय यीशु को एक "चढ़ा हुआ गुरु" (ascended master) या केवल एक नबी के रूप में वर्णित करना है। ये स्रोत इस बात से इनकार करते हैं कि उसका लहू हमें हमारे पापों से धोकर शुद्ध करता है (इब्रानियों 9:22, रोमियों 5:9) या कि उसने मानवता की रचना की। इस बात को भी नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है कि वह परमेश्वर का पुत्र है; यदि इस विषय पर चर्चा की भी जाती है, तो लेखक उसके बलिदान को किसी सतही और विशुद्ध रूप से प्रतीकात्मक चीज़ में बदलने का प्रयास करते हैं, न कि ऐसी चीज़ जिसमें हमें व्यक्तिगत रूप से सहभागी होना चाहिए। जब यीशु कहते हैं कि अनंत जीवन पाने के लिए हमें उनका मांस खाना और उनका लहू पीना चाहिए, तो यह महत्वपूर्ण है कि हम सुनें:

यीशु ने उनसे कहा: «मैं तुम से सच-सच कहता हूँ कि जब तक तुम मनुष्य के पुत्र का मांस न खाओ और उसका लहू न पियो, तुम में जीवन नहीं है। जो मेरा मांस खाता और मेरा लहू पीता है, अनन्त जीवन उसी का है; और मैं उसे अन्तिम दिन फिर जिला उठाऊँगा। क्योंकि मेरा मांस वास्तव में भोजन है और मेरा लहू वास्तव में पीने की वस्तु है। जो मेरा मांस खाता और मेरा लहू पीता है, वह मुझ में बना रहता है और मैं उसमें बना रहता हूँ। जैसा जीवित पिता ने मुझे भेजा और मैं पिता के कारण जीवित हूँ, वैसा ही वह भी जो मुझे खाएगा मेरे कारण जीवित रहेगा। जो रोटी स्वर्ग से उतरी, यही है; वह उस मन्ने के समान नहीं जिसे बाप-दादों ने खाया और मर गए: जो यह रोटी खाएगा वह सर्वदा जीवित रहेगा।»

— यूहन्ना 6:53-58

परग्रही प्राणियों (extraterrestrial beings) और यूएफओ (UFOs) के संबंध में विभिन्न कहानियाँ और स्पष्टीकरण एक प्रच्छन्न रूप (masquerade) का हिस्सा हैं जो हमारे ध्यान को सत्य से भटकाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मैं इन मामलों से अच्छी तरह परिचित हूँ, मैंने कई वर्षों तक इनका अध्ययन किया है—औसत व्यक्ति की तुलना में काफी अधिक। मैं यह अहंकारवश नहीं कह रहा हूँ। मैं समझता हूँ (हालाँकि कुछ को यह विडंबनापूर्ण लग सकता है) कि बहुत सी अलौकिक घटनाएँ उतनी ही वास्तविक हैं जितने कि परमेश्वर के चमत्कार जिन्हें मैंने देखा है। हालाँकि, यह तथ्य कि ऐसी कोई घटना घटी है, इसका अर्थ यह नहीं है कि वह सत्य का प्रतिनिधित्व करती है। यह सर्कस देखने जैसा है: वहाँ बहुत शोर और हलचल होती है, लेकिन उसका उद्देश्य आपको जीवन के करीब लाना नहीं, बल्कि आपका मनोरंजन करना होता है। लोग अक्सर मरने के दिन तक मनोरंजन करते रहते हैं, लेकिन उन्हें कभी जीवन प्राप्त नहीं होता (नीतिवचन 14:12)। यह एक अर्थ में मामूली लगता है, लेकिन ऐसा होता है। यह हेरोइन की लत जैसा हो जाता है, जहाँ व्यक्ति अगली खुराक के विचारों में खोया रहता है; यह व्यक्ति के जीवन को सोख लेता है। सिर्फ इसलिए कि कोई बाहर से ठीक दिखता है, इसका मतलब यह नहीं है कि भीतर जीवन है।

मेरा मानना है कि हम में से अधिकांश लोग ऐसे लोगों को जानते हैं जिन्होंने अशुद्ध आत्माओं के माध्यम से चमत्कार का अनुभव किया है, लेकिन बहुत कम लोगों के पास यह परखने का वरदान है कि ये चीजें वास्तव में क्या हैं। मेरा अनुभव यह है कि इन घटनाओं के पीछे जो आत्माएँ हैं वे यीशु को प्रभु स्वीकार नहीं करती हैं, और उनका अंतिम फल मृत्यु है, जीवन नहीं (2 कुरिन्थियों 11:14)। शायद इनमें से कुछ सतह पर असाधारण लगती हैं, लेकिन यह धोखा देने के लिए किया जाता है। यह काफी हद तक वैसा ही है जैसे जब लोगों को टेलीविजन पर सम्मोहित किया जाता है, या जब हम श्वेत चुड़ैलों (white witches) या ओझाओं (exorcists) को घरों से आत्माओं को निकालते हुए देखते हैं। परमेश्वर कहते हैं कि हमें आत्माओं को परखना चाहिए कि वे उनकी ओर से हैं या नहीं:

हे प्रियों, हर एक आत्मा की प्रतीति न करो, वरन् आत्माओं को परखो कि वे परमेश्वर की ओर से हैं कि नहीं; क्योंकि बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता जगत में निकल खड़े हुए हैं। परमेश्वर की आत्मा को तुम इसी रीति से पहचान सकते हो: जो कोई आत्मा मान लेती है कि यीशु मसीह शरीर में होकर आया है वह परमेश्वर की ओर से है; और जो कोई आत्मा यीशु को नहीं मानती, वह परमेश्वर की ओर से नहीं; और यही मसीह के विरोधी की आत्मा है, जिसकी चर्चा तुम सुन चुके हो कि वह आने वाला है, और अब भी जगत में है।

— 1 यूहन्ना 4:1-3

लोग अपने आप को धोखा खाने और ललचाए जाने देते हैं, जैसे केकड़े या कीड़े रात में प्रकाश की ओर खिंचे चले जाते हैं। "उनके फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे" (मत्ती 7:16)। मैं अब देखता हूँ कि भले ही मेरा पुनर्जन्म 2008 से पहले नहीं हुआ था, लेकिन मेरे एक हिस्से को समझ में आता था कि कुछ गलत था, भले ही मैं उसे स्पष्ट न कर सका। हमारे आसपास के बहुत से लोगों के साथ ऐसा ही है। इसीलिए हम परमेश्वर का सत्य साझा करते हैं और दूसरों को वह बताते हैं जो वह हमारे कानों में फुसफुसाते हैं।

मैं अनुभव से जानता हूँ कि इस संसार की शक्तियाँ लोगों से सत्य को छिपाने की कोशिश करती हैं, क्योंकि मैं अपने युवावस्था के दिनों में इसका हिस्सा था। शैतान मनुष्यों का ध्यान परमेश्वर के अलावा किसी भी अन्य चीज़ पर केंद्रित करने की पूरी कोशिश करता है, अक्सर इस सत्य को मरोड़कर कि विवाह के बाहर

यौन गतिविधि पाप है। अंतरंग दृश्यों वाली फिल्में और अन्य मीडिया न केवल परमेश्वर की दृष्टि में गलत हैं, बल्कि वे लोगों को पाप का गुलाम बना देती हैं और उनमें और अधिक की लालसा पैदा करती हैं:

”जब तुम मनुष्य के पुत्र को ऊँचे पर चढ़ाओगे, तब जानोगे कि मैं ही हूँ, और मैं अपने आप से कुछ नहीं करता, परन्तु जैसे मेरे पिता ने मुझे सिखाया, वैसे ही ये बातें कहता हूँ। और मेरा भेजनेवाला मेरे साथ है; उसने मुझे अकेला नहीं छोड़ा, क्योंकि मैं सर्वदा वही काम करता हूँ जिससे वह प्रसन्न होता है।” जब वह ये बातें कह रहा था, तो बहुतों ने उस पर विश्वास किया। तब यीशु ने उन यहूदियों से जिन्होंने उस पर विश्वास किया था, कहा, ”यदि तुम मेरे वचन में बने रहोगे, तो सचमुच मेरे चले ठहरोगे। और तुम सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतन्त्र करेगा।” उन्होंने उसे उत्तर दिया, ”हम इब्राहीम के वंश से हैं, और कभी किसी के दास नहीं रहे; फिर तू क्यों कहता है कि ’तुम स्वतन्त्र हो जाओगे’?” यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, ”मैं तुम से सच-सच कहता हूँ कि जो कोई पाप करता है वह पाप का दास है। और दास सदा घर में नहीं रहता; पुत्र सदा रहता है। इसलिए यदि पुत्र तुम्हें स्वतन्त्र करेगा, तो तुम सचमुच स्वतन्त्र हो जाओगे। मैं जानता हूँ कि तुम इब्राहीम के वंश से हो; तौभी मुझे मार डालना चाहते हो, क्योंकि मेरा वचन तुम्हारे मन में जगह नहीं पाता। जो मैंने अपने पिता के यहाँ देखा है, वही मैं कहता हूँ; और जो तुम ने अपने पिता से सुना है, वही तुम करते हो।” उन्होंने उसे उत्तर दिया, ”हमारा पिता तो इब्राहीम है।” यीशु ने उनसे कहा, ”यदि तुम इब्राहीम की सन्तान होते, तो इब्राहीम के समान काम करते। परन्तु अब तुम मुझ जैसे मनुष्य को मार डालना चाहते हो, जिसने तुम्हें वह सत्य बताया जो परमेश्वर से सुना; इब्राहीम ने ऐसा नहीं किया था। तुम अपने पिता के समान काम करते हो।” उन्होंने उससे कहा, ”हम व्यभिचार से नहीं जन्मे; हमारा एक ही पिता है, अर्थात् परमेश्वर।” यीशु ने उनसे कहा, ”यदि परमेश्वर तुम्हारा पिता होता, तो तुम मुझसे प्रेम रखते; क्योंकि मैं परमेश्वर में से निकलकर आया हूँ; मैं आप से नहीं आया, परन्तु उसी ने मुझे भेजा है। तुम मेरी बात क्यों नहीं समझते? इसलिए कि तुम मेरा वचन सुन नहीं सकते। तुम अपने पिता शैतान से हो, और अपने पिता की लालसाओं को पूरा करना चाहते हो। वह तो आरम्भ से हत्यारा है, और सत्य पर स्थिर न रहा, क्योंकि उसमें सत्य है ही नहीं। जब वह झूठ बोलता है, तो अपने स्वभाव ही से बोलता है, क्योंकि वह झूठा है और झूठ का पिता है। परन्तु मैं जो सत्य बोलता हूँ, इसलिए तुम मेरा विश्वास नहीं करते। तुम में से कौन मुझ पर पाप का दोष लगा सकता है? यदि मैं सत्य बोलता हूँ, तो तुम मेरा विश्वास क्यों नहीं करते? जो परमेश्वर से होता है, वह परमेश्वर की बातें सुनता है; तुम इसलिए नहीं सुनते कि तुम परमेश्वर की ओर से नहीं हो।” यहूदियों ने उसे उत्तर दिया, ”क्या हम ठीक नहीं कहते कि तू सामरी है और तुझे दुष्टात्मा लगी है?” यीशु ने उत्तर दिया, ”मुझे दुष्टात्मा नहीं लगी है, परन्तु मैं अपने पिता का आदर करता हूँ, और तुम मेरा अनादर करते हो। मैं अपनी महिमा नहीं चाहता; पर एक है जो चाहता है और न्याय करता है। मैं तुम से सच-सच कहता हूँ कि यदि कोई मेरे वचन पर चलेगा, तो वह अनन्त काल तक मृत्यु को न देखेगा।”

— यूहन्ना 8:25-51

अशुद्ध आत्माओं के दो पहलू हैं। एक यह कि वे चाहते हैं कि लोग विश्वास करें कि सब कुछ भौतिक और सांसारिक है और किसी आत्मा का अस्तित्व नहीं है। दूसरा पहलू तब देखा जाता है जब मनुष्य समझ जाते हैं कि एक आध्यात्मिक वास्तविकता मौजूद है। जब ऐसा होता है, तो अशुद्ध आत्माएं साधकों को एक जादुई

दुनिया में उलझाने की कोशिश करती हैं जो व्यक्ति के उसमें गहरे जाने के साथ-साथ अंधकारमय होती जाती है (1 तीमोथियुस 4:1)। शुरुआत में, चीजें आकर्षक और हानिरहित लगती हैं।

एक व्यक्ति जो मेरे साथ उसी बाइबल स्कूल में पढ़ता था, एक कुशल पियानोवादक था, वह परमेश्वर से पूरी तरह विमुख हो गया (2 पतरस 2:20-22)। वह एक ऐसी महिला के साथ जुड़ा था जिसमें भविष्यवाणी का वरदान भी था, लेकिन उन्हें उन कारणों से बाइबल स्कूल से निकाल दिया गया जिन्हें मैं नहीं जानता। बाद में, वे पूरी तरह से नियंत्रण खोने लगे। कुछ समय के लिए सब कुछ उल्टा-पुल्टा हो गया, और वे खुली बाहों के साथ उसमें लड़खड़ाते हुए चले गए। इसका अंत सर्दियों में एक पहाड़ पर ठंड से उसकी मृत्यु के साथ हुआ, जाहिर तौर पर एक भ्रमित मानसिक स्थिति में और एक आध्यात्मिक निर्वाण की तलाश में। विनाश का मार्ग चौड़ा है, और बहुत से लोग हैं जो उससे प्रवेश करते हैं (मत्ती 7:13)। मैंने पहले कभी किसी को परमेश्वर से इतनी बुरी तरह मुड़ते और उसके कुछ ही समय बाद अपनी जान गंवाते नहीं देखा था, इस तथ्य के बावजूद कि कई विश्वासियों ने उसे पहले ही चेतावनी दी थी और स्पष्ट रूप से देखा था कि क्या हो रहा है। मेरा मानना है कि उन दोनों ने मांस खाना भी बंद कर दिया था और एक कट्टर आहार शुरू कर दिया था। वह पतला और पतला होता गया, इसका वर्णन इस तरह किया जैसे कि वह कुछ भी सह सकता है और जैसे कि यह सब अवास्तविक था। यह एक चरम उदाहरण था, लेकिन हम अपने चारों ओर हर तरह के लोगों को देखते हैं। बहुत से लोग सत्य की खोज में हैं।

बहुत से लोग अपने जीवन को एक अशुद्ध आध्यात्मिकता द्वारा संचालित होने देते हैं। कई श्वेत चुड़ैलें मानती हैं कि वे जो करती हैं वह अच्छा है, लेकिन व्यवहार में, वे परमेश्वर के विरुद्ध और अशुद्ध आत्माओं के साथ मिलकर काम करती हैं (गलातियों 5:19-21)। इसके कारण कुछ को व्यक्तिगत समस्याओं का सामना करना पड़ता है और वे इसका कारण नहीं समझ पाते। हमारे स्वर्गीय पिता ने हमें जादू-टोने के विरुद्ध चेतावनी दी है (व्यवस्थाविवरण 18:10-12), फिर भी यह आज की फिल्मों, जैसे हैरी पॉटर श्रृंखला में तेजी से लोकप्रिय है। उनमें से कई में क्या बार-बार आता है? रहस्यवाद और अलौकिक घटनाएं—एक आकर्षक अंधकार जो तंत्र-मंत्र के माध्यम से मोहित करता है, ठीक वैसे ही जैसे एक पतंगा रात में प्रकाश की ओर आकर्षित होता है। अनजाने में, व्यक्ति एक जाल में फंस जाता है और फंसकर रह जाता है। कुछ युवा डरावनी फिल्में देखते हैं लेकिन फिर उन्हें रोशनी जलाकर सोना पड़ता है, बाद में वे शांति नहीं पाते। हम जो अपनी आँखों से ग्रहण करते हैं, उससे हम प्रभावित होते हैं, जिसमें अश्लीलता (pornography) भी शामिल है। मैं स्वयं 2012 के आसपास तक अश्लीलता की लत से जूझता रहा, और मैं आज जानता हूँ कि नग्नता और कामुकता विवाह के भीतर की बात है (मत्ती 5:28)। यह भी एक ऐसी बात थी जिसे परमेश्वर ने मेरे हृदय पर भारी बोझ के रूप में रखा था: कि मैं एक स्क्रीन के माध्यम से दूसरी महिलाओं के साथ व्यभिचार कर रहा था।

यीशु पुराने और नए नियम के माध्यम से अपने आप को कैसे प्रकट करते हैं—नामों, प्रकारों, भविष्यवाणियों और इब्रानी और यूनानी शब्दों के माध्यम से जो हर पृष्ठ पर उनकी ओर संकेत करते हैं—इसके गहन अध्ययन के लिए हमारी सहयोगी पुस्तक *Jesus in Scripture* (junifye.publifye.pro/jesus-in-scripture) देखें।

क्योंकि तुम यह निश्चय जान लो कि किसी व्यभिचारी, या अशुद्ध जन, या लोभी मनुष्य की—जो मूर्तिपूजक के बराबर है—मसीह और परमेश्वर के राज्य में कोई मीरास नहीं। कोई तुम्हें व्यर्थ बातों से धोखा न दे; क्योंकि इन्हीं के कारण परमेश्वर का क्रोध आज्ञा न मानने वालों पर गिरता है। इसलिए उनके सहभागी न हो। क्योंकि तुम तो पहले अन्धकार थे, परन्तु अब प्रभु में ज्योति हो; अतः ज्योति की सन्तान के समान चलो। क्योंकि ज्योति का फल सब प्रकार की भलाई, और धर्म, और सत्य है। और यह परखो कि प्रभु को क्या भाता है? और अन्धकार के निष्फल

कामों में सहभागी न हो, वरन् उन पर दोष लगाओ। क्योंकि उनके गुप्त कामों की चर्चा करना भी लज्जा की बात है। परन्तु जितने कामों पर दोष लगाया जाता है, वे सब ज्योति से प्रगट होते हैं; क्योंकि जो कुछ प्रगट किया जाता है वह ज्योति है। इसी कारण वह कहता है: ”हे सोने वाले जाग और मुर्दों में से जी उठ, तो मसीह की ज्योति तुझ पर चमकेगी।” इसलिए सावधानी से देखो कि कैसी चाल चलते हो; निर्बुद्धियों के समान नहीं पर बुद्धिमानों के समान चलो। और समय को बहुमूल्य समझो, क्योंकि दिन बुरे हैं। इस कारण मूर्ख न हो, पर ध्यान से समझो कि प्रभु की इच्छा क्या है। और दाखरस से मतवाले न बनो, क्योंकि इससे लुचपन होता है, पर आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ। और आपस में भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाया करो, और अपने अपने मन में प्रभु के सामने गाते और कीर्तन करते रहो।

— इफिसियों 5:5-19

Chapter 38

न कोई मृत्यु न कोई आत्मा?

आज मैं जानता हूँ कि मनुष्य को अपने पापों से पश्चाताप करना चाहिए और परमेश्वर की ओर फिरना चाहिए (प्रेरितों के काम 3:19)। केवल यीशु का लहू ही हमारे स्वयं पर थोपे गए मृत्युदंड का प्रायश्चित कर सकता है (इब्रानियों 9:22)। यदि हम यीशु को स्वीकार किए बिना जीवन जीते हैं, तो मृत्यु के बाद हम वही काटेंगे जो हमने जीवित रहते हुए शरीर में बोया था। हम पहले एक शारीरिक मृत्यु मरते हैं और फिर एक आत्मिक मृत्यु, दूसरे शब्दों में दो बार (प्रकाशितवाक्य 20:14-15)। यीशु ने स्वयं इन गंभीर शब्दों के साथ चेतावनी दी: अनंत आग इब्लीस और उसके दूतों के लिए तैयार की गई है, और जो उसे नकारते हैं वे अनंत दंड भोगेंगे (मत्ती 25:41, 46)। यह कोई अंधविश्वास नहीं है, बल्कि यह वह है जिसका कुछ पवित्र जनों को वास्तव में ठोस अनुभव हुआ है। यदि आप सत्य की खोज कर रहे हैं, तो आप जानते हैं कि भले ही हर किसी ने इसका अनुभव न किया हो, इसका मतलब यह नहीं है कि यह गलत है। इसलिए हम इन बातों के बारे में बात करते हैं। यह कोई काल्पनिक बात नहीं है जिसे हम लोगों को परमेश्वर के साथ जीवन जीने के लिए डराने की कोशिश में पेश कर रहे हैं, यह इस तरह काम नहीं करता। अनुभव के बारे में पूछा जा सकता है और सक्रिय रूप से उसकी तलाश की जा सकती है। यदि आप जीवन के प्रति गंभीर हैं, तो इसे व्यर्थ न जाने दें।

कुछ भी हमारे पापों को मिटा या हटा नहीं सकता। इसका एकमात्र अपवाद यीशु का लहू है (1 यूहन्ना 1:7)। जो पुत्र पर विश्वास करता है, अनंत जीवन उसका है; परन्तु जो पुत्र को नहीं मानता, वह जीवन को न देखेगा, परन्तु परमेश्वर का क्रोध उस पर बना रहता है (यूहन्ना 3:36)। क्यों? क्योंकि यीशु परमेश्वर है (कुलुस्सियों 2:9) और उसका जीवन अनंत मूल्य का है (1 पतरस 1:18-19)। दूसरा तरीका अपने प्राणों से अपने पाप का भुगतान करना है। परमेश्वर धर्मी है (व्यवस्थाविवरण 32:4) और उसने हमें अपने पापों से बचने का एक मार्ग दिया है और वह यीशु है। उसके पुत्र ने, स्वर्ग के पिता के अधिकार से, हमारे लिए अपना प्राण दे दिया ताकि हम जी सकें। उसका लहू, जो अकल्पनीय मूल्य का है, हमारे पापों का प्रायश्चित करता है और हमें शुद्ध करता है। जब हम शुद्ध हो जाते हैं, तो हम परमेश्वर का मंदिर बन सकते हैं और पवित्र आत्मा हमारे भीतर वास कर सकता है (1 कुरिन्थियों 6:19)। हम आत्मा में नया जन्म लेते हैं (यूहन्ना 3:5, तीतुस 3:5, 1 पतरस 1:23) और इसे किसी पर थोपा नहीं जा सकता, बल्कि यह अपनी मर्जी से होता है, चाहे कोई इसे समझे या नहीं। मैं विश्वास में तब आगे बढ़ा जब सुसमाचार प्रचारक ने मुझे चुनौती दी और मेरी नई आत्मा का अनुभव मेरे लिए एक सदमा था, लेकिन एक सकारात्मक सदमा।

बपतिस्मा के माध्यम से हम पुराने जीवन को दफन कर देते हैं (रोमियों 6:4)। फिर हम पानी से निकलकर यीशु के साथ एक नए जीवन के लिए जी उठते हैं, ठीक उसी तरह जैसे वह परमेश्वर द्वारा पुनर्जीवित किए जाने पर मृत्यु से जीवन की ओर बढ़े। हम उसी आत्मा के सहभागी होते हैं जो यीशु के पास है। पवित्र आत्मा को दूसरा सहायक कहा जाता है (यूहन्ना 14:16) और यीशु पहले सहायक हैं। मैंने परमेश्वर को खोजा था और जब मैं पंद्रह साल का था तब उन्होंने मुझे उत्तर दिया, लेकिन मुझे वास्तव में उन्हें «पाने» और यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करने में अठारह साल लग गए। मुझे आशा है कि आप यहाँ मेरी बातों की गंभीरता को समझेंगे और जब मैं ऐसी गवाही दूँ जो सुनने में अद्भुत और पागलपन भरी लगे, तो आप विचलित नहीं होंगे। मैं इस बात से पूरी तरह अवगत हूँ, लेकिन वास्तव में सत्य बोले बिना सत्य को बताना कठिन है। हम सभी दूसरों के पाप के परिणामस्वरूप एक समय परमेश्वर से दूर हो गए थे और हम में से हर एक को परमेश्वर

की आवश्यकता है ताकि हमारे भीतर जीवन की श्वास फिर से फूँकी जा सके (यहेजकेल 37:5-6)। परमेश्वर ने आदम में जीवन की श्वास फूँकी (उत्पत्ति 2:7) और जब आदम मरा, तो वह शरीर में नहीं, बल्कि आत्मा में मरा था। हवा के साथ भी यही हुआ। इसलिए जब उनकी आत्मा की मृत्यु हुई तो वे पूरी तरह से बदल गए। इसी कारण से, जब हम परमेश्वर की आत्मा से नया जन्म पाते हैं तो हम पूरी तरह बदल जाते हैं (2 कुरिन्थियों 5:17)।

देख, मैं शीघ्र आनेवाला हूँ; और हर एक के काम के अनुसार बदला देने के लिए प्रतिफल मेरे पास है। मैं अल्फा और ओमेगा, पहला और पिछला, आदि और अन्त हूँ। धन्य वे हैं, जो अपने वस्त्र धो लेते हैं, क्योंकि उन्हें जीवन के पेड़ के पास आने का अधिकार मिलेगा, और वे फाटकों से होकर नगर में प्रवेश करेंगे। पर कुत्ते, और टोन्हे, और व्यभिचारी, और हत्यारे, और मूर्तिपूजक, और हर एक जो झूठ को चाहता और गढ़ता है, बाहर रहेंगे। मुझ यीशु ने अपने स्वर्गदूत को इसलिए भेजा कि कलीसियाओं के विषय में तुम्हारे आगे इन बातों की गवाही दे। मैं दाऊद का मूल और वंश, और भोर का चमकता हुआ तारा हूँ। आत्मा और दुल्लेन दोनों कहती हैं, “आ!” और सुननेवाला भी कहे, “आ!” जो प्यासा हो वह आए, और जो कोई चाहे वह जीवन का जल मुफ्त ले।

— प्रकाशितवाक्य 22:12-17

मैं आपसे वही कहता हूँ जो अनन्या ने पौलुस से तब कहा था जब पौलुस की दृष्टि अभी वापस आई थी:

अब तू क्यों देर करता है? उठ, उसका (यीशु) नाम लेकर बपतिस्मा ले, और अपने पापों को धो डाल।

— प्रेरितों के काम 22:16

Chapter 39

यीशु ने स्वयं क्या कहा

मनुष्य बपतिस्मा पर मरते दम तक बहस करते हैं — उसे मरोड़ते हैं, नरम बनाते हैं, उसे समझा-बुझाकर टाल देते हैं। वे सभाओं, धर्म-सिद्धांतों और अपनी ही बुद्धि की दुहाई देते हैं, पर वे शायद ही कभी रुककर स्वयं प्रभु को सुनते हैं। न पौलुस को, न पतरस को, न किसी सभा को। यहाँ केवल उसके वचन हैं, और कुछ नहीं। आओ, स्वामी को स्वयं बोलने दें।

39.1 उसके राज्य का द्वार

यीशु बपतिस्मा को विश्वास के साथ जुड़ी एक वैकल्पिक सजावट के रूप में प्रस्तुत नहीं करता। वह उसकी आज्ञा देता है — राज्य की देहली, नए जीवन में प्रवेश का द्वार।

मरकुस 16:16 • जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परन्तु जो विश्वास न करेगा वह दोषी ठहराया जाएगा।

मत्ती 28:19 • इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्रा और पवित्राआत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।

यूहन्ना 3:5 • यीशु ने उत्तर दिया, कि मैं तुझ से सच सच कहता हूँ; जब तक कोई मनुष्य जल और आत्मा से न जन्मे तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।

कुछ लोगों का कहना होगा कि मरकुस के सुसमाचार के ये अंतिम वचन संदेहास्पद हैं क्योंकि ये दो प्राचीन हस्तलिपियों में नहीं पाए जाते। फिर भी, उन प्रतियों के अस्तित्व में आने से बहुत पहले, सन् 180 ई. तक इरेनियस ने इन्हें स्वयं मरकुस के वचन मानकर उद्धृत किया था, और हस्तलिपियों का भारी बहुमत इनकी सत्यता का प्रमाण देता है। इस पर भी विचार करें कि यह पद किसे दोषी ठहराता है: केवल अविश्वास को— «जो विश्वास न करेगा»—न कि जल की अनुपलब्धता को। यह ऐसी किसी बात की माँग नहीं करता जो शेष पवित्र शास्त्र में पहले से ही आज्ञापित न हो: प्रेरितों के काम 2:38, रोमियों 6:4, 1 पतरस 3:21। अतः, इस वचन को इसके पूर्ण अधिकार और सामर्थ्य के साथ स्वीकार किया जाए।

39.2 सारी धार्मिकता को पूरा करना

उसके पास धोने को कोई पाप न था। फिर भी वह यरदन में उतर गया — किसी बंधन के बिना — ताकि सारी धार्मिकता को पूरा करे और हमारे लिये मार्ग गढ़े।

मत्ती 3:15 • यीशु ने उस को यह उत्तर दिया, कि अब तो ऐसा ही होने दे, क्योंकि हमें इसी रीति से सब धार्मिकता को पूरा करना उचित है, तब उस ने उस की बात मान ली।

39.3 गहरा बपतिस्मा

यीशु ने अपनी ही मृत्यु को एक बपतिस्मा कहा। जल के परे क्रूस है — और वह कहता है कि उसके अनुयायी उसी मृत्यु में उतरते हैं, ताकि उसके जीवन में जी उठें।

लूका 12:50 · मुझे तो एक बपतिस्मा लेता है; और जब तक वह न हो ले तब तक मैं कैसी सकेती में रहूंगा?

मरकुस 10:38-39 · यीशु न उन से कहा, तुम नहीं जानते, कि क्या मांगते हो? जो कटोरा मैं पीने पर हूँ, क्या पी सकते हो? और जो बपतिस्मा मैं लेने पर हूँ, क्या ले सकते हो? उन्होंने ने उस से कहा, हम से हो सकता है: यीशु ने उन से कहा: जो कटोरा मैं पीने पर हूँ, तुम पीओगे; और जो बपतिस्मा मैं लेने पर हूँ, उसे लोगे।

प्रेरितों के काम 1:5 · क्योंकि यूहन्ना ने तो पानी में बपतिस्मा दिया है परन्तु थोड़े दिनों के बाद तुम पवित्रात्मा से बपतिस्मा पाओगे।

उसने कहा। उसने उसकी आज्ञा दी, स्वयं उस मार्ग पर चला, और जल को कब्र और गर्भ — दोनों बना दिया, अपनी ही मृत्यु और जी उठने का चित्र। बहस समाप्त हुई। अब केवल यही प्रश्न शेष है कि क्या तू वही करेगा जो उसने कहा।

Chapter 40

Adult Baptism

40.1 बपतिस्मा एक विवाह है

आप किसी अजनबी से गुप्त रूप में विवाह नहीं करते। आप साक्षियों के सम्मुख खड़े होते हैं, अपनी प्रतिज्ञा करते हैं, वस्त्र धारण करते हैं और प्रस्तुत किए जाते हैं। पवित्र शास्त्र हमें बताता है कि यह मसीह और उनकी कलीसिया का रहस्य है: हमारी सगाई एक ही पति से हुई है (2 कुरिन्थियों 11:2), और वह दूल्हा हैं — यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने उन्हें यही नाम दिया (यूहन्ना 3:29), और उन्होंने स्वयं को यही नाम दिया (मत्ती 9:15)। बपतिस्मा का जल वह वेदी है जहाँ विश्वासी कहता है, “मुझे स्वीकार है।”

विश्वास हृदय की सहमति है; बपतिस्मा शरीर की प्रतिज्ञा है। यीशु ने उन्हें एक ही श्वास में जोड़ा: «जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले, उसी का उद्धार होगा» (मरकुस 16:16) — पहले विश्वास करें, फिर जल उस पर मुहर लगाता है जो विश्वास पहले ही प्राप्त कर चुका है। और पौलुस के शब्दों को सुनें: «तुम में से जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है, उन्होंने मसीह को पहन लिया है» (गलातियों 3:27)। बपतिस्मा विवाह का वस्त्र है। जल को त्याग देना सुसमाचार को सरल बनाना नहीं है; बल्कि यह समारोह को अस्वीकार करना है — दूल्हे से प्रेम करना और विवाह में कभी न आना।

इस मर्यादा को समझें: जल स्वयं किसी को नहीं धोता — केवल मेम्ने का लहू ही ऐसा करता है। बपतिस्मा «परमेश्वर के प्रति एक अच्छे विवेक का उत्तर» (1 पतरस 3:21) है, यह एक प्रतिज्ञा है, मोल नहीं। क्रूस पर चढ़े डाकू को इसके बिना स्वीकार किया गया था, क्योंकि दूल्हा उसके ठीक बगल में साक्षात् खड़ा था — परंतु वह एक अपवाद है जो नियम की पुष्टि करता है। शेष सभी के लिए यही क्रम अटल है: विश्वास करें, और उनके साथ गाड़े जाएँ और जिलाए जाएँ (रोमियों 6:4), और मेम्ने के विवाह (प्रकाशितवाक्य 19:7) के लिए जी उठें। मनुष्यों की परंपराओं को तौलने से पहले, हमें दूल्हे के मानक को स्वीकार करना होगा।

जो कुछ आगे लिखा है, वह कोई राय नहीं है। यह प्रमाण है—नया नियम के यूनानी व्याकरण से, पुराने नियम के इब्रानी प्रतिरूपों (typology) से, और तोराह में 3,400 वर्षों से छिपे उन अक्षरों के अनुक्रमों से जिन्हें तब तक कोई मानव आँख नहीं पढ़ सकती थी जब तक कि उन्हें खोजने के लिए कंप्यूटर नहीं बनाए गए। तीन सहस्राब्दियों में फैले तीन स्वतंत्र गवाह, जो सभी एक ही बात कह रहे हैं: बपतिस्मा सचेत व्यक्ति के लिए है। यह एक आवश्यकता है। और यह वयस्क के लिए है। यदि आप इसे खारिज करने के लिए ललचा रहे हैं—तो आगे पढ़ें। प्रमाण सत्यापन योग्य है। शास्त्र के संदर्भ दिए गए हैं। और तोराह के अक्षरों में छिपे शब्द ठीक इसी पीढ़ी की प्रतीक्षा कर रहे थे।

नॉर्वे में शिशु बपतिस्मा सैकड़ों वर्षों से एक प्रमुख परंपरा रही है। कई परिवारों के लिए, जन्म के तुरंत बाद चर्च में अपने बच्चों का बपतिस्मा कराना एक सामान्य बात है। नॉर्वे का चर्च, जो पहले राज्य का चर्च था, इस प्रथा का सबसे प्रमुख पालनकर्ता रहा है, हालाँकि कैथोलिक और मेथोडिस्ट चर्च भी शिशु बपतिस्मा का अभ्यास करते हैं। समारोह के दौरान, बच्चे को बपतिस्मा के पात्र (baptismal font) तक ले जाया जाता है, अक्सर एक सफेद बपतिस्मा गाउन पहने हुए जिसे पीढ़ियों से आगे बढ़ाया गया हो। पादरी बच्चे के सिर पर तीन बार पानी डालते हुए कहते हैं: “मैं तुम्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर बपतिस्मा देता हूँ”

(मत्ती 28:19)। परिवार बच्चे के मसीही पालन-पोषण में सहायता के लिए धर्ममाता-पिता (godparents) भी चुनता है। हालाँकि शिशु बपतिस्मा अभी भी व्यापक है, लेकिन हाल के वर्षों में बपतिस्मा की संख्या में गिरावट आई है। कई नॉर्वेजियन लोगों के लिए, शिशु बपतिस्मा न केवल एक धार्मिक कार्य है, बल्कि एक पारिवारिक परंपरा और परिवार के नए सदस्य का जन्म मनाने के लिए रिश्तेदारों और दोस्तों को इकट्ठा करने का एक अवसर भी है। हालाँकि, परंपरा किसी भी तरह से इस बात की गारंटी नहीं है कि कोई प्रथा उस कार्य के अनुरूप है जिसका परमेश्वर ने हमें पालन करने का आदेश दिया है। इसलिए, बैप्टिस्ट और पेंटेकोस्टल चर्च जैसे मसीही संप्रदाय हैं, जहाँ इसके बजाय वयस्क बपतिस्मा का अभ्यास किया जाता है।

विडंबना चँकाने वाली है, क्योंकि जिस आयत को पादरी उद्धृत करते हैं, उसमें एकमात्र आज्ञा mathēteusate (G3100) है — “चेले बनाओ” (KJV इसे “सिखाओ” के रूप में प्रस्तुत करता है)। बपतिस्मा, baptizōtes (G907), केवल एक वर्तमान कृदंत (present participle) है जो यह बताता है कि चेले बनाने का कार्य कैसे किया जाता है। इसलिए शास्त्र यह मानकर चलता है कि जिसे बपतिस्मा दिया जा रहा है, वह पहले से ही एक चेला है।

हमें याद है कि कैसे यहूदियों ने स्वेच्छा से खुद को यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले द्वारा बपतिस्मा लेने दिया (मत्ती 3:5-6)। इसका कारण संभवतः यह है कि वे लंबे समय से «मिकवाह מִקְוֶה^{H4723}» से परिचित थे, जो पानी में पूर्ण विसर्जन के माध्यम से आध्यात्मिक शुद्धि का एक अनुष्ठान है। और इब्रानी शब्द मिकवेह का स्वयं एक दोहरा अर्थ है जिसे ब्राउन-ड्राइवर-ब्रिग्स शब्दकोश प्रकट करता है: इसका अर्थ “पानी का जमाव” और “आशा” दोनों हैं। यिर्मयाह 17:13 में, भविष्यद्वक्ता लिखता है: «हे यहोवा, हे इस्राएल की मिकवेह (आशा)।» “आशा” के रूप में अनुवादित शब्द वही है जो अनुष्ठान स्नान के लिए है। शुद्धि का जल और इस्राएल की आशा एक ही इब्रानी शब्द है। उचित मिकवाह के लिए, कुछ पानी का “स्वर्ग” से आना आवश्यक था, जिसका अर्थ है कि इसे वर्षा के पानी से सीधे कुंड में प्रवाहित किया गया था। यह स्वयं यीशु का एक भविष्यसूचक चित्र था—वह जो स्वर्ग से आया, परमेश्वर द्वारा भेजा गया। यीशु ने यह भी कहा, «**मैं जीवन का जल हूँ**» (यूहन्ना 4:14)। यहूदियों के लिए, «मिकवाह» सबसे बढ़कर आध्यात्मिक शुद्धि का प्रतिनिधित्व करता है (तीतुस 3:5; प्रेरितों के काम 22:16)। इस्राएल ने हजारों वर्षों से शुद्धि के साधन के रूप में मिकवाह का अभ्यास किया है। यह मासिक धर्म के बाद, शव को छूने के बाद, या विवाह जैसी प्रमुख जीवन घटनाओं से पहले होता था।

स्वयं यह कार्य विधि का खंडन करता है। यूनानियों के पास चुनने के लिए तीन क्रियाएँ थीं: rhantizō ῥαντίζω^{G4472} छिड़कना, cheō डालना, और baptizō βαπτίζω^{G907} विसर्जित करना या पूरी तरह से ढकना। आत्मा ने लगातार विसर्जन को चुना — और baptō (एक संक्षिप्त डुबकी) के विपरीत, baptizō स्थायी परिवर्तन को दर्शाता है।

मसीही यहूदी जानते हैं कि मिकवाह उस शुद्धि का एक भविष्यसूचक चित्र था जिससे यीशु मसीह में मृत्यु से जीवन में जाने के लिए हर किसी को गुजरना होगा। हम इसे इस्राएल के लाल सागर पार करने में या जब नूह को जहाज में समुद्र पर यात्रा करने के लिए बुलाया गया था, तब भी देखते हैं। दोनों ही उस उद्धार के बपतिस्मे के चित्र थे जो आने वाला था (1 पतरस 3:21)। बपतिस्मा पुराने के लिए मरना और नए के लिए जी उठना है (कुलुस्सियों 2:12)। यदि यीशु मार्ग, सत्य और जीवन है (यूहन्ना 14:6) और स्वयं बपतिस्मा लिया था (मत्ती 3:13-17), तो हमें उनके उदाहरण का पालन क्यों नहीं करना चाहिए, विशेष रूप से इसलिए कि वे अपने चेलों के साथ बपतिस्मा देते हुए चलते थे (यूहन्ना 3:22)?

पुत्र का अपना प्रतिरूप स्वयं बोलता है। उन्होंने पुरानी वाचा के शिशु संकेतों को प्राप्त किया — आठवें दिन खतना (लूका 2:21) और मंदिर में प्रस्तुत किया जाना (लूका 2:22) — लेकिन एक शिशु के रूप में

कभी बपतिस्मा नहीं लिया। इसके बजाय उन्होंने तीस साल प्रतीक्षा की और अपनी इच्छा से यरदन नदी में गए (मत्ती 3:13-17), यह दिखाने के लिए कि बपतिस्मा सचेत, इच्छुक आज्ञाकारिता का कार्य है।

जब यीशु ने निकुदेमुस से कहा «तुम्हें नया जन्म लेना होगा» (यूहन्ना 3:7), तो वे आधी रात की बातचीत में कोई नया सिद्धांत नहीं बना रहे थे — वे एक पूरी भविष्यसूचक-वाचा संबंधी अपेक्षा को एक वाक्य में संकुचित कर रहे थे, और उसे एक ऐसे व्यक्ति पर लक्षित कर रहे थे जो खुद को पहले से ही अंदर समझता था। इस्राएल के एक शिक्षक के लिए इसमें से कुछ भी नया नहीं था। **शास्त्र ने इसका वादा किया था।** यहजेकेल ने परमेश्वर को अपने लोगों पर «शुद्ध जल छिड़कने», उन्हें «नया हृदय» देने और «अपनी आत्मा को तुम्हारे भीतर» रखने की प्रतिज्ञा करते सुना (यहेजकेल 36:25-27); एक अध्याय बाद, सूखी हड्डियाँ सांस लेती हैं और जीवित खड़ी हो जाती हैं (यहेजकेल 37)। मूसा ने उसी आशा को उस हृदय के रूप में स्थापित किया जिसका खतना स्वयं परमेश्वर करेगा «कि तुम जीवित रहो» (व्यवस्थाविवरण 30:6); यिर्मयाह ने इसे एक नई वाचा में भीतर लिखी हुई व्यवस्था के रूप में (31:33); दाऊद ने इस पुकार के रूप में «हे परमेश्वर, मेरे भीतर शुद्ध हृदय उत्पन्न कर... और मेरे भीतर स्थिर आत्मा का संचार कर» (भजन संहिता 51:10)। जल, आत्मा, नया हृदय, जीवन — यूहन्ना 3:5 की सटीक सामग्री — सदियों से इब्रानी शास्त्रों में मौजूद थी।

और यह केवल पन्नों पर ही नहीं था। **उनके समकालीनों ने इसके लिए प्रार्थना की:** यरूशलेम से एक दिन की दूरी पर कुमरान के लोगों ने परमेश्वर से उन्हें अपनी पवित्र आत्मा द्वारा शुद्ध जल की तरह शुद्ध करने और उन्हें पाताल (Sheol) से एक अनंत ऊँचाई तक उठाने के लिए कहा (सामुदायिक नियम और धन्यवाद के भजन)। **उनकी अपनी व्यवस्था ने इसे आधा लागू किया:** एक अन्यजाति जो वाचा में प्रवेश करता था, उसे अपना पूर्व अस्तित्व पीछे छोड़ना पड़ता था — पुराना नाते-रिश्ता शून्य, एक नई पहचान प्रदान की जाती थी — और धर्मांतरित व्यक्ति के विसर्जन पर हिलेल और शम्मई के घरों में उनकी अपनी पीढ़ी में या उसके आसपास पहले से ही विवाद था (मिशनाह पेसाचिम 8:8)। **और यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने इसे जबरन दिन के उजाले में ला दिया था,** इस्राएलियों को स्वयं पानी में नीचे बुलाते हुए और चेतावनी देते हुए, «यह न कहो... कि हमारा पिता इब्राहीम है» — क्योंकि परमेश्वर पत्थरों से इब्राहीम के लिए संतान उत्पन्न कर सकता था (मत्ती 3:9)। पहला जन्म कुछ भी मायने नहीं रखता।

इसलिए पुनर्जन्म कभी भी बाहर से किसी व्यक्ति के साथ किया गया कार्य नहीं था; यह एक दहलीज थी जिसे उसने स्वयं पार किया। «यह आवश्यक है,» यीशु ने कहा — और तुम बहुवचन है, जो कमरे में मौजूद एक व्यक्ति से आगे तक पहुँचता है — «कि तुम ऊपर से जन्मे हो»; और उसी सांस में उन्होंने बताया कि कैसे: जैसे मूसा ने सांप को ऊँचा उठाया, वैसे ही मनुष्य के पुत्र को ऊँचा उठाया जाना चाहिए, ताकि जो कोई विश्वास करे वह जीवन पा सके (यूहन्ना 3:14-15)। केवल अन्यजाति नहीं, केवल अंत के दिनों में इस्राएल नहीं, बल्कि तुम — अब, आत्मा द्वारा, पुत्र के माध्यम से, और खुली आँखों से पानी में। यही कारण है कि यह संकेत कभी भी किसी शिशु का नहीं था: धर्मांतरित व्यक्ति ने मिकवाह चुना, यूहन्ना के सुनने वालों ने स्वयं किनारे से नीचे कदम रखा, और निकुदेमुस — जिसके पास जानकारी की कोई कमी नहीं थी, केवल इच्छाशक्ति की कमी थी — अंत में अपने स्वयं के दरवाजे से होकर गुजरा (यूहन्ना 7:50; 19:39)। बपतिस्मा ऊपर से जन्मे व्यक्ति का सचेत रूप से पार करना है।

कोई मिस्त्रियों को भी याद करता है, जो नूह के समय के लोगों की तरह दुनिया का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रतीकात्मक रूप से कहें तो, उन्होंने लाल सागर की शुद्धि परीक्षा पास नहीं की, भले ही उनका मानना था कि वे करेंगे। यह नूह की बाढ़ को भी दर्शाता है, जहाँ दुष्टता को अब बने रहने की अनुमति नहीं थी। इस प्रकार मिकवाह नए जीवन का प्रतीक है और साथ ही, पुराने पर न्याय भी है। यह भोज (communion) की तरह है, जहाँ व्यक्ति यीशु के लहू और शरीर को या तो उद्धार के लिए या न्याय के लिए ग्रहण करता है (1

कुरिन्थियों 11:27-29)। यह बपतिस्मा—यह शुद्धि—उन लोगों के लिए वैकल्पिक नहीं है जो प्रतिज्ञा की हुई भूमि में प्रवेश करना चाहते हैं; यह एक पूर्ण आवश्यकता है (यूहन्ना 3:5)। फिर भी पानी विश्वास की जगह नहीं लेता; यह इसे व्यक्त करता है। बपतिस्मा उस हृदय का नियुक्त उत्तर है जो पहले से ही विश्वास करता है और जिसने पश्चाताप किया है (1 पतरस 3:21) — न कि कोई ऐसा कार्य जो वह अर्जित करता है जो केवल मसीह का लहू दे सकता है (इफिसियों 2:8-9)। तथ्य यह है कि आज कई चर्चों में इसकी उपेक्षा की गई है, यह सत्य को अमान्य नहीं करता है; इतिहास अब भी खुद को दोहराता है। कई लोग परमेश्वर के सामने खड़े होते हैं, आत्म-दृढ़ और अहंकारी, यह समझे बिना कि यह रास्ता कहाँ जाता है।

रोमियों 6:1-11 • तो हम क्या कहें? क्या हम पाप में बने रहें कि अनुग्रह बहुत हो? कदापि नहीं! हम जो पाप के लिए मर गए, फिर उसमें कैसे जीवित रहें? या क्या तुम नहीं जानते कि हम में से जितनों ने मसीह यीशु में बपतिस्मा लिया, उन्होंने उसकी मृत्यु में बपतिस्मा लिया? सो बपतिस्मे के द्वारा हम उसके साथ मृत्यु में गाड़े गए। और जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुएों में से जिलाया गया, वैसे ही हमें भी नए जीवन में चलना चाहिए। क्योंकि यदि हम उसकी मृत्यु के समान होकर उसके साथ जुड़ गए हैं, तो निश्चित रूप से उसके पुनरुत्थान के समान भी जुड़ जाएंगे। हम जानते हैं कि हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया, ताकि पाप का शरीर नष्ट हो जाए, और हम आगे को पाप के दास न रहें। क्योंकि जो मर गया, वह पाप से छूट गया। यदि हम मसीह के साथ मर गए, तो हमारा विश्वास है कि हम उसके साथ जीवित भी रहेंगे। हम जानते हैं कि मसीह, मरे हुएों में से जी उठकर, फिर कभी नहीं मरेगा; मृत्यु का उस पर फिर प्रभुत्व नहीं। क्योंकि जो मृत्यु वह मरा, वह पाप के लिए एक ही बार मरा, परन्तु जो वह जीवित है, वह परमेश्वर के लिए जीवित है। वैसे ही तुम भी अपने आप को पाप के लिए तो मरा, परन्तु मसीह यीशु में परमेश्वर के लिए जीवित समझो।

जो लोग समुद्र पार करने के इच्छुक नहीं थे, वे पुरानी दुनिया में मर गए होते, और यूहन्ना यह जानता था जब उसने यीशु के बारे में बात की:

मत्ती 3:11-12 • मैं तो «पश्चाताप के लिए जल से» तुम्हें बपतिस्मा देता हूँ। परन्तु जो मेरे बाद आता है, वह मुझसे शक्तिशाली है, और मैं उसकी जूतियाँ उठाने के योग्य नहीं। वह (यीशु मसीह) तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा। उसका सूप उसके हाथ में है, और वह अपना खलिहान साफ करेगा। वह अपने गेहूँ को तो खत्ते में इकट्ठा करेगा, परन्तु भूसे को कभी न बुझने वाली आग में जला देगा।

मुझे परमेश्वर के वचन, बाइबल से शब्द साझा करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। हालाँकि, परमेश्वर के साथ मेरे अनुभव पुष्टि करते हैं कि उनका वचन सत्य है; यदि हम अच्छा फल चाहते हैं, तो हमें परमेश्वर के वचन का पालन करना चाहिए और तदनुसार कार्य करना चाहिए। कई विश्वासियों का मानना है कि एक व्यक्ति शिशु बपतिस्मा के माध्यम से परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करता है, लेकिन बाइबल में ऐसा कुछ भी नहीं है जो इसका सुझाव दे। मैंने स्वयं पवित्र आत्मा से सुना है कि हमें बच्चों के बारे में चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यदि वे उद्धार से पहले मर जाते हैं तो वे परमेश्वर द्वारा शुद्ध किए जाते हैं। यह वर्ष 2016 के आसपास हुआ था, और पवित्र आत्मा ने मुझे ablution (शुद्धि स्नान) शब्द दिया, एक ऐसा शब्द जिसका अर्थ मैं नहीं जानता था। उस समय, मैं सोच रहा था कि उन बच्चों का क्या होगा जो यीशु मसीह के लौटने पर फिर से नहीं जन्मे हैं। तब पवित्र आत्मा ने मुझे यह एक शब्द दिया:

यह तब हुआ जब मूसा के भाई हारून को महायाजक के रूप में स्थापित किया गया, जिसमें व्यापक शुद्धि अनुष्ठान शामिल थे। लैव्यव्यवस्था 8 के अनुसार, हारून और उसके पुत्रों को पानी से धोया गया, विशिष्ट याजकीय वस्त्र पहनाए गए, पवित्र तेल से अभिषेक किया गया, और पवित्र सेवाओं को करने के लिए पवित्र और तैयार होने के लिए विशेष बलिदान दिए गए। जब हारून शुद्ध और तैयार हो गया, तो वह वाचा के संदूक के सामने अनुष्ठान करने के लिए साल में एक बार प्रायश्चित के दिन, योम किप्पुर पर परमपवित्र स्थान (कोदेश हाकोदाशिम) में प्रवेश कर सकता था। यह निवास स्थान का सबसे पवित्र हिस्सा था, जहाँ परमेश्वर की उपस्थिति विशिष्ट रूप से प्रकट होती थी। यह स्पष्ट है कि पवित्र आत्मा मुझे यह दिखाना चाहता था कि बच्चे परमेश्वर के हाथों में हैं और हमें उनके बारे में चिंता नहीं करनी चाहिए। यह तब के विपरीत है जब एक बच्चा वयस्क हो जाता है और परमेश्वर के साथ अपने स्वयं के संबंध के लिए और यीशु को प्राप्त करने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है।

— Ablution का अर्थ है शुद्धि

हम बाइबल में यह भी देखते हैं कि यीशु ने कभी बच्चों को बपतिस्मा नहीं दिया बल्कि उन्हें आशीष दी (मरकुस 10:14)। और यूनानी भाषा एक ऐसा अंतर करती है जिसे अंग्रेजी छिपाती है: मत्ती 19:13-14 में "बच्चों" के लिए मत्ती जिस शब्द का उपयोग करता है वह *paidion παιδίον*^{G3813} है — ऐसे बच्चे जो चलने और आने के लिए पर्याप्त बड़े हैं। लूका 18:15 एक अलग शब्द का उपयोग करता है — *brephos βρέφος*^{G1025}, जिसका अर्थ है अजन्मा या नवजात शिशु। यीशु ने शिशुओं को आशीष दी। उन्होंने उन्हें बपतिस्मा नहीं दिया। और जब हम कॉनकॉर्डेंस टूल्स का उपयोग करके नए नियम में हर आयत को खोजते हैं, तो *baptizō βαπτίζω*^{G907} विश्वास करने, पश्चाताप करने और स्वीकार करने के शब्दों के साथ आता है — नौ बार। यह शिशु या बच्चे के लिए किसी भी शब्द के साथ आता है — शून्य बार। एक बार भी नहीं। इस प्रमाण का पूर्ण अध्ययन, जिसमें इब्रानी जड़ें, फसह का संबंध, और यूनानी आकृति विज्ञान शामिल है, हमारी सहयोगी पुस्तक *Through the Waters* (junifye.publifye.pro/through-the-waters) में उपलब्ध है। शास्त्रों में, शिशुओं के बजाय वयस्कों को बपतिस्मा दिया गया था (प्रेरितों के काम 2:38; 8:36-38; 16:33)। मेरी होने वाली पत्नी मेरे लिए एक आशीष है, क्योंकि वह भी परमेश्वर से सुनती है और अपने आस-पास के लोगों के साथ सुसमाचार साझा करने में उनकी आग रखती है। मुझे विश्वास था कि वयस्क बपतिस्मा परमेश्वर द्वारा नियुक्त है, लेकिन मैं जानता था कि उसे यह स्वयं पिता से सुनने की आवश्यकता है। मैं जानता हूँ कि यीशु यूहन्ना अध्याय 3 में शिशु बपतिस्मा के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, जैसा कि मरकुस भी पुष्टि करता है:

मरकुस 16:16 • जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले, उसी का उद्धार होगा। परन्तु जो विश्वास न करे, वह दोषी ठहराया जाएगा।

यीशु ने अक्सर नरक के बारे में बात की और हमें कठोर शब्दों के साथ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि नरक में डाले जाने से शरीर का एक अंग खो देना बेहतर है, जहाँ कीड़ा नहीं मरता और आग नहीं बुझती (मरकुस 9:43-48)। उन्होंने उस धनी व्यक्ति के बारे में बताया जो आग की लपटों में पीड़ा में था और दया के लिए चिल्लाया (लूका 16:23-24)। ये रूपक नहीं, बल्कि वास्तविकता हैं।

अक्षरों में छिपा हुआ

लेकिन प्रमाण केवल इस बात पर नहीं रुकता कि बाइबल सतह पर क्या कहती है। तोराह — मूसा की पहली पाँच पुस्तकें — में 304,805 इब्रानी अक्षर हैं, जिन्हें 3,400 वर्षों से बिना किसी त्रुटि के कॉपी किया गया है। जब आधुनिक कंप्यूटरों ने इन अक्षरों को समान अंतराल (Equidistant Letter Sequences, या ELS) पर एन्कोड किए गए शब्दों के लिए खोजा, तो उन्हें कुछ ऐसा मिला जिसे मानव आँख कभी नहीं देख सकती थी।

49 के स्किप पर — पिन्तेकुस्त की ओर गिनती, पचासवाँ दिन — बपतिस्मा के धर्मशास्त्र से संबंधित ग्यारह इब्रानी शब्द प्रत्येक एक बार या पूरे तोराह में बहुत कम दिखाई देते हैं। और उनमें से प्रत्येक अपनी परिभाषित आयत पर उतरता है। **तेविलाह** (תְּבִילָה, विसर्जन) उस आयत पर आता है जो «स्वयं को पानी में स्नान करने» का आदेश देती है (लैव्यव्यवस्था 15:7)। **तेशुवाह** (תְּשׁוּבָה, पश्चाताप) उस सेवक की व्यवस्था पर आता है जो अपने स्वामी के साथ रहने का विकल्प चुनता है (निर्गमन 21:5-6)। **मशियाह** (מָשִׁיחַ, मसीहा) «मेरा नाम उसमें है» पर आता है (निर्गमन 23:21)। **येशुआह** (יֵשׁוּעַ, उद्धार) लहू के साथ वेदी के अभिषेक पर आता है (लैव्यव्यवस्था 8:15)। 49 के स्किप पर रसोई खाना पकाने के बारे में किसी आयत पर नहीं उतरती। ऊँट ऊँटों पर नहीं उतरते। ये नियंत्रण यादृच्छिक, असंबंधित पाठ पर उतरते हैं। लेकिन हर बपतिस्मा शब्द अपनी आयत पर उतरता है।

जब तोराह पाठ को एक बेलन पर लपेटा जाता है — मूल स्कॉल — तो ग्यारह शब्द जोड़े में क्लस्टर होते हैं जो उपदेश देते हैं: पश्चाताप के बगल में उद्धार के बगल में फसह का मेमना; विश्वास के बगल में विसर्जन; और मसीहा, जिसका कॉलम स्कॉल के चारों ओर लिपटा हुआ है, विसर्जन को छूता है। मशियाह (358) और तेविलाह (56) का गेमात्रिया 414 के बराबर है — **नहशोन** (נִחְשׁוֹן) का सटीक गेमात्रिया, वह व्यक्ति जिसने, यहूदी परंपरा के अनुसार, समुद्र के फटने से पहले विश्वास के द्वारा सबसे पहले लाल सागर में कदम रखा था।

हमने तोराह में **निकुदेमुस** नाम के लिए भी खोज की — वह व्यक्ति जिसे यीशु ने «जल और आत्मा से जन्म लेने» के लिए कहा था (यूहन्ना 3:5)। उनका नाम पूरे तोराह में एक बार, 1,092 के स्किप पर दिखाई देता है। यह गिनती 7:17 से शुरू होती है — **नहशोन बेन अम्मीनादाब** का भेंट। जिस व्यक्ति को पानी में प्रवेश करने के लिए कहा गया था, वह उस व्यक्ति के नाम से गुजरते हुए एन्कोड किया गया है जो सबसे पहले पानी में प्रवेश किया था। और सतह के शब्द जिन्हें निकुदेमुस पार करता है, वे सुसमाचार की तरह पढ़ते हैं: नहशोन (विश्वास), छिड़कने का कटोरा (लहू लगाया गया), मूसा (व्यवस्था), प्रायश्चित, और आवरण — «तुम में से जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है, उन्होंने मसीह को पहन लिया है» (गलातियों 3:27)।

सबसे चौंकाने वाली बात: जब हमने तोराह के छिपे हुए अक्षरों में **एमुनाह** (אֱמוּנָה, विश्वास) और **तेविलाह** (תְּבִילָה, विसर्जन) के बीच की दूरी को मापा, तो निकटतम जोड़ा **व्यवस्थाविवरण 21:23** पर **दो अक्षरों के अंतराल** पर बैठता है — «शापित है वह जो पेड़ पर लटकाया गया है»। वह आयत जिसे पौलुस ने गलातियों 3:13 में क्रूस के बारे में उद्धृत किया है। विश्वास और विसर्जन, क्रूस पर चढ़ने की आयत पर स्पर्श करते हुए। तोराह ने उद्धार की दो आवश्यकताओं को ठीक उसी स्थान पर अगल-बगल एन्कोड किया जहाँ उद्धार खरीदा गया था — क्रूस के खड़े होने से 1,400 साल पहले।

और जब हमने बपतिस्मा स्किप पर शिशु के लिए किसी भी इब्रानी शब्द की खोज की, तो परिणाम विनाशकारी थे: 49 के स्किप पर **तिनोक** (שִׁשׁוּ, शिशु) एक मृत्युदंड पर उतरता है (निर्गमन 21:15)। 34 के स्किप पर **तिनोक** पूरी तरह से अनुपस्थित है। तोराह बपतिस्मा स्किप पर विश्वास, पश्चाताप, विसर्जन, मसीहा, और उद्धार को एन्कोड करता है। शिशु कहीं नहीं मिलता। एक बार भी नहीं। किसी भी स्किप पर जो मायने रखता है।

मूसा 304,805 अक्षरों को व्यवस्थित नहीं कर सकता था ताकि ये शब्द इन आयतों पर उतरें। बाधाएँ बहुत विशिष्ट हैं। संरेखण बहुत सटीक है। लेकिन कोई कर सकता था। और पूर्ण विश्लेषण — सांख्यिकीय परीक्षणों, नियंत्रण शब्दों, और सत्यापित हर निष्कर्ष के साथ — सहयोगी पुस्तक *Through the Waters* (junifye.publifye.pro/through-the-waters) में उपलब्ध है।

मैंने बपतिस्मा के संबंध में अपनी होने वाली पत्नी को चुनौती दी और कहा, «परमेश्वर से पूछो कि क्या वह पुष्टि कर सकते हैं कि बपतिस्मा वयस्कों के लिए है?»

जब परमेश्वर ने उसके कुछ समय बाद उसे जगाया, तो उन्होंने उसे एक पुरानी बाइबल दिखाई— संभवतः एक इब्रानी बाइबल, हालाँकि वह सुनिश्चित नहीं थी। परमेश्वर ने उसे बपतिस्मा के बारे में इस संदेश की पुष्टि की। उन्होंने कहा: **«मुझे आशा है कि लोग मेरी बात सुनेंगे! शिशु बपतिस्मा एक आशीष है, लेकिन वयस्क बपतिस्मा एक आवश्यकता है!»**

— परमेश्वर मेरी होने वाली पत्नी को रात के बीच में जगाते हैं

कौन बच्चों को यीशु का पालन करने के लिए मजबूर कर सकता है? कोई नहीं। लेकिन शिशु बपतिस्मा की परंपरा परमेश्वर के वचन को शून्य कर देती है। इसे स्वीकार करना कठिन हो सकता है, लेकिन बाइबल यह दिखाती है, और पवित्र आत्मा ने स्वयं इसकी पुष्टि की है। मेरे अपने अनुभव ने यह दिखाया है—न केवल मुझे व्यक्तिगत रूप से, बल्कि उन लोगों को भी जो वहाँ मौजूद थे जब संतों में से एक को बपतिस्मा दिया गया था और उसके तुरंत बाद अन्य भाषाओं में बोलना शुरू कर दिया था, यह समझे बिना कि क्या हो रहा था (प्रेरितों के काम 2:4; 10:44-46)। मैंने उन विश्वासियों से बात की है जो इसे स्वीकार नहीं करते हैं, लेकिन जब मैंने अपनी होने वाली पत्नी को परमेश्वर से उत्तर माँगने की चुनौती दी, तो परमेश्वर ने रात के बीच में उससे बात की और अपने स्वयं के वचन की पुष्टि की। शिशु बपतिस्मा परमेश्वर की परंपरा नहीं है, बल्कि मनुष्यों की है (मरकुस 7:8)। हमें अपना रास्ता चुनना होगा: मनुष्य या परमेश्वर। जो विश्वास करते हैं उनके पीछे चिन्ह और चमत्कार चलेंगे (मरकुस 16:17); अन्य लोग मानवीय शब्दों के साथ बोलते हैं, और वे या तो परमेश्वर की शक्ति की अनुपस्थिति को समझाने की कोशिश करेंगे या इसके बारे में बात करने से बचेंगे।

बाइबल स्पष्ट रूप से कहती है कि संत ठीक वैसे ही चमत्कार और अद्भुत कार्य करेंगे जैसे यीशु मसीह हमारे उद्धारकर्ता ने किए थे (यूहन्ना 14:12)। हम यह नहीं पढ़ते कि हमें शक्तिहीन ऊँचे शब्दों के साथ बोलना चाहिए। पौलुस अपने स्वयं के मंत्रालय के बारे में ऐसा नहीं कहते हैं। न ही पतरस—जिन्होंने यीशु मसीह को अपना जीवन दिया—केवल शब्दों के व्यक्ति थे, बल्कि परमेश्वर की शक्ति के व्यक्ति थे। आज, जो चले अपने पूरे अस्तित्व के साथ परमेश्वर की सेवा करते हैं और पहले उन्हें खोजते हैं, उनके पास अनुग्रह के वही वरदान हैं जो यीशु के समय के लोगों के पास थे (गलातियों 3:27; 1 कुरिन्थियों 12:4-11)। हमारे लिए परमेश्वर के वचन के प्रति गुनगुने होने की कोई जगह नहीं है, अब या कभी भी।

एक विशिष्ट आपत्ति सक्षम लोगों को बेंच पर रखती है। लाओदीकिया के लिए प्रभु के शब्द सुनने से पहले मुझे इसका उत्तर देने दें।

कांस्य सर्प और चोर

आपत्ति एक अनुमानित ढाल है: क्रूस पर चोर को बिना बपतिस्मे के बचाया गया था, इसलिए मैं छूट प्राप्त हूँ। यह धर्मशास्त्र के रूप में प्रच्छन्न एक श्रेणी त्रुटि है। चोर क्रूस पर मर रहा था; उसके पास पानी तक पहुँच नहीं थी। उसका उद्धार अपवाद का चमत्कार था, न कि राज्य का नियम। उसने आवश्यक कार्य किया: उसने उद्धारकर्ता की ओर देखा।

यूहन्ना 3:14-15 • और जैसे मूसा ने जंगल में सांप को ऊँचा उठाया, वैसे ही मनुष्य के पुत्र का भी ऊँचा उठाया जाना अवश्य है: ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नाश न हो, परन्तु अनंत जीवन पाए।

पैटर्न निश्चित है: ra'ah (רא'ה — देखना), chai (חַי — जीना)। गिनती 21 में, śārāp שָׂרָפְ^{H8314} (अग्निमय सर्प) मृत्यु लाया, लेकिन nēs נָסַ^{H5251} (मानक, बैनर) जीवन लाया। चोर ने ऊँचे उठाए गए पुत्र की ओर देखा जबकि उसका शरीर उसकी अपनी लकड़ी पर पिन किया हुआ था। वह पानी में नीचे नहीं उतर सका, लेकिन उसने अपना हृदय राजा की ओर मोड़ दिया। उसने ठीक वही किया जो पिता ने उन परिस्थितियों में मांगा था जो उसे दी गई थीं।

आप चोर नहीं हैं। आप क्रूस पर पिन नहीं किए गए हैं। आप नदी के किनारे खड़े हैं, और पानी बढ़ रहा है। प्रभु की आज्ञा को अस्वीकार करते हुए चोर के अपवाद का दावा करना विश्वास नहीं है; यह यरदन में डुबकी लगाने से पहले नामान का अहंकार है (2 राजा 5)। नामान एक भव्य इशारा, एक अधिक गरिमापूर्ण रास्ता चाहता था, लेकिन उसने चंगाई केवल उस कीचड़ भरी आज्ञाकारिता में पाई जिसे उसने शुरू में तुच्छ समझा था।

मनुष्यों के सामने स्वीकार करना वैकल्पिक नहीं है। मसीह स्पष्ट हैं: «जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे स्वीकार करेगा, उसे मैं भी अपने पिता के सामने जो स्वर्ग में है, स्वीकार करूँगा» (मत्ती 10:32)। बपतिस्मा सार्वजनिक, शारीरिक स्वीकारोक्ति है कि पुराना मनुष्य मर गया है और नया मनुष्य जी उठा है। इसे रोकना उस सार्वजनिक गवाही को रोकना है जिसकी मसीह अपने लोगों से मांग करते हैं।

हर विश्वासी को कम से कम मुड़ना चाहिए। लेकिन सक्षम लोगों के लिए, वह मोड़ जो पानी पर रुक जाता है, वह मोड़ है जिसने अपना सिर शिविर से छिपा लिया है। अपनी शुष्कता को सही ठहराने के लिए चोर के पीछे मत छिपो। आप नई वाचा के पानी को अस्वीकार करते हुए सर्प-पोल के जीवन का दावा नहीं कर सकते। पानी प्रतीक्षा कर रहा है, और आज्ञा स्पष्ट है।

बपतिस्मा और आत्मा

लेकिन फिर, उस बच्चे का क्या जिसे बोलने से पहले ही फोट तक ले जाया जाता है? यहाँ एक कोमल, नेक इरादे वाली प्रथा ने चुपचाप कई लोगों को उस एक मंजिल से दूर कर दिया है जो उन्हें थामे रखती है। क्योंकि आत्मा अनजान व्यक्ति पर किए गए अनुष्ठान द्वारा नहीं दी जाती; वह विश्वास को दी जाती है: «क्या तुमने आत्मा व्यवस्था के कार्यों से प्राप्त की, या विश्वास के सुनने से?» (गलातियों 3:2)। और प्रेरितों द्वारा दर्ज किया गया हर बपतिस्मा एक विश्वास करने वाले हृदय का अनुसरण करता है: «पश्चात्ताप करो, और तुम में से हर कोई बपतिस्मा ले... और तुम पवित्र आत्मा का वरदान पाओगे» (प्रेरितों के काम 2:38) — पहले पश्चात्ताप, फिर पानी, फिर वरदान। शास्त्र पुनः बपतिस्मा द्वारा सही क्रम भी दिखाता है: जिन लोगों ने केवल यूहन्ना का बपतिस्मा लिया था, जिन्होंने «यह भी नहीं सुना था कि पवित्र आत्मा है», उनसे पूछा गया «तो फिर तुमने किसका बपतिस्मा लिया?» और फिर «प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा» लिया (प्रेरितों के काम 19:2-5)। विश्वास से पहले प्राप्त धुलाई कोई बाधा नहीं थी; इसने विश्वासियों के बपतिस्मे की मांग की।

मध्यम वाच्य (middle voice) — इच्छा का व्याकरण — विषय को स्वयं पर कार्य करते हुए दिखाता है। «वे सब मूसा में बपतिस्मा पाए» (1 कुरिन्थियों 10:2), फिर भी यूनानी ebaptisanto (G907) मध्यम है: उन्होंने स्वयं को बपतिस्मा दिया। पौलुस से कहा गया था «उठ, और बपतिस्मा ले, और अपने पापों को धो डाल» (प्रेरितों के काम 22:16 — baptisai, G907, और apolousai, G628,

दोनों मध्यम आज्ञाएँ); और हालाँकि गलातियों 3:27 में "बपतिस्मा" निष्क्रिय है, «मसीह को पहन लिया है» मध्यम है — enedusasthe (G1746), एक कार्य जो आप स्वयं करते हैं। एक शिशु मध्यम वाच्य में कोई कार्य नहीं कर सकता।

यहाँ तक कि पतरस प्रेरितों के काम 2:38-39 में इसे चिह्नित करते हैं: भीड़ को पुकार — «पश्चात्ताप करो» (metanoēsate, G3340) — बहुवचन में है, जबकि बपतिस्मा एक-एक करके एकवचन में अलग करता है: «तुम में से हर कोई बपतिस्मा ले» (baptisthētō, G907)। और उनके «बच्चों» के लिए वादे में teknon τέκνον^{G5043} (संतान) का उपयोग किया गया है, न कि brephos (शिशु); यह «उन सभी तक पहुँचता है जिन्हें प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा» — proskaleō (G4341) — और बुलाए जाने का अर्थ सुनने की शक्ति है।

तीन ग्रंथों को शिशु बपतिस्मा की सेवा में दबाया गया है, और प्रत्येक, पूरा पढ़ा जाने पर, दूसरी दिशा में मुड़ जाता है। **घरानों** — «वह... और उसका घराना» (प्रेरितों के काम 16:15), «वह और उसके सब» (प्रेरितों के काम 16:33), «स्तेफनास का घराना» (1 कुरिन्थियों 1:16) — को इस प्रमाण के रूप में पेश किया जाता है कि शिशुओं को घर के साथ बपतिस्मा दिया गया था। लेकिन जेलर के घर की बात अंत तक सुनें: वचन «उसके घर में सभी को» सुनाया गया था, और उसने «अपने पूरे घर के साथ परमेश्वर पर विश्वास करके आनंद मनाया» (प्रेरितों के काम 16:32-34)। घर ने सुना और विश्वास किया, और फिर बपतिस्मा लिया। **खतना** समानांतर को इसके बाद पेश किया जाता है — फिर भी पौलुस इसे शैशवावस्था से नहीं बल्कि विश्वास से जोड़ता है: बपतिस्मे में उसके साथ गाड़े गए, «जिसमें तुम परमेश्वर की कार्यप्रणाली के विश्वास के द्वारा उसके साथ जी भी उठाए गए» (कुलुस्सियों 2:12)। और «छोटे बच्चों को मेरे पास आने दो...» (मत्ती 19:14) प्रभु का उन्हें आशीष देने के लिए उठाना है — बपतिस्मा देने के लिए नहीं; उन्होंने हाथ रखे और प्रार्थना की, उन्होंने पानी नहीं डाला।

जब, फिर, एक अचेतन शिशु पर किया गया समारोह आत्मा को देने के लिए सिखाया जाता है और प्रभु द्वारा आज्ञा दिए गए बपतिस्मे के स्थान पर प्राप्त किया जाता है, तो यह वही करता है जिसे उन्होंने फटकारा: «अपनी परंपरा के द्वारा परमेश्वर के वचन को व्यर्थ कर देना» (मरकुस 7:13)। इतिहास वही कहानी बताता है जो पाठ बताता है: कहीं भी शिशु बपतिस्मा का सबसे प्रारंभिक स्पष्ट उल्लेख — टर्टुलियन में, वर्ष 200 के आसपास, उनके ग्रंथ De Baptismo में — एक तर्क है कि इसे विलंबित किया जाना चाहिए। जब ओरिजिन ने 200 के दशक के मध्य में इस प्रथा का बचाव किया, तो वह ऐसा केवल एक "प्रेरित परंपरा" के रूप में कर सके, जिसमें दिखाने के लिए कोई शास्त्र नहीं था; और कार्थेज की परिषद (256) ने केवल समय पर बहस की — कि क्या आठवें दिन तक प्रतीक्षा की जाए — अनुमति पर कभी नहीं। जैसे-जैसे प्रथा ने जड़ पकड़ी, कोई भी शास्त्र से यह नहीं दिखा सका कि यह प्रेरितिक थी। यह, मूल रूप से, परमेश्वर की आज्ञा पर मनुष्यों की एक परंपरा है।

फिर भी सुरक्षा कवच सुनें, कहीं यह किसी कोमल विवेक को घायल न कर दे: पानी जादू नहीं है। यह «शरीर की गंदगी को दूर करना नहीं, बल्कि परमेश्वर के प्रति एक अच्छे विवेक का उत्तर है» (1 पतरस 3:21) — और बिना किसी बपतिस्मे वाले चोर से कहा गया था, «आज ही तू मेरे साथ स्वर्गलोक में होगा» (लूका 23:43)। इसलिए एक सच्चा विश्वासी जो अभी तक पानी में नहीं गाड़ा गया है, वह इससे बाहर नहीं है; विश्वास बचाता है। लेकिन दो बातें होती हैं। अपने आश्वासन को उस अनुष्ठान पर न टिकाएं जो आपके विश्वास करने से पहले किया गया था — इसे भीतर आत्मा की अपनी गवाही पर टिकाएं। और यदि आप विश्वास करते हैं, तो आज्ञा मानें: स्वयं पानी में नीचे आएं, और अपने स्वयं के विवेक के साथ, वह उत्तर दें जो एक शिशु नहीं दे सकता था।

लहू का दूल्हा

तोराह में सबसे तेज गवाह कि वाचा का संकेत कभी वैकल्पिक नहीं था, रात में एक ठहरने के स्थान पर, निर्गमन 4:24–26 में स्थित है। मिस्र के रास्ते में यहोवा मूसा से मिलता है और उसे मारने की कोशिश करता है — बच्चे को नहीं, बल्कि वयस्क व्यक्ति को, इस्राएल के चुने हुए उद्धारकर्ता को। कारण यह है कि वाचा के संकेत की उपेक्षा की गई थी। तब सिप्पोरा एक चकमक पत्थर की छुरी लेती है और अपने बेटे की खतना करती है — क्रिया **וַתִּכְרֹת** *vatikrot* है, **כָּרַת** *karat*^{H3772} से, वही शब्द जो "वाचा काटने" में उपयोग किया जाता है (उत्पत्ति 15:18) — लहू को उसके पैरों से छूती है, और कहती है: "निश्चित रूप से तुम मेरे लिए लहू के दूल्हे हो" (**חַתָּן דָּמִים** *chatan damim*)। मृत्यु पीछे हट जाती है। वाचा के लहू ने सजा को टाल दिया।

शब्द भी वाचा को ले जाते हैं। वह क्रिया जिसके लिए सिप्पोरा पहुँचती है — **וַתִּכְרֹת** *vatikrot*, मूल **כָּרַת** *kārat*^{H3772} से — एक शब्द में वाचा के दोनों पक्षों को रखती है: इसका अर्थ "वाचा काटना" (उत्पत्ति 15:18) और "काट दिया जाना" दोनों हैं। प्रवेश करने का अर्थ है अंदर काटा जाना; मुड़ने का अर्थ है बाहर काटा जाना — एक ही शब्द। और वह नाम जिसे वह पुकारती है — **אֵתָן** *ātān*^{H2860}, "दूल्हा" — स्वयं एक वाचा शब्द है: शब्दकोश एक विशिष्ट अर्थ देता है "एक खतना किया हुआ बच्चा, धार्मिक विवाह का एक प्रकार," मूल "विवाह द्वारा संबंध अनुबंधित करना" (H2859) से। खतना लहू में एक विवाह-संकेत था। यही कारण है कि शास्त्र मसीह को दूल्हा कहता है (यूहन्ना 3:29; इफिसियों 5:25–32; प्रकाशितवाक्य 19:7), और हम पानी के माध्यम से उनके साथ सगाई में प्रवेश करते हैं।

ध्यान दें कि कौन नश्वर खतरे में था, और किसे छुरी मिली। सजा वयस्क पर गिरी — मूसा पर, जो वाचा के लिए उत्तर दे सकता था। संकेत बच्चे पर लगाया गया था, किसी और के हाथ से। पुरानी वाचा का तरीका ऐसा ही था: शरीर में एक संकेत, उस पर रखा गया जो अभी उत्तर नहीं दे सकता था। लेकिन यही कारण है कि एक नया संकेत आना पड़ा। नई वाचा को माता-पिता के हाथ से सोते हुए शिशु पर नहीं रखा जा सकता। इसका आंतरिक पक्ष हृदय का खतना है "जो हाथों से नहीं किया गया" (कुलुस्सियों 2:11; रोमियों 2:29), व्यक्ति में परमेश्वर का अपना कार्य; इसका बाहरी पक्ष बपतिस्मा है, परमेश्वर के प्रति एक अच्छे विवेक की प्रतिज्ञा (1 पतरस 3:21), यूनानी में *eperōtēma* — आपकी अपनी शपथ हों। दोनों व्यक्तिगत हैं: कोई माता-पिता, कोई पादरी, और कोई राज्य आपके लिए उन्हें नहीं दे सकता। यह वही वाचा है — यूनानी में *diathēkē* — जिसका खतना संकेत था (उत्पत्ति 17:11) और जिसका बपतिस्मा प्रतिज्ञा है: एक मुहर, उसी लहू में, ठीक वैसे ही जैसे पौलुस कहता है कि दो संकेत मसीह में एक हैं (कुलुस्सियों 2:11–12) — लेकिन मसीह में एक, शरीर के वंश में नहीं, इसलिए मुहर विश्वास का अनुसरण करती है न कि जन्म का। निर्गमन 4 पुरानी वाचा की अंतिम मशाल है जिसे प्रॉक्सी द्वारा ले जाया गया है, और लहू का दूल्हा जिसे यह नाम देता है, वह स्वयं से परे सच्चे दूल्हे की ओर इशारा करता है, जिसका अपना लहू वाचा को सील करता है: "यह मेरी वाचा का लहू है" (मत्ती 26:28)। क्योंकि यूनानी में *diathēkē* का अर्थ "वसीयत" भी है — एक वाचा जो केवल मृत्यु से प्रभावी होती है (इब्रानियों 9:16–18)। वाचा लहू से जीवित रहती है, और बपतिस्मे में हम उस मृत्यु में नीचे जाते हैं (रोमियों 6:3–4)।

कोई भी इसे गलत न समझे। यह शिशु बपतिस्मा को माफ नहीं करता — यह इसे समाप्त करता है, और यह एक पल के लिए भी नहीं कहता कि हृदय का खतना माता-पिता की पसंद से किया जा सकता है। हृदय का खतना ठीक "हाथों से नहीं किया गया" (कुलुस्सियों 2:11; रोमियों 2:29) है — यह नए जन्म पर व्यक्ति में परमेश्वर का अपना कार्य है, और कोई हाथ किसी और की ओर से इसे नहीं करता, माता-पिता का तो बिल्कुल नहीं। दो संकेतों के बीच समानता वाचा और लहू है; अंतर दरवाजा है: पुरानी वाचा शरीर के वंश के माध्यम

से चली, इसलिए शरीर-संकेत पहले से ही इसमें जन्मे शिशु पर लागू हुआ; नई वाचा नए जन्म के माध्यम से चलती है, न कि शरीर के — “वे सब मुझे जानेंगे, छोटे से लेकर बड़े तक” (यिर्मयाह 31:34) — और इसके कोई ऐसे सदस्य नहीं हैं जो स्वयं उसे नहीं जानते। नया हृदय परमेश्वर व्यक्ति को देता है, और व्यक्तिगत हैं जिसका उत्तर व्यक्ति देता है; किसी को भी बाहर से कोई नहीं दे सकता। शिशु को बपतिस्मा देना पुरानी वाचा के दरवाजे को नई वाचा में ले जाना है।

और संकेत की उपेक्षा करना कोई छोटी बात नहीं है। जिसने इसे अधूरा छोड़ दिया उसे “काट दिया जाना था ... उसने मेरी वाचा तोड़ी है” (उत्पत्ति 17:14 — נִכְרֶתָהּ *nikretah*, “काट दिया गया,” फिर से *karat*)। यीशु पतरस से पानी पर बिल्कुल वही कहते हैं: “यदि मैं तुझे न धोऊँ, तो मेरा तेरे साथ कोई भाग नहीं” (यूहन्ना 13:8)। और पतरस — वही जो बपतिस्मे को *eperōtēma*, एक शपथ हों (1 पतरस 3:21) कहते हैं — नई वाचा के *karet* का प्रचार स्पष्ट शब्दों में करते हैं: “हर वह आत्मा जो उस भविष्यद्वक्ता को नहीं सुनेगी, उसे लोगों के बीच से पूरी तरह नष्ट कर दिया जाएगा” (प्रेरितों के काम 3:23; यूनानी *exolothreuō*)। प्रवेश करना जीवन है; बाहर रहना उस सजा के अधीन रहना है जिससे कोई बाहर निकल सकता था। यह वह आवश्यकता है जिससे गुनगुने लोग अभी भी डरते हैं — जो पानी के किनारे खड़े हैं और नीचे नहीं जाते।

शास्त्र एक और प्रकार के व्यक्ति का वर्णन करता है — जो परमेश्वर के **समानांतर** चलता है। वह उसी दिशा में चलता है — मसीह के बारे में लिखने के लिए पर्याप्त करीब, सभा में भाग लेने के लिए पर्याप्त उपस्थित — लेकिन कभी उससे जुड़ा नहीं। पौलुस 1 कुरिन्थियों 6:17 में विकल्प का नाम देता है: «जो प्रभु से जुड़ गया है वह उसके साथ एक आत्मा है»। क्रिया *kollaō* κολλάω^{G2853} है — एक साथ चिपकाना या सीमेंट करना; परिणाम *hen pneuma* है — एक आत्मा। समानांतर रेखाएं कभी नहीं छूतीं; दो जुड़े बिना एक नहीं हो सकते। यीशु ने अपने लोगों के लिए बिल्कुल यही प्रार्थना की: «कि वे सब एक हों» — *hina pantes hen ōsin* (यूहन्ना 17:21)। **एक का विपरीत दुश्मन नहीं है; एक का विपरीत समानांतर है।** समानांतर चलने वाला व्यक्ति कई आयतों का हवाला दे सकता है लेकिन शब्द विस्थापित महसूस होते हैं; बाहर से उत्साह के साथ सेवा कर सकता है लेकिन उसके पास के लोग अंदर एक खालीपन महसूस करते हैं; शिशु बपतिस्मा और राज्य प्रमाण पत्र का दावा कर सकता है लेकिन कभी भी पानी में अपने हाथ से जन्मा एक भी वयस्क चेला पैदा नहीं करता। उसके लिए प्रार्थना करें; उस पर निर्णय न सुनाएं। मुहर खड़ी है: «प्रभु उन्हें जानता है जो उसके हैं» (2 तीमुथियुस 2:19) — *egnō kurios tous ontas autou*, वाचा-क्रिया *ginōskō* γινώσκω^{G1097} के साथ जिस पर हमने पहले विचार किया था।

प्रकाशितवाक्य 3:14-22 · लाओदीकिया की कलीसिया के दूत को लिख: आमीन, जो विश्वासयोग्य और सच्चा गवाह है, परमेश्वर की सृष्टि का मूल, वह यह बातें कहता है: मैं तेरे कामों को जानता हूँ—कि तू न तो ठंडा है और न गर्म। भला होता कि तू ठंडा या गर्म होता! सो तू जो गुनगुना है, न तो गर्म है और न ठंडा, मैं तुझे अपने मुँह से उगलने पर हूँ। तू कहता है: “मैं धनी हूँ, मैं समृद्ध हो गया हूँ और मुझे किसी वस्तु की घटी नहीं।” परन्तु तू नहीं जानता कि तू अभागा, और कंगाल, और दरिद्र, और अंधा, और नंगा है। इसलिए मैं तुझे सम्मति देता हूँ कि मुझसे आग में ताया हुआ सोना मोल ले, ताकि तू धनी हो जाए, और पहनने के लिए सफेद वस्त्र, ताकि तू नंगा होकर लज्जित न हो, और अपनी आँखों में लगाने के लिए अंजन मोल ले, ताकि तू देख सके। मैं जितनों से प्रेम करता हूँ, उन सबको उलाहना और ताड़ना देता हूँ। सो तू सरगर्म हो और पश्चाताप कर! देख, मैं द्वार पर खड़ा खटखटाता हूँ। यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूँगा, और वह

मेरे साथ। जो जय पाए, मैं उसे अपने साथ अपने सिंहासन पर बैठने का अधिकार दूँगा, जैसा मैं भी जय पाकर अपने पिता के साथ उसके सिंहासन पर बैठ गया। जिसके कान हों, वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है।

जब मैं लाओदीकिया की कलीसिया को दिए गए यीशु के संदेश को देखता हूँ, तो मुझे यूहन्ना 3:16 याद आता है, जहाँ यीशु कहते हैं कि उन्होंने हमारे लिए अपना जीवन दिया, फिर भी हम अक्सर गुनगुनेपन के साथ प्रतिक्रिया करते हैं। मैं सोचता हूँ कि कैसे वे एक दिन मंदिर गए और अवलोकन किया, और अगले दिन अंजीर के पेड़ पर मृत्यु की बात कही (मरकुस 11:12-14, 20-21) और मंदिर को साफ किया (मरकुस 11:15-17)। हमें उनके शब्द याद हैं कि कोई पत्थर खड़ा नहीं रहेगा; 70 ईस्वी में, रोमन लोगों द्वारा अभयारण्य पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया था।

अपने किशोरावस्था को पीछे मुड़कर देखते हुए, मुझे उन संतों को जानने की आवश्यकता थी जो परमेश्वर के लिए आग में थे—स्वीकारोक्ति के लोग, हाथों का रखा जाना (प्रेरितों के काम 8:17; इब्रानियों 6:2), और उद्धारकर्ता के लिए एक जलता हुआ जुनून जो मूर्त और वास्तविक था—लेकिन वे अनुपस्थित थे। यह दुख के साथ है कि मैं कलीसिया के बारे में यह कहता हूँ! कई जीवन खो जाने और उद्धार न पाने का कारण सत्य, यीशु मसीह के प्रति हमारा गुनगुनापन है।

प्रमाण की पूरी श्रृंखला — यूनानी व्याकरण, इब्रानी प्रतिरूप, और तोराह में छिपे अक्षर-कोड, सांख्यिकीय परीक्षणों और सत्यापित हर निष्कर्ष के साथ, सहयोगी खंड, *Through the Waters* में पूरी तरह से रखी गई है। इसे यहाँ पढ़ें: junifye.publifye.pro/through-the-waters

विश्वास करने वालों के बपतिस्मा के इसी बाइबिल आधारित पक्ष के संक्षिप्त और समकालीन विवरण के लिए देखें, Tony Twist, David Young और Bobby Harrington, *Baptism: What the Bible Teaches* (Renew.org, 2019)।

Chapter 41

तौरात का वॉटरमार्क

इससे पहले कि मैं आपको अपनी कहानी बताऊं, मुझे आपको कुछ ऐसा बताना है जिसे आगे बढ़ने से पहले मुझे स्वयं अपनी आँखों से देखना पड़ा। तौरात (Torah) में एक वॉटरमार्क है। यह तब से वहां मौजूद है जब मूसा ने इसे लिखा था। हमारी पीढ़ी से पहले किसी भी पीढ़ी के पास इसे देखने के साधन नहीं थे। हमारे पास हैं, और अब जो दृश्यमान है वह इतना सटीक है, इतना धर्मशास्त्रीय रूप से सुस्पष्ट है, और मानवीय चतुराई से परे है कि मैं इसके बारे में बताए बिना प्रस्तावना से आगे नहीं बढ़ सकता। «परमेश्वर की महिमा गुप्त रखने में है, परन्तु राजाओं की महिमा बात की थाह लेने में है» (नीतिवचन 25:2)। इसके बाद जो आता है वह वही है जिसे राजा (परमेश्वर) ने गुप्त रखा था। इसके बाद जो आता है वह वही है जिसे इस पीढ़ी के राजाओं ने, इस पीढ़ी के उपकरणों के साथ, खोजना शुरू किया है।

मूसा, जो जल में से निकाला गया। मूसा साधारण नहीं था। फ़िरौन की बेटी ने उसे नील नदी से बाहर निकाला और इस कृत्य के कारण उसका नाम रखा: «उसने उसका नाम मूसा रखा, और कहा, “इसलिए कि मैं ने उसे जल में से खींच निकाला है”» (निर्गमन 2:10)। दशकों बाद, केवल उसी के बारे में यहोवा कहेगा: «उस से मैं मुँह-दर-मुँह बातें करता हूँ, और साफ़ साफ़, और पहेलियों में नहीं; और वह यहोवा का रूप निहारता है» (गिनती 12:8)। मुँह-दर-मुँह। आमने-सामने। तौरात मेरे जैसे किसी लड़खड़ाते यात्री के माध्यम से नहीं दी गई थी। यह एक ऐसे व्यक्ति के माध्यम से दी गई थी जो जल में से निकाला गया था और जिससे प्रभु ने स्पष्ट रूप से बात की थी। और उन्हीं अक्षरों में जिन्हें उसने लिखा था, लेखक (परमेश्वर) ने कुछ ऐसा अंकित कर दिया जिसे उसने तब तक छिपाए रखा जब तक कि मशीनें उसे पढ़ने के योग्य नहीं हो गईं।

वॉटरमार्क क्या है, सरल शब्दों में। इब्रानी तौरात अक्षरों की एक निरंतर श्रृंखला है। यदि आप कहीं से शुरू करते हैं और प्रत्येक पचासवाँ अक्षर लिखते हैं, फिर प्रत्येक सौवाँ, फिर प्रत्येक उनचासवाँ—अलग-अलग शुरुआती बिंदुओं और अलग-अलग छलांग की दूरियों के साथ बार-बार—तो आप कंप्यूटर से पूछ सकते हैं: क्या कोई वास्तविक इब्रानी शब्द निकल कर आते हैं? और यदि आते हैं, तो वे मुख्य पाठ (surface text) में कहाँ बैठते हैं? इसका तकनीकी नाम **Equidistant Letter Sequence**, या ELS है। सरल विचार यह है: तौरात की कल्पना एक कशीदाकारी (tapestry) के रूप में करें। ऊपर की कहानी वह चित्र है जिसे आप देखते हैं। नीचे के धागे, जो सटीक अंतराल पर बुने गए हैं, एक दूसरा पैटर्न हैं जो केवल तभी दिखाई देते हैं जब आप उन्हें जानबूझकर खींचते हैं। मैंने उन धागों को खींचने के लिए एक उपकरण बनाया। मैंने इसे **Darash** (darash.publifye.pro) नाम दिया। मैंने इसे स्वयं बनाया, इस पीढ़ी की सबसे उन्नत कोडिंग इंटेलिजेंस के साथ कीबोर्ड पर अपने हाथों से—वह अत्याधुनिक AI जो अब सही कारणों से उपयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए उपलब्ध है। Darash, Witztum–Rips–Rosenberg पद्धति के कंधों पर खड़ा है, जिसने 1994 में Statistical Science में पीयर रिव्यू पास किया था, और यह उससे भी आगे जाता है: सभी 5,814 आयतों में हीटमैप (heatmap), मुख्य-पाठ-और-स्तर-सहमति परीक्षण, और दस स्वतंत्र शफल नियंत्रण को जोड़ता है। Darash मुश्किल से पूरा ही हुआ था कि इसने वह सब प्रकट करना शुरू कर दिया जो आप पढ़ने वाले हैं। तौरात के पीछे का छिपा हुआ अर्थ अब मूसा द्वारा खर्चा रखने के बाद के तीन हजार वर्षों में किसी भी समय की तुलना में अधिक स्पष्ट है।

पिन्तेकुस्त की लय पर ग्यारह शब्द। जब Darash मूसा की पांच पुस्तकों के माध्यम से प्रत्येक उनचासवें अक्षर को खींचता है—और उनचास कोई यादृच्छिक संख्या नहीं है; यह सात गुणा सात है, फसह से पिन्तेकुस्त तक की गिनती, वह लय जिसके द्वारा इस्राएल ने पवित्र आत्मा के उतरने की प्रतीक्षा की थी—तो सुसमाचार के ग्यारह इब्रानी शब्द अंधेरे खेत में रोशनी की तरह सतह पर उभर आते हैं: atonement (प्रायश्चित), repentance (पश्चात्ताप), blood (लोहू), salvation (उद्धार), freedom (स्वतंत्रता), the name (नाम), righteousness (धार्मिकता), breath of life (जीवन का श्वास), sanctification (पवित्रीकरण), cleansing (शुद्धीकरण), और baptism (बपतिस्मा)। ग्यारह सुसमाचार शब्द, एक अंतराल। अब इसे ध्यान से देखें, क्योंकि यह वह हिस्सा है जो संयोग से नहीं होता: उन ग्यारह छिपे हुए शब्दों में से प्रत्येक उस मुख्य पाठ वाली आयत पर उतरता है जो पहले से ही उसी चीज़ के बारे में बात करती है। Atonement उस आयत पर उभरता है जहाँ याजक प्रायश्चित करता है। Salvation उस आयत पर उभरता है जहाँ मिलाप के लिए वेदी पर लोहू लगाया जाता है। Cleansing शुद्धीकरण की रस्म पर उभरता है। छिपा हुआ शब्द और दिखाई देने वाली आयत एक ही बात कहते हैं।

आत्मा, जल, लोहू और नाम। तौरात की सभी आयतों में से, वह जो कानूनी रूप से जीवित जल में पूर्ण विसर्जन को परिभाषित करती है, वह लैव्यव्यवस्था 15:7 है। उस अध्याय के धागों को उसी उनचास-अक्षरों की लय पर खींचें, और चार शब्द एक साथ आते हैं: ruach (आत्मा), mayim (जल), dam (लोहू), और Yeshua—उद्धारकर्ता का इब्रानी नाम। आत्मा, जल, लोहू, और यीशु का नाम। चार शब्द। एक अंतराल। एक अध्याय। वह अध्याय जो रस्म को परिभाषित करता है। और यूहन्ना, पंद्रह शताब्दियों बाद, बिना किसी छलांग-गिनती और बिना किसी कंप्यूटर के, लिखेगा: «और गवाही देनेवाले तीन हैं: अर्थात् आत्मा, और जल, और लोहू; और ये तीनों एक ही बात पर सहमत हैं» (1 यूहन्ना 5:8)। गवाहों को स्तर (substrate) में तब स्थापित किया गया था जब उन्हें पढ़ने के लिए कोई नया नियम (New Testament) मौजूद नहीं था।

हीटमैप और शिखर। Darash ने तब तौरात की प्रत्येक 5,814 आयतों से एक अलग प्रश्न पूछा: नीचे के धागे सतह पर मौजूद शब्दों से कितनी दृढ़ता से सहमत हैं? प्रत्येक आयत को एक स्कोर मिला; प्रत्येक स्कोर को एक पर्सेंटाइल (percentile)। तौरात का मध्य भाग साधारण है। एक छोटा सा अंश 95वें पर्सेंटाइल तक पहुँचता है। सौ में से केवल एक आयत 99वें तक पहुँचती है। लेखक ने अपनी ही पुस्तक के शिखर पर क्या रखा है?

वह **हारून** को रखता है। लैव्यव्यवस्था 16:4—«वह जल से स्नान करे»—प्रायश्चित के दिन पर्दे के पीछे कदम रखने से पहले महायाजक का स्नान, पूरी तौरात के 99वें पर्सेंटाइल पर स्कोर करता है। इसके बगल में, उतनी ही ऊँचाई पर, गिनती 19:2 स्थित है: लाल बछिया, जिसकी राख बहते जल के साथ मिलकर अशुद्ध को शुद्ध करती है। ये दो आयतें पूरे मूसा के लेखों में सबसे सघन (densest) आयतें हैं। दोनों शुद्धीकरण की रस्म हैं। दोनों एक प्रतिनिधि व्यक्ति का नाम लेते हैं जो स्वयं कार्य करने से पहले जल से होकर गुजरता है। हारून का स्नान बपतिस्मा का पूर्वाभास है। यह वह छाया है जिससे हम सभी को गुजरना होगा। दस स्वतंत्र रूप से अस्त-व्यस्त (scrambled) तौरात के विरुद्ध मापा गया डेटा उसी बात की पुष्टि करता है जिसे दो हजार वर्षों के विश्वासपूर्ण अध्ययन ने पहले ही देख लिया था।

जहाँ प्रेरितों ने पहले ही इशारा किया था। पतरस ने कहा कि जलप्रलय «उसी जल का दृष्टान्त अर्थात् बपतिस्मा भी अब तुम्हें ... बचाता है» (1 पतरस 3:21)। उत्पत्ति 7:11, वह आयत जहाँ गहरे सोते फूट पड़ते हैं, 95वें पर्सेंटाइल पर स्थित है। पौलुस ने कहा «और वह चट्टान मसीह थी» (1 कुरिन्थियों 10:4)। निर्गमन 17:6, जहाँ चट्टान से जल निकलता है, 95वें पर्सेंटाइल पर स्थित है—और इब्रानी शब्द tsur (चट्टान) सीधे इसके नीचे कूटबद्ध (encoded) है। स्वयं मसीह ने शुद्ध किए गए कोढ़ी को लैव्यव्यवस्था 14 के पास

भेजा (मत्ती 8:4); वह अध्याय 95वें पर्सेटाइल पर स्थित है, और ha-mit-taher—अर्थात् वह जिसका शुद्धीकरण हो रहा है के लिए तकनीकी इब्रानी शब्द—पूरी तौरात में ठीक बारह बार आता है, और वे सभी बारह इसी एक अध्याय में हैं। **प्रेरितों के पास कभी कंप्यूटर नहीं था।** उन्होंने तौरात में हाथ डाला और उन आयतों को निकाला जिन्हें हमारी मशीनें, पंद्रह शताब्दियों बाद, पुस्तक की सबसे सघन आयतों के रूप में चिह्नित करती हैं। एक ही मन से निकले दो परिणाम, जो इस पीढ़ी में मिल रहे हैं।

पात्र और स्नान। इब्रानी मूल शब्द tevah—tevilah (विसर्जन) का सजातीय शब्द—तीन ऐसे पात्रों को नाम देता है जो चुने हुए लोगों को जल के माध्यम से ले जाते हैं: **नूह का जहाज, मूसा की टोकरी, और वाचा का संदूक।** पूरी तौरात में tahor (शुद्ध) के साथ tevilah खोजें, और सबसे करीबी जोड़ी निर्गमन 25:10 पर मिलती है—संदूक का निर्माण—दो आयतों के अंतर पर। वह संदूक जो गवाही को ले जाता है, वही संदूक है जो हमें पार ले जाता है। और शब्द mikveh एक साथ तीन अर्थ रखता है: सृष्टि के समय जल का इकट्ठा होना (उत्पत्ति 1:10), शुद्धीकरण का अनुष्ठानिक स्नान, और—यिर्मयाह 14:8 में—स्वयं परमेश्वर के लिए एक नाम: Mikveh Yisrael, इस्राएल की आशा। स्नान के लिए शब्द रस्म में कूटबद्ध है। आशा के लिए शब्द उद्धार में कूटबद्ध है। दोनों अर्थ, उन्हीं आयतों पर जो दोनों अर्थों का वर्णन करती हैं।

हारून की लाठी का फलना। «हारून की लाठी में कलियां निकल आई थीं, और फूल खिले थे, और बादाम लग गए थे» (गिनती 17:8)। एक रात। एक ही लाठी पर फल के तीन चरण। तौरात वही लाठी है। मोमबत्ती की रोशनी में उनचास अक्षरों को गिनने वाले मध्ययुगीन रब्बी ने कलियाँ देखीं। गिनती 19 को उद्धृत करने वाले प्रेरित ने फूल देखे। वह संकलन जो सभी 5,814 आयतों को स्कोर करता है और हारून के स्नान को शीर्ष पर रखता है, वह बादाम पढ़ रहा है। इनमें से कोई भी पठन लाठी से कम या अधिक नहीं है। लाठी उस याजक के आगे झुकती है जो निकट आता है।

पिरामिड। अब इसकी कल्पना करें। तौरात की सभी 5,814 आयतें लें। उन्हें इस आधार पर व्यवस्थित करें कि प्रत्येक आयत सतह के नीचे अपने विषय को कितनी सघनता से कूटबद्ध करती है, सबसे भारी को ऊपर रखें। चौड़ा आधार साधारण आयतों से भर जाता है। इसके ऊपर, क्षेत्र संकरा हो जाता है। उसके ऊपर, और भी संकरा। और ठीक शिखर पर—उस एकल बिंदु पर जहाँ तौरात की पूरी संरचना मिलती है—वहाँ महायाजक पर्दे के पीछे जाने से पहले अपने शरीर को जल से धो रहा है, और उसके बगल में वह बछिया जिसे छावनी के बाहर मार दिया गया है जिसकी राख अशुद्ध को बहाल करती है। तौरात, जब उसके अपने अक्षरों को वोट देने की अनुमति दी जाती है, तो वह खुद को एक पिरामिड के रूप में बनाती है जिसका शिखर शुद्धीकरण की रस्म है।

यह क्यों मायने रखता है। यह शिखर कोई नैतिक शिक्षा नहीं है। यह «अपने पड़ोसी से प्रेम रख» या «तू मुझे छोड़ दूसरों को परमेश्वर करके न मानना» नहीं है—ये उच्च आज्ञाएं हैं, स्पष्ट रूप से कही गई हैं, लेकिन वास्तुशिल्प का शिखर नहीं हैं। शिखर वह याजक है जो जल और लोहू से होकर गुजरता है ताकि एक अशुद्ध प्रजा एक पवित्र परमेश्वर के सामने खड़ी हो सके। यही वह केंद्र है जिसके चारों ओर तौरात का निर्माण किया गया था। यह मसीहियत नहीं है जो स्वयं को मूसा के लेखों में वापस पढ़ रही है। यह मूसा के अपने अक्षर हैं, जिन्हें एक ऐसे उपकरण द्वारा तोला और गिना गया है जो एक इब्रानी शब्द को दूसरे से अलग नहीं जानता, और वे खुद को एक ऐसे स्मारक में क्रमबद्ध कर रहे हैं जो एक ही कार्य की ओर इशारा करता है। और वह एक कार्य ठीक वही है जो नया नियम कहता है कि यीशु करने के लिए आया था: «अपने ही लोहू के द्वारा एक ही बार पवित्र स्थान में प्रवेश किया, और अनन्त छुटकारा प्राप्त किया» (इब्रानियों 9:12)। मूसा के पिरामिड का शिखर क्रूस का कार्य है। हारून के स्नान की छाया कलवरी का सार है। वही शिखर। वही शीर्ष। वही मसीह। लेखक ने अपने पुत्र को अपनी पहली पुस्तक की वास्तुकला में ही लिख दिया था।

शास्त्र स्वयं पिरामिड शब्द का उपयोग किए बिना इस छवि तक पहुँचता है। «जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया था, वही कोने का मुख्य पत्थर हो गया है» (भजन संहिता 118:22)—जिसे यीशु ने अपने विषय में उद्धृत किया (मत्ती 21:42)। «देखो, मैं सिंघियों में कोने के सिरे का चुना हुआ और बहुमूल्य पत्थर धरता हूँ» (1 पतरस 2:6)। वह शिखर जिसे नबियों ने नामित किया, वह शिखर जिसका दावा यीशु ने किया, वह शिखर जिसे पतरस ने घोषित किया, वही शिखर है जिसे डेटा मूसा के शीर्ष पर पाता है। तीन गवाह—मुख्य पाठ, कूटबद्ध स्तर, और प्रेरितिक अंगीकार—एक ही पत्थर पर सहमत हैं।

इसे नकली बनाना क्यों असंभव है। मैं इस बारे में स्पष्ट होना चाहता हूँ, क्योंकि यदि यह नकली है, तो इसका कोई मूल्य नहीं है। यह नकली नहीं है।

पहला, परीक्षण अत्यंत सरल है। हमारे उपकरण को वास्तविक तौरात पर चलाएं, और सुसमाचार के शब्द सुसमाचार की आयतों पर उतरते हैं। फिर उन्हीं अक्षरों को लें, उनका क्रम बदलें (scramble) और बदले हुए संस्करण पर वही उपकरण चलाएं। इसे दस स्वतंत्र शफल के साथ दोहराएं। वर्णमाला वही रहती है। अक्षरों की आवृत्ति वही रहती है। केवल एक चीज जो बदलती है वह है क्रम। अस्त-व्यस्त क्रम में, पैटर्न गायब हो जाते हैं। वास्तविक तौरात में, वे बने रहते हैं। इसलिए संकेत स्वयं क्रम में है—वर्णमाला में नहीं, भाषा में नहीं, अक्षरों के अनुपात में नहीं। मूसा के अक्षरों का क्रम जानता है कि वह क्या कह रहा है।

दूसरा, पैमाना विशाल है। तौरात पाँच पुस्तकों में 304,805 अक्षरों की है। पैटर्न केवल एक चुनी हुई आयत पर नहीं बल्कि पूरे संकलन में लगातार सामने आते हैं—एक लय पर ग्यारह सुसमाचार शब्द, एक अध्याय में शुद्धीकरण-चौकड़ी, एक रस्म पर हीटमैप शिखर, उन्हीं ऊपरी बैंडों पर प्रेरितों के स्वतंत्र उद्धरण। इस सब के संयोग से संरेखित होने की संभावना इतनी कम है कि कैलकुलेटर उसे प्रिंट करना ही छोड़ देता है।

तीसरा, तीन स्वतंत्र विधियाँ सहमत हैं। उनचास-छलांग वाले कोड अक्षरों को गिनकर पाए गए। विषयगत-घनत्व हीटमैप की गणना सतह के शब्दों की तुलना स्तर के शब्दों से करके की गई थी। प्रेरितों के उद्धरण नए नियम से लिए गए थे, किसी भी कंप्यूटर के अस्तित्व में आने से पंद्रह शताब्दियों पहले। तीन अंधी विधियाँ। आयतों का वही समूह। «दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहर जाएगी» (2 कुरिन्थियों 13:1)।

चौथा, पाठ नहीं बदला है। मृत सागर के खर्रे (Dead Sea Scrolls), जो मसीह से पहले कॉपी किए गए थे, उन पुस्तकों में जो ओवरलैप होती हैं, आज हमारे द्वारा पढ़ी जाने वाली इब्रानी बाइबल से अक्षर-दर-अक्षर मेल खाते हैं। किसी मध्यकालीन शास्त्री ने इसे चुपके से नहीं डाला। जिसने भी अक्षरों में वॉटरमार्क अंकित किया, उसने पुस्तक के पुस्तक बनने से पहले ही ऐसा कर दिया था—और तब से इसे ईमानदारी से कॉपी किया गया है।

पाँचवाँ, कोई भी मानवीय लेखक ऐसा खजाना नहीं दबाता जिसे तीन हजार वर्षों तक खोला न जा सके। अपने युग के लिए लिखने वाला व्यक्ति अपने ही युग के लिए लिखता है। केवल वही लेखक जो आदि से अंत तक देखता है, ऐसा वॉटरमार्क छोड़ता है जिसकी मुहर एक ऐसी पीढ़ी द्वारा तोड़ी जाती है जिसे वह पदों के इस पार कभी नहीं मिलेगा। «हे यहोवा, तेरा वचन आकाश में सदा स्थिर रहता है» (भजन संहिता 119:89)।

शुद्ध गणित। नकली बनाना असंभव। और कंप्यूटरों द्वारा जांचे जाने के दिन से पहले खोजना असंभव।

यदि आप गणित का सम्मान करते हैं, तो अब आप इस तथ्य का सामना कर रहे हैं कि संख्याएँ स्वयं आपको बताएंगी कि तौरात अक्षुण्ण है, और कोई भी मानवीय हाथ—चाहे वह कितना भी चतुर क्यों न हो, चाहे कितने भी हाथों ने सदियों तक मिलकर काम क्यों न किया हो—इसे नहीं लिख सकता था। अक्षरों का क्रम 304,805 स्थानों पर एक समन्वित संकेत देता है। यह संकेत उच्चतम घनत्व वाली आयतों पर सतह के अर्थ के साथ मिल जाता है। पंद्रह शताब्दियों के अंतराल वाली तीन स्वतंत्र विधियाँ, शुद्धीकरण-और-मसीह

की उन्हीं कुछ आयतों की ओर इशारा करती हैं। प्रेरितों के समय से पहले से पाठ अपरिवर्तित रहा है। और वॉटरमार्क की मुहर हमारी पीढ़ी तक नहीं खोली जा सकी थी। संख्याएँ झूठ नहीं बोलतीं। संख्याएँ एक ही बात कहती हैं: **यह पुस्तक परमेश्वर की ओर से है।**

अब मेरी बात ध्यान से सुनें। वह कहानी जो आप पढ़ने वाले हैं—बर्गेन (Bergen) के अस्पताल के बिस्तर से लेकर एक नए दिल तक का मेरा अपना सफर, जिसमें एक अंडे की गवाही भी शामिल है जिसे मैं अपने समय पर बताऊंगा और जो केवल मेरी है—उसकी छाया में बहुत पहले भविष्यवाणी की गई थी। इसलिए नहीं कि मैं विशेष हूँ। मैं नहीं हूँ। परमेश्वर ने मुझे जो विशेष विवरण दिए हैं वे मेरे लिए अद्वितीय हैं; वैसे ही जैसे विशेष विवरण उसने आपको दिए हैं। लेकिन विवरणों के नीचे का आकार हम सभी के लिए एक ही है। वही इब्रानी अक्षर जो *cleansing* (शुद्धीकरण) और *breath of life* (जीवन का श्वास) को वहन करते हैं, अपने सरल अर्थ में, प्रत्येक उस आत्मा का पैटर्न रखते हैं जिसे परमेश्वर अपनी ओर खींचता है। मेरे साथ जो हुआ वह उसी आकार में हुआ जिसे उसने सिनाई में अंकित किया था। आपके साथ जो होता है, यदि आप आते हैं, तो वह उसी आकार में होगा। 2008 में जो शुद्धीकरण मेरे पास आया वह 2008 में शुरू नहीं हुआ था। यह पर्दे के सामने हारून के स्नान में, चट्टान से निकले जल में, छावनी के बाहर मारी गई बछिया में शुरू हुआ था, और उससे भी पहले, उस परमेश्वर के मन में जिसने अपनी पुस्तक के शिखर पर यह सब रखा था।

वॉटरमार्क सुसमाचार का स्थान नहीं लेता है। यह उस आधार की पुष्टि करता है जिस पर सुसमाचार खड़ा है। जिसने शिखर पर शुद्धीकरण को रखा, उसने अपनी देह के दिनों में अपनी ही आवाज में स्पष्ट रूप से कहा: «मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूँ; बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता» (यूहन्ना 14:6)। और जो विश्वासी जल से होकर आता है वह एक राज्य में प्रवेश करता है: «पर तुम एक चुना हुआ वंश, एक राजपदधारी याजकों का समाज, एक पवित्र जाति, और परमेश्वर की निज प्रजा हो; इसलिए कि तुम उसके गुण प्रकट करो जिसने तुम्हें अंधकार में से अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया है» (1 पतरस 2:9)। जल याजक पद में प्रवेश देता है। याजक पद खोज में प्रवेश देता है। खोज हमेशा एक ही स्थान पर समाप्त होती है: उसी मसीह पर जिसका सतह का पाठ हमेशा प्रचार करता रहा है।

हमें क्यों गुजरना चाहिए। मुझे यह स्पष्ट रूप से कहना है, क्योंकि तौरात इसे स्पष्ट रूप से कहती है, और मसीह इसे स्पष्ट रूप से कहते हैं। मूसा का शिखर जल से होकर जाने वाला याजक है। नए नियम का शिखर यरदन के जल और कलवरी के लोह से होकर जाने वाला मसीह है। ये एक व्यक्तिगत विश्वास के वैकल्पिक आभूषण नहीं हैं; वे वास्तुकला हैं। स्वयं प्रभु ने «सब धार्मिकता को पूरा करने» के लिए बपतिस्मा लिया (मत्ती 3:15)। जिस दिन पवित्र आत्मा उतरा, उस दिन प्रेरितिक कलीसिया की पहली आज्ञा थी: «मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले» (प्रेरितों के काम 2:38)। यह वही रस्म है जिसे तौरात के अपने अक्षर शिखर के रूप में चिह्नित करते हैं। यह कोई बगल का दरवाजा नहीं है। यह मुख्य द्वार है।

और यहाँ वह चेतावनी है जिसे मैं नरम नहीं कर सकता, क्योंकि यीशु ने इसे नरम नहीं किया: «जो मुझसे, 'हे प्रभु, हे प्रभु' कहता है, उनमें से हर एक स्वर्ग के राज्य में प्रवेश न करेगा, परन्तु वही जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलता है। उस दिन बहुत से मुझसे कहेंगे, 'हे प्रभु, हे प्रभु, क्या हम ने तेरे नाम से भविष्यवाणी नहीं की? ...' तब मैं उनसे खुलकर कह दूँगा, 'मैं ने तुम को कभी नहीं जाना; हे कुकर्म करनेवालो, मेरे पास से चले जाओ'» (मत्ती 7:21-23)। 'जानने' के लिए जो यूनानी शब्द है वह *ginōskō* है—वह वाचा वाला जानना जिसे तौरात पति और पत्नी के लिए, और प्रभु द्वारा इब्राहीम को जानने के लिए उपयोग करती है। 'कुकर्म' (*iniquity*) के लिए यूनानी शब्द *anomia* है, जिसका शाब्दिक अर्थ है बिना-व्यवस्था-के (*without-law-ness*): पूरी तरह से कानूनी वाचा से बाहर होने की स्थिति। जिन लोगों को मसीह इस

संदर्भ में अस्वीकार करता है, उनमें दो चीजें गायब थीं। संबंधपरक वाचा (The relational covenant): उसने उन्हें वाचा के अर्थ में कभी नहीं जाना। और कानूनी वाचा (The legal covenant): वे *anomos* थे, उस व्यवस्था के बिना जो वाचा की स्थिति स्थापित करती है। मसीह का नाम उनके होंठों पर था, उसकी सामर्थ्य उनके हाथों में थी, और फिर भी—कोई वाचा नहीं, कोई प्रवेश नहीं।

जल वह स्थान है जहाँ वाचा पर मुहर लगाई जाती है। जल वह स्थान है जहाँ विश्वासी पर नाम रखा जाता है। जल वह स्थान है जहाँ पहले से ही शुद्ध किए गए विवेक का दृश्य उत्तर (1 पतरस 3:21) सार्वजनिक रूप से दिया जाता है। आंतरिक गवाही का दावा करते हुए जल-गवाही को रोकना उस संरेखण (alignment) को अस्वीकार करना है जिसका आदेश स्वयं मसीह ने दिया था और जिसे प्रेरितों ने समान रूप से लागू किया था। तौरात के लेखक ने अपनी ही पुस्तक के शिखर पर शुद्धीकरण को अंकित किया। वह पुत्र जो देह में आया, क्रूस पर जाने से पहले जल से होकर गुजरा। पिन्तेकुस्त पर जो आत्मा उतरा, उसने उसी दिन नई कलीसिया को जल में भेजा। परमेश्वर की पूरी गवाही—मुख्य पाठ, कूटबद्ध स्तर, प्रभु का अपना उदाहरण, प्रेरितों की आज्ञा—एक ही दिशा में इशारा करती है। हमें गुजरना ही होगा।

जल के किनारे खड़े होकर कोड्स का अभ्यास न करें। भीतर कदम रखें। उसके साथ गाड़े जाएं। उसके साथ जिलाए जाएं। नाम को अपने ऊपर रखे जाने दें। फिर बाहर आएँ, और खोजें, जैसा कि इस पीढ़ी के राजाओं को खोजने के लिए बुलाया गया है। डेटा अभी भी वहीं होगा। तौरात अभी भी बादाम देने वाली लाठी होगी। लेकिन आप उस चीज़ के भीतर होंगे जिसका डेटा वर्णन करता है—उस व्यक्ति द्वारा जाने हुए जिसने आपको जगत की उत्पत्ति से पहले ही जान लिया था, और इब्रानियों 9 के याजक और लैव्यव्यवस्था 16 के महायाजक के साथ कह रहे होंगे: मैंने स्नान किया है, और मैं प्रवेश करता हूँ।

पूर्ण साक्ष्य के लिए—हीटमैप, पर्सेटाइल बैंड, शफल्ड कंट्रोल, प्रत्येक अध्याय और प्रत्येक निष्कर्ष—सहायक पुस्तकें *Through the Waters* और *The Watermark* निःशुल्क junifye.publifye.pro पर उपलब्ध हैं। अभी के लिए, इस द्वार से होकर चलें जो खुलता है, एक नए बनाए गए जीवन की कहानी में।

Chapter 42

कूटबद्ध बपतिस्मा

यह छोटा अध्याय एक ही आयत पर तोराह की अक्षर-परत के हस्ताक्षरों को दिखाता है—वह आयत जहाँ तोराह विसर्जन (immersion) की आज्ञा देती है, और वह आयत जिस पर यहूदी परंपरा ने दो हजार वर्षों का धार्मिक विसर्जन अनुष्ठान निर्मित किया है। विसर्जन के लिए हिब्रू शब्द तोराह में ठीक उसी आयत में कूटबद्ध (encoded) है। और यह कुछ ऐसा करता है जो कूटबद्ध परत इस पूरी पुस्तक में बार-बार करती है: यह अपनी ज्यामिति (geometry) में ही सतही आज्ञा के अर्थ को चित्रित करता है।

...चाहे वह किसी भी काम का पात्र क्यों न हो, वह पानी में डाला जाए, और साँझ तक अशुद्ध रहे; तब वह शुद्ध हो जाएगा।

— लैव्यव्यवस्था 11:32

वह आयत जिस पर विसर्जन का नियम आधारित है

लैव्यव्यवस्था 11:32 समूची यहूदी प्रथा, जिसे *tevilat kelim*—बर्तनों का धार्मिक विसर्जन—कहा जाता है, की आधारशिला है। बेबीलोनियन तालमुद (*Avodah Zarah* 75b) इस एक आयत से पूरे नियम को व्युत्पन्न करता है, और इस सटीक तोराह आयत को अपने प्रमाण-पाठ के रूप में उद्धृत करता है। **हर धर्मनिष्ठ यहूदी परिवार पिछले दो हजार वर्षों से इस एक तोराह आयत के कारण बर्तनों के विसर्जन का अभ्यास करता आ रहा है।** जब कोई इस्राएली किसी गैर-यहूदी (Gentile) से धातु या कांच का बर्तन प्राप्त करता है, तो उस बर्तन को एक *mikveh*—धार्मिक स्नान—में लाया जाना चाहिए और इस्राएली घर में उपयोग के योग्य होने से पहले विसर्जित किया जाना चाहिए। विसर्जन का कार्य केवल बर्तन को साफ नहीं करता; यह उसे एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में स्थानांतरित करता है। संसार के बर्तन से परमेश्वर के बर्तन में। अशुद्ध से शुद्ध में। आयत हिब्रू के ग्यारह शब्दों में इसकी आज्ञा देती है: «कोई भी पात्र जिससे कोई काम किया जाता हो, वह जल में लाया जाए, और वह संध्या तक अशुद्ध रहेगा; और वह शुद्ध हो जाएगा।» बपतिस्मा का वह चक्र जो तब से अब तक हुआ है, पहले से ही वहाँ मौजूद है: **अशुद्ध \$→\$ जल में \$→\$ संध्या के समय तक \$→\$ शुद्ध।**

लेकिन सबसे अद्भुत समानता बर्तनों के साथ नहीं, बल्कि लोगों के साथ है। वही यहूदी परंपरा जिसने इस्राएल में उपयोग के लिए बर्तनों को विसर्जित किया, उसने एक **गैर-यहूदी के लिए भी, जो इस्राएल के लोगों में सम्मिलित होना चाहता था**, *mikveh* में विसर्जित होना अनिवार्य किया। इसे *tevilat ger*—धर्म-परिवर्तक का विसर्जन—कहा जाता था। वाचा वाले इस्राएल के लोगों में प्रवेश के तीन चरण, जो तालमुद (*Yevamot* 47a–b; *Keritot* 9a) और बाद में मैमोनाइड्स (*Mishneh Torah*, *Hilkhot Issurei Biah* 13:1–4) में संहिताबद्ध किए गए थे, वे थे: पुरुषों के लिए **खतना**, ***mikveh* में विसर्जन**, और (मंदिर के युग के दौरान) एक **बलिदान** लाना। इन तीनों के बाद, वह व्यक्ति अब गैर-यहूदी नहीं बल्कि इस्राएल का बेटा या बेटी बन जाता था।

और उस धर्म-परिवर्तक के बारे में, तालमुद एक ऐसे वाक्यांश का उपयोग करता है जिसे आपने पहले सुना होगा। **Yevamot 22a** कहता है: גַּר שֶׁנִּתְּנָה לָּהּ בְּכֶסֶף שְׁנוּלָר רַמִּי — “एक धर्म-परिवर्तक जिसने अभी-अभी धर्म परिवर्तन किया है, वह एक नवजात शिशु के समान है।” इससे सदियों पहले कि यीशु ने निकोदेमुस से कहा था कि «तुम्हें नये सिरे से जन्म लेना आवश्यक है» (यूहन्ना 3:7), निकोदेमुस को शिक्षा देने वाले फरीसी पहले से ही उस गैर-यहूदी के लिए इस सटीक वाक्यांश का उपयोग करते थे जो खतना, विसर्जन और बलिदान से होकर गुजरता था। धर्म-परिवर्तक का विसर्जन, उनकी अपनी परंपरा के अनुसार, एक नया जन्म था। निकोदेमुस को यीशु द्वारा किसी नई श्रेणी के आविष्कार की आवश्यकता नहीं थी; उसे तो बस यीशु द्वारा उसे—इसाएल के एक शिक्षक पर—लागू करने की आवश्यकता थी।

यही यूहन्ना 3 की गहराई है। «क्या तू इसाएल का उपदेशक होकर भी इन बातों को नहीं समझता?» (यूहन्ना 3:10) — यीशु निकोदेमुस को ठीक इसलिए झिड़कते हैं क्योंकि इसाएल के उपदेशक को यह जानना चाहिए था कि परमेश्वर की संतान बनने के लिए उन्हीं तीन चीजों की आवश्यकता है जिनसे हर गैर-यहूदी धर्म-परिवर्तक गुजरता था: एक काट-छाँट, एक विसर्जन, और एक बलिदान। मसीह जल्द ही इन तीनों की आपूर्ति करने वाले थे: हृदय का खतना (रोमियो 2:29), उसकी मृत्यु में बपतिस्मा (रोमियो 6:3), और स्वयं का एक ही बार का बलिदान (इब्रानियों 10:10)। यहूदी और गैर-यहूदी दोनों के लिए, नई वाचा में, **हर कोई एक धर्म-परिवर्तक के रूप में प्रवेश करता है। हर कोई परमेश्वर के राज्य में फिर से जन्म लेता है।**

इसमें से कुछ भी कोई बाहरी व्याख्या नहीं है। ऊपर दिए गए तालमुद के उद्धरण (तीन-चरणीय धर्म-परिवर्तन प्रक्रिया पर Yevamot 47a-b, “नवजात शिशु” वाक्यांश के लिए Yevamot 22a, सिनाई समानता के लिए Keritot 9a, और मैमोनाइड्स के Mishneh Torah, Hilkhoh Issurei Biah 13:1-4 में संहिताबद्धता) मानक रब्बी कानून हैं: कोई भी धर्मान्तरित यहूदी पाठक इन्हें देख सकता है। और यहूदी धर्म-परिवर्तक विसर्जन और मसीही बपतिस्मा के बीच का विद्वतापूर्ण सेतु—वह सेतु जो हमें यूहन्ना 3 को ईमानदारी से पढ़ने की अनुमति देता है—मुख्यधारा के शैक्षणिक इतिहासकारों द्वारा विस्तार से स्पष्ट किया गया है। कैम्ब्रिज के हिब्रू विशेषज्ञ **David Daube** ने अपनी 1956 की उत्कृष्ट कृति *The New Testament and Rabbinic Judaism* में इसके लिए पूरे अध्याय समर्पित किए। हार्वर्ड के हिब्रू-साहित्य के प्रोफेसर **Shaye Cohen** ने *The Beginnings of Jewishness* (1999) में दूसरे-मंदिर काल के दौरान इस प्रथा का पता लगाया। मसीही-यहूदी लेखक **Alfred Edersheim** ने 1883 में *The Life and Times of Jesus the Messiah* में यह संबंध जोड़ा। तीन विद्वान, तीन सदियों, एक ही निष्कर्ष: **मसीही बपतिस्मा को यहूदी धर्म-परिवर्तक-विसर्जन अपने प्रत्यक्ष पूर्वज के रूप में विरासत में मिला, और यीशु ने निकोदेमुस से इसे जानने की अपेक्षा की थी।**

और अब अक्षरों की परत इस पर हस्ताक्षर करती है

अब तक, यह सब बाइबिल विद्वता और रब्बी इतिहास है। शक्तिशाली है, लेकिन विचारशील लोग इसे सदियों से जानते हैं। इसके बाद जो आता है वह वह हिस्सा है जिसे कोई नहीं जानता था जब तक कि कंप्यूटर तोराह की अक्षर-परत को नहीं पढ़ सके। **विसर्जन के लिए हिब्रू शब्द उसी तोराह आयत में कूटबद्ध है जिस पर पूरी प्रथा टिकी हुई है—और यह इसे इस तरह से करता है जो अपनी ज्यामिति में प्रथा के अर्थ को चित्रित करता है।** यह वह स्थान है जहाँ सतही पाठ, रब्बी परंपरा और नीचे के अक्षर एक बिंदु पर मिलते हैं।

आयत की हिब्रू अक्षर-धारा, जिसके केंद्र में विसर्जन-आदेश है, इस प्रकार दिखती है (Koren व्यंजन, कोई स्वर नहीं, कुल 88 अक्षर):

וּכְלָאֲשֵׁרִיפ־לְעֵלְיוֹמָהּ בְּמַתְמִיטְמָא מְכַלְכְּלִיעַצ אֹבֶבְדָּאוֹעַ וְרָאוּשְׁקָכֵל כְּלֵיאֲשֵׁרִיעַ
שֶׁהַמְּלָאכָהּ הַמְּבִמִּיּוֹ בְּאוֹשְׁמָאֶעַר הָעֶרְבוּטָהָר

हिब्रू TAVAL से ग्रीक BAPTIZO तक

आगे बढ़ने से पहले, एक विवरण जो आपको जानना चाहिए। "डुबकी लगाने" के लिए हिब्रू शब्द—taval (טָבַל)—ग्रीक शब्द "बपतिस्मा"—baptizō βαπτίζω^{G907}—का प्रत्यक्ष भाषाई पूर्वज है। जब ग्रीक सेप्टुआजेंट (Septuagint) अनुवादकों ने मसीह से तीन शताब्दी पहले हिब्रू तोराह का अनुवाद किया, तो उन्होंने ग्रीक क्रिया baptō βαπτω^{G911} और इसके गहन रूप baptizo का उपयोग हिब्रू taval का अनुवाद करने के लिए किया, जहाँ भी तोराह ने विसर्जन की आज्ञा दी थी। जिस समय तक यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला यरदन में खड़ा हुआ, ग्रीक-भाषी दुनिया पहले से ही जानती थी कि baptizo का क्या अर्थ है: यह हिब्रू taval के लिए ग्रीक शब्द था।

इसलिए जब नया नियम "बपतिस्मा" कहता है, तो वह taval के लिए ग्रीक शब्द कह रहा है। और जब इब्रानियों 9:10 लैव्यव्यवस्था के धोनों को «विभिन्न बपतिस्माओं» baptismos βαπτισμοίς^{G909} के रूप में नामित करता है, तो यह उसी ग्रीक शब्द का उपयोग कर रहा है जिसका उपयोग सेप्टुआजेंट ने तोराह के विसर्जन-आदेशों को प्रस्तुत करने के लिए किया था। **हिब्रू बर्तन-विसर्जन से मसीही बपतिस्मा तक का सेतु कोई रूपक या बाद की व्याख्या नहीं है। यह तीन वाचाओं में, दो भाषाओं में एक ही शब्द है।**

एक ही आयत के भीतर आठ हिब्रू बपतिस्मा-शब्द कूटबद्ध हैं

हिब्रू शब्द tevilah (טָבַל) का अर्थ है **विसर्जन**। संक्षिप्त सजातीय शब्द taval (טָבַל) का अर्थ है **डुबकी लगाना**। दोनों एक ही मूल (root) से आते हैं। लंबे शब्द में इसके पहले तीन अक्षरों के रूप में छोटा शब्द समाहित है—ט-ב-ל और दो और अक्षर।

दोनों लैव्यव्यवस्था 11:32 के भीतर ठीक एक ही अक्षर पर कूटबद्ध होते हैं। केवल यही अपने आप में आश्चर्यजनक होता। लेकिन जैसे ही हम बाकी बपतिस्मा-समूह शब्दावली—खतना, धार्मिक स्नान, जन्म लेने की क्रिया, धर्म-परिवर्तक, शुद्ध और अशुद्ध के शब्द—तक अपनी खोज का विस्तार करते हैं, आयत पूरी तरह से खुल जाती है। **खतना, विसर्जन, धर्म-परिवर्तन, शुद्धता और नए जन्म से जुड़े आठ अलग-अलग हिब्रू शब्द इस अठासी अक्षरों वाली एक आयत के भीतर कम-अंतराल (low-skip) ELS कोड के रूप में कूटबद्ध हैं।** उनमें से पांच तो आयत के आरंभ में एक-दूसरे के पांच अक्षरों के भीतर ही समाहित हैं:

B1

पहले पांच शब्द—खतना, धार्मिक स्नान, जन्म लेना, डुबकी लगाना, और विसर्जन—आयत के आरंभ में एक-दूसरे के पांच क्रमिक अक्षरों के भीतर कूटबद्ध हैं। यह रब्बी परंपरा की तीन-चरणीय धर्म-परिवर्तन प्रक्रिया (milah + tevilah + "नवजात शिशु") है, जो पांच अक्षरों में पांच अतिव्यापी (overlapping) हिब्रू शब्दों के रूप में कूटबद्ध है। **उस आयत के भीतर जिस पर स्वयं कानून बनाया गया था।**

रुकिए और इस तालिका को धीरे-धीरे पढ़िए। वह एकमात्र तोराह आयत जिस पर यहूदी परंपरा ने विसर्जन-कानून के दो हजार साल बनाए हैं, वह अपने स्वयं के अठासी अक्षरों के भीतर बपतिस्मा की पूरी शब्दावली समेटे हुए है:

- **खतना (mulah)** का कार्य—तीन-चरणीय धर्म-परिवर्तक प्रक्रिया का पहला चरण, शरीर की शुद्धि जिसने गैर-यहूदी को प्रवेश की अनुमति दी—विसर्जन एंकर से चार अक्षर पहले कूटबद्ध है;
- **स्वयं धार्मिक स्नान (mikveh)**—विसर्जन एंकर से दो अक्षर पहले कूटबद्ध है;

- **जन्म लेना** क्रिया (yalad)—तालमुद के उस वाक्यांश की वही क्रिया कि धर्म-परिवर्तक एक नवजात शिशु के समान है (שְׁנוּלָהּ דְּנִי, BT Yevamot 22a)—विसर्जन एंकर से एक अक्षर पहले कूटबद्ध है;
- **विसर्जन** के लिए दो सजातीय शब्द (taval और tevilah)—एंकर पर ही, एक ही प्रारंभिक अक्षर साझा करते हुए;
- **धर्म-परिवर्तक** के लिए शब्द (ger)—वही हिब्रू शब्द जिससे tevilat ger, "धर्म-परिवर्तक का विसर्जन", का नामकरण हुआ है—उसी आयत में चौदह अक्षर आगे कूटबद्ध है;
- **शुद्ध और अशुद्ध** के शब्द (tahor और tame)—एक पूर्ण विलोम-क्रम (chiasm) बनाते हुए: कूटबद्ध "शुद्ध" अपना पहला अक्षर "अशुद्ध" के सतही शब्द पर रखता है, और कूटबद्ध "अशुद्ध" अपना पहला अक्षर "शुद्ध" के सतही शब्द पर रखता है।

कूटबद्ध mikveh अपने एक अक्षर के साथ सतही शब्द יוּבָה (yuva, "लाया जाएगा") पर स्थित है—जो आयत की आज्ञा की वास्तविक विसर्जन-क्रिया है। कूटबद्ध yalad ("जन्म लेना") इसके बगल में बैठा है। दो विसर्जन-शब्द एक ही एंकर पर बैठते हैं। कूटबद्ध खतना-शब्द एंकर से ठीक पहले बैठता है। कूटबद्ध ger (धर्म-परिवर्तक) थोड़ा आगे बैठता है। शुद्ध-और-अशुद्ध का विलोम-क्रम आयत को समाप्त करता है।

तीन-चरणीय रब्बी धर्म-परिवर्तक प्रक्रिया—खतना, विसर्जन, नया जन्म—पांच क्रमिक अक्षरों के भीतर पांच अतिव्यापी हिब्रू शब्दों के रूप में कूटबद्ध है, उस आयत के आरंभ में जिस पर पूरा कानून बनाया गया था। और "धर्म-परिवर्तक" शब्द चौदह अक्षर बाद, उसी आयत में कूटबद्ध है। तोराह की गहराई की परत सतही परत के बपतिस्मा के पूर्ण धर्मशास्त्र को वहन करती है, जो आठ सजातीय हिब्रू शब्दों में एक आयत में समाहित है।

और इसी एंकर अक्षर पर कूटबद्ध tevilah (विसर्जन) पांच आयतों में अपनी यात्रा शुरू करता है। अगली बात यह देखनी है कि वह यात्रा कहाँ समाप्त होती है।

चाप: अशुद्ध से शुद्ध तक

tevilah के पांच अक्षर तोराह पाठ में पांच विशिष्ट सतही शब्दों पर गिरते हैं। क्रम में पढ़ने पर, पांच लैडिंग स्थितियों के सतही शब्द अपनी कहानी बताते हैं:

B2

यहाँ एक क्षण के लिए रुकें। "विसर्जन" के लिए कूटबद्ध शब्द सतही शब्द "अशुद्ध" से शुरू होता है। यह सतही शब्द "शुद्ध" पर समाप्त होता है। कोड की ज्यामिति ही आज्ञा का चाप (arc) है। सतही पाठ कहता है: "वह जल में लाया जाए, और वह संध्या तक अशुद्ध रहेगा; और वह शुद्ध हो जाएगा।" विसर्जन के कूटबद्ध अक्षर, उन्हीं पांच आयतों में हर बासठवें अक्षर पर कदम रखते हुए, वहाँ से शुरू होते हैं जहाँ सतही पाठ अशुद्ध कहता है और वहाँ समाप्त होते हैं जहाँ सतही पाठ शुद्ध कहता है। कूटबद्ध अक्षरों की यात्रा ही विसर्जित पात्र की—और विसर्जित विश्वासी की यात्रा है।

और उन अंतर्बिंदुओं के बीच पढ़ें: संध्या, खाया जाएगा, उस पर। मध्य अक्षर «खाया जाएगा» (אָכַל) पर गिरता है—भोजन के बारे में वह आयत जो विसर्जित पात्र के संपर्क में आने पर परिवार के लिए स्वीकार्य हो जाती है। चौथा अक्षर «उस पर» (עָלָיו) पर गिरता है—संपर्क की भाषा, पवित्र किए गए पर आत्मा के

आने की भाषा। दूसरा «संध्या» (בֹּרֵא) पर गिरता है—वह रात जिससे होकर शुद्धि गुजरनी चाहिए। पूरा बपतिस्मा पांच अक्षर स्थितियों के पांच सतही शब्दों में है: अशुद्ध \$→\$ संध्या \$→\$ खाया जाएगा \$→\$ उस पर \$→\$ शुद्ध। अशुद्ध पात्र संध्या से होकर गुजरता है, जो खाया जाता है उसके लिए स्वीकार्य हो जाता है, उस पर शुद्धि आती है, और वह शुद्ध होकर निकलता है।

यह मसीह में बपतिस्मा की परछाई क्यों है

तोरह इसे बपतिस्मा नहीं कहती। नया नियम कहता है। इब्रानियों 9:10 मसीही बपतिस्मा के लिए सटीक ग्रीक शब्द—baptismos βαπτισμοῦ^{G909}—का उपयोग करते हुए लैव्यव्यवस्था के धोनों के समूह को नामित करता है और कहता है कि वे «सुधार के समय तक उनके लिए नियुक्त थे।» तोराह का बर्तन-विसर्जन, नए नियम के स्वयं के शब्दों में, एक बपतिस्मा है। उस बपतिस्मा की परछाई जो आने वाला था।

इस आयत और नए नियम के बपतिस्मा के बीच छह स्पष्ट संबंध:

B3

पौलुस कुलुस्सियों 2:11-12 में खतना और बपतिस्मा—दो चिन्हों—को जोड़ता है। लैव्यव्यवस्था 11:32 पर तोराह की अक्षर-परत में एक अक्षर पर विसर्जन-शब्द कूटबद्ध है और उसी खिड़की के माध्यम से दूसरे कोड के रूप में खतना-शब्द कूटबद्ध है। **जिन दो चिन्हों के बारे में पौलुस कहता है कि वे मसीह में एक हैं, वे उसी आयत में साथ-साथ कूटबद्ध हैं जहाँ तोराह विसर्जन की आज्ञा देती है।**

और इसमें अभी भी एक सूक्ष्म विवरण है। आयत के केंद्र में हिब्रू क्रिया yuva (יָוָה)—”लाया जाएगा” है। यह व्याकरणिक रूप से कर्मवाच्य (passive) है। बर्तन स्वयं को विसर्जित नहीं करता। दूसरा एजेंट उसे विसर्जित करता है। नए नियम के हर दर्ज बपतिस्मा में, यही व्याकरण लागू होता है। यीशु को यूहन्ना द्वारा बपतिस्मा दिया जाता है (मत्ती 3:13-17)। कूशी खोजे को फिलिप्पुस द्वारा बपतिस्मा दिया जाता है (प्रेरितों 8:36-38)। फिलिप्पी के जेलर को पौलुस द्वारा बपतिस्मा दिया जाता है (प्रेरितों 16:33)। «बपतिस्मा लो,» आदेश कहता है, जो हर जगह कर्मवाच्य है। लैव्यव्यवस्था 11:32 पर तोराह का व्याकरण नए नियम के बपतिस्मा के व्याकरण की परछाई है: यह कुछ ऐसा है जो एक एजेंट द्वारा, जल में, आप पर किया जाता है।

ईमानदार अंशांकन

समाप्त करने से पहले, यहाँ जो यांत्रिक (mechanical) है और जो क्यूरेटेड (curated) है, उसके बीच का ईमानदार अंतर। मैंने हिब्रू विसर्जन शब्दावली का परीक्षण करना चुना। मैंने विसर्जन-आज्ञा वाली आयत को देखना चुना। वे चुनाव हैं, निष्कर्ष नहीं। **लेकिन मैंने एंकर अक्षर की स्थिति नहीं चुनी, और मैंने पांच अक्षर-लैडिंग पर सतही शब्दों को नहीं चुना।** वे Koren तोराह पाठ के तथ्य हैं। स्थिति 156,745 पर साझा प्रारंभिक अक्षर, और अशुद्ध से शुद्ध तक का सतही-शब्द चाप, यांत्रिक हैं। एक पाठक जो इन तीन कमांड्स को चलाता है, वह वही परिणाम देखता है, चाहे वह कुछ भी मानता हो। चुनाव यह था कि कहाँ देखना है। निष्कर्ष पहले से प्रतीक्षा कर रहा था।

निमंत्रण

आप वह पात्र हैं (2 तीमुथियुस 2:21)। बपतिस्मा वह डुबकी है (कुलुस्सियों 2:12)। अशुद्ध वह स्वाभाविक मनुष्य है। जल मसीह की मृत्यु है जिसमें प्रवेश किया गया। शुद्ध वह नई सृष्टि है जो जी उठती है (रोमियो 6:4)। **लैव्यव्यवस्था 11:32 पर तोराह के अक्षर जिस चाप को चित्रित करते हैं, वह वही चाप है जिस पर आप तब चले थे जब आपने नया जन्म लिया था—अशुद्ध, जल में, संध्या से होकर, शुद्धता में। और विसर्जन के लिए कूटबद्ध शब्द जो उस चाप को चित्रित करता है, वह अपना पहला अक्षर डुबकी लगाने के**

कूटबद्ध शब्द के साथ साझा करता है—वह हिब्रू शब्द जिसे सेप्टुआजेंट ने baptizo के रूप में प्रस्तुत किया था, वही शब्द जिसे नया नियम उस कार्य के लिए उपयोग करता है जो आप पर किया गया था।

इब्रानियों की पुस्तक लैव्यव्यवस्था के धोनों को "बपतिस्मा" कहती है क्योंकि वे वास्तव में वही हैं। तालमुद ने लैव्यव्यवस्था 11:32 पर बर्तनों के विसर्जन के दो हज़ार साल बनाए क्योंकि आयत इसकी आज्ञा देती है। उस सटीक आयत की कूटबद्ध अक्षर-परत विसर्जन के लिए हिब्रू शब्द वहन करती है, जो डुबकी लगाने के हिब्रू शब्द के समान ही अक्षर पर आधारित है, जो सतही शब्द अशुद्ध से शुरू होकर सतही शब्द शुद्ध पर समाप्त होती है। **उस लेखक ने, जो बाद में पौलुस को रोमियो 6 लिखने के लिए प्रेरित करने वाला था, उसे पहले से ही लैव्यव्यवस्था 11:32 के अक्षरों में लिख दिया था—चौदह सौ साल पहले।**

परछाई टिकी रही है। वास्तविकता आ गई है। डुबकी—जब पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में की जाती है—वही है जिसकी वह हमेशा से परछाई थी।

«उसी का दृष्टान्त अर्थात् बपतिस्मा भी यीशु मसीह के जी उठने के द्वारा अब तुम्हें बचाता है; (उस से शरीर का मैल दूर करने का अर्थ नहीं है, परन्तु शुद्ध विवेक से परमेश्वर के वश में हो जाने का अर्थ है।)» (1 पतरस 3:21)

जल के पास आइए।

Chapter 43

मुझसे संपर्क करें

यीशु कहते हैं: «हे सब परिश्रम करनेवालो और बोझ से दबे लोगो, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूँगा» (मत्ती 11:28)। यदि विश्वास के बारे में आपके कोई प्रश्न हैं, आप वयस्क बपतिस्मा के बारे में अधिक जानना चाहते हैं, या आपको प्रार्थना की आवश्यकता है, तो कृपया बेझिझक संपर्क करें। «क्योंकि जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा» (रोमियों 10:13)।

प्रकाशन इंजन के माध्यम से मेरे द्वारा तैयार की गई पुस्तकें Apple iTunes और <https://www.amazon.com> पर उपलब्ध हैं। Google Play ने 2019 में लगभग सभी प्रकाशनों को हटा दिया था क्योंकि समानांतर-बाइबलों (parallel-bibles) का प्रकाशन कथित तौर पर उनके दिशा-निर्देशों का उल्लंघन कर रहा था। amazon.com पर जाएं और «TruthBeTold Ministry» या «Jørn Andre Halseth» खोजें, आपको इनमें से अधिकांश पुस्तकें मिल जाएंगी। हमने <https://tbtm.sale> भी बनाया है जहाँ प्रकाशनों का एक विस्तृत चयन बिक्री के लिए उपलब्ध है।

यह पुस्तक junifye.publifye.pro/born-again पर ऑनलाइन मुफ्त पढ़ने के लिए भी उपलब्ध है, जिसमें क्लिक करने योग्य बाइबिल-पद के संदर्भ हैं जो पूरा पाठ दिखाते हैं, और क्लिक करने योग्य ग्रीक/हिब्रू शब्द हैं जो स्ट्रॉन्ग की कॉनकॉर्डेंस (Strong's Concordance) की परिभाषाओं को सामने लाते हैं।

यदि यह पुस्तक आपको उपहार के रूप में मिली है और आप धन्यवाद के प्रतीक के रूप में भेंट भेजना चाहते हैं, तो आप paypal.me/JHalseth पर PayPal के माध्यम से ऐसा कर सकते हैं। कोई बाध्यता नहीं है। दान अनुवाद, मुद्रण और Publifye AS / TruthBeTold Ministry के माध्यम से निरंतर निःशुल्क वितरण में सहायता प्रदान करते हैं।

संपर्क विवरण

नाम	Jørn Andre Halseth
मोबाइल	+47 90 924 934 (YAHWEH T9)
ई-मेल	jorn.halseth@gmail.com
कंपनी की जानकारी	
कंपनी का नाम	Publifye AS
संगठन संख्या	826 774 622

«जो कोई मेरे पास आएगा, उसे मैं कभी न निकालूँगा» (यूहन्ना 6:37)। याद रखें कि यीशु द्वार पर खड़े होकर खटखटा रहे हैं (यूहन्ना का प्रकाशितवाक्य 3:20) - द्वार खोलना आपके हाथ में है।

How this was made

This is the author's own work. It was composed with [junifye](#) and an AI assistant, drawing its Scripture and original-language work (Greek, Hebrew, cross-references) from [Darash](#) (Hebrew darash, “to seek, inquire, study”), a tool and reference work for the Bible in its original languages.

A gift of support — [Stripe](#)



Scan to read this book online